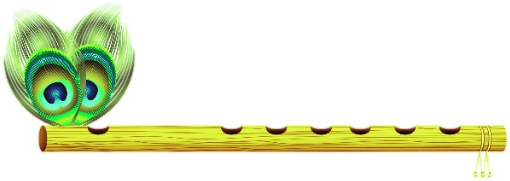

स्वर वंशी के

शब्द नूपुर के

...

चतुर्थ संस्करण
प्रकाशित २५ मार्च २०१८
श्रीरामनवमी, चैत्र, शुक्लपक्ष, २०७४ विक्रम सम्वत्

श्री मानमंदिर सेवा संस्थान
Shri Maan Mandir Sewa Sansthan
http://www.maanmandir.org
ms@maanmandir.org

राधे राधे

अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका....................................i-v
भूमिका...vi
प्रकाशकीय....................................vii
नमामि ब्रजोद्धारकम्.....................viii-x

श्री स्वामिनी कृपाष्टक............................१-५
श्रीहरिचरणाष्टक................................६-११
श्रीवृषभानु तनुजाष्टक.........................१२-१४
अद्भुत राधा नाम अद्भुत.......................१५
अनुरागिनीश्री सुस्नेहिनीश्री....................१६-१७
अलकलड़ी श्रीराधा................................१८
कृपामयी राधा गौरांगी............................१६
कृष्ण कृष्ण कह बारम्बारा.......................२०
कृष्ण कृष्ण गोविन्द राधेश्याम.....................२१
कृष्ण कृष्ण जय सुन्दरश्याम.....................२२
कृष्ण कृष्ण श्रीराधारमण हरे.....................२३
कृष्ण कन्हैया वंशी बजैया........................२४
कृपा विग्रहे जै श्रीराधे...........................२५
कृपासिन्धु जय राधे राधे........................२६
कृष्ण-प्रिया श्यामा................................२७
कृष्णे स्वर्ण सरिद् रस वाहिनी...................२८
कीर्तिकुमारि मृगाक्षि दयामयि...................२६-३०
गिरिधर नागर जय मुरलीधर.....................३१
गिरिधर राधे राधे श्याम..........................३२
गिरिधारी भानु-दुलारी..............................३३
गिरिधारी हे बालमुकुन्दा..........................३४
जय जय राधा गोपाल हरे........................३५
गोविन्द जय जय गोपाल जय जय................३६
गोविन्द भजो गोपाल भजो......................३७
गोविन्दा गोविन्दा जै राधे.......................३८
गोविन्दा राधे श्रीराधे राधे.......................३६
गोविन्दा गोविन्दा गिरिधारी रे....................४०
गोवर्धन गिरिधारी रे...........................४१-४२
चन्द्रमुखी राधा श्रीराधा...........................४३
चपला प्रिया मेघ पिय............................४४
चम्पक लतिका श्याम तमाला....................४५
जयति स्वामिनी देवी राधा......................४६
जयति जय राधिके राधे.........................४७
जय जयति युगल-चरणारविन्द....................४८
जयति नीलमणि जै नंदनंदन.....................४६
जय हरिवंश के राधावल्लभ........................५०
जै राधे श्याम जय जै.............................५१
जय जय श्रीहरि राधे..............................५२
जय श्रीराधा जय श्रीकृष्ण..........................५२
जय श्रीराधे जय श्रीराधे..........................५३
जय श्रीश्यामा जय श्रीश्याम......................५४
जय श्रीराधे जय नंदनंदन........................५५
जय बरसानो गाम जै जै.........................५६
जय प्रोद्दामा प्रेमा प्यारी.........................५७
जय गौरांगी श्यामा राधे.........................५८
जय गोपाल जय गोपाल..........................५६
जय राधे श्रीराधे...................................६०
जय राधे श्रीराधे नित्य.............................६१
जय राधे राधे राधे.................................६२
जय राधे राधे श्रीराधे.............................६३
जै राधे राधे कृष्णप्रिये...........................६४
जय राधे राधे राधिके..........................६४-६५
जय राधे जय राधे जय............................६६
जय राधे जय श्रीराधे.............................६७
जय राधा जय राधा राधा.........................६८
जय राधिका जय राधिका.........................६६
जय राधावर जय राधावर.........................७०
जय राधारमण गोविन्द कन्हैया....................७१
जय राधामोहन श्याम गोविन्दा....................७२
जय राधाकृष्ण गोविन्दे.............................७३
जय राधा कृष्ण गोविन्दा..........................७४
जय जय श्रीराधिकेश..............................७५
जय जय श्रीराधा सुख भामिनी...................७६
जय जय वृषभानु दुलारी..........................७७
जय जय राधे जय घनश्याम.......................७८

जै जै राधे गोविन्द..................................७९
जय जय राधे गोविन्दा गोपाल......................८०
जै जै राधे गोविन्द जै जै............................८१
जै जै राधे राधे कृष्ण गोपाल.......................८२
जै जै राधारमण कन्हैया.........................८२-८३
जय जय राधा प्यारी................................८४
जय जय राधारानी..................................८५
जय जय राधा नाम रस.............................८६
जय जय नव यौवनी श्रीराधा.......................८७
जय जय नव कुन्जन की रानी....................८८
जय जय कृष्ण-प्रिया राधा.........................८९
ठाकुर श्रीघनश्याम राधिका.........................९०
ठाकुर की ठकुरानी राधा...........................९१
दामिनी कोटि किरणमाला..........................९२
दामोदर कृष्णचन्द्र करुणा...........................९३
दीनन के नाथ दयाल रे............................९४
दीनबंधु घनश्याम लाड़िली..........................९५
दीनबंधु जय दीनानाथ मेरी.........................९६
दीनबंधु जय दीनानाथ..............................९७
दीनानाथ दयाल संवारिया..........................९८
धन धन राधा चरण रेणु जय......................९९
नटवर श्याम किशोरी भोरी.......................१००
नमो नमो किशोरी वल्लभा........................१००
नवल लाड़िली भोरी भारी.........................१०१
नंदगांव घनश्याम है कृष्ण.........................१०२
नंदनंदन वृषभानु-किशोरी.........................१०३
नंदनंदन मनमोहन प्यारो..........................१०४
नंदनंदन घनश्याम श्रीराधे...................१०४-१०५
प्रेम का ये मंत्र है जपे...........................१०६
प्रेम रूप रस आनन्द जोरी.......................१०७
प्रेममयी विग्रहिणी राधा.............................१०८
प्यारी हस्तिपका गजमोहन....................१०९-११०
प्यारी प्यारी किशोरी राधे..........................१११
प्यारी प्यारी राधारानी..............................११२
प्यारी राधा सुहागिनी...............................११३
पतितन-पावन कृष्ण राधावर......................११४
प्राणबन्धु प्राणनाथ गिरिधारी.......................११५
बरसाने वारी राधे मैं शरणी री...................११६
बांके बिहारी बोलो, गिरिवर.......................११७
भज भानुनंदिनी, श्याम-संगिनी....................११८
भज राधा जय गौरांगी.............................११९
भज ले राधे जय श्रीराधे..........................१२०
भज ले केशव कृष्ण कन्हैया.....................१२१
भजो करुणा निधान घनश्याम................१२२-१२३
भजो कृपामयी वृषभानु-लली.....................१२४
भजो कृपामयी वृषभानुजा..........................१२५
भजो दयामयी वृषभानु-लली.......................१२६
भजो गौर नील राधे कृष्ण.......................१२७
भजो प्यारी राधा प्रिया प्रिया.....................१२८
भजो ब्रजजन विपद विराम...................१२९-१३०
भजो भक्तन के प्रतिपाल..........................१३१
भजो भानु-किशोरी श्रीश्यामा.....................१३२
भजो भानुदुलारी राधा.............................१३३
भजो भानु-दुलारी श्रीनंदजु के....................१३४
भजो राधा रंगीली मेरो श्याम.....................१३५
भजो राधारमण श्रीगोविन्दजी......................१३६
भजो राधावर श्याम युगल चरणा................१३७
भजो रे कन्हैया श्रीराधा रंगीली..................१३८
भजो रे प्यारे प्रियतम श्रीघनश्याम...............१३९
भजो रे भैया राधे राधे.........................१४०-१४१
भजो रे मन राधे राधे श्याम.....................१४२
भजो राधे कृष्ण श्याम हरि......................१४३
भजो राधे कृष्ण कृष्ण भज राधे..................१४४
भजो राधे गोविन्दा श्रीराधे........................१४५
भजो राधे गोविन्दा गोपाल हरि..................१४६
भजो राधे राधे श्रीराधाविहारी.....................१४७
भानुदुलारी गिरिवरधारी............................१४८
भानुदुलारी शरण तिहारी..........................१४९
भानु दुलारी सुंदरी जै.............................१५०
भानुलली लाड़िली भानुलली...................१५१-१५२
मन भज कृष्ण कन्हैया............................१५३
मन याद करो श्रीराधा के श्रीचरण...............१५४
मन राधे कृष्ण राधे...............................१५५
महारानी लाड़िली महारानी........................१५६
माथे सोहै मोर पंख अरु.........................१५७
माधव! निज पद करहु.......................१५७-१५८

माधवी माधवा जयति जयति........................१५६
माधवी राधिका कृष्ण वल्लभे..................१६०-१६१
मेरी अलक लड़ैती लाड़िली........................१६२
मेरे मन मंदिर में एक बार.......................१६३
मेरो तो सहारो राधारानी के..................१६४-१६५
युगल नाम श्रुतिसार है.......................१६६-१६७
राधारानी की जय महारानी की...................१६८
राधा माधव शरण अभयकर.......................१६६
राधामाधव कुंज-विहारी.............................१७०
राधामोहन रासविहारी...............................१७१
राधावल्लभ राधावल्लभ.............................१७२
राधावल्लभ कुंजविहारी.......................१७२-१७३
राधावल्लभ कृष्ण कृपाल...........................१७४
राधारमण राधावर श्याम जै.......................१७५
राधारमण गोविंद सांवरिया..........................१७६
राधा रस विलासी रसिक.........................१७७
राधा श्रीघनश्याम लाड़िली....................१७७-१७८
राधावर राधावर राधावर भज रे..................१७६
राधा-कृष्ण कुंज-विहारी.......................१८०-१८१
राधिका राधिका राधा गोविन्दा......................१८२
राधे कृष्ण गोपालकृष्ण..............................१८३
राधे कृष्ण बोल लाडले राधे.......................१८४
राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे...................१८५
राधे राधे कुँवर कन्हैया........................१८६-१८७
राधे-श्याम रटो उमरिया थोरी.....................१८८
राधे श्याम राधे श्याम बोल.......................१८६
राधे राधे बोलो गोपाल कृष्ण......................१६०
राधे राधे बोल राधे राधे बोल.....................१६१
राधे राधे बोल......................................१६२
राधे राधे गोविन्द बोलो रे.........................१६३
राधे! सुधासार श्रीकाये!.............................१६४
राधे गोविन्दा श्रीराधे श्रीराधे...................१६५-१६६
राधे गोविन्दा भजो वृन्दावन चंदा................१६७
राधे गोविन्दा गोपाल राधावर......................१६८
राधे गोविन्द गोविन्द गोपाला......................१६६
राधे राधे गोपाला जय राधे.......................२००
राधे राधे राधे गोपाल कृष्ण.......................२०१
राधे राधे राधे प्रेम अगाधे....................२०२-२०३
राधे गोपाला जय नंदलाला.........................२०४
राधे कृष्ण भजो राधे कृष्ण........................२०५
राधे कृष्ण राधे कृष्ण..............................२०६
राधे राधे माधव-कृष्ण हरे.........................२०७
राधे गोविन्दा, राधे गोविन्दा........................२०८
राधे अलबेली सरकार........................२०६-२१०
लाड़िली लाड़िली श्याम की राधा..................२११
वत्सलता की राशि किशोरी........................२१२
वृन्दावन चन्द्र भजो राधे श्रीराधे.................२१३
वृषभानु-किशोरी लाड़िली............................२१४
वृषभानु-दुलार, वृषभानु-दुलार......................२१५
श्यामे कृपां कुरु..............................२१६-२१७
श्यामा मण्डल मण्डली.............................२१८
श्यामा चरण-रेणु जय जय..................२१८-२१६
श्याम सुंदर नंदलाल राधा..........................२२०
श्याम सुन्दर गिरिधारी..............................२२१
शत शत प्रणाम...............................२२२-२२३
श्रीपद शरणागति दिव्य.............................२२४
श्रीराधे श्याम रटो लाड़िली.........................२२५
श्रीराधे गहवरवनवारी...............................२२६
श्रीराधे श्रीराधे गोविन्दा गोपाल....................२२७
श्रीराधे श्रीराधे दीन-शरण्या श्रीराधे................२२८
श्रीराधिके श्रीराधिके.................................२२६
श्रीराधा हरि श्रीगिरिधारी............................२३०
श्रीराधे गोविन्दा गोपाल.............................२३१
श्रीकुंजविहारिणी प्यारी राधे........................२३२
श्रीकृष्णः शरणं मम.................................२३३
श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे.........................२३४
श्रीराधे श्रीराधे कृष्ण जीवनी.......................२३५
स्वामिनी राधे रानी श्रीराधे........................२३६
स्वामिनी राधिका, स्वामिनी.........................२३७
हरि कौ नाम, हरि कौ............................२३८
हरि-राधा युगल किशोर रे.........................२३६
हरि हरि बोल हरि हरि बोल................२४०-२४१
हरि बोल हरि बोल................................२४२
हरि हरि शरणं हरि हरि..........................२४३
हरे! मधुपते! नीलमणे! प्रिये!......................२४४
हरे मुकुन्द राधे गोविन्द...........................२४५

हे हे कृपाकटाक्षसुवर्षिणि............................२४६
हे गौरांगी! हे गोविन्दा............................२४७
हे रसिके! नवतरुणी........................२४८-२४६
हे रे वंशी वारे..................................२५०
हरि रमणी हरि रमणी...........................२५१
हरि राधा दूलह श्याम...........................२५२
त्राहि त्राहि करुणाशीले............................२५३
त्राहि त्राहि मां त्राहि त्राहि मां....................२५४

परिशिष्ट...........२५५

आँधरे की लाकड़ी है.............................२६४
कृपा करो कृपा करो.............................२६१
कृपामयी कृपा करो..............................२६८
गोरे चरण तिनकी शरण..........................२६६
चरणन की बलिहारी जाहि.......................२७२
जय जय जय श्रीराधा नाम......................२६३
जय राधे श्रीराधे...................................२५८
तेरा ही द्वार सच्चा दीनों...........................२७३
तेरे चरणन छोड़ मैं..............................२६०
द्वार मैं आयो तेरे माँगू...........................२५८
भजो राधारानी, भजो राधारानी...................२७२
मेरी अंखियों में आवो............................२६७
मेरी गति मति जीवन राधे......................२५६
मेरो मोहन मुरली वाला..........................२७०
मैं तो तेरी शरण मैं तो..........................२६२
माँगू मैं श्री जी राधारानी........................२५६
राधा गोरी औ श्याम रसिया.....................२७१
राधा ही की भक्ति...............................२५७
राधारानी मेरी है.................................२६५
राधे किशोरी दया करो..........................२७४
श्रीजी की शरणागति..............................२५६
सब नामों में है प्यारा राधानाम.................२६६

कीर्तनरसेश्वरी.......२७५

महामंत्र या युगलमंत्र की रागबद्ध सरलतल ध्वनियाँ...२७६

राग

अडाणा..................................३१६-३१७
अल्हैया बिलावल..............................२७७
अहीर भैरव.....................................२६८
आनन्द भैरव...................................३४६
आनन्दी कल्याण...............................३७०
आभोगी कान्हरा...............................३४२
आसावरी...३१२
कलावती...२६०
काफी..३११
कामोद..३३६
कालिंगड़ा.......................................२६६
किरवानी..३८५
केदार..३३४
कोमलरिषभ आसावरी..........................३०१
खम्बावती.......................................३५५
खमाज..२८४
गारा...२६२
गुर्जरी तोड़ी....................................३६८
गुणकली..३५१
गोरख कल्याण.................................२६४
गौड़मल्हार.....................................२८७
गौड़ सारंग.....................................३३८
गौरी श्री अंग की..............................३६४
गौरी भैरव अंग की............................३६५
गांधारी..३१६
चन्द्रकौंस.......................................३६६
चारूकेशी.......................................३८६
छायानट..३३७
जयजयवन्ती...........................२८८-२८६
जैतश्री..३२५
जोगिया...२६६
जौनपुरी...३१३
झिंझोटी...३६७
तिलंग...३७५
तिलक कामोद.................................२८६
तोड़ी..३०६

दरबारी कान्हरा..........................३१४-३१५
दुर्गा.......................................२९१
देवगिरि बिलावल...............................३८२
देवगंधार......................................३१८
देश...२८५
देशकार..२८०
धानी..३७८
धनाश्री (खमाज अंग)...........................२८१
धनाश्री (भीमपलासी अंग)........................३८०
धनाश्री (भैरवी अंग)...........................३७९
नटभैरव..३५०
नायकी कान्हरा.................................३६२
नूर सारंग.....................................३६०
पटदीप...३७२
प्रभात भैरव...................................३४७
परज...३२४
पूरिया धनाश्री................................३२२
पूर्वी...३२०
पूरिया...३२८
पूरिया कल्याण.................................३३०
पीलू...३४०
पहाड़ी...३६६
बसंत...३२३
बसंतमुखारी....................................३५२
बिहाग..२७८
भटियार..३४५
भूपाली या भूप..................................३३२
भूपेश्वरी.......................................३८४
भैरव...२९५
भैरवी..३००
मधुकौंस.......................................३४३
मधुमाद सारंग..................................३५८
मधुवंती..३७१
मलयालम (दक्षिणी)..............................३९३
मारवा..३२६
मारू विहाग.....................................३४४
मालकौंस.......................................३०२
मालगुन्जी......................................३५७
मिश्रमांड......................................२८३
मीरा मल्हार...................................३९१
मेघ मल्हार....................................३७३
मंगल भैरव....................................३४८
मांड..२८१
मांड..२८२
यमनी बिलावल.................................३८३
यमन...३३१
रजनी कल्याण..................................३७४
रागेश्री.......................................३५६
रामकली..२९७
ललित..३२९
विलासखानी तोड़ी...............................३५३
वैरागी भैरव...................................३४६
श्याम कल्याण..................................३८६
शहाना...३८७
शिवरंजनी......................................३१०
शुद्ध कल्याण...................................३३५
शुद्ध सारंग....................................३५६
शोभावरी (शुद्ध गुणकली).........................३८८
शंकरा...२७९
श्री..३२१
सामंत सारंग...................................३७७
सालगवरारी तोड़ी...............................३५४
सुघराई..३६२
सुघराई कान्हरा.................................२९३
सूर मल्हार....................................३९१
सूहा..३६१
सोहनी...३२७
हमीर..३३३
हिण्डोल.......................................३३६
हेमंत..३७६
हंसकिंकिणी....................................३४१
हंसध्वनि.......................................३६३
संगीत स्वरलिपि के सांकेतिक चिन्ह....३९४

भूमिका

नाद-ब्रह्म सों संगीत है व शब्द ब्रह्म सों साहित्य है। दोनूं के सामंजस्य में ही परिपक्व सारस्य है, जो कि युगल श्रीराधा-माधव कौ सम्मिलित विग्रह है। समस्त अनन्त दिव्य कलान कौ प्रादुर्भाव नंदसूनु से दृढ़ परिरब्धा निष्पन्दगात्री कोई प्रेम मूर्ति किशोरी सों ही है।

काचिद्वृन्दावन नवलता-मन्दिरे नंदसूनो-
र्दृप्यद्दोष्कंदल दृढ परीरम्भ निष्पंद गात्री
दिव्यानन्ताद्भुत रसकलाः कल्पयन्त्याविरास्ते
सांद्रानन्दामृत रस-घन प्रेम-मूर्तिः किशोरी।

उनके नूपुर सों प्रस्फुटित नृत्यबोलन सों मिलकर वंशी सुस्वरित बजै है याही सों "स्वर वंशी के शब्द नूपुर के"।

ब्रज में ग्वारिया वंशी बजावै है। अतः स्वरन में सरलता है। कण स्वर, मींड, खटके, कोष्ठक, स्वर व अर्द्धमात्रिक स्वर के न होयवे सों सरलता होते हुए भी शब्दन में कहीं-कहीं क्लिष्टता सम्भव है क्योंकि नूपुर के नृत्यबोल सर्वगम्य नहीं होय हैं। परन्तु कृपागम्य तो हैं ही। स्वर द्राक्षापाक है तो शब्द नारिकेलपाक किन्तु सबै रसपाक है।

"स्वर वंशी के शब्द नूपुर के"

श्री युगल ! वस्तु तुम्हारी-तो समर्पण की विडम्बना क्यों ? केवल कृपा याचना ही है।

प्रकाशकीय

श्री राधा मानबिहारी लाल की कृपा-प्रसाद का प्रथम पुष्प ''रसिया रसेश्वरी'' के कई संस्करण प्रकाश में आ चुके हैं। तृतीय पुष्प ''कीर्तन रसेश्वरी'' के तीन संस्करण प्रकाशित हुए, किन्तु अब वह अप्राप्त है। अत: वर्तमान संस्करण के प्रकाशन की आवश्यकता थी।

श्री युगल ही इसके इष्ट हैं, जैसा कि नाम से ही प्रथम विज्ञप्ति हो जाती है- **''स्वर वंशी के शब्द नूपुर के''**। श्री कृष्ण की वंशी व उनकी आत्मा श्रीराधिका के नूपुर की कृपा मानते हुए मैंने इसे प्रकाशित करने का प्रयत्न किया है। विच्युतियों के लिए क्षमा प्रार्थी होता हुआ रसिक भक्तों की कृपा का अभिलाषी हूँ।

- उनका कोई एक

नमामि ब्रजोद्धारकम्

तर्कोऽप्रतिष्ठः श्रुतयो विभिन्ना, नासावृषिर्यस्यमतं न भिन्नम् ।
धर्मस्य तत्त्वं निहितं गुहायां, महाजनो येन गतः स पन्थाः ॥

(महाभारत, वन पर्व ३/१३/११७)

न श्रुतियों में मतैक्य है, न स्मृतियों में ही।

मुनियों के मत में भी ऐक्य कहाँ?

धर्म का तत्व तो गुहा में ही छिपा हुआ है।

तब कैसे ढूँढ़ें? कहाँ जाएं? क्या करें?

व्यथित होने की आवश्यकता नहीं, ये महापुरुष जिस मार्ग का सृजन करते हुए गये हैं, **न स्खलेन्न पतेदिह** – आरूढ़ हो जाओ उस मार्ग पर, जहाँ न स्खलन का भय है, न पतन का ही फिर हम जैसे भ्रांत परिश्रान्त पथिकों के लिए इन महापुरुषों का देदीप्यमान जीवन-चरित्र ही तो निर्भ्रान्त पथ-प्रदर्शक है।

धन्य तो है इस वसुन्धरा का पवित्र अंचल जो सदा से सन्त परम्परा से विभूषित होता रहा है।

महाकवि भवभूति की भविष्य वाणी –

'उत्पत्स्यते तु मम कोऽपि समानधर्मा ।
कालो ह्ययं निरवधिर्विपुला च पृथ्वी ॥'

ऐसी पावन परम्परा में, संसार प्रवास की स्वल्पावधि में विपुल लोकोपकार करने वाले इन महापुरुष का अवतरण भी किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति हेतु ही हुआ है।

आंशिक झलक

भक्तिमती श्रीमती हेमेश्वरी देवी तथा श्री बलदेव प्रसाद शुक्ल जी की दीर्घ कालीन शिवाराधना से जगतीतल पर प्रथम प्रभात देखा।

अन्न प्राशन के दिन प्रवृत्ति-परीक्षा हेतु बालक के सामने अन्न, द्रव्य, वस्त्र, शस्त्र और धर्म ग्रन्थ जब रखे गये तो श्रीमद्भगवद्गीता के अतिरिक्त बालक को सब कुछ अलक्षित ही रहा; झट से गीता को उठाया और मुख में भर लिया, गीता का सचल स्वरूप जो ठहरे। पिता ज्योतिष के प्रकाण्ड पण्डित थे ही, क्षणभर में बालक का ललाट पढ़कर माता से बोले – यह बालक केवल तुम्हारे लिए ही उत्पन्न नहीं हुआ है, विशेष कार्य की सिद्धि के लिए अवतरण हुआ है इसका।

शनैः-शनैः अप्रतिम प्रतिभा भी प्रकट होने लगी। शैशव से ही बड़ा धीर, गम्भीर व्यक्तित्व रहा।

एक बार पिताजी के साथ मदनमोहन मालवीय जी के घर भजन कार्यक्रम में गये। पिताजी के घनिष्ठ मित्रों में थे महामना श्री मदन मोहन मालवीय जी, बालक के गाम्भीर्य को देख बोले – शुक्ल जी! संसार में प्रवृत्त नहीं होगा यह अलौकिक बालक।

अभी साढ़े चार वर्ष की अल्प सी अवस्था थी कि पिता दिवंगत हो गये। यह असामयिक अवसान (देहान्त), माता जी के लिए असह्य अवसाद का कारण बना किन्तु बालक का तो जैसे "समत्वं योग उच्यते" का पाठ पढ़कर ही प्रादुर्भाव हुआ था। विलक्षण-वैराग्य, अद्भुत्-त्याग, और प्रभु के प्रति अभूतपूर्व उत्कण्ठा निरन्तर बढ़ ही रही थी। रह-रहकर श्री मन्महाप्रभु का अद्वैताचार्य के प्रति उपदेश स्मरण हो आता।

"विना सर्वत्यागं भवति भजनं न ह्यसुपतेः"

सर्वत्याग के बिना भगवान् का भजन नहीं होता है।

इस उपदेश की स्मृति से गृह-त्याग की भावना और तीव्र हो उठती।

सोलह वर्ष की सुकुमार अवस्था में गृहत्याग का कठोर संकल्प भी दृढ़ हो गया।

स्थिति यह हो चली थी कि –

दिन नहिं भूख, रैन नहीं निद्रा, यो तन पल पल छीजै।
'मीरा' के प्रभु गिरिधर नागर, मिलि बिछुरन नहिं दीजै॥
सजन! सुध ज्यूँ जाणौं त्यूँ लीजै।

निस्तब्ध रात्रि, बलुआ घाट (इलाहाबाद) पर बैठ जाते और निहारते रहते यमुना की नीली धारा! न जाने कौन-सी कहानी कह देती ये सरिता की लहरें कि नेत्रों से अविराम अश्रुप्रवाह होता रहता। कृष्ण-स्पर्श से पुलकित और आनन्दित होकर यह वही यमुना हैं जो ब्रज से चली आ रही हैं फिर प्रेम में तो प्रत्येक वस्तु-पदार्थ प्रियतम के रूप में ही प्रतिभासित होता है। समुद्र का नीला जल यमुना और चटक पर्वत गिरिराज रूप हो गया श्री मन्महाप्रभु के लिए।

एक जैसी ही होती है सब महापुरुषों की अन्तःस्थिति।

अद्भुत है यह प्रेमोन्माद!

काहां करों काहां पाओं ब्रजेन्द्रनंदन।
काहां मोर प्राणनाथ मुरलीवदन॥
काहारे कहिव केवा जाने मोर दुःख।
ब्रजेन्द्रनन्दन बिनु फाटे मोर बुक॥

(चै.चरि.मध्यलीला.२.परिच्छेद१४, १५)

किसी से कहना सुनना तो व्यर्थ है।

और फिर किसकी सामर्थ्य है जो इस स्थिति को समझ सके।

विरह कथा कासूं कहूँ सजनी, बह गई करवट ऐण।
दरस बिन दूखण लागे नैन।

(मीरा जी)

ब्रज की ओर बढ़ते कदम

धाम-धामी के साक्षात्कार की चिर अभिलाषा ने अंततः गृहत्याग करा ही दिया।

इष्ट के भरोसे भागे, बिना टिकट ट्रेन में बैठने पर टी.टी. ने पकड़ा और हथकड़ी डाल दी। मुकदमा जज के सामने पेश हुआ। अब क्षण भर का विलम्ब भी असह्य हो रहा था मन को, अश्रुपूरित नेत्र कुछ अरुण हो उठे, ओष्ठ भी फड़कने लगे।

'तुम बिना टिकट ट्रेन में चढ़े', जज ने केवल इतना ही पूछा।

'जी हाँ, मेरे पास पर्याप्त द्रव्य नहीं था, जो है वह इतना ही है', कहकर दो-चार आने उसकी मेज पर बिखेर दिये। 'आप यह ले लें और मुझे तुरन्त छोड़ दें, मैं ब्रज-दर्शन को निकला हूँ।'

वाणी में एक छटपटाहट व अवरोधों के प्रति रोष था। जज को छोड़ना पड़ा।

अवरोधों को चीरते हुए लक्ष्य की प्राप्ति की।

वनवास के बाद मिला ब्रजवास

इतनी सहज नहीं है यह प्राप्ति।

अब से साठ वर्ष पूर्व कैसा रहा होगा चित्रकूट का अरण्य स्थल।

इतनी सघनता थी कि ढूढ़ने पर भी पथ न मिले। इतना विस्तार कि दौड़ने पर भी छोर न मिले। बाँके सिद्ध की गुफा, ददरी का जंगल, मारकुण्डी आश्रम, शरभंग आश्रम, अमरावती, सुतीक्ष्ण आश्रम, अनुसूया आश्रम, बिराध कुण्ड, भरत कूप आदि दुर्गम स्थलों की चमत्कारपूर्ण यात्रा ने भी एक नवीन इतिहास रचा। अब बारी थी उस चिरप्रतीक्षित धरा की प्राप्ति की, जहाँ वह रसमय ब्रह्म नित्य लीलायमान है।

प्रियतम के प्राकट्य स्थल ब्रजमण्डल में प्रवेश करते ही प्राणों में अनन्तानन्द सिन्धु उच्छलित हुआ – अ हा हा! दिव्य है यह भूमि!

अद्भुत है यहाँ रस का अखण्ड प्रवाह!

यहाँ का चराचर रस का मूर्त रूप है!

रस वैभव सम्पन्न इस धाम का दर्शन कर सद्यः मन अपने संकल्प के लिए दृढ़ हो गया। बस फिर क्या था, श्रीजी के अन्तरंग परिकर, ब्रज रस रसिक, पूज्य बाबा श्री प्रिया शरण जी महाराज का सानिध्य प्राप्त कर 'अखण्ड ब्रजवास' जीवन का व्रत हो गया। ब्रज का संरक्षण, सम्वर्धन करते हुए सम्पूर्ण जीवन ब्रज सेवार्थ समर्पित करने वाले इन महापुरुष का तपोमय जीवन भक्तिपथ के सर्वविध पथिकों के लिए अनुकरणीय बन गया।

गंगा की भाँति निर्मल, हिमांचल की भाँति अचल, भास्कर की भाँति तेजस्वी, शिशु सी सरलता, जल सी तरलता, वृक्ष सी सहिष्णुता – गीता का सही प्रतिनिधित्व करने लगा यह व्यक्तित्व।

महाभाग्यवान हैं वे जन, जिन्होंने आपका साक्षात्कार किया है, कर रहे हैं और करेंगे।

अन्तहीन है यह प्राण कथा ....

फिर यह चरित्र लिखने की क्षमता, पटुता व सच्चरित्रता भी तो नहीं है।

आपके श्री चरणों में कोटि-कोटि प्रणति।

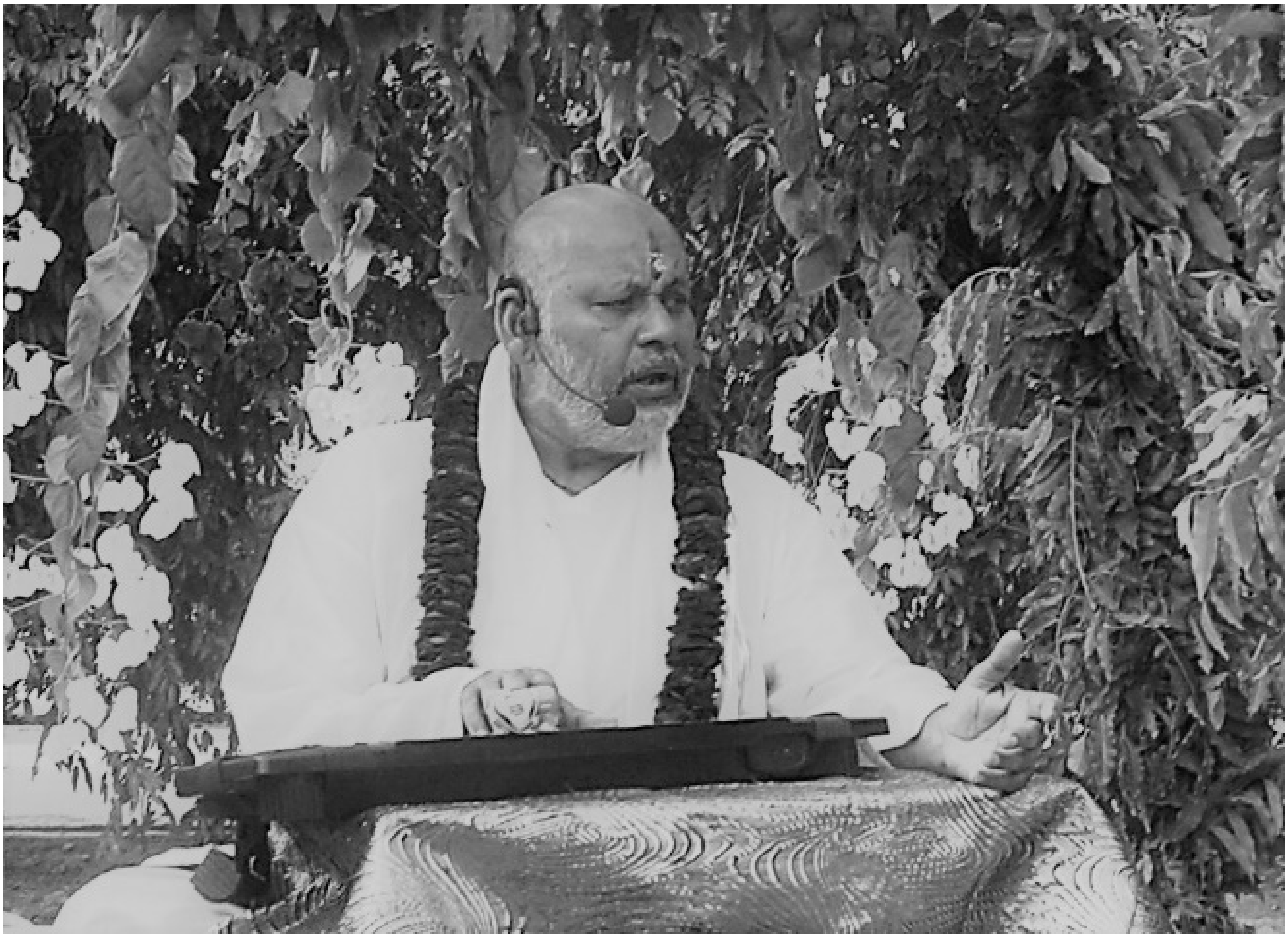

श्रीस्वामिनी कृपाष्टक

कृपा कटाक्ष जासु की अनंत लोक-पावनी।
कथा-प्रवाह-केलि की समस्त ताप-नाशनी॥
सुनाम सिद्ध राधिका, अशेष सिद्धि दायिनी।
शुभेक्षणे कृपामयी प्रसन्न ह्वै कृपा करो॥ १॥

भावार्थ :-

जिनकी कृपा-कटाक्ष अनन्त लोकों को पवित्र करने वाली है, "(तव कथामृतं तप्त जीवनं....... विहरणं च ते ध्यान मंगलं)" जिनके केलि-प्रवाह की कथा समस्त तापों को नष्ट करने वाली है, तथा "राध्" संसिद्धौ अपने राधा नाम से ही स्वत: सिद्ध है, व समस्त सिद्धियों की दात्री है, ब्रह्मपर्यंत को भी रस सिद्धि देने वाली है। वे शुभदृष्टि वाली कृपामयी प्रसन्न होकर हम पर कृपा करें॥ १॥

अनन्त पूर्ण चन्द्रमा लजावनी सुशोभिते।
अनन्त चंचला निकाय मर्दनी सुगौरते॥
अनन्त मार चाप भंजनी सुभौंह भंगिके।
शुभेक्षणे कृपामयी प्रसन्न ह्वै कृपा करो॥ २॥

भावार्थ :-

पूर्णिमा के अनन्त चन्द्र-मण्डलों को लज्जित करने वाली जो उनसे भी अधिक शोभित है, जिनकी गौरता अनन्त दामिनियों के समूह को भी परास्त कर देती है, जिनके भ्रू-मण्डल की भंगिमा अनन्त काम -कोदण्डों का भंजन करने वाली हैं- वे शुभदृष्टि वाली कृपामयी प्रसन्न होकर हम पर कृपा करें॥ २॥

सुदिव्यप्रेम साररूप विग्रहे प्रमोदिनी।
तरंगिणी सुरंगिणी निकुंज-मंच राजिनी॥
स्वकांत क्रोडशायिनी विलास-मध्य हासिनी।
शुभेक्षणे कृपामयी प्रसन्न ह्वै कृपा करो॥ ३॥

भावार्थ :-

''देवी कृष्णमयी प्रोक्ता राधिका परदेवता। सर्वलक्ष्मीमयी सर्वकान्तिः संमोहिनी परा'' सर्वथा अमानवी देवी, जो महाभाव आदि साररूप दिव्य प्रेम के भी सार विग्रह वाली सदा प्रमोद रूपिणी रंगोत्सवों की तरंगों से युक्त निकुंज-पर्यंक पर विराजने वाली हैं, अपने कांत की गोद में शयन करने वाली विलास-मध्य हास्ययुक्त हो जाती हैं, वे शुभदृष्टि वाली कृपामयी प्रसन्न होकर हम पर कृपा करें॥ ३॥

नवीन प्रेम माधुरी प्रपूरिते किशोरिके।
नवीन भाव भाविते नवीन-दिव्य-गोरिके॥
नवीन नागरेन्द्र-गोपमौलि-चित्त-चोरिके।
शुभेक्षणे कृपामयी प्रसन्न ह्वै कृपा करो॥ ४॥

भावार्थः-

जो नवनवायमान प्रेम की माधुरी से भरी हुई नित्य किशोरी हैं, सदा ही अभिनव भावों से युक्त होकर दिव्य-नूतन-नायिका ही बनी रहती हैं। इसी से नित्य-नवीन, नागर, शेखर, गोप, चूड़ामणि श्रीकृष्ण के चित्त को चुराने वाली हैं; वे शुभदृष्टि वाली, कृपामयी प्रसन्न होकर हम पर कृपा करें॥ ४॥

सदा उरोज-युग्म पै सुकांत मूर्ति धारिणी।
अनंग रंग वर्षिणी प्रहर्षिणी गयन्दिनी॥
रसेश्वरी ब्रजेश्वरी प्रपन्न शोक शोषिणी।
शुभेक्षणे कृपामयी प्रसन्न ह्वै कृपा करो॥ ५॥

भावार्थ :-

जो सदा विहार काल में अपने युगल-वक्षोजों में प्रतिबिम्बित सुंदर वल्लभ श्रीकृष्ण-विग्रह को धारण करके अनंगोत्सवों की वर्षा करती हुई प्रहर्षित होकर गजगामिनी चलती हैं। जो रसकी ईश्वरी हैं। ब्रज की ईश्वरी हैं। शरणागत के शोक का शोषण करने वाली हैं। वे शुभदृष्टि वाली कृपामयी प्रसन्न होकर हम पर कृपा करें॥ ५॥

भ्रमत्सु-भृङ्गसंपुटे पदारविन्दनूपुरे।
नितम्ब बिम्ब किंकिणी मराल शब्द शब्दिते॥
खणत्खणत्सुहस्त-पद्म-चूरिके वरप्रदे।
शुभेक्षणे कृपामयी प्रसन्न ह्वै कृपा करो॥ ६॥

भावार्थ :-

जिनके श्रीचरण-कमलों में शब्दायमान नूपुर, कमल-कोष में उड़ते हुए भ्रमर-पंक्ति के समान नाद कर रहे हैं। जिनके श्रोणि मण्डल में किंकिणी समूह राजहंसों के क्वणन के समान कलरव करता है, जिनके सुन्दर कर-कमलों में खनखनाती हुई चूड़ियां हैं, वे वर देने वाली एवं शुभदृष्टि वाली कृपामयी प्रसन्न होकर हम पर कृपा करें॥ ६॥

मिलिन्द नंदलाल की प्रफुल्ल हेम-पद्मिनी।
चकोर नंदसूनु की हिमांशु बिम्ब रूपिणी॥
प्रवीन मीन श्याम के विहार की तड़ागिनी।
शुभेक्षणे कृपामयी प्रसन्न ह्वै कृपा करो॥ ७॥

भावार्थ :-

नायक शिरोमणि नन्दलाल भ्रमर के लिए जो खिली हुई स्वर्णकमलिनी हैं, नन्द-नन्दन चकोर के लिए जो चन्द्र-बिम्ब रूप वाली हैं, अति प्रवीण श्यामसुन्दर मीन के लिए जो विहार हेतु सरोवर रूपा हैं। वे शुभदृष्टि वाली कृपामयी प्रसन्न होकर हम पर कृपा करें॥ ७॥

अलिन्द भानुमंदिरे सखीन संग खेलिनी।
कलिंद नंदिनी निकुंज मंदिरे सुकेलिनी॥
निकुंज गह्वरे मिलत्सुनाह वेग झेलिनी।
शुभेक्षणे कृपामयी प्रसन्न पाद सिर धरो॥ ८॥

भावार्थ :-

जो वृषभानु-भवन की देहरी पर सखियों के संग खेला करती हैं। जो यमुना तट निकुंज भवन में केलि-परायणा हैं जो नित्य-विहार-स्थल गहवर निकुंज में मिलन को प्राप्त होने वाले सुन्दर वल्लभ के वेग की आधार रूपा हैं, वे कृपामयी प्रसन्न होकर अपने श्रीचरण हमारे मस्तक पर स्थापित करें॥ ८॥

स्थाई

सां	**- - -**	**- रें सां**	**नी सां नी**	**ध प म**	**ग स ग**	**प म ग**
कृ	पाऽ क	टाऽ क्ष	जाऽ सु	कीऽ अ	नं ऽ त	लोऽ क

रे ग रे	**सा - -**
पाऽ व	नी ऽ क

सा - -	**ग - -**	**म - -**	**- - ग**	**सा - ग**	**प - म**
था ऽ प्र	वाऽ ह	के ऽ लि	कीऽ स	म ऽ स्त	ता ऽ प

रे - -	**सा - ग**
नाऽ श	नीऽ सु

नी सा -	**ग - म**	**प - ध**	**प - -**	**- - ध**	**नी - सां**
ना ऽ म	सिऽ द्ध	रा ऽ धि	काऽ अ	शे ऽ ष	सि ऽ द्धि

प नी ध	**प - -**
दाऽ यि	नीऽ शु

प नी ध	**प म प**	**ग - प**	**म - ग**	**सा - ग**	**प - म**
भे ऽ क्ष	णे ऽ कृ	पा ऽ म	यी ऽ प्र	स ऽ न्न	ह्वै ऽ कृ

रे - -	**सा -**
पाऽ क	रो ऽ

अंतरा

म	**ग - म**	**ध - नी**	**सां - -**	**- - -**	**नी - -**	**सां नी सां**
अ	नं ऽ त	पू ऽ र्ण	चं ऽ द्र	मा ऽ ल	जाऽ व	नीऽ सु

रें सां नी	**ध प नी**
शोऽ भि	ते ऽ अ

नी - -	**- - ध**	**प - ध**	**प - म**	**प - ध**	**सां - नी**
नं ऽ त	चं ऽ च	ला ऽ नि	का ऽ य	म ऽ र्द	नी ऽ सु

ध - -	**प - नी**
गौ ऽ र	ते ऽ अ

सां - नी	**सां ध -**	**सां - नी**	**सां - -**	**रें - -**	**सां रें गं**
नं ऽ त	मा ऽ र	चा ऽ प	भं ऽ ज	नी ऽ सु	भौं ऽ ह

रें गं रें	**सां - गं**
भं ऽ गि	के ऽ शु

गं - रें	**गं - रें**	**सां रें -**	**नी - -**	**सां - रें**	**सां रें गं**
भे ऽ क्ष	णे ऽ कृ	पा ऽ म	यी ऽ प्र	स ऽ न्न	पा ऽ द

रें गं रें	**सा -**
सि र ध	रो ऽ

श्रीहरिचरणाष्टक

कलाप-काल जाहि के भ्रमद्भ्रुवाणु सों भगैं।
अपांग अंकुराव लोक मंगलावली जगैं॥
रणल्ललाम नूपुरैं अनन्त रत्न हैं जरे।
अनन्द नन्दलाल के पदारविन्द वन्दि रे॥ १॥

भावार्थ :-

जिनके घूमते हुए भ्रू-भंग मात्र से ही काल के अनन्त समूह भी भयवश स्थिर नहीं रह पाते, जिनके नेत्र की मधुर कटाक्ष ही अंकुर-रूपिणी होकर लोकों में अनेक मंगल-समूहों को उत्पन्न करती है, तथा जिनके बजते हुए सुन्दर नूपुरों में अनेक भास्वर-रत्न जटित हैं, उन आनन्द स्वरूप श्रीनन्दकुमार के चरण-कमलों की वन्दना करो।

प्रकाम-कामपूरिता ब्रजाङ्गना कुमुद्वती।
प्रफुल्लचन्द्र शुभ्रज्योति चक्रबाल धारती॥
नख-प्रभासुमण्डलीक सोडु व्योम देखि रे।
अनन्द नन्दलाल के पदारविन्द वन्दि रे॥ २॥

भावार्थ :-

अनादिकाल से श्रुतिरूपा गोपियों की रास विलासादि की जो कामना संचित थी, उससे पूर्ण कुमुदनीरूपा ब्रजदेवियों की सन्तुष्टि के लिए जो पूर्णचन्द्र की उज्जवल चन्द्रिका के ज्योति-चक्र को धारण करने वाली दशनखचन्द्र प्रभा हैं, उसके मण्डल से युक्त तथा जिसमें नूपुरादि आभूषण के दीप्तिमान् अनेक रत्न ही तारागण समुदाय हैं, ऐसे गगनरूपी श्रीचरणों को देखो, उन आनन्द स्वरूप श्री नन्दकुमार के चरण-कमलों की वन्दना करो।

प्रचण्ड किल्बिषप्रवाह ओघशोषि शोभितैं।
निशापतत्तुषार जाड्यम्रंसि भानु कोविदैं॥
मलीन पंकनाशि वायु सों त्रिधा जु मोहि रे।
अनन्द नन्दलाल के पदारविन्द वन्दि रे॥ ३॥

भावार्थ :-

दारूण पाप समूह की धारा को सुखाकर शोभित होने वाले एवं रात्रि कालीन गिरते हुए ओसों की ठंड से उत्पन्न जड़ता को नष्टकर निर्मल चैतन्यदायक शरत्कालीन सूर्य की भाँति विचक्षण श्री चरणों से संस्पृष्ट त्रिविध समीर के सुखस्पर्श से मोहित हो जाओ। कामनाओं के हृदयस्थ कषाय नष्ट हो जायेंगे। ऐसे आनन्द स्वरूप श्री नन्दकुमार के चरण कमलों की वन्दना करो।

मनोज्ञपाद लालिमा तलैं सदा विराजती।
उतै जु अंग नीलिमा अनन्तता प्रसारती॥
नखावदात कान्ति की त्रिवेणि मे जू डूबि रे।
अनन्द नन्दलाल के पदारविन्द वन्दि रे॥ ४॥

भावार्थ :-

सुन्दर चरणों के तलुओं में सदा रंजित लालिमा ही रक्तवर्णा सरस्वती नदी है, ऊपर की ओर श्री अंगों को नीली कांति ही नीलवर्णा श्रीयमुना है। दशनखचन्द्र की दुग्ध फेनोज्ज्वल श्वेत कान्ति ही शुभ्रवर्णा श्रीगंगा है। श्रीचरणों की इस ज्योतिष्मती कान्ति की त्रिवेणी के संगम में अवगाहन करो। उन आनन्द स्वरूप श्रीनन्दकुमार के चरण-कमलों की वन्दना करो।

मिलिन्द भक्त वृन्द हेतु राजती सुचारुता।
पराग पुञ्ज कांति वास तोष की सुपद्‌मता॥
अनन्तता विचित्रता प्रफुल्लता निहारि रे।
अनन्द नन्द लालके पदारविन्द वन्दि रे॥ ५॥

भावार्थ :-

जिन श्रीचरणों में भक्त रूपी भ्रमर समूहों के हेतु सुन्दरता मकरन्द रस राशि, प्रभा, सुगन्धि एवं तुष्टि की सदा असमोर्ध्व प्रधानता रहती है, ऐसे अनन्त एवं विचित्र भाँति से कमलवत् प्रफुल्लित श्रीचरणों को देखो। उन आनन्द स्वरूप श्रीनन्दकुमार के चरण-कमलों की वन्दना करो।

मुनीन्द्र सो फनीन्द्र सों सुरेन्द्र सों सुपूजितै।
चतुर्मुख त्रिलोचनादि शीश सों प्रवन्दितैं॥
ऋचान के हियान के अभीष्ट को जु खोजि रे।
अनन्द नन्दलाल के पदारविन्द वन्दि रे॥ ६॥

भावार्थ :-

जिन श्री चरणों का पूजन नारदादि मुनीन्द्र अनन्त शेषादि फणीन्द्र एवं सुरराज इन्द्र भी सदा किया करते हैं। जिन श्रीचरणों की वन्दना ब्रह्मा एवं शिव आदि भी अपने उत्तमाङ्गों से धारण करके किया करते हैं। जो श्रीचरण श्रुतियों के गुप्त हार्द-रहस्य होने के कारण ही एकमात्र वेदान्तैकवेद्य हैं उन्ही श्रीचरणों का अन्वेषण करो। ऐसे आनन्द स्वरूप श्रीनन्दकुमार के चरण-कमलों की वन्दना करो।

दयालु कृपालुता जनार्थ हार्द द्राविता।
रसार्द्रता रसालता सुभक्त भाव भाविता॥
अखण्ड प्रेम सिन्धुता सुचित ह्वै विलोडिरे।
अनन्द नन्दलाल के पदारविन्द वन्दि रे॥ ७॥

भावार्थ :-

वे श्रीचरण-दया, कृपा भक्तजनों के हेतु वात्सल्यवश स्निग्धता, रस की पूर्णता, रसस्वरूपता, भाववश भक्तजनों की भी भजनीयता "ये यथा मां प्रपद्यन्ते तांस्तथैव भजाम्यहम्" आदि अनन्त दिव्य गुणों के भण्डार हैं तथा जहाँ अनन्त प्रेमका समुद्र आन्दोलित हो रहा है, उसमें स्वस्थ चित्त होकर आलोडन करो। ऐसे आनन्द स्वरूप श्रीनन्दकुमार के चरण-कमलों की वन्दना करो।

अनन्त-ब्रह्म-अण्ड सो विशिष्ट प्रेम-दायिनी।
ललाम बालराधिका सुरास-नृत्य कारिणी॥
रसेश्वरी पदाब्ज संग नृत्य शील भाव रे।
अनंद नंदलाल के पदारविन्द वन्दि रे॥ ८॥

भावार्थ :-

अनन्त कोटि ब्रह्माण्डों से भी परे सद्धाम के दिव्य प्रेम की एकमात्र दात्री, अनन्त सौन्दर्य वाली, नित्य-किशोरी श्रीराधा जो कि चिन्मय-धाम श्रीमद्‌वृन्दावन में नित्य रास की मण्डलेश्वरी हैं, और वे ही इस रास-रस की भी ईश्वरी हैं, उनके श्रीचरण-कमलों के संग नृत्य करना ही जिन श्रीकृष्ण चरणों का नित्य स्वभाव है- उनकी भावना करो। ऐसे आनन्दमय श्रीनन्दकुमार के चरण-कमलों की वंदना करो।

स्थाई

सा	**- - -**	**ग - -**	**म - -**	**- - ध**	**ग - -**	**म - ध**
क	ला ऽ प	का ऽ ल	जा ऽ हि	के ऽ भ्र	म द् भ्रु	वा ऽ णु
अ	पां ऽ ग	अं ऽ कु	रा ऽ व	लो ऽ क	मं ऽ ग	ला ऽ व

ग म ग	**सा -**
सों ऽ भ	गैं ऽ
ली ऽ ज	गैं ऽ

म	**ग - म**	**ध - नी**	**सां - नी**	**सां - -**	**नी - -**	**- - सां**
र	ण ऽ ल्ल	ला ऽ म	नु ऽ पु	रैं ऽ अ	नं ऽ त	र ऽ त्न

ध नी ध	**म - -**
हैं ऽ ज	रे ऽ अ

सां - -	**- - नी**	**ध नी ध**	**म - ध**	**ग - -**	**म - ध**
नं ऽ द	नं ऽ द	ला ऽ ल	के ऽ प	दा ऽ र	विं ऽ द

ग म ग	**सा -**
वं ऽ दि	रे ऽ

अंतरा

म	**ग - म**	**ध - -**	**- - -**	**- - -**	**नी - -**	**- - सां**
प्र	का ऽ म	का ऽ म	पू ऽ रि	ता ऽ ब्र	जां ऽ ग	ना ऽ कु

ध नी ध	**म - -**
मु ऽ द्व	ती ऽ प्र

नी - -	**- - -**	**- - -**	**- - -**	**सां नी सां**	**ध - नी**
फु ऽ ल्ल	चं ऽ द्र	शु ऽ भ्र	ज्यो ऽ ति	च ऽ क्र	बा ऽ ल

सां - -	**- - -**
धा ऽ र	ती ऽ न

सां - -	**गं - सां**	**गं - सां**	**ग - -**	**नी - -**	**गं - -**
ख ऽ प्र	भा ऽ सु	मं ऽ ड	ली ऽ क	सो ऽ डु	व्यो ऽ म
सां - -	- - -				
दे ऽ खि	रे ऽ अ				
सां - -	- - **नी**	**ध नी ध**	**म - ध**	**ग - -**	**म - ध**
नं ऽ द	नं ऽ द	ला ऽ ल	के ऽ प	दा ऽ र	विं ऽ द
ग म ग	**सा -**				
वं ऽ दि	रे ऽ				

श्रीवृषभानु तनूजाष्टक

मन्नाथायै ब्रजनाथायै कृष्णप्राणवन्दितायै नमः
राधायै नमः श्यामायै नमः हरि-प्रियायै कृष्णायै नमः
भामायै हरिकामायै नमः श्रियैनिकुंजविलासायै नमः
रामायै हरिहारायै नमः वृन्दाटवीविहारायै नमः
मन्नाथायै ब्रजनाथायै कृष्णप्राणवन्दितायै नमः ॥ १ ॥

प्रीतायै मृदुशीलायै नमः ब्रजप्राणेशप्राणायै नमः
कमलकरायै कमलपदायै विकसितकमल लोचनायै नमः
प्रेष्ठायै मृदुहासायै नमः प्रेमसुधार्द्रक्रीडायै नमः
मन्नाथायै ब्रजनाथायै, कृष्णप्राणवन्दितायै नमः ॥ २ ॥

जितकमलायै शोभायै नमः, वरदायै प्रभुदयितायै नमः
गम्भीरायै चपलायै नमः, कुंजभवनरतिलीलायै नमः
रतिमधुरायै कान्तायै नमः प्रियचुम्बितमन्दाक्षायै नमः
मन्नाथायै ब्रजनाथायै, कृष्णप्राणवन्दितायै नमः ॥ ३ ॥

द्रुतसुवर्णसंदीप्तायै नमः नवकैशोरविग्रहायै नमः
रंगमंगलायै रसदायै, स्मेरास्येन्दुमण्डलायै नमः
केलिपण्डितायै सुखदायै, चंद्रोज्ज्वलशुचिस्मितायै नमः
मन्नाथायै ब्रजनाथायै, कृष्णप्राणवन्दितायै नमः ॥ ४ ॥

रागरंजितायै आभायै, मुक्ताहारभूषितायै नमः
सौख्यसागरायै विभवायै, हरिचर्चितपादाब्जायै नमः
कृपार्णवायै दयापरायै भालोपरि सिन्दूरायै नमः
मन्नाथायै ब्रजनाथायै कृष्णप्राणवन्दितायै नमः ॥ ५ ॥

मणिकुसुमार्पितधम्मिल्लायै, रक्तौष्ठायै विमलायै नमः
ब्रजतरुणीगणचूडायै नमः श्यामकण्ठमणिमालायै नमः
कान्ताकुलमणिरत्नायै नमः, अद्‌भुतमानमण्डितायै नमः
मन्नाथायै ब्रजनाथायै कृष्णप्राणवन्दितायै नमः ॥ ६ ॥

ब्रजपतिकेलिकोविदायै नमः श्रोणिरत्नवररशनायै नमः
शुभ्रचन्द्रिकायै प्रमदायै, पल्लवचरणकोमलायै नमः
प्रियतमहृत्सरसिजासनायै, गोविन्दाङ्कारूढायै नमः
मन्नाथायै ब्रजनाथायै कृष्णप्राणवन्दितायै नमः ॥ ७ ॥

स्मरचापभ्रूपरिवेषायै, क्रीडापिकीकलरवायै नमः
कनक कलशशुभपयोधरायै, नन्दकुमारसंगतायै नमः
वर्षाणागह्वरस्थितायै, श्रीवृषभानुतनूजायै नमः
मन्नाथायै ब्रजनाथायै कृष्णप्राणवन्दितायै नमः ॥ ८ ॥

स्थाई

सा - रे सा	**नी़ - ध़ प़**	**प़ ध़ नी़ सा**	**नी़ ध़ प़ -**
रा ऽ धा ऽ	यै ऽ न मः	श्या ऽ मा ऽ	यै ऽ न मः
सा - - -	**सा - रे -**	**ग - - -**	**रे - सा -**
ह रि ऽ प्रि	या ऽ यै ऽ	कृ ऽ ष्णा ऽ	यै ऽ न मः

इसी प्रकार दूसरी पंक्ति ''भामायै हरिकामायै''

अंतरा

ग - - -	**रे - सा रे**	**म - - -**	**ग - रे सा**
रा ऽ मा ऽ	यै ऽ ह रि	हा ऽ रा ऽ	यै ऽ न मः
सा - - -	**- सा - -**	**रे ग - -**	**- रे - सा**
वृं ऽ दा ऽ	ट वी ऽ वि	हा ऽ रा ऽ	यै ऽ न मः
प - - -	**प - म प**	**ध - - -**	**प - म -**
म ऽ न्ना ऽ	था ऽ यै ऽ	व्र ज ना ऽ	था ऽ यै ऽ
ग - - -	**रे - सा रे**	**ग - - -**	**रे - सा -**
कृ ऽ ष्ण ऽ	प्रा ऽ ण वं	ऽ दि ता ऽ	यै ऽ न मः

अद्भुत राधा नामा अद्भुत

अद्भुत राधा नामा अद्भुत

तारुण्याद्भुत लावण्याद्भुत सौन्दर्याद्भुत माधुर्याद्भुत॥ अद्भुत राधा....
औदार्याद्भुत वात्सल्याद्भुत वैदग्ध्याद्भुत वैचित्र्याद्भुत॥ अद्भुत राधा....
कारुण्याद्भुत सौरस्याद्भुत सौगन्ध्याद्भुत पावित्र्याद्भुत॥ अद्भुत राधा....
कौमार्याद्भुत चातुर्याद्भुत सौमुग्ध्याद्भुत प्रागल्भ्याद्भुत॥ अद्भुत राधा....
सद्भावाद्भुत सारल्याद्भुत सत्प्रेमाद्भुत तारल्याद्भुत॥ अद्भुत राधा....
गाम्भीर्याद्भुत चापल्याद्भुत सौस्वर्याद्भुत संगीताद्भुत॥ अद्भुत राधा....

इसी धुन पर कीर्तन :-

स्थाई :- कृष्णदुलारी कृष्णप्रिया जय।

अंतरा :- श्यामा प्यारी हरिप्रिया जय॥

स्थाई

× **नीनी -नी सां**	**नीसां सां नीध प**	**पध धम पसां नी**	**ध - प -**
× अद् ऽभु त	राऽ ऽ धाऽ ऽ	नाऽ ऽऽ माऽ ऽ	अ ऽ द्भु त

अंतरा

ग - म नी	**ध - प -**	**प ग प म**	**ग म ग -**
ता ऽ रु ऽ	ण्या ऽ द्भु त	ला ऽ व ऽ	ण्या ऽ द्भु त
ग म प म	**ग रे सा -**	**सा - ग म**	**प - - -**
सौं ऽ द ऽ	र्या ऽ द्भु त	मा ऽ धु ऽ	र्या ऽ द्भु त

पुनः स्थाईवत्।

इसी प्रकार अन्य अन्तरा भी।

अनुरागिनीश्री सुस्नेहिनीश्री

अनुरागिनीश्री, सुस्नेहिनीश्री, मृदुशीलिनीश्री श्यामा जू प्यारी॥

सघनसुचिक्कण केशमाल-घन,

मुख चन्द्रोपरि शोभित सावन,

दशनावलि शिशु विधुगन आनन,

स्मित हेमाब्ज मुक्तमालाकन,

अभिरामिनीश्री, छविधामिनीश्री, हरिकामिनीश्री श्यामा जू प्यारी॥

माणिक कान्ति नेत्र रतनारे

कज्जल बिना सहज कजरारे

चपल रसीले मद अरुणारे

पलक आवरण लज्जावारे

मृदुहासिनीश्री, सुकटाक्षिणीश्री, सुकपोलिनीश्री श्यामा जू प्यारी॥

रत्न जटित कञ्चुकि उरमण्डल

मुक्ताहार वज्रमणि उज्ज्वल

क्षाममध्य किंकणि धुनि मदकल

गुरुनितम्ब पर वेणी चंचल

गजगामिनीश्री, नवभामिनीश्री, श्रीस्वामिनी श्रीश्यामा जू प्यारी॥

इसी धुन पर कीर्तन :-

स्थाई :- राधे श्री राधे, राधे श्री राधे, श्री नाम राधे, जय श्री राधे

अंतरा :- जय श्री राधे, जय श्री राधे

स्थाई

×	**गप**	**धनी**	**सांनी**	**सां**	-	-	-	×	**नीसां**	- **रेंसां**	**नीध**	**पनी**	-	-	
×	अनु	ऽरा	ऽ गि	नी	ऽ	श्री	ऽ	×	सु स्ने	ऽहि	नी ऽ	ऽऽ	श्री	ऽ	
×	धनी	नीसां	सांनी	ध	-	-	-	×	पध	प म	ग	मप	-	-	
×	मृदु	ऽशी	ऽलि	नी	ऽ	श्री	ऽ	×	श्याऽ	ऽमा जू	प्या	ऽऽ	री	ऽ	

अंतरा

×	**सा-**	**-ध**	**-प**	**ध**	-	-	-	×	**नीध**	**प**	**ध**	**प**	-	-	-
×	सघ	ऽन	ऽसु	चि	ऽ	क्क	ण	×	केऽ	श	मा	ऽ	ल	घ	न

(अन्य ३ पंक्ति इसी प्रकार)

पुनः 'अभिरामिनीश्री....' पंक्ति स्थाई जैसा। इसी प्रकार अन्य अन्तरा भी।'

अलकलड़ी श्रीराधा

अलकलड़ी श्रीराधा अलकलड़ी प्यारो अलकलड़ो घनश्याम सुन्दर॥

मोहन की मोहिनी महाविद्ये मोहिनी के चितचोर सुन्दर॥ अलकलड़ी....

करुणा भीजी चितवन वारी करुणावर्षी श्यामसुन्दर॥ अलकलड़ी....

आश्रित पर वत्सलता वारी वत्सलतानिधि श्यामसुन्दर॥ अलकलड़ी....

रूप चांदनी चमकत प्यारी नीलचन्द्र हरि श्यामसुन्दर॥ अलकलड़ी....

इसी धुन पर कीर्तन :-

स्थाई :- जय श्रीश्यामवल्लभा राधा, जय श्रीराधारमणा जय जय॥

अंतरा :- नीलाम्बरी प्रिया गौरांगी पीताम्बर घनश्याम प्यारो॥

स्थाई

नी़ प़ नी़ नी़	**सा - - रे**	**नी़ प़ नी़ -**	**रे - - -**
अ ल क ल	ड़ी श्री रा धा	अ ल क ल	ड़ी प्या रो ऽ
रे - - -	**रे ग म प**	**म - - ग**	**रे ग नी़ सा**
अ ल क ल	ड़ो ऽ घ न	श्या ऽ ऽ म	सु ऽ न्द र

अंतरा

सा रे म॑ प	**प - - -**	**धनी सांनी ध**	**म॑ प ग म**
मो ऽ ह न	की ऽ मो ऽ	हि ऽ नी महा	वि ऽ द्ये ऽ
रे - - -	**रे ग म प**	**म - - -**	**रे ग नी़ सा**
मो ऽ हि नी	के ऽ चि त	चो ऽ ऽ र	सु ऽ न्द र

पुनः स्थाईवत्। इसी प्रकार अन्य अन्तरा भी।

कृपामयी राधा गौरांगी

कृपामयी राधा गौरांगी।

गौर-अंग मधुरिमा पयोनिधि रस श्रृंगार शील करुणा निधि

रूप-राशि श्यामा सरसांगी॥ कृपामयी.....

सहज-स्नेह सहज-कोमलता, सहज-स्वभाव मञ्जु मञ्जुलता

सहज-भाव प्रियतम प्रेमांगी॥ कृपामयी.....

मुख-मयंक कच-कलंक शोभित, नेत्र-मृगांक मृगांक नाम हित

कान्ति-सिन्धु प्यारी चन्द्रांगी॥ कृपामयी.....

अरुण-अधर ताम्बूल-चर्विता, इन्दुहास सौभाग्य गर्विता

बिनु भूषण शोभित शोभांगी॥ कृपामयी.....

इसी धुन पर कीर्तन :-

स्थाई :- जयति राधिका श्रीगौरांगी

अंतरा :- श्रीगौरांगी श्रीगौरांगी

स्थाई

म॑	**सां**	**नी**	**ध**	**म॑**	**ग**	**म**	**ध**	**सां**	-	-	-	**नी**	**रें॒**	**सां**	-
कृ	पा	ऽ	म	यी	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	गौ	ऽ	रां	ऽ	गी	ऽ

अंतरा

ग	-	-	-	**ग**	-	**म॑**	**ध**	**म॑**	**ध**	**म॑**	**ग**	**म॑**	**ग**	**रे॒**	**सा**
गौ	ऽ	र	अं	ऽ	ग	म	धु	रि	मा	ऽ	प	यो	ऽ	नि	धि

इसी प्रकार ''रस श्रृंगार....''। ''रूप-राशि'' स्थाईवत्।

आगे इसी क्रम से।

कृष्ण कृष्ण कह बारम्बारा

कृष्ण कृष्ण कह बारम्बारा चक्र-सुदर्शन है रखवारा॥
विपद विदारन अभय प्रदाता, भक्त-जनन के मंगल त्राता
परम सनेही मुरली वारा ब्रज-मण्डल का है रखवारा॥
शरणागत पालक जगवन्दन कल्मष हारक श्रीनंदनंदन
ब्रजरमणी नैनन का तारा प्रेम हेतु ऐश्वर्य बिसारा॥
योग-क्षेम आश्रित के धारक, दीनन के सब संकट नाशक
बिना अस्त्र असुरन संहारा ब्रज में अस्त्र एक नहिं धारा॥
कौमोदकी शार्ङ्ग असि चर्मन, जन हित धारत चक्र-सुदर्शन
शिव विधि रमा रूप नहिं प्यारा, जैसा दीन भक्त है प्यारा॥

स्थाई

ध़ - सा -	**रे - सा -**	**ग म प ध**	**प ध म -**
कृ ऽ ष्ण कृ	ऽ ष्ण क ह	बा ऽ रं ऽ	बा ऽ रा ऽ
प ध म प	**म ग रे ग**	**म ग रे -**	**सा - - -**
च ऽ क्र सु	द ऽ र्श न	है ऽ र ख	वा ऽ रा ऽ

अन्तरा

ध - - -	**ध नी ध प**	**म प म ध**	**प - - म**
वि प द वि	दा ऽ र न	अ भ य प्र	दा ऽ ता ऽ

''भक्त जनन'' के इसी प्रकार।

''परम सनेही''....स्थाईवत् एवं इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

कृष्ण कृष्ण गोविन्द राधेश्याम

कृष्ण कृष्ण गोविन्द राधेश्याम राधे राधे राधेश्याम॥
राधावल्लभ राधाकान्त, गोपीवल्लभ गोपीकान्त।
कृष्णवल्लभे राधेश्याम राधे राधे राधेश्याम॥ १॥
कृष्ण प्रियतमा श्यामा गोरी स्वामिनी प्रेममयी अतिभोरी।
श्याम भ्रमरिके श्यामा श्याम, राधे राधे राधेश्याम॥ २॥
नयन हरिण पर भ्रू धनु-श्यामल, स्वर्ण कमल कलिका स्तनमंडल।
पीतारुण छवि पर नीलाञ्चल, मणिमय मुखर मेखला कल कल।
प्रेमदायिनी श्यामा-श्याम, राधे राधे राधेश्याम॥ ३॥
बर्हिणो-तंस कर्णावतंस, मुख सुधापूर्ण रस शंस वंश।
चन्दन-चर्चित भुजप्रिया, अंस हंसिनी हेम नीलाभ हंस।
नन्दनन्दन गोविन्द राधेश्याम राधे राधे राधेश्याम॥ ४॥

स्थाई

प़ - सा -	**रे - सा -**	**प - - ध**	**म ग रे -**
कृ ष्ण कृ ष्ण	गो ऽ वि न्द	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ ऽ म
रे - - -	**रे - ग -**	**म ग रे -**	**सा - प़ -**
रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ ऽ म

अन्तरा

ग म प -	**प - <u>नी</u> ध**	**प म प म**	**ग - - -**
रा ऽ धा ऽ	व ऽ ल्ल भ	रा ऽ धा ऽ	का ऽ ऽ न्त

इसी प्रकार 'गोपीवल्लभ गोपीकान्त।'
आगे 'कृष्णवल्लभे राधेश्याम' स्थाईवत् एवं
अन्तरा तीसरे व चोथे में ४ पंक्ति अन्तरे पर अन्त में १ स्थाई पर।

कृष्ण कृष्ण जय सुन्दरश्याम

कृष्ण कृष्ण जय सुन्दरश्याम। राधा रंग रंगीली भाम॥
जय राधे जय गोविन्द
तारुण्य नित्य, लावण्य नित्य, आमोद नित्य आह्लाद नित्य।
उज्ज्वला-कीर्ति उज्ज्वला-कान्ति, नित मिलित केलि नहिं विरह भ्रांति।
सौरत रस हित रस केलि श्रांति, अनुभवत कुंज रस प्रेम शान्ति।

स्थाई

प़ ध़ सा नी़	**सा - - -**	**सा रे ग रे**	**ग म - ग**
कृ ऽ ष्ण कृ	ऽ ष्ण जै ऽ	सु ऽ न्द र	श्या ऽ ऽ म
प - म -	**ग - रे -**	**ग - सा -**	**ध़ - नी़ प़**
रा ऽ धा ऽ	रं ऽ ग रं	गी ऽ ली ऽ	भा ऽ ऽ म

अन्तरा

सा ग	**ध - - -**	**ध - प म॑**	**प - - -**	**ग सा**
ज य	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ज य	गो ऽ विं द	ऽ ऽ
सा ग	**ध - - -**	**ध - सा ग**	**ध - प ग**	**प -**
ता ऽ	रु ऽ ण्य नि	ऽ त्य ला ऽ	व ऽ ण्य नि	ऽ त्य
प -	**प ध प म**	**ग रे ग म**	**ग - रे ग**	**रे सा**
आ ऽ	मो ऽ द नि	ऽ त्य आ ऽ	ह्ला ऽ द नि	ऽ त्य

कृष्ण कृष्ण श्रीराधारमण हरे

कृष्ण कृष्ण श्रीराधारमण हरे।
जै जै राधावल्लभ गोपीवल्लभ कृष्ण हरे॥
अति सजल नम्र तनु कृष्णप्रिया।
पटु चाटुकार नित रसिक पिया॥
मृदु मधु मुसकन मुख हरिप्रिया।
रति रस लोभी अति चपल पिया।
तर्जति दृग भौंह मरोड़ प्रिया।
भ्रू-चितवत सभय ब्रजेश पिया॥
तब देति प्रणय-रस मधुर प्रिया।
मिल बड़भागी सुकृतज्ञ पिया॥

स्थाई

ग रे	**नी सा - रे**	**ध नी सा रे**	**ग - म -**	**ग रे सा**
कृ ष्ण	कृ ऽ ष्ण श्री	रा ऽ धा ऽ	र म ण ह	रे ऽ ऽ

अन्तरा

ग म	**प - - -**	**प ध प म**	**ग रे ग प**	**म ग**
जै जै	रा धा व ल्लभ	गो पी वल्लभ	कृ ऽ ष्ण ह	रे ऽ

पुनः स्थाईवत्। इसी क्रम से आगे

कृष्ण कन्हैया वंशी बजैया

कृष्ण कन्हैया वंशी बजैया रास रचैया हरे हरे।
माखन खवैया गिरिवर उठैया गौयें चरैया हरे हरे॥
चीर चुरैया गोपी रिझैया नंदजू के छैया हरे हरे।
राधा रमैया चित्त लुभैया रस बरसैया हरे हरे॥
दया दिखैया कृपा करैया टेर सुनैया हरे हरे।
दु:ख हरैया पीर नसैया भक्त रखैया हरे हरे॥

प्रथम स्थाई

सा रे ग -	**प - ध प**	**ध रें सां नी**	**ध प ध म**
कृ ऽ ष्ण क	न्है ऽ या ऽ	वं ऽ शी ब	जै ऽ या ऽ
प ध प म	**ग - रे सा**	**रे ग रे -**	**सा - - -**
रा ऽ स र	चै ऽ या ऽ	ह रे ऽ ह	रे ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

सां - - -	**नी ध प ध**	**सां - - -**	**सां - - -**
मा ख न ख	वै ऽ या ऽ	गि रि वुरु उ	ठै ऽ या ऽ
रें - - -	**सां गं रें गं**	**सां रे सां नी**	**ध म प ध**
गौ ऽ यें च	रै ऽ या ऽ	ह रे ऽ ह	रे ऽ ऽ ऽ

द्वितीय स्थाई

प़ - - -	**ध़ सा - -**	**सा रे ग ध**	**प - - म॑**
कृ ऽ ष्ण क	न्है ऽया ऽ	वं ऽ शी ब	जै ऽ या ऽ
ग - रे सा	**रे - ग -**	**रे सा रे -**	**सा - - -**
रा ऽ स र	चैऽ या ऽ	ह रे ऽ ह	रे ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

सां - - -	**सां - - -**	**नी - - सां**	**ध - प -**
मा ख न चु	रै ऽ या ऽ	गि रि वर उ	ठै ऽ या ऽ
म॑ ध प म॑	**ग - रे ग**	**सा रे - ग**	**ग - - -**
गौ ऽ यें च	रै ऽ या ऽ	ह रे ऽ ह	रे ऽ ऽ ऽ

❀❀❀

कृपा विग्रहे जै श्रीराधे

कृपा विग्रहे जै श्रीराधे।
मुख पूर्णेन्दु प्रकाशी मण्डल, भ्रू-धनु मन्मथ वा आखण्डल।
ग्रीव त्रिरेख युक्त शंखोज्ज्वल, कुच-युग-तुंग कूट कनकाचल।
गौर विग्रहे जय श्रीराधे॥ कृपा विग्रहे......
दुलरी तिलरी बहुविधि माला, नदी गिरी बहु उर गिरि ढाला।
कांची कलाप पृथु श्रोणि गूंज, पुलिनोपरि हंस समूह कूज।
दया विग्रहे जै श्रीराधे॥ कृपा विग्रहे......
कंकण नूपुर अलिकुल गुंजन, युग कर पद सरसीरुह कांचन।
चलति धरणि बिखरति पग लाली, गति करिणी यौवन मदवाली।
दिव्य विग्रहे जै श्रीराधे॥ कृपा विग्रहे......
रस श्रृङ्गार रूप गुणधामा, प्रेम रूपिणी राधा नामा।
लीला राज्य अमित माधुर्या, सहचरि धाम श्याम संसेव्या।
युगल विग्रहे जै श्रीराधे॥ कृपा विग्रहे......

स्थाई

म - ग॒ रे	**नी॒ - रे -**	**ग॒ - रे -**	**सा - - -**
कृ पा ऽ वि	ऽ ग्र हे ऽ	जै ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ

अन्तरा १.

सा - रे -	**ग - म -**	**प - - म**	**म ध प -**
मु ख पू ऽ	र्णे ऽ न्दु प्र	का ऽ शी ऽ	मं ऽ ड ल

इसी प्रकार ''भ्रू-धनु मन्मथ''।

ध - - -	**नी - ध प**	**म - ध प**	**म ग रे सा**
ग्री ऽ व त्रि	रे ऽ ख यु	ऽ क्त शं ऽ	खो ऽ ज्व ल

इसी प्रकार ''कुचयुग तुंग.......।''

''गौर विग्रहे'' स्थाईवत्।

एवं इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

❀❀❀

कृपासिन्धु जय राधेराधे

कृपासिन्धु जय राधे-राधे। राधा प्रियतम राधे-राधे।

गोपी-जन प्रिय राधे-राधे। श्यामसुन्दर जय राधे-राधे।

गोप-वंश मणि राधे-राधे। कृष्ण कृपालो राधे-राधे।

गोपी सर्वस्व राधे-राधे। मदन मोहन जय राधे-राधे।

नन्दनन्दन जय राधे-राधे। चन्द्रवंश मणि राधे-राधे।

स्थाई

ध़ - सा -	**रे सा ग -**	**ग - रे सा**	**रे - सा -**
कृ पा ऽ सिं	ऽ धु ज य	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ

अंतरा

म - - -	**ग - रे सा**	**रे ग रे ग**	**रे - सा -**
रा ऽ धा ऽ	प्रि य त म	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ

पुनः स्थाई ''इसी क्रम से शेष''

कृष्ण-प्रिया श्यामा

कृष्ण-प्रिया श्यामा लाड़िली राधा
भानु लाड़िली गोरी-गोरी, हरिको मन हर्‌यो चोरी-चोरी
भामिनी अभिरामा लाड़िली राधा॥ कृष्ण-प्रिया..........

नैन सलौने कमल कटोरे, हरि नटखट सों कर वरजोरे
श्रीराधा नामा लाड़िली राधा॥ कृष्ण-प्रिया..........

बरसाने विहरत लै सखियन, खोरसांकरी गहवर गलियन
वृन्दावन धामा लाड़िली राधा॥ कृष्ण-प्रिया..........

स्थाई

म - - -	**ग म प ध**	**प - - म**	**ग - म -**	**रे - सा -**
कृ ऽ ष्ण प्रि	या ऽ श्या ऽ	मा ऽ ऽ ला	ऽ ड़ि ली ऽ	रा ऽ धा ऽ

अन्तरा

म - प ध	**नी - सां -**	**सां रें सां रें**	**नी - सां -**
भा ऽ नु ला	ऽ ड़ि ली ऽ	गो ऽ री ऽ	गो ऽ री ऽ

इसी प्रकार ''हरिको मन........।''
''भामिनी अभिरामा''............॥ स्थाईवत्

कृष्णे स्वर्ण सरिद् रस-वाहिनी

कृष्णे स्वर्ण सरिद रस-वाहिनी, नीलम सागर संगम गामिनी।
तट पिपासु इक पर्‍यो राधिके ! बिन्दु दान दै करुणा-वाहिनी॥

रस पूरित उर स्वर्ण महाघट, आवृत वृत्त कंचुकीके पट।
दिव्य सुवास सुवासित उत्कट, पट टारत लोलुप नागर नट।
राधे गर्व हेम घट नाशिनी! नीलमसागर संगम गामिनी॥

स्वर्ण पुलिन पृथु श्रोणि-मण्डल, काञ्ची हेमघटा गर्जित कल।
पट बहुरंगी धनु आखण्डल नाभी ह्रद आवर्त युक्त भल।
श्यामे पद प्रेमामृत स्राविणि! नीलम सागर संगम गामिनी॥

इसी धुन पर कीर्तन :-
कृष्णे कृष्णे श्यामे श्यामे।
राधे-राधे प्रिये-प्रिये जय॥

स्थाई

नी - सां -	सां - रें नी	सां - - -	नी सां नी प
कृ ऽ ष्णे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
स - प म	प़ - नी़ -	ग - सा -	सा - - -
स्व ऽ र्ण स	रि द र स	वा ऽ हि नी	ऽ ऽ ऽ ऽ

प - नी सां	रें - - -	सां रें सां नी	सां रें - -
नी ऽ ल म	सा ऽ ग र	सं ऽ ग म	गा ऽ मि नी
नी़ नी़ - सा -	ग ग गस ग - - -	म मम - - -	पप प - पप
तट पिपा ऽसु इक	पर्‍यो ऽरा ऽधि केऽ	बिं दुदा ऽन दै	करु णा वा हिनी

अंतरा

सा - प म	**प - - -**	**ग - - -**	**ग रे सा -**
र स पू ऽ	रि त उ र	स्व ऽ र्ण म	हा ऽ घ ट

"आवृत वृत्त" इसी प्रकार।

ग म नी प	**सां नी प म**	**प ग - म**	**ग रे सा -**
दि ऽ व्य सु	वा ऽ स सु	वा ऽ सि त	उ त्क ट

"पट टारत" इसी प्रकार

"राधे गर्व हेम घट" -स्थाईवत्।

✿✿✿

कीर्तिकुमारि मृगाक्षि दयामयि

कीर्तिकुमारि मृगाक्षि! दयामयि! मंगल विग्रह शीले आवो।
भव ज्वाला माला विद्ग्ध पर शीत नखेन्दु सुधा बरसावो॥
कुत्सित कथा दग्ध श्रवणेन्द्रिय, नूपुर-रव श्रुति-बीज सुनाओ।
विष्ठा-विषय दग्ध त्वगिन्द्रिय वरद अभय कर शीश छुवाओ।
प्राकृत रूप दग्ध नयनेन्द्रिय अनुपम दिव्य रूप दिखराओ।
षड्रस विषय दग्ध रसनेन्द्रिय सुमधुर चरणामृत अंचवाओ।
पञ्च-विषय विषाक्त मानसकी पद रस-धारा अग्नि बुझाओ।
शरण-शरण हे दीन वत्सले चरण-कमल-रज प्राप्ति कराओ॥

इसी धुन पर कीर्तन :-

श्रीलाड़िली कृष्ण प्राणे जय राधे-राधे श्यामप्रिये।
जय राधे-राधे जय राधे जय राधे जय श्यामप्रिये॥

प्रथम धुन स्थाई

प़ - - -	**ध़ सा - -**	**सा रे ग ध**	**प - - मं**
की ऽ र्ति कु	मा ऽ रि मृ	गा ऽ क्षि द	या ऽ म यि

ग - रे सा	रे - ग -	रे सा रे -	सा - - -
मं ऽ ग ल	वि ग्र ऽ ह	शी ऽ ले ऽ	आ ऽ वो ऽ

अंतरा

सां - - -	सां - - -	नी - - सां	ध - प -
भ व ज्वा ऽ	ला ऽ मा ऽ	ला ऽ वि द	ऽ ग्ध प र
मं ध प मं	ग - रे ग	सा रे - ग	ग - - -
शी ऽ त न	खे ऽ न्दु सु	धा ऽ ब र	सा ऽ वो ऽ

इसी प्रकार अन्य अन्तरा भी।

द्वितीय धुन स्थाई

प ध सा ग	रे - - -	प ध सा ग	रे - सा -
की ऽ र्ति कु	मा ऽ रि मृ	गा ऽ क्षि द	या ऽ म यि
म - ध -	ध - - -	प म ग म	ग रे सा ऽ
मं ऽ ग ल	वि ग्र ऽ ह	शी ऽ ले ऽ	आ ऽ वो ऽ

अंतरा

प - - -	प - म ग	म - - -	म - ग सा
भ व ज्वा ऽ	ला ऽ मा ऽ	ला ऽ वि द	ऽ ग्ध प र
रे - - -	रे - ग प	ग - रे ग	रे - सा -
शी ऽ त न	खे ऽ न्दु सु	धा ऽ ब र	सा ऽ वो ऽ

गिरिधर नागर जय मुरलीधर

गिरिधर नागर जय मुरलीधर।
गोचारण करैं गिरिवर ऊपर,
वंशी बाजै तहां मधुर-स्वर।
नाचैं ग्वाला गऊ भूमि पर,
ऊपर छांह करत हैं जलधर।
उड़त पखेरू रुके गगनचर॥ गिरिधर नागर....
देव-बधू सुनबे कूं आवैं
नभ विमान में गिर गिर जावैं
नीवी बन्धन खुल खुल जावैं
आभूषण सब खुल गिर जावैं
वंशी वशीकरन जु रही कर॥ गिरिधर नागर....

स्थाई

सा प म॑ ग	**रे ग रे सा**	**स - ग -**	**रे म ग -**
गि रि ध र	ना ऽ ग र	ज य मु र	ली ऽ ध र

अन्तरा

प - - -	**म॑ प म॑ ग**	**म॑ ध नी ध**	**म॑ ध प -**
ज य मु र	लीऽ ध र	ज य मु र	ली ऽ ध र
नी - - -	**ध सां नी -**	**सां नी ध प**	**म॑ ध प -**
गो ऽ चा ऽ	र ण क रैं	गि रि व र	ऊ ऽ प र

इसी प्रकार ३ पंक्तियां ''वंशी बाजै'' एवं ''नाचैं ग्वाला''
एवं ''ऊपर छांह करत'' स्थाईवत् ''उड़त पखेरू''
इसी क्रम से अन्य अन्तर।

गिरिधर राधे राधे श्याम॥

राधा प्रणत वत्सला जय जय
राधा प्रणत उधारिणि जय जय
नटवर राधे राधे श्याम॥
गिरिधर जन-दु:खनाशी जय जय
गिरिधर जन सुखराशी जय जय
ब्रजधर राधे राधे श्याम॥
राधा चलत् कंकणा जय जय
राधा मुखर नूपुरा जय जय
प्रियवर राधे राधे श्याम॥
गिरिधर मुरलीधारी जय जय
गिरिधर रस-संचारी जय जय
रस-धर राधे राधे श्याम॥

स्थाई

सा ग म॑ प	**म॑ ध प म॑**	**ग - रे -**	**सा - - -**
गि रि ध र	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ ऽ म

अंतरा

प - - -	**म॑ - प ध**	**प - म॑ ग**	**म॑ - प -**
रा ऽ धा ऽ	प्र ण त व	ऽ त्स ला ऽ	जै ऽ जै ऽ

इसी पर ''राधा प्रणत....''। पुन स्थाईवत् ''नटवर राधे राधे श्याम'', क्रमश:

गिरिधारी भानु-दुलारी श्रीराधा रासविहारी

श्री राधा रास विहारी श्रीराधा रास विहारी

वृषभानुलली	नंद जू को लला	॥ श्रीराधारासविहारी ॥
दामिनी लली	नव जलद लला	॥ श्रीराधारासविहारी ॥
भामिनी लली	अभिराम लला	॥ श्रीराधा० ॥
स्वामिनी लली	आधीन लला	॥ श्रीराधा० ॥
नागरी लली	अति चतुर लला	॥ श्रीराधा० ॥
कामिनी लली	कामार्त लला	॥ श्रीराधा० ॥
हासिनी लली	कौतुकी लला	॥ श्रीराधा० ॥

स्थाई

ग रे	**ग म ग रे**	**सा - - ग**	**प म प ध**	**प -**
गि रि	धा ऽ री ऽ	भा ऽ नु दु	ला ऽ ऽ ऽ	री ऽ
प ध	**सां नी सां रे**	**सां - प -**	**म ग प म**	**म -**
श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ	रा ऽ स वि	हा ऽ ऽ ऽ	री ऽ

अंतरा

प ध	**सां - - नी**	**सां रें गं रें**	**सां रें सां नी**	**सां -**
वृ ष	भा ऽ नु ल	ली ऽ नं द	जू ऽ को ल	ला ऽ

पुनः ''श्रीराधा रासविहारी'' स्थाईवत् ॥

इसी क्रम से।

गिरिधारी हे बालमुकुन्दा

गिरिधारी हे बालमुकुन्दा। दीनानाथ नंद जू के नंदा।
राधारमण प्रभो गोविन्दा। हे मनमोहन सुख के कंदा।
बदन–चन्द्र सोहै अरविन्दा। जगमगात है कोटिक चंदा।
चरण स्रवै रस के मकरन्दा। युगल–चरण सौरभ मकरन्दा।
नख पर वारौं कोटिक चंदा। श्यामा श्याम युगल अरविन्दा।

प्रथम धुन

स्थाई

नी़ रे ग रे	**ग - प -**	**रे - ग रे**	**नी़ रे सा -**
गि रि धा ऽ	री ऽ हे ऽ	बा ऽ ल मु	कुं ऽ दा ऽ

'दीनानाथ' इसी प्रकार

अंतरा

प - मं ग	**मं प - -**	**मं प मं ग**	**मं प - -**
रा ऽ धा ऽ	र म ण प्र	भो ऽ गो ऽ	विं ऽ दा ऽ
नी ध सां नी	**ध - प -**	**ग रे ग प**	**रे - सा -**
हे ऽ म न	मो ऽ ह न	सु ख के ऽ	कं ऽ दा ऽ

इसी क्रम से अन्य अंतरा

द्वितीय धुन

स्थाई

सा - - नी़	**सा रे स नी़**	**ध़ - - नी़**	**सा रे नी़ सा**
गि रि धा ऽ	री ऽ हे ऽ	बा ऽ ल मु	कुं ऽ दा ऽ

अन्तरा

सा - - -	**रे म - -**	**ग - रे सा**	**ग रे सा -**
दी ऽ ना ऽ	ना ऽ थ नं	ऽ द जू के	नं ऽ दा ऽ

इसी क्रम से शेष॥

जय जय राधा गोपाल हरे

गोपाल कृष्ण मरकत–मणि तन जै राधा कंचन बाल हरे॥
यशुमति नंदन घनश्याम हरे जय जय कीरति सुकुमार हरे॥
ब्रजनाथ हरे ब्रजराज हरे जय जय राधा नन्दलाल हरे॥
राधेश हरे गोपीश हरे जय जय ब्रजजन प्रतिपाल हरे॥
श्यामेश हरे प्राणेश हरे जय जय प्यारी उरमाल हरे॥
देवेश हरे करुणेश हरे जय जय राधा गोपाल हरे॥

स्थाई

सा -	**नी़ - सा -**	**ग - म -**	**प - - -**	**प -**
गो ऽ	पा ऽ ल कृ	ऽ ष्ण म र	क त म णि	त न
प -	**म - - -**	**ग - म प**	**ग - रे -**	**सा -**
जै ऽ	रा ऽ धा ऽ	कं ऽ च न	बा ऽ ल ह	रे ऽ

अंतरा

नी -	**नी - - -**	**ध - प म**	**प नी ध -**	**प -**
य शु	म ति नं ऽ	द न घ न	श्या ऽ म ह	रे ऽ
प ध	**प म प म**	**ग म - प**	**ग म ग रे**	**सा -**
ज य	ज य की ऽ	र ति सु कु	मा ऽ र ह	रे ऽ

पुनः स्थाई।

शेष अन्तरा इसी क्रम से।

✿✿✿

गोविन्द जय जय गोपाल जय जय

गोविन्द जय जय गोपाल जय जय।
राधा रमण हरि गोविन्द जय जय॥
ग्वालों की जय जय गोपिन की जय जय।
वंशी बजैया प्यारे मुकुन्द जय जय॥
मोहन की जय जय मोहिनी की जय जय।
रास रचैया ब्रजचन्द की जय जय॥
प्यारे की जय जय प्यारी की जय जय।
नील पीत युग चन्द की जय जय॥
राधा के हित वेणु बजावैं, राधा के हित रास रचावैं,
राधा के हित कुंजन छावैं, राधा के हित तल्प रचावैं।
राधा रमण विहारी की जय जय॥
मृग शावक से चंचल नैना, कोटि कामशर छूटैं सैना,
कोकिल स्वर सों मधुरे बैना, लालन मन लाड़ति दै चैना,
राधा प्राण विहारी की जय जय॥

स्थाई

ग - - -	**रे ग सा रे**	**ग म - ग**	**रे ग रे सा**
गो ऽ विं द	ज य ज य	गो ऽ पा ल	ज य ज य
सा - - रे	**ग - रे सा**	**नी ध नी सा**	**नी ध प -**
रा ऽ धा र	म ण ह रि	गो ऽ विं द	ज य ज य

अन्तरा १.

प - ध प	**म - ग रे**	**ग म - ग**	**रे - सा -**
ग्वा लों ऽ की	ज य ज य	गो पि न की	ज य ज य

इसी प्रकार सब अन्तरा
''वंशी बजैया'' स्थाईवत्

अन्तरा २.

प ध प - | नी - - - | ध - म - | ध - प -
रा ऽ धा ऽ | के ऽ हि त | वे ऽ णु ब | जा ऽ वैं ऽ

इसी पर "राधा के हित रास रचावै"
पुनः २ पंक्ति "राधा के हित कुंजन" एवं "राधा के हित तल्प"
अन्तरा १ "ग्वालोंकी जय" पर,
पुनः "राधा रमण विहारी" स्थाईवत्

✿✿✿

गोविन्द भजो गोपाल भजो राधे गोविन्द भजो

नन्दनन्दन मोहन गिरिधारी;
श्रीराधे वृषभान दुलारी;
जोरी संग भजो, राधे गोविन्द भजो॥
बरसाने की राधा प्यारी;
नन्दगाँव मोहन सञ्चारी;
गोरी श्याम भजो, राधे गोविन्द भजो॥

स्थाई

रे नी | सा - - रे | ग - रे नी सा | - - - | - -
गो ऽ | विं ऽ द भ | जो ऽ गो ऽ पा | ऽ ल भ | जो ऽ

सा रे ग प | - - म - | ग - रे - | ग म ग -
रा ऽ धे ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | गो ऽ विं ऽ

रे - सा -
द भ जो ऽ

अन्तरा

प - ध <u>नी</u>	**सां - - <u>नी</u>**	**ध - <u>नी</u> सां**	**<u>नी</u> ध प -**
नं ऽ द नं	द न मो ऽ	ह न गि रि	धा ऽ री ऽ

इसी पर ''श्रीराधे वृषभानु दुलारी''

प <u>नी</u> ध -	**प - म ग**	**म - - -**	**<u>ग</u> - - -**
जो ऽ री ऽ	सं ऽ ग भ	जो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
रे - <u>ग</u> म	**<u>ग</u> - रे -**	**सा -**	
ऽ ऽ गो ऽ	विं ऽ द भ	जो ऽ	

इसी क्रम से दूसरा अन्तरा

❀❀❀

गोविन्दा गोविन्दा जै राधे राधे गोविन्दा

जय रमण विहारी प्यारे,
जय मान विहारी प्यारे,
जय छैल विहारी प्यारे,
जय केलि विहारी प्यारे॥ गोविन्दा-२.....

जय भानु-दुलारी राधे,
जय कीर्तिकुमारी राधे,
जय रूप उज्यारी राधे,
जय प्रानन प्यारी राधे,
गोविन्दा-२............

जय प्यारे प्यारे प्यारे,
जय राधे राधे राधे।

स्थाई

सा - ग रे	**ग - - प**	**ग - रे -**	**सा नी़ ध़ प़**
गो ऽ विं ऽ	दा ऽ ऽ ऽ	गो ऽ विं ऽ	दा ऽ ज य
ग़ प़ - -	**ध़ सा - रे**	**ग - रे -**	**सा - - -**
रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	गो ऽ विं ऽ	दा ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प -	**प - - ध**	**प - ग सा**	**रे - ग -**	**ग -**
ज य	र म ण वि	हा ऽ री ऽ	प्या ऽ रे ऽ	ऽ ऽ

इसी पर ३ पंक्ति पुनः स्थाई। इसी क्रम से आगे।

✿✿✿

गोविन्दा राधे श्रीराधे राधे। किशोरी राधे श्रीराधे राधे।

गोपाला राधे श्रीराधे राधे। गोरी राधे श्रीराधे राधे।
मोहन राधे श्रीराधे राधे। भोरी राधे श्रीराधे राधे।
सोहन राधे श्रीराधे राधे। श्यामा राधे श्रीराधे राधे।
रसिक रसिया श्रीगोपाला। कृपा करनी श्रीराधे राधे।
सलोना सरस श्रीगोपाला। कमल नैनी श्रीराधे राधे।
मनोहर बैन श्रीगोपाला। मधुर बैनी श्रीराधे राधे।
रसीले सैन श्रीगोपाला। मत्त करिणी श्रीराधे राधे।
रूप लोभी श्रीगोपाला। मन्द गमनी श्रीराधे राधे।
बड़ा प्यारा श्रीगोपाला। सुरस दैनी श्रीराधे राधे।
चतुर चोरा श्रीगोपाला। दया दैनी श्रीराधे राधे।

स्थाई

<u>नी़</u>	**सा रे स <u>नी़</u>**	**ध़ - - <u>नी़</u>**	**सा - रे सा**	**रे सा -**
गो	विं दा रा ऽ	धे ऽ ऽ श्री	रा ऽ धे ऽ	रा धे ऽ

अन्तरा

ध़	**सा - रे ग**	**म - - -**	**ग रे म ग**	**सा - -**
कि	शो री रा ऽ	धे ऽ ऽ श्री	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे

❀❀❀

गोविन्दा गोविन्दा गिरिधारी रे

गोविन्दा गोविन्दा गिरिधारी रे भजु मन राधे गोविन्दा॥

गिरिधर कोटिक प्रानन बारत ऐसी मीठी भानुदुलारी।
रंग भरे उत्सव अनंग के अंग-अंग सों खेलन हारी।
अद्‌भुत धव माधव अधरन मधुपान छकी प्यारी मतवारी।
नील ज्योति अरु पीत ज्योति के द्वै सागर संगम कर भारी।

युग छवि पर बलिहारी रे भजु मन राधे गोविन्दा॥
गोविन्दा गोविन्दा गिरिधारी रे भजु मन राधे गोविन्दा॥

चरण श्रवित रस निर्झर-सीकर कोटि रसार्णव जृंभित होवें।
वपु नीरज माध्वीक लहर सों आह्लादित हरि रसमय होवें।
अंगन की गौरता श्यामको पीत रंग में यो रंग देवें।
विद्युच्छटा मेघ पर ज्यों निज कान्ति प्रखरता शिर प्रकटावें।

तन-मन-धन सब वारी रे भजु मन राधे गोविन्दा॥
गोविन्दा गोविन्दा गिरिधारी रे भजु मन राधे गोविन्दा॥

स्थाई

ग - - -	**ग म ग रे**	**रे म ग रे**	**सा रे सा नी़**
गो विं दा गो	विं दा गि रि	धा री रे ऽ	भ जु म न
सा रे - ग	**म ग रे सा**		
रा ऽ धे गो	विं ऽ दा ऽ		

अन्तरा

सा - ध -	**प - - -**	**सा - ध -**	**प - - -**
गि रि ध र	को ऽ टि क	प्रा ऽ न न	वा ऽ र त
सां - - नी	**ध नी ध नी**	**प ध म -**	**म - - -**
ऐ ऽ सी ऽ	मी ऽ ठी ऽ	भा ऽ नु दु	ला ऽ री ऽ
प - ग -	**रे - - -**	**प - ग -**	**रे - - -**
रं ऽ ग भ	रे ऽ उ ऽ	त्स व अ नं	ऽ ग के ऽ
प - - -	**प - रे -**	**ग - रे -**	**सा - - -**
अं ऽ ग अं	ऽ ग सों ऽ	खे ऽ ल न	हा ऽ री ऽ

इसी क्रम से चार पंक्तियाँ पुनः। ''युग छवि पर'' स्थाईवत्

अन्य अन्तरा इसी प्रकार।

✿✿✿

गोवर्धन गिरिधारी रे, भज मन राधे गोविन्दा।

युग-छवि पर बलिहारी रे, भज मन राधे गोविन्दा॥

श्रीवृषभान नृपतिकी बेटी।
मधुपति नन्दलाल सों भेंटी।
कुंज कुटीर तल्प पर लेटी।
इन्दु हासिनी इन्दु लपेटी।
जय श्रीराधा प्यारी रे भज मन, राधे गोविन्दा।
जय कीरति सुकुमारी रे भज मन, राधे गोविन्दा॥
रस मानस सर राजहंस हरि।
प्रिया हंसिनी लिये अंस भरि।

स्वर संचारत अधर वंश धरि।
यौवन मणि श्यामा प्रशंस करि।
जै-जै वेणु विहारी रे भज मन, राधे गोविन्दा।
माखन चोर मुरारी रे भज मन, राधे गोविन्दा॥

स्थाई

प़ ध़ सा -	**रे - ग म**	**ग - रे ग**
गो ऽ व र	ध न गि रि	धा री रे ऽ
सा रे ग म	**ग - रे सा**	**रे रे सा ऽ**
भ ज म न	रा ऽ धे गो	विं ऽ दा ऽ

अन्तरा

सा - ग मं	**प मं प -**	**मं - - प**	**ग प म ग**
रा ऽ धे गो	विं ऽ दा ऽ	रा ऽ ध गो	विं ऽ दा ऽ

इसी पर अन्तरा की चार पंक्ति, पुनः स्थाईवत्
तथा इसी क्रम से दूसरा अन्तरा।

✿✿✿

चन्द्रमुखी राधा श्रीराधा मृगनैनी राधा श्रीराधा पिकबैनी राधा श्रीराधा

कनक दर्पकामोचनी राधा, कमल रक्तका लोचनी राधा॥ मृगनैनी....
भू-नर्तन चातुरी अनुपमा, गान-नृत्य चातुरी निरुपमा॥ मृगनैनी....
मृदु हंसिता राधा श्रीराधा, शुचिस्मिता राधा श्रीराधा॥ मृगनैनी....
पिय-वसिता राधा श्रीराधा, गुन चतुरा राधा श्रीराधा॥ मृगनैनी....
प्रियातुरा राधा श्रीराधा, अतिमधुरा राधा श्रीराधा॥ मृगनैनी....

स्थाई

प - ध नी	**नी - - -**	**ध नी ध -**	**प - म -**
चं ऽ द्र मु	खी ऽ रा ऽ	धा ऽ श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ
म - प ध	**ध - - -**	**प ध प -**	**म - ग -**
मृ ग न य	नी ऽ रा ऽ	धा ऽ श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ
ग - म प	**प - म -**	**ग म ग रे**	**सा - - -**
पि क बै ऽ	नी ऽ रा ऽ	धा ऽ श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ

अन्तरा

सां - - -	**सां - - रें**	**नी रें सां नी**	**ध नी ध प**
क न क द	ऽ र्प का ऽ	मो ऽ च नी	रा ऽ धा ऽ

''कमल रक्त'' भी ''चन्द्रमुखी'' की तरह।
व मृगनैनी पिक बैनी लगाकर पूरी पंक्ति।
इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

चपला प्रिया मेघ पिय लिपटी, जय जय युगल छटा दृग अटकी

चन्द्रवदन चन्द्रिका चमक इत, मोर मुकुट कलँगी तुर्रा उत॥
प्रिया जड़ाऊ बेंदी चमकै, पीय आड़केशर ललाट पै॥
प्रिया रसभरी अँखियन चितवन, पीय चपल नैनन के सैनन॥
प्रिया कर्णफूल कानन में, कुण्डल लटकै पिय गालन में॥
प्रिया कञ्चुकी कसी उरज पर, पीय पीत पट श्यामल तन पर॥
तिय आरसी अँगुठी चूरी, पिय वंशी भुज कंकण मुंदरी॥
अतरौटा लहंगा नीबी कस, कटि कछनी जामा जड़ाउ तस॥
अनवट बजने बिछिया पायन, नूपुर की धुनि मधुर सुहावन॥
देख गौरता दामिनी भाजे, देख श्यामता नव घन गाजे॥
चार नयन मिलवत कछु आशा, प्रियतम वेष्टित भुज युग पाशा॥

स्थाई

प - - म	**रे <u>ग</u> म <u>ग</u>**	**रे सा - -**	**सा - - रे**
च प ला ऽ	प्रि या ऽ मे	ऽ घ पि य	लि प टी ऽ
म - - -	**म - ध -**	**प - - -**	**प म ध -**
ज य ज य	यु ग ल छ	टा ऽ दृ ग	अ ट की ऽ

अंतरा

ध - - -	**प ध प ध**	**म - - -**	**म - रे <u>ग</u>**
च ऽ न्द्र व	द न चं ऽ	द्रि का ऽ च	म क इ त
<u>नी</u> - - -	**<u>नी</u> - ध <u>नी</u>**	**सां - <u>नी</u> -**	**ध - प -**
मो ऽ र मु	कु ट क लँ	गी ऽ तु ऽ	र्रा ऽ उ त

इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

इसी धुन पर कीर्तन

चंद्रमुखी जय जय श्रीराधा, जय श्रीराधा जय श्रीराधा।
चंद्रवदन जय जय घनश्यामा, जय घनश्यामा जय घनश्यामा।

चम्पक लतिका श्याम तमाला कीर्तिकुमारी यशुमति लाला

बीन मधुमती वादन मधुरा, वंशी चुम्बन चतुर गिरिधरा॥ चम्प०
निगमालक्ष्या सौभग ललिता, निगम गोप्य रस लीला अमिता॥ चम्प०
मल्लीदास निबद्ध सुकबरा, केकी पिच्छ छटा सिर मधुरा॥ चम्प०
कम्बु कण्ठि कर चलत्कंकणा, तिय यौवन मद मान भंजना॥ चम्प०
कदली स्तम्भ सुशोभित उरूद्वय, मदस्रावी झूमत गज नववय॥ चम्प०
सान्द्रानन्दा सुकेलिकन्दा, रसनिष्यन्दा पिय नंदनंदा॥ चम्प०
मधुपति प्राण दायिनी बाला, अर्पित प्राण कोटि नंदलाला॥ चम्प०

स्थाई

ध - सा -	**रे - सा -**	**ध - सा -**	**रे - सा -**
चं ऽ प क	ल ति का ऽ	श या ऽ म त	मा ऽ ला ऽ
ग - प ऽ	**ध - प -**	**ग - रे ग**	**रे - सा -**
की ऽ र्ति कु	मा ऽ री ऽ	य शु म ति	ला ऽ ला ऽ

अन्तरा

ग - प -	**ध - प -**	**सां - - -**	**रें - सां -**
बी ऽ न म	धु म ती ऽ	वा ऽ द न	म धु रा ऽ
सां रें सां -	**प ध प -**	**ग प ग -**	**सा रे सा -**
वं ऽ शी ऽ	चु ऽ म्ब न	च तु र गि	रि ध रा ऽ

✿✿✿

जयति स्वामिनी देवी राधा,
जयति रसिक तिलकोज्वल माधव

नवकैशोराचित शुभकाया, चन्दन चर्चित नव घन काया।

रत्न गुच्छ अवलम्बित वेणी, बर्ह पिच्छ कच अलिकुल श्रेणी।

भ्रू-भंगिमा नयन शर चञ्चल, दाम बद्ध क्रीडामृग श्यामल।

स्थाई

ग - - -	**ग - - सा**	**रे - स नी़**	**ध़ - प़ -**
ज य ति स्वा	ऽ मि नी ऽ	दे ऽ वी ऽ	रा ऽ धा ऽ
प - ग -	**रे - - -**	**ग रे सा ध़**	**सा - - -**
ज य ति र	सि क ति ल	को ऽ ज्व ल	मा ऽ ध व

अन्तरा

ग - - ध	**ध - प -**	**ग - रे सा**	**रे - सा -**
न व कै ऽ	शो ऽ रा ऽ	चि त शु भ	का ऽ या ऽ
ग - - प	**ग - रे ऽ**	**ग रे सा ध़**	**सा - - -**
चं ऽ द न	च ऽ र्चि त	न व घ न	का ऽ या ऽ

पुनः स्थाई अन्य अन्तरा इसी प्रकार

✿✿✿

जयति जय राधिके राधे जयति जय राधिके राधे

श्यामेश्वरी जयति जय राधे। प्रेमेश्वरी जयति जय राधे।
रमणेश्वरी जयति जय राधे। दीनेश्वरी जयति जय राधे।
मानेश्वरी जयति जय राधे। प्रणतेश्वरी जयति जय राधे।
दानेश्वरी जयति जय राधे। सर्वेश्वरी जयति जय राधे।
कृष्णेश्वरी जयति जय राधे। रासेश्वरी जयति जय राधे।
कुंजेश्वरी जयति जय राधे। राधिके राधिके राधिके राधिके।

स्थाई

ग	**रे सा रे ग**	**प - - -**	**ध - - -**	**प - ग**
ज	य ति ज य	रा ऽ ऽ धि	के ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ
ग	**रे ग सा ध़**	**सा - - रे**	**ग - रे -**	**सा - -**
ज	य ति ज य	रा ऽ ऽ धि	के ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ

अन्तरा

प - - -	**ध - - -**	**प - ग -**	**प - - -**
श्या ऽ मे ऽ	श्व री ऽ ज	य ति ज य	रा ऽ धे ऽ

इसी पर अन्य अन्तरा

प ध	**सां - - -**	**सां - रें गं**	**रें सां - -**	**सां -**
रा धि	के ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रा धि	के ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
रें सं	**ध - प -**	**ग - रे ग**	**रे - सा -**	**सा -**
रा धि	के ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रा धि	के ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ

जय जयति युगल-चरणारविन्द

जय जयति युगल-चरणारविन्द जय राधे राधे गोविन्दा॥

जय राधे राधे गोविन्दा॥ जय जयति युगल० ॥

मृदु कुसुम पंखुड़ी रचित तल्प
नव केलिस्मितासव पान अल्प
पीयूष घर्षि प्रिय संग जल्प
प्रगटित नव सौरत केलि शिल्प

जय जयति दिव्य चरणारविन्द जय राधे राधे गोविन्दा॥

ताम्बूल खण्ड तुंदिल कपोल
जहं नील चिकुर चन्द्रिका लोल
आरक्त अधर छवि रद अमोल
माधुर्य जलधि उमड़त सुबोल

जय जयति भव्य चरणारविन्द जय राधे राधे गोविन्दा॥

स्थाई

प़ ध़̲	**प़ ध़̲ सा नी़**	**सा - - रे**	**नी़ सा रे ग̲**	**रे -**
ज य	ज य ति यु	ग ल च र	णा ऽ र विं	ऽ द
रे ग̲	**रे म ग̲ -**	**रे - सा रे**	**ध़̲ - - -**	**प़ -**
ज य	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	गो ऽ विं ऽ	दा ऽ

अंतरा

प -	**प - - -**	**म ग रे सा**	**रे म ग̲ -**	**रे -**
ज य	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	गो ऽ विं ऽ	दा ऽ

इसी पर ४ पंक्ति अंतरे की पुनः स्थाईवत्
''जय जयति दिव्य....''

जयति नील मणि जै नंदनंदन।

जय जय श्रीराधा चितरंजन॥
जै मरकत-मणि जै द्युति-कुंदन।
जयति युगल रसिकन कुल मण्डन॥
उज्जवल प्रेम सुधा रस मज्जन।
जै जै रसिकन के जीवन-धन॥
जय ब्रह्माचल गिरिवर श्रीवन।
जय जय गहवर वन की कुञ्जन॥

स्थाई

प़ - सा -	रे - सा -	ग - म रे	- - सा ध़
ज य ति नी	ऽ ल म णि	ज य नं द	नं ऽ द न
नी़ - रे -	ग - प -	ग - म ग	रे - सा -
ज य ज य	श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ चि त	रं ऽ ज न

अंतरा

प - - -	प - सां -	नी - ध प	नी ध प -
ज य म र	क त म णि	ज य द्यु ति	कुं ऽ द न
म ग रे -	ग - प -	ग - म ग	रे - सा -
ज य ति यु	ग ल र सि	क न कु ल	मं ऽ ड न

पुनः स्थाई। शेष अन्तरा इसी प्रकार॥

दूसरी धुन स्थाई

प - - -	ध - प म	ग - प म	रे - सा -
ज य ति नी	ऽ ल म णि	ज य नं द	नं ऽ द न
ग सा ध़ नी़	सा - - रे	ग रे ग म	रे - सा -
ज य ज य	श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ चि त	रं ऽ ज न

अंतरा

ध म ध नी	सां - - -	नी - ध -	सां प - -
ज य म र	क त म णि	ज य द्यु ति	कुं ऽ द न
नी - ध -	प - म -	ग - प म	रे - सा -
ज य ति यु	ग ल र सि	क न कु ल	मं ऽ ड न

इसी प्रकार अन्य अंतरा

✿✿✿

जय हरिवंश के राधावल्लभ

जय हरिवंश के राधावल्लभ जयहरिदास के बांकेविहारी
सेव्य मदनमोहन जू सनातन, रूप देव गोविन्द प्रचारी ॥
राधारमण जय भट्ट गोपाल जू गिरधर नागर मीरा वारी
जै श्रीनाथ जू वल्लभ जू के अष्ट छाप गोवर्द्धन धारी ॥
भट्ट नारायण प्रगट लाड़िली श्रीराधे बरसाने वारी
आनंदघन के कृष्ण बलदाऊ गोप रूप नंदीश्वर चारी ॥

स्थाई

ग - प ध	सां नी ध सां	ग - रे सा	रे - सा -
ज य ह रि	वं ऽ श के	रा ऽ धा ऽ	व ऽ ल्ल भ
ग - प -	ध सां - -	रें सां रें गं	रें - सां -
ज य ह रि	दा ऽ स के	बां ऽ के बि	हा ऽ री ऽ

अंतरा

ग म प म	ग रे सा -	प - म -	म - - -
म द न मो	ह ऽ न ऽ	स ना त न	जू ऽ के ऽ
ग - म ध	ध - - -	नी - ध -	प - - -
रू ऽ प ऽ	दे ऽ व गो	विं ऽ द प्र	चा ऽ री ऽ

आगे एक पंक्ति व एक अन्तरा इसी क्रम से ॥

जै राधेश्याम जय जै राधेश्याम

जय राधेश्याम जय जय राधेश्याम
जै राधेश्याम जै जय राधेश्याम॥
जय राधे राधे श्रीराधे
जै कृष्ण कृष्ण श्रीकृष्ण॥ जय राधेश्याम जय....
सरसीरुह नयना गौर तेज
रस वारि मनि दृग श्याम तेज॥ जय राधेश्याम जय....
चन्द्रिका चमक सिर गौर तेज
सिर मोर पंख रुचि श्याम तेज॥ जय राधेश्याम जय....
जलदाभ शाटिका गौर तेज
विद्युत द्युति अम्बर श्याम तेज॥ जय राधेश्याम जय....
शुचि मुक्ता माला गौर तेज
माला वैजन्ती श्याम तेज॥ जय राधेश्याम जय....
वक्षोज स्वर्ण घट गौर तेज
पृथु दीर्घ उरस्थल श्याम तेज॥ जय राधेश्याम जय....
पद पीत कमलमृदु गौर तेज
पद नीलकमल मृदु श्याम तेज॥ जय राधेश्याम जय....

स्थाई

म – – –	**म – – –**	**म प – म**	**ग – म ग**
जै ऽ रा धे	श्या म जै ऽ	जै ऽ रा धे	श्या ऽ ऽ म
रे सा रे नी̲	**सा – रे ग**	**म ग रे –**	**सा – – –**
जै ऽ रा धें	श्या म जै ऽ	जै ऽ रा धे	श्या ऽ ऽ म

अन्तरा

प ध	**म प म ग**	**रे सा रे ग**	**म ग रे –**	**सा –**
ज य	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ
ज य	कृ ऽ ष्ण ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	श्री ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

जय जय श्रीहरी राधे जय जय श्रीहरी राधे

जय जय श्रीप्रभो राधे जय जय श्रीप्रभो राधे
जय जय श्रीप्रिया राधे जय जय श्रीप्रिया राधे
जय श्रीहरिप्रिया राधे जय श्रीहरिप्रिया राधे
जय श्रीराधिके राधे जय श्रीराधिके राधे
जय जय श्रीहरि जय जय श्रीहरि जै जै राधिके जै जै राधिके ॥

स्थाई

ग	**ग सा - -**	**सा - - -**	**ग रे ग म**	**ग रे -**
जै	जै श्री ऽ ह	री ऽ ऽ ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	धे ऽ ऽ
ग	**ग सा - -**	**सा - - -**	**ग - - -**	**रे - -**
जै	जै श्री ऽ ह	री ऽ ऽ ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	धे ऽ ऽ

अन्तरा

प	**प - - -**	**प - - मं**	**रे म ग -**	**रे - -**
जै	जै श्री ऽ ह	री ऽ ऽ जै	जै श्री ऽ ह	री ऽ ऽ
ध	**ध - - <u>ध</u>**	**ध - - नी**	**सां नी ध ऽ**	**प - -**
जै	जै श्री ऽ प्र	भो ऽ ऽ जै	जै श्री ऽ प्र	भो ऽ ऽ

अन्य पंक्तियाँ स्थाई या अन्तरा दोनों पर।

✿✿✿

जय श्रीराधा जय श्रीकृष्ण जय जय जय श्रीराधाकृष्ण

स्वर्ण कली-सी खिली लली श्रीकृष्णचंद्र रस रंग ढली री
श्रीराधा मुख-चन्द्र विकासी, नील-कमल ब्रजराज लला री

स्थाई

प - <u>ध</u> प	**<u>नी</u> - - -**	**<u>ध</u> <u>नी</u> <u>ध</u> -**	**प - - -**
ज य श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ	ज य श्री ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ

सा - रे सा	**प - म -**	**ग म रे -**	**सा - - -**
ज य ज य	ज य श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ

अन्तरा

म - - -	**म - - -**	**ग म - ग**	**म - - -**
स्व ऽ र्ण क	ली ऽ सी ऽ	खि ली ऽ ल	ली ऽ श्री ऽ
म - - -	**नी - - -**	**ध नी ध -**	**प - - -**
कृ ऽ ष्ण चं	ऽ द्र र स	रं ऽ ग ढ	ली ऽ री ऽ

पुनः स्थाई। इसी प्रकार दूसरा अन्तरा।

✿✿✿

जय श्रीराधे जय श्रीराधे जै श्रीराधे राधेश्याम

जय श्रीकृष्ण जय श्रीकृष्ण जय श्रीकृष्ण श्यामाश्याम

नयन कोण अंकुश प्रहार हरि मत्त कलभ वशकरणी भाम

जै श्रीराधे ३ ॥.....

उन्मद मदन महा मदमाती, तिय करिणी मदहारी श्याम

जै श्रीराधे ३ ॥.....

स्थाई

सा प - -	**प - ध प**	**म - प म**	**ग रे सा नी**
ज य श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	जै ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ
सा ग - सा	**ग म प म**	**ग - रे -**	**सा - - -**
जै ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ ऽ म

इसी पर ''जय श्रीकृष्ण ३'' भी

अन्तरा

म - ग म	**प - - -**	**प ध म -**	**प ध सां -**
न य न को	ऽ ण अं ऽ	कु श प्र हा	ऽ र ह रि
नी॒ - - ध	**प ध म म**	**प - नी॒ ध॒**	**प - - -**
म ऽ त्त क	ल भ व श	क र णी ऽ	भा ऽ ऽ म

पुन: स्थाई ''जै श्री राधे ३'' इसी प्रकार ''उन्मद मदन''
के बाद ''जै श्री कृष्ण''

✿✿✿

जय श्रीश्यामा जय श्रीश्याम, जै जै जै श्रीश्यामा-श्याम

जै जै श्रीबरसानेवारी जै जै नंदगाम संचारी
जै जै नील शाटिकावारी, जै जै पीताम्बर-तनु-धारी
जै जै गान कला गुन चतुरा, जै जै वंशीवादन मधुरा॥

स्थाई

प म॑ ग रे	**ग - - -**	**प म॑ ग रे**	**ग - - -**
ज य श्री ऽ	श्याऽ मा ऽ	ज य श्री ऽ	श्या ऽ ऽ म
म॑ ध म॑ ध	**म॑ - ग रे**	**ग - रे -**	**सा - - -**
ज यज य	ज य श्री ऽ	श्या ऽ मा ऽ	श्या ऽ ऽ म

अन्तरा

सां - - -	**सां - - -**	**नी ध नी रें**	**सां - - -**
ज य ज य	श्री ऽ ब र	सा ऽ ने ऽ	वा ऽ री ऽ
नी - - -	**नी - - -**	**सां नी ध -**	**प - - -**
ज य ज य	नं ऽ द गा	ऽ म सं ऽ	चा ऽ री ऽ

जय श्रीराधे जय नंदनंदन

जय श्रीराधे जय नंदनंदन, जय जय श्यामा नयनन अंजन॥
जय गोरी जय श्यामल मोहन, जै विद्युत–द्युति नव नीरज–घन॥
जै विधि इन्द्र काम–मद–मर्दन, उमा गिरा रति श्री जित रुचि तन॥
जै बरसानों जै गहवर–वन, जय वृन्दावन जय गोवर्द्धन॥

स्थाई

ग - - प	**रे - सा -**	**प़ - सा -**	**रे - सा -**
ज य श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ज य नं द	नं ऽ द न
ग प नी सां	**गं रें सां नी**	**प ग प -**	**रे - सा -**
ज य ज य	श्या ऽ मा ऽ	न य न न	अं ऽ ज न

अंतरा

प - - -	**सां - - -**	**सां - - -**	**रें - सां -**
ज य गो ऽ	री ऽ ज य	श्या ऽ म ल	मो ऽ ह न
प - रें ऽ	**सां - प ग**	**ग - - प**	**रे - सा -**
ज य वि ऽ	द्यु त द्यु ति	न व नी ऽ	र ज घ न

अन्य अन्तरा इसी प्रकार।

✿✿✿

जय बरसानो गाम जै जै श्रीराधे।
महारानी कौ गाम जय जय श्रीराधे।

राधारानी कौ गाम जै जै श्रीराधे। श्यामा प्यारी कौ गाम जै जै श्रीराधे।

ठकुरानी कौ गाम जै जै श्रीराधे। ब्रजरानी कौ गाम जै जै श्रीराधे।

कैसो सुन्दर ठाम जै जै श्रीराधे। मन कौ भायौ धाम जै जै श्रीराधे।

राधे कृष्ण राधे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण राधे राधे।

राधे श्याम राधे श्याम, श्याम श्याम राधे राधे।

स्थाई

प - - -	**प म प सां**	**ध - - प**	**म ग रे सा**
जै ऽ ब र	सा ऽ नो ऽ	गा ऽ ऽ म	जै ऽ जै ऽ
रे ग रे सा	**सा - - -**		
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ		

अन्तरा

ध सां - -	**सां - - रें**	**नी - - सां**	**ध - प ध**
म हा रा ऽ	नी ऽ को ऽ	धा ऽ ऽ म	जै ऽ जै ऽ
नी - ध -	**प - - -**		
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ		

इसी पर अन्य अन्तरा

प - ग म	**प ध सां नी**	**ध प ध <u>नी</u>**	**ध - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे

इसी तरह "राधे श्याम, राधे श्याम, श्याम श्याम राधे राधे।"

✿✿✿

जय प्रोद्दामा प्रेमा प्यारी, राधा राधा कीर्तिकुमारी॥

किसलय अधर कुंद कलिका रद
लता बाहु उर पुष्प गुच्छ वद्
नासा तिलकुसुमार्पित शोभा
सुमन मधूक गण्ड छवि लोभा
पुष्पमयी शोभित छवि वारी, राधा राधा कीर्तिकुमारी॥
नयन कमल मधि भ्रमर स्पंदित
कदली स्तम्भ जघन आन्दोलित
स्थल पंकज युग-चरण सुविकसित
अंगुलि दश नव दल द्युति सुरभित
मधु रस लोलुप श्याम विहारी, राधा राधा कीर्तिकुमारी॥

स्थाई

सा - - -	**रे नी सा रे**	**ग - रे सा**	**नी रे सा -**
ज य प्रो ऽ	द्दा ऽ मा ऽ	प्रे ऽ मा ऽ	प्या ऽ री ऽ
प - म -	**ग - सा रे**	**ग - रे -**	**सा - - -**
रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ	की ऽ र्ति कु	मा ऽ री ऽ

अन्तरा

प ध प म	**प - - -**	**नी - - -**	**ध - प -**
कि स ल य	अ ध र कुं	ऽ द क लि	का ऽ र द

''लता बाहु''
''नासा तिलकु''
इसी प्रकार

प सां - रें	**सां नी ध प**	**नी ध प म**	**ग म ग सा**
सु म न म	धू ऽ क गं	ऽ ड छ वि	लो ऽ भा ऽ

"पुष्पमयी शोभित" स्थाईवत्
इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

❀❀❀

जय गौरांगी श्यामा राधे, कृष्णप्रिये जय नमो नमो

चरण चन्द्रकी चमक चन्द्रिका, हरि मन हरणी नमो नमो
चरण कमल की विमल रेणुका, प्रिय वशकरणी नमो नमो
दीन-पालिनी प्रणत धारिणी; भक्त तारिणी नमो नमो
संकट हरणी पालन करणी, मंगल भरणी नमो नमो
रति रस सरिता प्रिय मधु भरिता, सौरभ झरिता नमो नमो
योग कारिणी, क्षेम चारिणी श्रेष्ठ धारिणी नमो नमो

स्थाई

सा - प़ ध़	**सा - - -**	**सा ग रे म**	**ग रे सा -**
जै ऽ गौ ऽ	रां ऽ गी ऽ	श्या ऽ मा ऽ	रा ऽ धे ऽ
ध - प -	**म॑ म॑ ग रे**	**सा ग रे म**	**ग - - -**
कृ ऽ ष्ण प्रि	ये ऽ ज य	न मो ऽ न	मो ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

ध - - -	**ध - - प**	**ध सां - नी**	**ध - प -**
च र ण चं	ऽ द्र की ऽ	च म क च	ऽ न्द्रि का ऽ
ध - प -	**म॑ - ग रे**	**सा ग रे म**	**ग - - -**
ह रि म न	ह र णी ऽ	न मो ऽ न	मो ऽ ऽ ऽ

जय गोपाल जय गोपाल

जय गोपाल जय गोपाल जय राधापति दीनदयाल ॥

राधे राधे गोविन्द गोविन्द।

सुखमय सुखमय गोविन्द गोविन्द।

आनन्द आनन्द गोविन्द गोविन्द।

रूप उजियारी राधे बोलो रे।

नैनों का तारा गोविन्द बोलो रे।

ब्रज उजियारी राधे बोलो रे।

नन्द जू का प्यारा गोविन्द बोलो रे।

कीर्तिकुमारी राधे बोलो रे।

यशुदा का प्यारा गोविन्द बोलो रे।

स्थाई

सां - - -	**सां - - ध**	**नी - - सां**	**ध - <u>नी</u> प**
जै ऽ गो ऽ	पा ऽ ऽ ल	जै ऽ गो ऽ	पा ऽ ऽ ल
ध - म -	**प - ध नी**	**सां नी ध प**	**ध - प -**
जै ऽ रा ऽ	धा ऽ प ति	दी ऽ न द	या ऽ ऽ ल

अन्तरा

प - ग म	**प ध सां नी**	**ध - प -**	**म प म ग**
रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	गो ऽ विं द	गो ऽ विं द

इसी प्रकार सभी अन्तरा।

जय राधे श्रीराधे

जै राधे श्रीराधे जै राधे-राधे प्रिया-प्रिया ॥

मोहन उर धारिणी श्रीराधे।
प्रियतम हित कारिणी श्रीराधे ॥
श्रीकुंज-विहारिणी श्रीराधे।
श्री रसिक-विहारिणी श्रीराधे ॥

श्रीमान-विहारिणी श्रीराधे।
श्रीदान विहारिणी श्रीराधे ॥
श्रीरास-विहारिणी श्रीराधे।
श्रीपुलिन-विहारिणी श्रीराधे ॥

श्रीकेलि-विहारिणी श्रीराधे।
छैल-विहारिणी श्रीराधे ॥
कीरति-कुल कन्या श्रीराधे।
गोपन-कुल धन्या श्रीराधे ॥

रस-रीति अनन्या श्रीराधे
पिय प्रीति अनन्या श्रीराधे।

स्थाई

ग - रे -	**सा - - -**	**रे नी रे -**	**रे - प -**
ज य रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ज य
प - - म	**ध प ग -**	**रे ग रे ग**	**रे - सा -**
रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	प्रि या ऽ प्रि	या ऽ ऽ ऽ

अंतरा

प -	**ध - म -**	**प - ध नी**	**ध - प -**	**प -**
मो ऽ	ह न उ र	धा ऽ रि णी	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ
प -	**ध - म -**	**ग - रे -**	**ग - रे -**	**सा -**
प्रि य	त म हि त	का ऽ रि णी	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ

✿✿✿

जय राधे श्रीराधे नित्य किशोरी श्रीराधे

जय राधे श्रीराधे नित्य किशोरी श्रीराधे।
नवल किशोरी श्रीराधे, भानु किशोरी श्रीराधे।
कीर्ति किशोरी श्रीराधे, ललित किशोरी श्रीराधे।
मधुर किशोरी श्रीराधे, चतुर किशोरी श्रीराधे।
कृष्ण लाड़िली श्रीराधे, श्याम लाड़िली श्रीराधे।
प्रेष्ठ प्रेयसी श्रीराधे, भाव-भूयसी श्रीराधे।
पियरति नेमा श्रीराधे, समधिक प्रेमा श्रीराधे।
गुण भूयिष्ठा श्रीराधे, सुरति गरिष्ठा श्रीराधे।
तेज महिष्ठा श्रीराधे, प्रीति वरिष्ठा श्रीराधे।
अतिशय प्रेष्ठा श्रीराधे, निरवधि श्रेष्ठा श्रीराधे॥

स्थाई

ध़ - सा रे	**ग - - रे**	**ग म ग रेग**	**रे सा - ध़**
ज य रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	श्री ऽ रा ऽऽ	धे ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प - - ध	**प म - प**	**म ग म प**	**मग मप मग म-**
नि ऽ त्य कि	शो ऽ री ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ

अन्तरा

नी - - -	**ध - - -**	**सां - प म**	**प - - -**
न व ल कि	शो ऽ री ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ
नी - ध -	**प म ग रे**	**ग म ग रे**	**सा - - -**
भा ऽ नु कि	शो ऽ री ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ

✿✿✿

जय राधे राधे राधे जय जय जयश्रीराधे

जय राधे राधे राधे जय जय जय श्रीराधे।
वृषभानुदुलारी राधे, जय जय जय श्रीराधे।
बरसानेवारी राधे, जय जय जय श्रीराधे।
वृन्दावनवारी राधे, जय जय जय श्रीराधे।
राधा-कुण्डवारी राधे, जय जय जय श्रीराधे।
रावल-वनवारी राधे, जय जय जय श्रीराधे।
कीरति सुकुमारी राधे, जय जय जय श्रीराधे।
मोहन की प्यारी राधे, जय जय जय श्रीराधे।
ब्रजकी उजियारी राधे, जय जय जय श्रीराधे।

स्थाई

सा	**सा रे - सा**	**रे ग - सा**	**रे ग रे सा**	**सा - -**
जै	रा धे रा धे	रा ऽ धे ऽ	जै जै जै श्री	रा ऽ धे

अन्तरा

म	**म - - रे**	**म - - -**	**प ध प म**	**ग - सा**
वृष	भा नु दुलारी	रा ऽ धे ऽ	जै जै जै श्री	रा ऽ धे

द्वितीय धुन स्थाई

रे	**सा सा रे ग**	**रे - - सा**	**ग - म प**	**म - ग**
जै	रा धे रा धे	रा ऽ धे जै	जै जै श्री ऽ	रा ऽ धे

अन्तरा

ग	**ग - - -**	**म ग म -**	**प ध प म**	**ग रे सा**
वृष	भा नुदु ला री	रा ऽ धे ऽ	जै जै जै श्री	रा ऽ धे

✿✿✿

जय राधे राधे श्रीराधे, जय कृष्ण कृष्ण श्रीकृष्ण

जय श्रीराधे, जय श्रीकृष्ण

जय गौर नील राधेकृष्ण। जय मधुर मधुर राधेकृष्ण।
जय कृपासिंधु राधेकृष्ण। जय दयासिंधु राधेकृष्ण।
जय प्रीतिसिंधु राधेकृष्ण। जय दीनबंधु राधेकृष्ण।
जय अति दयालु राधेकृष्ण। जय अति कृपालु राधेकृष्ण।
गोपी सर्वस्व राधे कृष्ण। ब्रजजन सर्वस्व राधे कृष्ण।
ब्रजजन विचरण राधेकृष्ण। कुंजन विहरण राधेकृष्ण।
मनमथ मोहन राधेकृष्ण। राधा मोहन राधेकृष्ण।

स्थाई

प -	**प ध प म**	**म प म ग**	**स ग प म**	**प म**
जै ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ
ध -	**ध - - -**	**ध नी रें सां**	**नी - ध -**	**प -**
जै ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	श्री ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ

अन्तरा

सां -	**- - - -**	**नी - ध म**	**प ध सां नी**	**ध प**
जै ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ जै ऽ	श्री ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ

इसी प्रकार अन्य अन्तरा

जै राधे राधे कृष्णप्रिये, जै स्नेहमयी जय प्रेममयी॥

जय जय ममता मूरति राधे, जै जै मृदुता मूरति राधे।
जय जय प्रणतशीलिनी राधे, जय जय प्रेमशीलिनी राधे।
जय जय कृष्णशीलिनी राधे, जय जय श्यामशीलिनी राधे।
जय जय कृपाशीलिनी राधे, जय जय दयाशीलिनी राधे॥

स्थाई

ग म	**ग म ग रे**	**रे ग रे सा**	**सा रे - सा**	**ग -**
जै ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	कृ ऽ ष्ण प्रि	ये ऽ
ग -	**म ग रे -**	**रे - ध़ नी़**	**सा ग रे -**	**सा -**
जै ऽ	स् ने ह म	यी ऽ जै ऽ	प्रे ऽ म म	यी ऽ

अंतरा

प - - -	**म॑ प - -**	**म॑ म॑ ग रे**	**रे म ग -**
जै ऽ जै ऽ	म म ता ऽ	मू ऽ र ति	रा ऽ धे ऽ

इसी पर ''जै जै मृदुता-'' पुनः स्थाईवत्

इसी क्रम से शेष

जय राधे राधे राधिके

जय राधे राधे राधिके॥
जय कुँज-विहारिणी राधिके॥
जय नवल विहारिणी राधिके॥
जय पुलिन विहारिणी राधिके॥
जय केलि विहारिणी राधिके॥
हरि हृदय विहारिणी राधिके॥

निज पिय उर धारिणी राधिके॥
श्रीराधा नामिनी राधिके॥
श्रीश्यामा नामिनी राधिके॥
करुणामयि स्वामिनी राधिके॥

स्थाई

सा -	**रे ग रे सा**	**रे ग प -**	**ग - रे -**	**सा -**
ज य	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ ऽ धि	के ऽ

अन्तरा

प -	**ध - म -**	**प ध नी -**	**ध - नी ध**	**प -**
श्री ऽ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ रि णी	रा ऽ ऽ धि	के ऽ

दूसरी धुन

स्थाई

ध -	**पध पनी धप मग**	**म ध - -**	**सा - नी ध**	**नी ध**
ज य	राऽ ऽऽ धेऽ ऽऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ ऽ धि	के ऽ

अन्तरा

म -	**- - - ग**	**म प ध नी**	**ध - - प**	**ध -**
ज य	कुं ऽ ज वि	हा ऽ रि णि	रा ऽ ऽ धि	के ऽ
सां -	**सां रें नी -**	**ध - नी ध**	**प ध प म**	**- -**
ज य	न व ल वि	हा ऽ रि णि	रा ऽ ऽ धि	के ऽ

इसी क्रम से शेष।

जय राधे जय राधे जय जय गोविन्द जय राधे

जय राधे जय राधे जय जय गोविन्द जय राधे॥
मोहन मन मोहिनी श्रीराधे। प्रियतम प्राणेश्वरी श्रीराधे।
कीरत वर कन्या श्रीराधे। अद्भुत लावण्या श्रीराधे।
हरि–चन्द्र–चकोरी श्रीराधे। षोडशी किशोरी श्रीराधे।
ब्रजराज भामिनी श्रीराधे। विटराज कामिनी श्रीराधे।
गोपेश–जीवनी श्रीराधे। रसिकेश स्वामिनी श्रीराधे।
प्रोद्दाम प्रेमा श्रीराधे। रसदात्री क्षेमा श्रीराधे॥

स्थाई

सा – रे –	**म – – –**	**ग रे सा रे**	**ग – – –**
ज य रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ज य रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ
रे – <u>नी</u> –	**सा – रे –**	**म ग रे –**	**सा – – –**
ज य ज य	गो ऽ विं द	ज य रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ

अंतरा

प –	**ध – म –**	**ग रे ग –**	**म ग रे –**	**सा –**
मो ऽ	ह न म न	मो ऽ हि नी	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ

इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

✿✿✿

जय राधे जय श्रीराधे

जय राधे जय श्रीराधे, जय राधे जय श्रीराधे॥
कटैं कोटि जनमके बाधे, जय राधे जै श्रीराधे॥
जाकूं श्यामसुन्दर आराधे, जय राधे जै श्रीराधे॥
रस प्रेम पयोधि आगाधे, जय राधे जै श्रीराधे॥
रस भरी भक्ति सुध साधे, जय श्रीराधे जै श्रीराधे॥
बिन राधे हरि हू आधे, जय राधे जै श्रीराधे॥

स्थाई

नी़ ध़	**नी़ सा - -**	**रे - ग - **	**रे - - सा**	**नी़ सा**
ज य	रा ऽ धे ऽ	ज य श्री ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	धे ऽ
ध़ -	**नी़ सा ऽ ऽ**	**रे ऽ ग ऽ**	**रे - - -**	**सा -**
ज य	रा ऽ धे ऽ	ज य श्री ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	धे ऽ

अन्तरा

म -	**म - - -**	**म - - ग**	**सा - रे ग**	**रे सा**
क टै	को ऽ टि ज	न म के ऽ	बा ऽ ऽ ऽ	धे ऽ
नी़ ध़	**नी़ सा - -**	**रे - ग -**	**रे सा ग रे**	**सा -**
जै ऽ	रा ऽ धे ऽ	ज य श्री ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	धे ऽ

इसी प्रकार अन्य अन्तरा भी।

जय राधा जय राधा राधा

जय राधा जय राधा राधा, जय राधा जय श्रीराधा।
जय माधव जय माधव माधव, जय माधव जय श्रीमाधव।
जय श्यामा जय श्यामा श्यामा, जय श्यामा जय श्रीश्यामा।
जय मोहन जय मोहन मोहन, जय मोहन जय श्रीमोहन।
जय भामा जय भामा भामा, जय भामा जय श्रीभामा।
जय गिरिधर जय गिरिधर गिरिधर, जय गिरिधर जय श्रीगिरिधर।
जय कृष्णा जय कृष्णा कृष्णा, जय कृष्णा जय श्रीकृष्णा।
जय नागर जय नागर नागर, जय नागर जय श्रीनागर।
जय शोभा जय शोभा शोभा, जय शोभा जय श्रीशोभा।
जय वल्लभ जय वल्लभ वल्लभ, जय वल्लभ जय श्रीवल्लभ।
जय प्यारी जय प्यारी प्यारी, जय प्यारी जय श्रीप्यारी।
जय प्रियतम जय प्रियतम प्रियतम, जय प्रियतम जय श्रीप्रियतम।

स्थाई

नी सा ध नी	**सा - - -**	**सा रे सा नी**	**सा रे ग -**
ज य रा ऽ	धा ऽ ज य	रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ
रे ग सा रे	**नी ऽ रे ऽ**	**ग ऽ रे ऽ**	**सा - - -**
ज य रा ऽ	धा ऽ ज य	श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प - - -	**प - ध प**	**म प म ग**	**रे - म -**
ज य मा ऽ	ध व ज य	मा ऽ ध व	मा ऽ ध व
प - म -	**ग - रे ग**	**म ग रे -**	**सा - - -**
ज य मा ऽ	ध व ज य	श्री ऽ मा ऽ	ध व ऽ ऽ

जय राधिका जय राधिका जय राधिका जय राधिका॥

जय लाड़िली जय लाड़िली जय लाड़िली जय लाड़िली।
जय स्वामिनी जय स्वामिनी जय स्वामिनी जय स्वामिनी।
जय भामिनी जय भामिनी जय भामिनी जय भामिनी।

स्थाई

सा -	**ध - - प**	**ध - प म**	**प - - म**	**प -**
ज य	रा ऽ ऽ धि	का ऽ ज य	रा ऽ ऽ धि	का ऽ
सा -	**- - रे सा**	**स - ध प**	**म - - -**	**- -**
ज य	रा ऽ ऽ धि	का ऽ ज य	रा ऽ ऽ धि	का ऽ

अन्तरा

सां -	**सां - रें नी**	**सां - - -**	**- - रें नी**	**सां -**
ज य	ला ऽ ऽ ड़ि	ली ऽ ज य	ला ऽ ऽ ड़ि	ली ऽ
सां -	**नी - ध म**	**प - ध नी**	**ध - प -**	**म -**
ज य	रा ऽ ऽ धि	का ऽ ज य	रा ऽ ऽ धि	का ऽ

✿✿✿

जय राधावर जय राधावर जै गिरधारी जय गोपाल
जै जै दीनानाथ संवरिया करुणा सागर दीन दयाल।

खिली मल्लिका कबरी गूंथित, शिखि शिखण्ड मस्तक पर शोभित।
पृथुल श्रोणि रसना संकूजित, वेणुध्वनि, पञ्चम स्वर गुंजित।
अतिशय लज्जा गति सुकुमारी लोल ललित रति तनु गिरिधारी।
नेति नेति बामा गति कह तिय, मधुर काकुबानी बोलत पिय।
सुधा सिन्धु प्रति अंगनि निःसृत, आनन छवि विधु कोटि तिरस्कृत।

स्थाई

प़ - स नी़॒	**रे - सा -**	**रे - ग रे**	**ग म ध प**
ज य रा ऽ	धा ऽ व र	ज य रा ऽ	धा ऽ व र
रे ग म नी॒	**ध - प -**	**रे ग म प**	**म - ग -**
ज य रा ऽ	धा ऽ व र	ज य गो ऽ	पा ऽ ऽ ल

अंतरा

प - सां -	**सां - - -**	**सां - - -**	**नी रें सां -**
ज य ज य	दी ऽ ना ऽ	ना ऽ थ सं	व रि या ऽ
ध - - -	**नी - सां -**	**प रें सां -**	**ध - प -**
क रु णा ऽ	सा ऽ ग र	दी ऽ न द	या ऽ ऽ ल

पुनः स्थाई।　　इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

✿✿✿

जय राधारमण गोविन्द कन्हैया

जय राधारमण गोविन्द कन्हैया मनमोहन नंदलाला हे गिरधारी गोपाला।
जयराधे, जयराधे, जयराधे जय श्रीराधे॥
भानुर्नंदिनी मधुपति अंकम, रस–वाहिनी रसार्णव संगम।
जय श्यामा रमण गोविन्द कन्हैया मनमोहन नंदलाल हे गिरिधारी गोपाला।
गाढ़ा श्लेष मेघ विधु पूनम, रति मन्मथ जय मंगल उद्यम।
जयकृष्ण रमण गोविन्द कन्हैया मनमोहन नंद लाला हे गिरिधारी गोपाला॥

स्थाई

सा रे	**ध़ सा - -**	**रे म म म**	**ग - रे सा**	**रे म - -**
ज य	रा ऽ धा ऽ	र म ण गो	विं ऽ द क	न्है ऽ या ऽ
	ग ग म ग	**रे सा रे ग**	**रे - - सा**	**नी सा नी ध़**
	म न मो ऽ	ह न नं द	ला ऽ ऽ ऽ	ला ऽ हे ऽ
	सा - रे -	**ग - रे -**	**सा - - -**	**सा - - -**
	गि रि धा ऽ	री ऽ गो ऽ	पा ऽ ऽ ऽ	ला ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

म -	**प - ध -**	**ध - प म**	**प - ध -**	**ध -**
ज य	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ज य	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ
ध -	**प - म ग**	**रे सा ध -**	**प - म -**	**म -**
ज य	रा ऽ धे ऽ	ज य श्री ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	धे ऽ
प - - -	**ध सां - -**	**नी - ध नी**	**ध - प -**	
भा ऽ नु नं	ऽ दि नी ऽ	म धु प ति	अं ऽ क म	
प नी ध प	**म ग रे -**	**म ग रे -**	**सा - - -**	
र स वा ऽ	हि नी ऽ र	सा ऽ र्ण व	सं ऽ ग म	

इसी क्रम से अन्य अन्तरा

जय राधा मोहन श्याम गोविन्दा

जय राधा मोहन श्याम गोविन्दा गिरिधारी गिरिधारी॥

श्रीमनमोहन कृष्णकन्हैया

राधावल्लभ वंशीबजैया

जय राधा प्रियतम श्याम गोविन्दा गिरिधारी गिरिधारी॥

अंस भुजार्पित कमल नचावत

अद्भुत राग सुरन आलापत

जय ब्रज जन पूरन काम गोविन्दा गिरिधारी गिरिधारी॥

स्वर वैचित्र्य कोटि दरसावत

नव रति मंगल गीतहि गावत

जय सहचरि पूरण काम गोविन्दा गिरिधारी गिरिधारी॥

स्थाई

सा -	**ध़ - सा -**	**रे - ग -**	**म - ग -**	**रे ग रे सा**
ज य	रा ऽ धा ऽ	मो ऽ ह न	श्या ऽ म गो	विं ऽ दा ऽ
	ध़ - सा -	**रे ग रे सा**	**म ग रे सा**	**सा - - -**
	गि रि धा ऽ	री ऽ ऽ ऽ	गि रि धा ऽ	री ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प - - ध	**प - म -**	**ग - रे ग**	**रे - सा -**
श्री ऽ म न	मो ऽ ह न	कृ ऽ ष्ण क	न्है ऽ या ऽ

''राधा वल्लभ वंशी बजैया''- इसी तरह

पुनः ''राधा प्रियतम''-स्थाईवत्

इसी क्रम से अन्य अन्तरा॥

जय राधाकृष्ण गोविन्दे जै गोविन्दे गोपाल राधे माधव

जय राधाकृष्ण गोविन्दे जै गोविन्दे गोपाल राधे माधव॥
गोपाल गोविन्द माधव गोपाल गोविन्द माधव
जै माधव जै माधव॥ जै राधे कृष्ण०...... ॥
श्यामामणि गोरी माधवी, श्यामामणि गोरी माधवी
जै माधवी जै माधवी॥ जै राधे कृष्ण०...... ॥
रसिकेन्द्र मौलि हरिमोहन, रसिकेन्द्र मौलिहरि मोहन
जै मोहन जै मोहन॥ जै राधे कृष्ण०...... ॥
रसिकिनी स्वामिनी राधिका, रसिकिनी स्वामिनी राधिका
जय राधिका जय राधिका॥ जै राधे कृष्ण०...... ॥

स्थाई

ग -	**म प - -**	**प - - ध**	**सां - - रें**	**नी - प ध**
ज य	रा ऽ धे ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	गो ऽ विं ऽ	दे ऽ ज य
	सां - - रें	**नी - प ध**	**सां - - नी**	**ध प म ग**
	गो ऽ विं ऽ	दे ऽ गो ऽ	पा ऽ ऽ ल	रा ऽ धे ऽ
	म प - -	**प -**		
	मा ऽ ऽ ध	वा ऽ		

अन्तरा

गं -	**गं - - -**	**गं - मं गं**	**रें - गं मं**	**पं -**
गो ऽ	पा ऽ ऽ ल	गो ऽ विं द	मा ऽ ऽ ध	वा ऽ
पं -	**मं पं - मं**	**गं - रें सां**	**सां गं रें मं**	**गं -**
गो ऽ	पा ऽ ऽ ल	गो ऽ विं द	मा ऽ ऽ ध	वा ऽ

सां रें	**नी सां - नी**	**ध प म ग**	**म प - -**	**प - म ग**
जै ऽ	मा ऽ ऽ ध	वा ऽ जै ऽ	मा ऽ ऽ ध	वा ऽ जै ऽ

इसी क्रम से शेष

✿✿✿

जय राधा कृष्ण गोविन्दा जय भक्तन मन आनंद कंदा।

दयामयी दीनन की श्यामा, मोहन गावैं राधा नामा
जय श्रीराधे नंदनंदा, जै भक्तन मन आनंद कंदा
शोण अधर मृदु मंद हास शुचि, लज्जित दाडिम मुक्ताफल रुचि
निज वशपतिका स्वच्छन्दा, जै भक्तन मन आनंद कंदा
चारु वृत्त वक्षोज घटद्वय, वर वार्णिनी रमण कौतुकमय
उज्जवल रसलतिका कंदा, जै भक्तन मन आनंद कंदा
गुंजितालि नूपुर पादाब्जा, कृणित हंस गण किंकिणि सज्जा
रति कूजित रसनिष्पन्दा जै भक्तन मन आनंद कंदा

स्थाई

सा -	**प - - -**	**प ध प म**	**ग म ग म**	**प ध**
जै ऽ	रा ऽ धा ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	गो ऽ विं ऽ	दा ऽ
प म	**ग रे सा नी**	**सा रे ग म**	**रे ग सा रे**	**सा -**
जै ऽ	भ ऽ क्त न	म न आ ऽ	नं द कं ऽ	दा ऽ

अन्तरा

सां - - -	**नी ध प म**	**प - - नी**	**ध - प -**
द या ऽ म	यी ऽ दी ऽ	न न की ऽ	श्या ऽ मा ऽ

इसी प्रकार ''मोहन गावै'' पुनः स्थाईवत्

''जय श्री राधे नंदनंदा

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

जय जय श्रीराधिकेश

जय जय श्रीराधिकेश, जय जय श्रीराधिकेश।
जय जय श्री गोकुलेश, जय जय श्री गोकुलेश।
मेरो प्रभु राधिकेश, मेरो प्रभु राधिकेश।
मेरो जीवन राधिकेश, मेरो जीवन राधिकेश।
मेरो प्राण राधिकेश, मेरो प्राण राधिकेश।
मेरो प्यारो राधिकेश, मेरो प्यारो राधिकेश।
मेरो स्वामी राधिकेश, मेरो स्वामी राधिकेश।
मेरो सर्वस्व राधिकेश, मेरो सर्वस्व राधिकेश।
मेरो धन राधिकेश, मेरो धन राधिकेश।
मेरी गति राधिकेश, मेरी गति राधिकेश।
मेरी मति राधिकेश, मेरी मति राधिकेश।
मेरी रति राधिकेश, मेरी रति राधिकेश।
राधिकेश राधिकेश राधिकेश राधिकेश।
गोकुलेश गोकुलेश गोकुलेश गोकुलेश।

स्थाई

ग - - प	**रे - ध़ -**	**रे - - ग**	**सा - - -**
जै जै ऽ श्री	रा धि के श	जै जै ऽ श्री	रा धि के श

अन्तरा

सा रे ग प	**प - - -**	**ध प ग रे**	**ग - - -**
जै जै ऽ श्री	गो कु ले श	जै जै ऽ श्री	गो कु ले श

इसी पर अन्य अन्तरा॥

ग प	**सां - - -**	**सां - रें सा**	**ध - - -**	**प -**
रा धि	के ऽ ऽ ऽ	ऽ श रा धि	के ऽ ऽ ऽ	ऽ श
ग प	**ध - - -**	**ध - प ग**	**ध - प -**	**प -**
गो कु	ले ऽ ऽ ऽ	ऽ श गो कु	ले ऽ ऽ ऽ	ऽ श

जय जय श्रीराधा सुख भामिनी,
जै जै करुणाधामिनी जै जै श्रीराधा श्रीराधा

जै जै कुंजविहारिणी प्यारी, जै जै पिय उर धारिणी
जै जै रासविहारिणी जै जै, पिय उर निज पग धारिणी
जै जै श्रीराधा श्रीराधा, जै जै श्रीराधा श्रीराधा॥
जै जै राधे जै जै श्याम॥

स्थाई

नी़ - सा -	**नी़ सा म रे**	**नी़ - ध़ -**	**नी़ रे - सा**
ज य ज य	श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ सु ख	भा ऽ मि नी
रे - ग -	**रे ग म प**	**मग म - -**	**ग रे नी़ ध़**
जै ऽ जै ऽ	क रु णा ऽ	धाऽ ऽ मि नी	ज य ज य
ध़ नी़ रे -	**रेग मग म रे**	**सा - - -**	**सा - - -**
श्री ऽ रा ऽ	धा ऽऽ ऽ श्री	रा ऽ ऽ ऽ	धा ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प - ग म	**प - - -**	**प ध म -**	**ध - - -**
जै ऽ जै ऽ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ रि णी	प्या ऽ री ऽ
ध - - -	**ध - नी सां**	**नी - ध -**	**ध - - -**
जै ऽ जै ऽ	पि य उ र	धा ऽ ऽ रि	णी ऽ ऽ ऽ
ध नी रें सां	**रें - - -**	**नी प ध सां**	**रें गं रें ग**
जै ऽ जै ऽ	रा ऽ स वि	हा ऽ रि णी	ज य ज य
सां - - रें	**नी ध प ध**	**नी - सां -**	**सां - - -**
पि य उ र	नि ज प ग	धा ऽ ऽ रि	णी ऽ ऽ ऽ

ध - - -	**ध - नी ध**	**सां - - -**	**सां - - -**
जै ऽ जै ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ ऽ श्री	रा ऽ धा ऽ
ग रे नी़ ध़	**ध़ नी़ रे -**	**म ग म रे**	**सा - - -**
जै ऽ जै ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ ऽ श्री	रा ऽ धा ऽ
नी़ - सा -	**नी़ सा ग रे**	**सा - नी़ ध़**	**नी़ ध़ सा -**
जै ऽ जै ऽ	ऽ ऽ रा धे	जै ऽ जै ऽ	ऽ ऽ श्या म

❀❀❀

जय जय वृषभानु दुलारी

जय जय वृषभानु दुलारी जय जय दयामयी।
जय जय मोहन जू की प्यारी जय जय दयामयी॥
राधे राधे गाये जा, जीवन सफल बनाये जा॥
जय जय कीरत सुकुमारी जय जय दयामयी॥
जय जय मोहन की प्यारी जय जय दयामयी॥
जय जय मुखचन्द्र शोभने जय जय दयामयी।
जय जय नव केलि मोहने जय जय दयामयी॥
जय जय रस केलि पालिते जय जय दयामयी।
जय जय प्रिय क्रोड लालिते जय जय दयामयी॥

स्थाई

ग म	**ध - - -**	**प - म ग**	**रे - सा -**
ज य	ज य वृ ष	भा ऽ नु दु	ला ऽ री ऽ
	नी़ सा रे ग	**रे प - म**	**ग -**
	ज य ज य	द या ऽ म	यी ऽ

अन्तरा

सा	**-**	**रे**	**-**	**रे**	**ग**	**-**	**म**	**ग**	**रे**	**-**	**म**	**ग**	**-**	**-**	**-**
रा	ऽ	धे	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	गा	ऽ	ये	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ
प	**ऽ**	**ऽ**	**ध**	**म**	**प**	**म**	**ग**	**रे**	**ग**	**रे**	**म**	**ग**	**-**	**-**	**-**
जी	ऽ	व	न	स	फ	ल	ब	ना	ऽ	ये	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ

✿✿✿

जय जय राधे जय घनश्याम

जय जय राधे जय घनश्याम, जै जै जोरी मंगल धाम॥

महारानी राधे भानुदुलार।

रसिया है नागर नंदकुमार।

नित बरसावैं रस अविराम, जै जै जोरी मंगल धाम॥

सब देव मुकुटमणि नंदलाल।

जीवन श्रीराधे रसिक बाल।

वन विहरैं नित ही सुखकाम, जै जै जोरी मंगल धाम॥

हरि करत प्रिया कौ आराधन।

निज तन मन प्रिया करै अर्पन।

द्वै देही पर एकहि प्रान, जै जै जोरी मंगल धाम॥

स्थाई

सा	**-**	**-**	**रे**	**नी़**	**-**	**प़**	**-**	**नी़**	**सा**	**रे**	**सा**	**रे**	**-**	**-**	**-**
जै	ऽ	जै	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	जै	ऽ	घ	न	श्या	ऽ	ऽ	म
रे	**-**	**प**	**-**	**म**	**-**	**रे**	**-**	**सा**	**ऽ**	**रे**	**नी़**	**सा**	**-**	**-**	**-**
जै	ऽ	जै	ऽ	जो	ऽ	री	ऽ	मं	ऽ	ग	ल	धा	ऽ	ऽ	म

अंतरा

म	-	**म**	-	-	-	**ग**	-	**रे**	**ग**	**रे**	**सा**	**नी**	**सा**	**रे**	**प**		
म	हा	रा	ऽ	नी	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	भा	ऽ	नु	दु	ला	र		
सां	-	**<u>नी</u>**	-	-	-	**ध**	-	**प**	**ध**	**प**	**म**	**ग**	**म**	**प**	-		
रा	सि	या	ऽ	है	ऽ	ना	ऽ	ग	र	नं	ऽ	द	कु	मा	र		

''नित बरसावै'' स्थाईवत्

इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

✿✿✿

जै जै राधेगोविंद, माधव मुकुंद, माधव मुकुंद माधव मुकुंद॥

वृषभान कुंवरि श्रीनंद नंद, एक गौर चन्द एक नील चन्द॥
आनंद कंद श्रीयुगल चन्द, नित युगल केलि निरवधि अनंद।
विहरत गहवर वन अति स्वच्छंद, नहि काल बंध नहि कर्म बंध।
युग लाल चरण रस केलि कन्द, पद युगल सेय सब छांड द्वन्द।

स्थाई

सा	**<u>नी</u>**	**स**	**<u>ग</u>**	**मं**	**प**	**सा**	**प**	**मं**	**<u>नी</u>**	**सा**	**<u>ग</u>**	-	-	**सा**	-
जै	जै	रा	ऽ	धे	गो	विं	द	मा	ऽ	ध	व	मु	कुं	ऽ	द

अन्तरा

प	-	**प**	-	**<u>नी</u>**	-	**<u>नी</u>**	-	**रें**	-	**सां**	-	**<u>नी</u>**	**प**	**मं**	**प**
मा	ऽ	ध	व	मु	कुं	ऽ	द	मा	ऽ	ध	व	मु	कुं	ऽ	द

पुनः स्थाई॥

इसी प्रकार अन्य अन्तरा॥

जय जय राधे गोविंदा गोपाल, जै जै राधावर माधव हरे॥

गिरिधारी रे विहारी नन्दलाल, राधावर माधव हरे। माधव हरे माधव हरे।

हरि राधा के गलमाल राधावर माधव हरे।

राधा हरि की गलमाल राधावर माधव हरे।

रुचि शीशफूल विधु भाल राधावर माधव हरे।

लट घुंघराली शुभ भाल, राधावर माधव हरे॥

स्थाई

सा -	**सा - ग -**	**म ग ध -**	**प - - -**
जै जै	रा ऽ धे गो	विं दा गो ऽ	पा ऽ ऽ ल
सां - - -	**ग प म प**	**ग - रे -**	**सा -**
जै ऽ जै ऽ	रा धा व र	मा ध व ह	रे ऽ

अन्तरा

नी -	**सां - - -**	**सां - रें नी**	**सां - - नी**
गि रि	धा री रे वि	हा री नं द	ला ऽ ऽ ल
ध प म प	**नी ध नी ध**	**प -**	
रा धा व र	मा ध व ह	रे ऽ	

इसी पर अन्य अन्तरे

नी - - रें	**सां - - -**	**नी - - रें**	**सां - - -**
मा ध व ह	रे ऽ ऽ ऽ	मा ध व ह	रे ऽ ऽ ऽ

जै जै राधे गोविंद जै जै राधे गोविंद॥

प्रभु दीन-दुखहारी, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु भक्त-भयहारी, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु दीन-दुख-नाशन, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु आश्रित-पालक, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु कलिमल गंजन, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु कर्म विध्वंसन, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु जनहित धारक, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु योगक्षेमक, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु विरह विखण्डन, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु अन्तर्मण्डन, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु विपद विभञ्जन, जै जै राधे गोविंद।
प्रभु आनंद मज्जन, जै जै राधे गोविंद।

स्थाई

ग -	**ग प म प**	**ग - सा रे**	**<u>नी़</u> - सा -**	**सा -**
जै जै	रा ऽ धे गो	विं द जै जै	रा ऽ धे गो	विं द

अन्तरा

म ग	**म प - -**	**प ध <u>नी</u> ध**	**ग प म -**	**ग रे**
प्र भु	दी न दुः ख	हा री जै जै	रा ऽ धे गो	विं द

जै जै राधे राधे कृष्ण गोपाल हरी, गोपाल हरी गोविन्द हरी।

गन्धार्चित मंगल हेमकाय, हरिचंदनाढ्य नव जलद काय।

सौन्दर्य सुधानिधि प्रेम रूप, श्रृंगार सुधानिधि छवि अनूप।

पंकेरूहनयना कृष्ण प्रिया, खंजन चञ्चल दृग कृष्ण पिया।

स्थाई

सा -	सा ग॒ रे ग॒	रे॒ - सा रे॒	सा - ध़॒ नी़॒	सा -
जै जै	रा धे रा धे	कृ ऽ ष्ण गो	पा ऽ ल ह	री ऽ

अंतरा

प -	प - - -	प ध॒ प म	म ग॒ प म	म -
गो ऽ	पा ऽ ल ह	री ऽ गो ऽ	विं ऽ द ह	री ऽ

अन्तरा

सा ग	ध॒ - म -	ग॒ - प म	ग॒ म ग॒ रे॒	सा -
गं ऽ	धा ऽ र्चि त	मं ऽ ग ल	हे ऽ म का	ऽ य

''हरिचंदन''– इसी पर। पुनः स्थाई इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

जै जै राधारमण कन्हैया

जै जै राधारमण कन्हैया जै जै गोवर्द्धन उठवैया।

इन्द्र ने कोप कियो ब्रज ऊपर

धारा बरस्यो जैसे मूसर

जै जै ब्रज की लाज बचैया जै जै गोवर्द्धन उठवैया॥

ग्वाल बाल संग खेल मचायो
लूट लूट दधि माखन खायो
जै जै माखन के चुरवैया जै जै गोवर्द्धन उठवैया॥
वृन्दावन में रास रचायो
ब्रज गोपिन में नाच नचायो
जै जै ताता थेई करैया जै जै गोवर्द्धन उठवैया॥
कालीदह में गेंद फेंक के
कूद पर्‌यो ऊँचे ते दह में
जै जै काली के नथवैया जै जै गोवर्द्धन उठवैया॥
भानु लाड़िली प्रानन प्यारी
श्रीराधा कीरति सुकुमारी
जै जै राधा हृदय बसैया जै जै गोवर्द्धन उठवैया॥

स्थाई

सा - - -	**प - - -**	**प ध प म**	**ग प म -**
जै ऽ जै ऽ	रा ऽ धा ऽ	र म ण क	न्है ऽ या ऽ
ग रे सा नी़	**सा - रे म**	**ग - रे -**	**सा - - -**
जै ऽ जै ऽ	गो ऽ व ऽ	र्ध न उ ठ	वै ऽ या ऽ

अन्तरा

म - ग -	**प - - -**	**प ध सां नी**	**ध - प -**
इ ऽ न्द्र ने	को ऽ प कि	यो ऽ ब्र ज	ऊ ऽ प र

इसी प्रकार ''धारा बरस्यो''

सां - - -	**सां - - -**	**प - म प**	**ग प म -**
ज य ज य	ब्र ज की ऽ	ला ऽ ज ब	चै ऽ या ऽ
ग रे सा नी़	**सा - रे म**	**ग - रे -**	**सा - - -**
ज य ज य	गो ऽ व र	ध न उ ठ	वै ऽ या ऽ

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

जय जय राधा प्यारी रूप उजारी
रंगरंगीली भोरी भारी जै कीरति सुकुमारी

गौरांगी जय हेमांगी जय,
जय करुणामयी कमल-लोचनी, जै कीरति सुकुमारी।
पद्माक्षी जय मीनाक्षी जय,
जय करुणामयी कमल लोचनी जय कीरति सुकुमारी।
शोभाश्री जै मंजुश्री जै,
जय करुणामयी कमल-लोचनी जय कीरति सुकुमारी॥

स्थाई

प़ ग रे नी़	**सा ग - -**	**रे - स नी़**	**सा रे - -**
जै जै रा धा	प्या री ऽ ऽ	रू ऽ प उ	जा री ऽ ऽ
सा प़ ध़ प़	**सा प़ ध़ प़**	**प - ग रे**	**रे सा सा -**
रं गरं गी ली	भो री भा री	जै की रति सुकु	मा ऽ री ऽ

अंतरा

प - ध प	**ग सा रे ग**	**प - ध प**	**ग सा रे ग**
गौ ऽ रां ऽ	गी ऽ ज य	हे ऽ मां ऽ	गी ऽ ज य
रे - - -	**रे - - ग**	**म ग रे ऽ**	**सा - - -**
जै करु णा मयि	कम ललो ऽच नी	जै की रति सुकु	मा ऽ री ऽ

इसी क्रम से अन्य अन्तरा

✿✿✿

जय जय राधारानी

जय जय राधारानी मेरी महारानी जै जै बरसानों रजधानी॥

चरण–कमल की सेवा दीजै

कैसेहु मोहि अपनी कर लीजै

रस की खानी, गुण की खानी जै जै बरसानो रजधानी॥

श्रीराधा वृन्दावन रानी

श्रीराधा हरि प्राण समानी

प्रेम दिवानी, प्रेम लुभानी, जै जै बरसानो रजधानी॥

कृपा करहु वृषभानु दुलारी

अलबेली स्वामिनी मतवारी

रूप गुमानी, मधुरी वानी, जै जै बरसानों रजधानी॥

स्थाई

नी़ सा नी़ सा	**म ग रे -**	**नी़ सा नी़ सा**	**म ग रे -**
जै जै रा धा	रा ऽ नी ऽ	मे री म हा	रा ऽ नी ऽ
प - म -	**ग - सा रे**	**ग - रे -**	**सा - - -**
जै ऽ जै ऽ	ब र सा ऽ	नों ऽ र ज	धा ऽ नी ऽ

अन्तरा

प - ग स	**प - नी ध**	**प - म ग**	**रे म ग -**
च र ण क	म ल की ऽ	से ऽ वा ऽ	दी ऽ जै ऽ

इसी पर ''कैसेहु मोहे''– पुन: ''रस की खानी''

स्थाईवत्। इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

जय जय राधा नाम रस कौ कंदा इष्ट जान जपे ब्रज कौ चन्दा

जय जय राधे जै जै राधे, जै जै श्रीराधे
जै जै श्रीराधा नाम, जय जय श्रीराधा नाम॥
कुंजन बैठ कृष्ण भगवंता, ध्यावत राधा पदारविन्दा।
युग अक्षर राधा जप तत्पर, योगेश्वर सो बन प्रेमेश्वर।
झरत अश्रु नयननहि अमंदा, इष्ट जाप जपे ब्रज कौ चन्दा॥
राधा नाम जपत शिवशंकर, महारास पावत गंगाधर।
राधा नाम जपत कमलासन, पावत श्रीपद ब्रज पर्वत बन।
नाम न जान मुक्त सुरवृन्दा, इष्ट जान जपे ब्रज कौ चन्दा॥

स्थाई

म - - -	**म** - - -	**ग** - **म ग**	**रे** **सा नी** -
जै ऽ जै ऽ	रा धा ना म	र स को ऽ	कं ऽ दा ऽ
नी - - -	**सा** - - **रे**	**म ग रे** -	**सा** - - -
इ ऽ ष्ट जा	ऽ न ज पे	ब्र ज कौ ऽ	चं ऽ दा ऽ

अन्तरा

नी - **सा** -	**रे** - **सा** -	**म** - **ग** -	**रे** - **सा** -
जै जै रा धे	जै जै रा धे	जै ऽ जै श्री	रा ऽ धे ऽ
कुं ऽ ज न	बै ऽ ठ कृ	ऽ ष्ण भ ग	व ऽ न्ता ऽ

इसी पर "ध्यावत राधा....."

म - - -	**म** - **प** -	**ध** - **प** -	**म** - - -
ज य ज य	रा धा ना म	ज य ज य	रा धा ना म
यु ग अ ऽ	क्ष र रा ऽ	धा ऽ ज प	त ऽ त्प र

इसी पर "योगेश्वर सो बन....।" पुनः "झरन अश्रु" स्थाईवत्।

इसी क्रम से दूसरा अंतरा

जय जय नव यौवनी श्रीराधा

जय जय नव यौवनी श्रीराधा, जै जै मृगनैनी श्रीराधा॥
जै जै मृदुभाषिणी श्रीराधा, जै जै मधुलापिनी श्रीराधा॥
जै जै मधुगामिनी श्रीराधा, जै जै द्युतिदामिनी श्रीराधा॥
जै जै मृदुहसिता श्रीराधा, जै जै शुचि स्मिता श्रीराधा॥
जै जै शशि वदनी श्रीराधा, जै जै दाडिम रदनी श्रीराधा॥
जै जै कृशमध्या श्रीराधा, जै जै पृथुस्तनी श्रीराधा॥
जै जै हरि–स्तुता श्रीराधा, जै जै प्रिया प्रीता श्रीराधा॥
जै जै परम कृशोदरि श्रीराधा, जै जै रस निर्झर झरि श्रीराधा॥

स्थाई

सा रे - -	**रे ग रे ग**	**म - प ग**	**म ग रे -**
ज य ज य	न व यौ ऽ	व नी ऽ श्री	रा ऽ धा ऽ
सा रे - -	**सा नी़ ध़ नी़**	**रे - - -**	**सा - - -**
ज य ज य	मृ ग न य	नी ऽ श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ

अन्तरा

सा ग - -	**ग म ग म**	**म प - -**	**प - - म**
ज य ज य	मृ दु भा ऽ	षि णी ऽ श्री	रा ऽ धा ऽ
प नी - -	**ध - प -**	**म - प म**	**ग - रे सा**
ज य ज य	म धु ला ऽ	पि नी ऽ श्री	रा ऽ धा ऽ

पुनः स्थाई। इसी क्रम से शेष अंतरा।

जय जय नव कुञ्जन की रानी राधा कंचन गोरी।

कृष्ण–कामिनी कृष्ण–भामिनी, कृष्ण–स्वामिनी भोरी॥
श्याम नीलमणि प्रिया सुनहली, छैल छबीली जोरी॥
क्रीडति श्री गहवर वन कुञ्जन, मंजु सांकरी खोरी॥
अधर शोण दृक्कोण मोड़ सो, करति श्याम चित चोरी॥
अति उदार सर्वस्व दान सों, भरति कृष्ण हिय झोरी॥
ब्रजनभ मण्डल स्वेच्छाचारी, हरि पतंग की डोरी॥

स्थाई

ग - - -	**रे - सा रे**	**नी̣ - ध़ प़**	**ध़ सा - -**
ज य ज य	न व कुं ऽ	ज न की ऽ	रा ऽ नी ऽ
ग - - -	**ग - प -**	**म - - प**	**ग - रे सा**
रा ऽ धा ऽ	कं ऽ च न	गो ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ

अंतरा

ग - प -	**प - - -**	**ग प ध नी**	**ध - प -**
कृ ऽ ष्ण का	ऽ मि नी ऽ	कृ ऽ ष्ण भा	ऽ मि नी ऽ
म - ध -	**प - म प**	**ग सा रे म**	**ग - - -**
कृ ऽ ष्ण स्वा	ऽ मि नी ऽ	भो ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ

अन्य अन्तरा इसी प्रकार॥

जय जय कृष्ण-प्रिया राधा।

जय जय श्याम-प्रिया राधा।
जय जय हरि-प्रिया राधा।
जय जय नवल-प्रिया राधा।
जय जय प्रेम-प्रिया राधा।
जय जय केलि-प्रिया राधा।
जय जय भाव-प्रिया राधा।
जय जय रास-प्रिया राधा।
जय जय प्रिया-प्रिया राधा।
जय जय भक्त-प्रिया राधा।
जय जय दीन-प्रिया राधा।
जय जय दास-प्रिया राधा।
जय जय लालमयी राधा।
जय जय कृष्णमयी राधा।
जय जय श्याममयी राधा।
जय जय कृपामयी राधा।
जय जय दयामयी राधा।

स्थाई

रे - - ग	**सा - रे म**	**ग - रे -**	**सा - - -**
ज य ज य	कृ ऽ ष्ण प्रि	या ऽ रा ऽ	धा ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

ध - - -	**ध - प ध**	**म ध प म**	**ग - रे सा**
ज य ज य	श्या ऽ म प्रि	या ऽ रा ऽ	धा ऽ ऽ ऽ

पुनः स्थाई। इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

ठाकुर श्रीघनश्याम राधिका-सी ठकुरानी।
राजा श्याम राधिका उनकी है महारानी॥

राधा राधा राधा राधा राधा राधा।
हरि की मन्मथ बाधा हरनी सब सुख साधा॥
ऐसो जो मोहांध जीव तू, जाग जाग अब।
जाय रही यह सांस न जानै जागेगो कब॥
पियै न युग-पद रति रस, पीवै विष को सागर।
डूबै मरै जहर में, उतरावै भोगी नर॥
छांड़ सुधा विष्ठा भोगन कौ पर्वत खावै।
विषयन कौ विष खावै दुःख भौगै मर जावै॥
बस बरसाने कुंज–महल में प्राणी।
द्वार पर्‍यो रह कृपा करै सुखखानी॥

स्थाई

सा - - रे	**ग म - -**	**- - - -**	**- ग म प**
ठा ऽ कु र	श्री ऽ घ न	श्या ऽ म रा	ऽ धि का ऽ
ग म - ग	**- - - -**		
सी ऽ ठ कु	रा ऽ नी ऽ		
सा - - रे	**म ग रे -**	**म ग रे -**	**म ग रे ग**
रा ऽ जा ऽ	श्या ऽ म रा	ऽ धि का ऽ	उ न की ऽ
रे - सा -	**- - - -**		
है ऽ म हा	रा ऽ ऽ नी		

अंतरा

ध - - -	**- - - -**	**प ध प म**	**- - - प**
रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ
ग म ग -	**- - - -**		
रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ		

सा - - <u>रे</u>	**म <u>ग</u> <u>रे</u> -**	**म <u>ग</u> <u>रे</u> -**	**म <u>ग</u> <u>रे</u> <u>ग</u>**
ह रि की ऽ	म ऽ न्म थ	बा ऽ धा ऽ	ह र नी ऽ
<u>रे</u> - सा -	**- - - -**		
स ब सु ख	सा ऽ धा ऽ		

✿✿✿

ठाकुर की ठकुरानी राधा,
कुंज विहारी की सुख साधा॥

बाला के जीवन गोपाला, रट राधा चातक नंदलाला॥
सागर द्वय उमगे ब्रजमंडल, श्रीवृंदावन संगम कौशल॥
जल बिनु सिंधु बने ज्योतिर्मय, नील रश्मिमय पीत रश्मिमय॥
पै अंनत रस छलकत युग तन, जाको जस प्रगटत ब्रह्मंडन॥
प्रिया पीत मुख-चंद्र दरसते, नील सिंधु बढ़ तज सीमा ते॥
पीय नीलमुख चंद्र दरसते, पीत सिंधु बढ़ लाज सींव ते॥
सदा पूर्णमासी वृंदावन, गिरिवर गहवर कुंजन श्रीवन॥

स्थाई

प - म <u>ग</u>	**प - म <u>ग</u>**	**प - मप मप**	**<u>ग</u>म <u>ग</u>म <u>ग</u><u>रे</u> स**
ठा ऽ कु र	की ऽ ठ कु	रा ऽ नीऽ ऽऽ	राऽ ऽऽ धाऽ ऽ
<u>नी</u> - सा प	**प - म प**	**<u>नी</u> - <u>ग</u> -**	**सा - - -**
कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ	की ऽ सु ख	सा ऽ धा ऽ

अन्तरा

सां - <u>नी</u> प	**सां - - -**	**<u>नी</u> सां रें सां**	**<u>नी</u> सां प -**
बा ऽ ला ऽ	के ऽ जी ऽ	व न गो ऽ	पा ऽ ला ऽ
रें - - -	**सां - प म**	**<u>नी</u> ध <u>नी</u> ध**	**सां - प -**
र ट रा ऽ	धा ऽ चा ऽ	त क नं द	ला ऽ ला ऽ

दामिनी कोटि किरणमाला, कनकबाला कनकबाला।

प्रिया वधू वर नंदलाला, राधा गोपाला राधा गोपाला।
अद्भुत कमल दोउ प्रकटे वन, बिना वारि वारिज रसमय तन।
ज्योतिर्मय पंखुड़ी सुवासित, अंग-अंग निर्मल तन विकसित।
पीतरश्मिमय पीतकमल इक, नील रश्मिमय नील कमल इक।
मृदुलकनकमय दिव्य सुरभिमय, मृदुल नील मणिमय सौरभमय।
राधा-कृष्ण युगल अरविन्दा, प्रेमोज्ज्वल मधु रसनिष्यन्दा।
सुरत वायु दोलित आलिंगित, कमल कमल सो क्रीडत वेष्टित।

स्थाई

प - ग -	**रे ग - सा**	**सा - म रे**	**नी - - -**
दा ऽ मि नी	को ऽ टि कि	र ण मा ऽ	ला ऽ ऽ क
नी - सा रे	**सा - नी ध**	**प ध नी -**	**सा - - -**
न क बा ऽ	ला ऽ ऽ क	न क बा ऽ	ला ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प - ध म	**प - - -**	**म - ग रे**	**सा - - -**
अ द् भु त	क म ल दो	ऽ उ प्र ग	टे ऽ व न
सा रे ग म	**- - - -**	**म - प ध**	**प - - -**
बि ना ऽ वा	ऽ रि वा ऽ	रि ज र स	म य त न

पुनः स्थाई। इसी क्रम से शेष अन्तरा।

दामोदर कृष्णचन्द्र करुणा के सिंधुरे।

राधा पद-सेवी जै जै दीनबंधु रे॥
राधा उर धारण राधा दृग इन्दु रे॥
राधा संग-विहरण राधा सुख सिंधु रे॥
देहु मोहि युगल-चरण रस बिन्दु रे॥
जै जै दीनबंधु रे जै जै दीनबंधु रे॥
करुणा के सिंधु रे करुणा के सिंधु रे॥

स्थाई

सा ध़ सा रे	**ग - प -**	**ग म ग रे**	**सा - रे -**
दा मो द र	कृ ष्ण च न्द्र	क रु णा के	सिं धु रे ऽ

अन्तरा

ग - रे ग	**प - - -**	**ध प नी ध**	**मं ध प -**
रा धा प द	से वी ज य	ज य दी न	बं धु रे ऽ

इसी पर अन्य अंतरा।

सां - - -	**नी रें सां -**	**ग - - प**	**रे - सा -**
जै जै दी न	बं धु रे ऽ	जै जै दी न	बं धु रे ऽ

इसी पर ''करुणा के सिंधु रे-२।''

दीनन के नाथ दयाल रे, भज मन राधे गोविंद भज मन माधव मुकुन्द

जै राधे गोविंद जै माधव मुकुन्द, जै गौर-श्याम चरणारविंद,
राधा अरु नंदलाल रे भज मन राधे गोविन्द भज मन राधे गोविंद ॥
चंद्रांशु जलद राधा-माधव, ज्योत्स्ना वारिधि राधा-माधव,
राधे गोविंदा घनश्याम रे भज मन राधे गोविन्द भज मन राधे गोविंद ॥
मद-लोल नयन राधा माधव, मदमत्त गमन राधा-माधव,
हरि राधा कोरति बाल रे भज मन राधे गोविंद भज मन राधे गोविंद ॥

स्थाई

म - - -	**म - - रे**	**ग - - म**	**ग रे सा -**
दी न न के	ना ऽ थ द	या ल रे ऽ	भ ज म न
रे ग रे सा	**रे म ग -**	**रे - - ग**	**रे - सा -**
रा ऽ ऽ ऽ	धे ऽ गो ऽ	विं ऽ दा ऽ	भ ज म न
रे ग रे सा	**रे म ग -**	**रे - सा -**	
रा ऽ ऽ ऽ	धे ऽ गो ऽ	विं ऽ दा ऽ	

अन्तरा

ग म	**प - - म**	**ध प म -**	**ग - रे ग**	**प म**
ज य	रा ऽ धे गौ	विं द जै ऽ	मा ध व मु	कुं द

इसी पर ''जै गौर श्याम चरणारविंद''

पुनः ''राधा अरु नंदलाल रे'' स्थाईवत् तथा इसी क्रम से अन्य अन्तरा

दीनबंधु घनश्याम लाड़िली दीनन प्रतिपालिनी श्रीराधे

दयामयी श्रीराधा राधा, दीनबंधु श्रीकृष्ण कृष्ण अशरण शरण किशोरी श्रीराधे ॥
प्रेमार्णव घूर्णित दृगञ्चला, केलि कोटि वैचित्र्य रति-कला अति चतुरा अति भोरी राधे ॥

स्थाई

ग म ग रे	**नी़ ध़ प़ ध़**	**सा - - ग**	**ग - प -**
दी ऽ न बं	ऽ धु घ न	श्या ऽ म ला	ऽ ड़ि ली ऽ
ध नी ध प	**प ध प म**	**प ध प म**	**ग सा रे ग**
दी ऽ न न	प्र ति पा ऽ	ल नी ऽ श्री	रा ऽ धे ऽ

अंतरा

ग म नी ध	**सां - - -**	**नी - ध -**	**सां - - -**
द या ऽ म	यी ऽ श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ
ध नी सां रें	**गं - रें सां**	**ध - नी -**	**ध - प -**
दी ऽ न बं	ऽ धु श्री ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ
प नी ध म	**प ध प म**	**प ध प म**	**ग सा रे ग**
अ श र ण	श र ण कि	शो ऽ री श्री	रा ऽ धे ऽ

इस क्रम से दूसरा अन्तरा

दीनबंधु जय दीनानाथ मेरी डोरी तेरे हाथ।

मेरी डोरी तेरे हाथ मेरी लज्जा तेरे हाथ॥
राधे राधे राधे श्याम मेरे जीवन श्यामा श्याम।
राधे राधे राधे श्याम श्यामा श्यामा श्यामा श्याम॥
निष्कैतव पद रति मैं चाहूँ, अनपायिनी भक्ति अवगाहूँ।
दीन हीन पतितन के नाथ मेरी डोरी तेरे हाथ॥
प्रेम लक्ष्मी प्रीति सिन्धुजा, ब्रजकमला कमलेश प्रीतिदा।
गो गोपी ब्रज गोप सुनाथ, मेरी डोरी तेरे हाथ॥

स्थाई (क)

म़ प़ नी़ -	**सा - - -**	**नी़ सा रे ग**	**रे ग रे सा**
दी ऽ न बं	ऽ धु जै ऽ	दी ऽ ना ऽ	ना ऽ ऽ थ
रे ग ग रे	**ग म - -**	**ग - रे ग**	**रे - सा -**
मे ऽ री ऽ	डो ऽ री ऽ	ते ऽ रे ऽ	हा ऽ ऽ थ

अन्तरा

प - - -	**प - - म**	**प ध नी ध**	**प - - ध**
रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ ऽ म
म - - -	**ग - रे ग**	**म ग रे -**	**सा - - -**
मे ऽ रे ऽ	जी ऽ व न	श्या ऽ मा ऽ	श्या ऽ ऽ म

पुनः स्थाई ''राधे ३ श्याम श्यामा ३ श्याम''

इसी क्रम से शेष

दूसरी धुन स्थाई (ख)

सां - - रें	**नी सां - रें**	**नी सां नी ध**	**प म ग -**
दी ऽ न बं	ऽ धु ज य	दी ऽ ना ऽ	ना ऽ ऽ थ
ग म प म	**ग रे सा -**	**ध प नी ध**	**प ध प -**
मे ऽ री ऽ	डो ऽ री ऽ	ते ऽ रे ऽ	हा ऽ ऽ थ

अन्तरा

प ध सां रें	**गं - - -**	**रें गं रे -**	**सां - - -**
रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ ऽ म
सां - रें सां	**नी ध प ध**	**नी - - -**	**नी - - -**
मे ऽ रे ऽ	जी ऽ व न	श्या ऽ मा ऽ	श्या ऽ ऽ म

पुनः स्थाईवत् ''राधे ३ श्याम श्यामा ३ श्याम'' इसी क्रम से अन्य अंतरा।

✿✿✿

दीनबंधु जय दीनानाथ, राधारमण राधिकानाथ॥

श्रीराधा मुख चंद्र चकोरा, श्रीराधा चित माखन चोरा।
राधावल्लभ राधानाथ, राधारमण राधिकानाथ॥
श्रीराधा मन-मंदिर मण्डन, श्रीराधा उर मध्य सुखञ्जन।
विहरत लली संग नित साथ, राधारमण राधिकानाथ॥
श्रीराधा रस सरसी जलचर, श्रीराधा मृदु पद-कमल-भ्रमर।
श्यामा-पद-रज धारत माथ, राधारमण राधिकानाथ॥

स्थाई

सा - - -	**सा रे सा नी़**	**सा - ग सा**	**ग मं प -**
दी ऽ न बं	ऽ धु जै ऽ	दी ऽ ना ऽ	ना ऽ ऽ थ
प - - -	**मं - ग रे**	**मं - ग रे**	**ग रे सा -**
रा ऽ धा ऽ	र म ण रा	ऽ धि का ऽ	ना ऽ ऽ थ

अन्तरा

नी - - -	**ध सां नी -**	**सां नी ध प**	**मं ध प प**
श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ मु ख	चं ऽ द्र च	को ऽ रा ऽ

इसी पर ''श्रीराधा चित''
''राधा वल्लभ राधा नाथ'' स्थाईवत्।
इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

दीनानाथ दयाल सँवरिया, राधावर नंदलाल सँवरिया।

करुणा सिन्धु कृपालु सँवरिया, नवल किशोर नवल नागरिया।
निर्बल के बल आप सँवरिया, नवल किशोर नवल नागरिया।
शरणागत प्रतिपाल सँवरिया, नवल किशोर नवल नागरिया।
श्रीराधा नंदलाल सँवरिया, नवल किशोर नवल नागरिया।

स्थाई

सां - - -	**सां <u>नी</u> ध प**	**ध - प म**	**ग - सा -**
दी ऽ ना ऽ	ना ऽ थ द	या ऽ ल सँ	व रि या ऽ
रे - - -	**ग - सा -**	**ग - म प**	**म - ग -**
रा ऽ धा ऽ	व र नं द	ला ऽ ल सँ	व रि या ऽ

अन्तरा

म - - -	**म - ग म**	**प - - -**	**ध नी - -**
क रु णा ऽ	सिं ऽ धु कृ	पा ऽ ल सँ	व रि या ऽ
ध नी ध -	**प - - -**	**ध - रें -**	**सां - - -**
न व ल कि	शो ऽ र न	व ल ना ऽ	ग रि या ऽ

अन्य अन्तरा इसी पर

धन धन राधाचरण रेणु जय, सिर धरि सेवे कुंजविहारी।

धन धन राधाचरण रेणु जय, बरसाना ब्रह्माचल वारी।
धन धन राधाचरण रेणु जय, पर्वत ऊपर बनी अटारी।
धन धन राधाचरण रेणु जय, खोर सांकरी गलिन प्रचारी।
धन धन राधाचरण रेणु जय , दान, विलास, मान गढ़वारी।
धन धन राधाचरण रेणु जय, गह्वर कुंज गलिन प्रचारी।
धन धन राधाचरण रेणु जय, गिरिवर राधा कुंड मंझारी।
धन धन राधाचरण रेणु जय, यमुना पुलिन शीत सुखकारी।
धन धन राधाचरण रेणु जय, श्री वृंदावन रास-विहारी।
धन धन राधाचरण रेणु जय, नित्य विहारिनी नित्य-विहारी।
धन धन राधाचरण रेणु जय, राधा राधा रसिक-विहारी॥

स्थाई

नी़ सा ध़ नी़	**सा रे प म**	**ग सा रे ग̲**	**रे - सा -**
ध न ध न	रा ऽ धा ऽ	च र ण रे	ऽ णु ज य
प - - ध	**म - - -**	**ग म ग म**	**ग̲ - रे ग̲**
सि र ध रि	से ऽ वे ऽ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ

अन्तरा

प - - ध	**नी - ध -**	**म - - प**	**ध - प -**
ध न ध न	रा ऽ धा ऽ	च र ण रे	ऽ णु ज य
म ध - -	**म प - -**	**ग म ग म**	**ग̲ - रे ग̲**
ब र सा ऽ	ना ऽ ब्रह ऽ	मा ऽ च ल	वा ऽ री ऽ

नटवर श्याम किशोरी भोरी, नीलमणी तन कंचन गोरी

गौर तेज अरु श्याम तेज दोउ, सहज प्रकाशित चंद्र करोरी
मन हरनी सुख दैनी जोरी, गहवर वन विहरत है जोरी
रस सागर उमड़त नैनन में, पुण्य दृष्टि चितवै मम ओरी
धार मधुरता वह बैनन में, दोउ सुधाकर दोउ चकोरी
प्रीति समुद्र सार रस प्रगटत, श्रीवन नभ बरसत घन घोरी

स्थाई

सां - - -	**सां - - रें**	**नी - - सां**	**ध नी ध -**
न ट व र	श्या ऽ म कि	शो ऽ री ऽ	भो ऽ री ऽ
ध ध म प	**ग सा रे ग**	**सा - ग म**	**प ध सांध पध**
नी ऽ ल म	णी ऽ कं ऽ	च न त न	गो ऽ रीऽ ऽऽ

अन्तरा

प - ग म	**प - - -**	**ध नी ध नी**	**ध - प ध**
गौ ऽ र ते	ऽ ज अ रु	श्या ऽ म ते	ऽ ज दो उ
सां - - -	**सां - रें गं**	**रें सां - -**	**सां - प ध**
स ह ज प्र	का ऽ शि त	चं ऽ द्र क	रो ऽ री ऽ

इसी प्रकार अन्य अन्तरा

✿✿✿

नमो नमो किशोरी वल्लभा, नमो नमो लाड़िली वल्लभा॥

सिन्दूर मांग बिच मुक्तमाल, सिर चिकुर चन्द्रिका तिलक भाल।
चंद्रांशु हास विद्युल्लताभ, शुचिकुंद हास नव नीरदाभ॥
परिधान नील कोमल दुकूल, परिधान पीत वासित दुकूल।
उज्ज्वल मुक्तामणि हीर हार, वनमाल वैजयन्ती सुढार॥
क्रीडति कालिन्दी तट अलिंद, रस तुंदिल गुँजत नव मिलिन्द।
कोमल विग्रह सौगन्ध्य केन्द्र, चन्दन चर्चित नव नागरेन्द्र॥

स्थाई

ध प	**म प म ग**	**म - प -**	**× नी - ध**	**प -**
न मो	न मो ऽ कि	शो ऽ री ऽ	× व ऽ ल्ल	भा ऽ
प -	**प - नी -**	**सां - - -**	**नी रें सां नी**	**ध प**
न मो	न मो ऽ ला	ऽ ड़ि ली ऽ	व ऽ ऽ ल्ल	भा ऽ

अन्तरा

ध -	**प - म प**	**ग म रे रे**	**ग - म ध**	**प -**
सिं ऽ	दू ऽ र मां	ऽ ग बि च	मु ऽ क्त मा	ऽ ल
प -	**प - नी -**	**सां - - -**	**नी - रें -**	**सां -**
सि र	चि कु र च	ऽ न्द्रि का ऽ	ति ल क भा	ऽ ल

❀❀❀

नवल लाड़िली भोरी भारी, नवल लाड़िलो माखन चोर।

नवल लाड़िली राज-दुलारी, गाय चरैया श्यामकिशोर।
नवल लाड़िली पहिरे भूषण, गुंजा-माला नंदकिशोर।
नवल लाड़िली रतनन अंगिया, काली-कामर श्यामकिशोर॥

स्थाई

प़ नी़ सा नी़	**सा - - -**	**ग रे सा रे**	**नी - - -**
न व ल ला	ऽ ड़ि ली ऽ	भो ऽ री ऽ	भा ऽ री ऽ
नी़ सा रे सा	**रे - - म**	**म ग रे ग**	**सा - नी़ प़**
न व ल ला	ऽ ड़ि लो ऽ	मा ऽ ख न	चो ऽ ऽ र

अंतरा

ग म प म	**प म प नी**	**नी - ध नी**	**ध प - -**
न व ल ला	ऽ ड़ि ली ऽ	रा ऽ ज दु	ला ऽ री ऽ
प नी ध प	**म ग रे -**	**म ग रे -**	**सा - नी़ प़**
गा ऽ य च	रै ऽ या ऽ	श या ऽम कि	शो ऽ ऽ र

पुनः स्थाई। इसी पर अन्य अन्तरा।

नंदगांव घनश्याम है कृष्ण कन्हैया नाम है।

बरसाने की कुंवर लाड़िली श्रीराधा कौ प्राण है॥
राधेश्याम राधेश्याम राधेश्याम राधेश्याम॥
गोकुल का घनश्याम है श्रीगोपाला नाम है॥
माखन चाखन, गऊ चरावन, रस बरसावन काम है॥
श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम॥
रास रचैया श्याम है रास विहारी नाम है॥
रासेश्वरी लाड़िली के संग, रासकरत श्रीधाम है॥
घनश्याम घनश्याम घनश्याम घनश्याम॥

स्थाई

प - - ध	**गं रें सां नी**	**सां - - नी**	**सां रें गं -**
नं ऽ द गां	ऽ व घ न	श्या ऽ ऽ म	है ऽ ऽ ऽ
प - - ध	**गं रें सां नी**	**सां - - नी**	**सां रें गं ऽ**
कृ ऽ ष्ण क	न्है ऽ या ऽ	ना ऽ ऽ म	है ऽ ऽ ऽ
गं - रे -	**सां नी सां -**	**प - म ग**	**म - ग -**
ब र सा ऽ	ने ऽ की ऽ	कुं व र ला	ऽ ड़ि ली ऽ
प - - ध	**नी सां रें गं**	**रें सां - -**	**सां - - -**
श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ कौ ऽ	प्रा ऽ ऽ ण	है ऽ ऽ ऽ

अंतरा

सां गं	**पं - - धं**	**पं मं रें गं**	**मं - - पं**	**मं गं**
रा धे	श्या ऽ ऽ ऽ	ऽ म रा धे	श्या ऽ ऽ ऽ	ऽ म
सां रें	**गं - - मं**	**पं मं गं रें**	**सां - - -**	**सां -**
रा धे	श्या ऽ ऽ ऽ	ऽ म रा धे	श्या ऽ ऽ ऽ	ऽ म

इसी पर अन्य अन्तरा।

नंदनंदन वृषभानु-किशोरी, कृपा करे राधा हरि जोरी

दीनानाथ दयामयी भोरी, शरण शरण इन दोउन कोरी॥
कीरति कन्या राधा गोरी।
गहवर कुंजन में चितचोरी, कबहुक खेलै ब्रज की पौरी॥
बड़ी रसीली सांकरी खोरी।
रस-गोरस की मटकी फोरी, पर्वत पर चढ़ रूठै गोरी॥
श्रीवृषभानराय की छोरी।
चढ़े मानगढ़ हरिकर जोरी, मिल नाचै बन मोरा-मोरी॥
नित्य विहारिनी राधा गोरी, भानु लाड़िली कुंवर-किशोरी।
पिय सों मिलि रस सिन्धु झकोरी॥

स्थाई

सां	**-**	**नीध**	**प**	**ग**	**-**	**सा**	**रे**	**ग**	**-**	**म**	**प**	**रे**	**-**	**सा**	**-**
नं	ऽ	दऽ	नं	द	न	वृ	ष	भा	ऽ	नु	कि	शो	ऽ	री	ऽ
म	**प**	**नी**	**प**	**सां**	**-**	**-**	**-**	**नी**	**सां**	**रें**	**-**	**सां**	**-**	**नीध**	**प**
कृ	पा	ऽ	क	रे	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	ह	रि	जो	ऽ	रीऽ	ऽ

अन्तरा

म	**प**	**नी**	**-**	**नी**	**सां**	**-**	**-**	**रें**	**गं**	**रें**	**सां**	**नी**	**ध**	**नीध**	**प**
दी	ऽ	ना	ऽ	ना	ऽ	थ	द	या	ऽ	म	यी	भो	ऽ	रीऽ	ऽ
रें	**ऽ**	**ऽ**	**ऽ**	**सां**	**-**	**नी**	**ध**	**नी**	**-**	**ध**	**-**	**नी**	**ध**	**प**	**-**
श	र	ण	श	र	ण	इ	न	दो	ऽ	उ	न	को	ऽ	री	ऽ

आगे ''कीरति कन्या'' एवं ''गहवर कुंजन'' ये दो पंक्तियां ''दीनानाथ दयामयी'' की तरह व ''कबहुक खेलै'' शरण २- की तरह।
इसी क्रम से शेष॥

नंदनंदन मन-मोहन प्यारो, राधा जीवन ब्रज रखवारो।

प्राणेश्वर आंखन कौ तारो, राधा रानी कौ है प्यारो।
सब लोकन में रूप उजारों, ब्रज गोपिन कौ जीय जियारो॥

स्थाई

नी सा ग म	**प - ग रे**	**नी सा ग रे**	**सा - - -**
नं ऽ द नं	द न म न	मो ऽ ह न	प्या ऽ रो ऽ
म - - -	**म - प म**	**प नी ध नी**	**ध - प -**
रा ऽ धा ऽ	जी ऽ व न	ब्र ज र ख	वा ऽ रो ऽ

अंतरा

प - - -	**म प ग म**	**प - नी -**	**सां - - -**
प्रा ऽ णे ऽ	श्व र आं ऽ	ख न कौ ऽ	ता ऽ रो ऽ
प नी ध प	**म प ग म**	**सा म ग म**	**ग रे सा -**
रा ऽ धा ऽ	रा ऽ नी ऽ	को ऽ है ऽ	प्या ऽ रो ऽ

अन्य अन्तरा इसी पर।

✿✿✿

नंदनंदन घनश्याम श्रीराधे जय श्रीराधे
गौवें चरैया घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे॥

मोहन मुरारी घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे।
रास रचैया घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे॥ नंदनंदन......
मेरे तो जीवन घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे।
माखन चुरैया घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे॥ नंदनंदन......
मेरे तो सर्वस श्यामा श्याम श्रीराधे जै श्रीराधे।
गोपी रीझैया घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे॥ नंदनंदन......
बांके विहारी राधे श्याम श्रीराधे जै श्रीराधे।
गिरिवर उठैया घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे॥ नंदनंदन......

भानु दुलारी घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे।
रास रसीले घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे॥ नंदनंदन......
कुंज विहारी घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे।
गुन गर्वीले घनश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे॥ नंदनंदन......
रास विहारी रस राज श्रीराधे जय श्रीराधे।
छैल छबीले ब्रजराज श्रीराधे जय श्रीराधे॥ नंदनंदन......
पुलिन विहारी गोपीनाथ श्रीराधे जै श्रीराधे।
दीन दयालो नाथ श्रीराधे जै श्रीराधे॥ नंदनंदन......
केलि विहारी ब्रजपाल श्रीराधे जै श्रीराधे।
परम कृपालु नंदलाल श्रीराधे जै श्रीराधे॥ नंदनंदन......
युगल विहारी राधेश्याम श्रीराधे जै श्रीराधे।
रास रसिक श्यामा श्याम श्रीराधे जै श्रीराधे॥ नंदनंदन......

स्थाई

सा - ध -	**प म प ग**	**प म - -**	**ग रे सा नी**
नं द नं ऽ	द न घ न	श्या ऽ ऽ ऽ	म ऽ श्री ऽ
नी - - -	**नी ग रे ग**	**रे - सा -**	**सा - - -**
रा ऽ धे ऽ	ज य श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अंतरा

म प ध नी	**नी प नी रें**	**सां - - -**	**नी ध प म**
गौ ऽ वें च	रै या घ न	श्या ऽ ऽ ऽ	म ऽ श्री ऽ
म - - -	**नी ध नी ध**	**प - - -**	**प - - -**
रा ऽ धे ऽ	ज य श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

पुनः स्थाईः २ पंक्तियाँ अन्तरे पर पुनः स्थाई
इसी क्रम से शेष॥

प्रेम का ये मंत्र है जपे कृष्ण चंद्र है हरि मोहन तंत्र है॥

राधे राधे राधे राधे श्रीराधे, जै राधे जै राधे जै राधे॥
राधा रटे श्याम मिल जावै, राधे राधे राधे राधे श्रीराधे,
जै राधे जै राधे जै राधे॥
राधा रटे श्याम बस होवै, राधे राधे राधे राधे श्रीराधे,
जै राधे जै राधे जै राधे॥
राधा रटे प्रेम रस पावै, राधे राधे राधे राधे श्रीराधे,
जै राधे जै राधे जै राधे॥
राधा रटे स्वामिनी दरसै, राधे राधे राधे राधे श्रीराधे,
जै राधे जै राधे जै राधे॥
राधा रटे कृपा धन बरसै, राधे राधे राधे राधे श्रीराधे,
जै राधे जै राधे जै राधे॥

स्थाई

सां - - नी	**ध नी सां -**	**प - ध नी**	**सां - - -**
प्रे म का ये	मं त्र है ऽ	ज पे कृ ष्ण	चं द्र है ऽ
रें - नी प	**ध - प -**	**सां - - प**	**ध प म -**
ह रि मो हन	तं त्र है ऽ	रा धे रा धे	रा धे रा धे
प म ग रे	**ग - - -**	**ध - प -**	**प - - -**
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	जै ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ
ध म ऽ ऽ	**ध - - -**	**प रे म -**	**ग - - -**
जै ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	जै ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ

अंतरा

ग - - म	**म प - -**	**प ध - नी**	**ध प - ध**
रा ऽ धा ऽ	र टे ऽ श्या	ऽ म मि ल	जा ऽ वे ऽ

आगे "राधे-४ श्रीराधे जै राधे-३" स्थाई का
इसी क्रम से अन्य अन्तरा

प्रेम रूप रस आनन्द जोरी, नंदलाल वृषभानु किशोरी॥

केलि पुष्प तन माली प्रियतम, केलि तरंग मालिनी गोरी॥
केलि किंकिणी कलरव प्रियतम, कृष्णाधर माध्विका गोरी॥
प्रेमोल्लास विलासी प्रियतम, प्रेमामृत ज्योतिमयी गोरी॥
प्रिया सुधार्णव चन्दा प्रियतम, कृष्ण चन्द्र की राका गोरी॥

स्थाई

सां	-	**नीध**	**पध**	**नी**	-	**धप**	**धप**	**ध**	-	**पम**	**गम**	**पसां**	**नीध**	**पध**	**गम**
प्रे	ऽ	मऽ	रूऽ	ऽ	प	रऽ	सऽ	आ	ऽ	नंऽ	दऽ	जोऽ	ऽऽ	रीऽ	ऽऽ
नी	-	-	**धनी**	**ध**	-	**प**	-	**पनी**	**धप**	**मग**	**रेग**	**पम**	**गरे**	**सा**	-
नं	ऽ	दा	लाऽ	ऽ	ल	वृ	ष	भाऽ	ऽऽ	नुऽ	किऽ	शोऽ	ऽऽ	री	ऽ

अन्तरा

सा	**प**	-	-	**प**	**धप**	**म**	-	**ग**	**प**	**म**	-	**ग**	**रे**	**सा**	**नी**
के	ऽ	लि	पु	ऽ	ष्पऽ	त	न	मा	ऽ	ली	ऽ	प्रि	य	त	म
नी	-	-	**सा**	**म**	**ग**	**प**	-	**म**	**ग**	**रे**	-	**सा**	-	-	-
के	ऽ	लि	त	रं	ऽ	ग	मा	ऽ	ऽ	लि	नी	गो	ऽ	री	ऽ

पुनः स्थाई। इसी क्रम से शेष।

कीर्तनः- गोविन्द राधे राधे गोविंद, युगल किशोर श्रीराधे गोविंद।

अन्तरा :- प्यारी प्यारी प्रिया प्रिया राधा, प्यारे प्यारे श्यामा वल्लभ।

प्रेममयी विग्रहिणी राधा।

यौवन प्रेम, विकास प्रेममय, प्रेम रूप, गुण शील प्रेममय॥
प्रेम सिंगार, प्रेममय भूषण, प्रेम वसन सब प्रेम आचरण।
प्रेम भरे आघूर्णित नैंना, प्रेम ओष्ठ सो प्रेमहि बैना॥
प्रेममयी मन हरिणी राधा,
प्रेम सरोवर हृदय विशाला, प्रेम सुधारस पूर्ण रसाला
तहां खिले द्वै कमल सुशोभित, ज्योतिर्मय हेम स्तन द्योतित
मुख-शशि देख कमल सकुचाही, सिमिटे बंद कली ह्वै जाहीं
प्रेममयी छवि धारिणी राधा,
गहर प्रेम सुनाभि गंभीरा, प्रेम सरस तट श्रोणि सुनीरा
बृहत्प्रेम पृथुता सुनितम्बा, प्रेम सूक्ष्म गति कटि अवलम्बा
कदली जंघा प्रेम सुचिक्कण, फुल्ल प्रेम विकसित कमल चरण
प्रेममयी गति करिणी राधा,

स्थाई

सा रे ग प	**ध सां ध प**	**ग - रे ग**	**रे - सा -**
प्रे ऽ म म	यी ऽ वि ऽ	ग्र हि णी ऽ	रा ऽ धा ऽ

अन्तरा

ग - - -	**रे ग - -**	**रे ग रे ग**	**रे - सा -**
यौ ऽ व न	प्रे ऽ म वि	का ऽ स प्रे	ऽ म म य
प - - -	**ध - - -**	**प ग रे ग**	**रे - सा -**
प्रे ऽ म रू	ऽ प गु ण	शी ऽ ल प्रे	ऽ म म य
प - - -	**ध - - -**	**प ध सां प**	**ध - - -**
प्रे ऽ म सिं	गा ऽ र प्रे	ऽ म म य	भू ऽ ष ण

प - ध -	**सां - - -**	**प ध प ध**	**सां - - -**
प्रे ऽ म व	स न स ब	प्रे ऽ म आ	ऽ च र ण
प ध सां ध	**रें - - -**	**रें ग़ं रें ग़ं**	**रें - सां -**
प्रे ऽ म भ	रे ऽ आ ऽ	घू ऽ र्णि त	नै ऽ ना ऽ
ग़ं - - -	**रें - - -**	**ग़ं रें ध -**	**सां - - -**
प्रे ऽ म ओ	ऽ ष्ठ सो ऽ	प्रे ऽ म हि	बै ऽ ना ऽ

प्रेममयी मनहरिणी-स्थाईवत्॥

इसी क्रम से अन्य अन्तरा

कीर्तन- लाड़िली राधा जय श्रीराधा॥

✿✿✿

प्यारी हस्तिपका गजमोहन

प्यारी हस्तिपका गजमोहन॥
मत्त मतंग श्याम नव कुञ्जन।
गज बंधनी धाम वृन्दावन॥

यौवन प्रथम प्रवेश तीव्र मद,
सौरत माध्वी पान दिव्य मद,
मधुरोल्लास लसित सुराग मद,

रूप राशि मद गुणमत्तामद
स्मर कोमल लीला रसज्ञ मद,
केलि कला वैचित्री कौ मद,

उन्मद मद कल यूथप सोहन॥ प्यारी हस्तिपका......
अंकुश प्रहार दृक्कोंण लेश
वशवर्ती उत्कट मद गजेश
आलान तुंग वक्षोज युगल

कर कमल तोत्र रशना श्रृंखल

वेणी कक्ष्या बांध्यो मतंग

मुख पीक कल्पना रचित गंड

बंदी कृत छांड़े नहि मोहन॥ प्यारी हस्तिपका......

इसी धुन पर कीर्तन :-

स्थाई :- कृष्ण वल्लभा राधा राधा॥

अन्तरा :- प्राण वल्लभा राधा राधा, श्याम वल्लभा राधा राधा॥

स्थाई

सां ध सां म	**प ध प म**	**ग - रे सा**	**रे - सा -**
प्या ऽ री ऽ	ह ऽ स्ति प	का ऽ ग ज	मो ऽ ह न

अन्तरा

म - - -	**म - - -**	**म प - -**	**प - - -**
म ऽ त्त म	तं ऽ ग श्या	ऽ म न व	कुं ऽ ज न
ध नी - -	**ध प ध -**	**प - - -**	**म ध प -**
ग ज बं ऽ	ध नी ऽ धा	ऽ म वृं ऽ	दा ऽ व न

अन्तरा की ६ पंक्तियों में २ पंक्तियां (''यौवन....।'' ''सौरत.....'')

''मत्त मतंग'' की तरह पुनः २ पंक्तियां ''मधुरोल्लास.....'' ''रूपराशि....''

''गज बंधनी'' की तरह पांचवी-

रें - - -	**- - - -**	**ध सां रें गं**	**रे गं सां -**
स्म र को ऽ	म ल ली ऽ	ला ऽ र स	ऽ ज्ञ म द
नी रें सां नी	**ध नी प ध**	**सां - - -**	**- - - -**
के ऽ लि क	ला ऽ वै ऽ	चि ऽ त्री ऽ	कौ ऽ म द

''उन्मद मद कल'' स्थाईवत्

प्यारी प्यारी किशोरी राधे प्यारो प्यारो नंद जू कौ लाल

प्यारी राधे प्यारो लाल

प्यारी राधा रूप अगाधा, बाधा हरनी सुन्दरी बाल।

ब्रजधर वंशीधर नंदलाला, लकुटीधर गिरिधर गोपाल।

माथे क्रीट चन्द्रिका सोहै, प्यारी गल मोतिन की माल।

मोर मुकुट मकराकृत कुण्डल, प्यारो गल वैजन्ती माल।

पुलक भरी मृदु कंचन माला, गिरिधर उरधर भोरी बाल।

स्थाई

प़ नी़ सा नी़	**सा ग रे नी़**	**- सा रे सा**	**रे - - -**	
प्या ऽ री ऽ	प्या ऽ री कि	शो ऽ री रा	धे ऽ ऽ ऽ	
म - - ग	**रे ग सा रे**	**ग - रे -**	**सा - नी़ प़**	
प्या ऽ रो ऽ	प्या ऽ रो श्री	नं द जू कौ	ला ऽ ऽ ल	
प नी	**नी सां - -**	**सां - रें नी**	**सां - - -**	**सां -**
प्या री	रा धे ऽ ऽ	ऽ ऽ प्या रो	ला ऽ ऽ ऽ	ऽ ल

अन्तरा

प ध म -	**प - - -**	**प ध - नी**	**ध - प -**
प्या ऽ री ऽ	रा ऽ धा ऽ	रु ऽ प अ	गा ऽ धा ऽ
प नी ध -	**प - म -**	**ग - रे -**	**म ग रे सा**
बा ऽ धा ऽ	ह र नी ऽ	सुं ऽ द री	ऽ बा ऽ ल

प्यारी प्यारी राधारानी प्यारो नंदनंदन

प्यारी प्यारी श्यामा प्यारी प्यारो गोपाला रे।
प्यारी प्यारी राधा लाढ़ो प्यारो रे लढैतो रे।
दम्पति नवल नित्य वृन्दावन, विहरत बाहां जोटी कुंजन।
भांति भांति सो लाड़ लड़ावति, सखी सहचरी नित नित नूतन।
अति आधीन विहारी लालन, अनुवर्ती आज्ञावश प्रतिक्षण।
राधा स्वामिनी नित्य विहारिन, प्रियतम को पोषति दै तन मन।
खेलति बरसाना गहवर वन, राधा कुण्ड गुफन गोवर्धन।

स्थाई

× **म - ग**	**रेसा रेग रे सारे**	× **सा - -**	**सारे मगरे -**
× प्यारी प्यारी	राऽ धाऽ रा नीऽ	× प्यारो नंद	नंऽ दऽ न ऽ
× **म - -**	**म म ध पध**	× **प - -**	**पनी धप मग रे**
× प्यारी प्यारी	श्या मा प्या रीऽ	× प्यारो गोऽ	पाऽ लाऽ रेऽ ऽ
× **ध - -**	**प ध म -**	× **पनी धप मग**	**रे सा रे -**
× प्यारी प्यारी	रा धा ला ढो	× प्यारो रेऽ लऽ	ढै तो रे ऽ

अन्तरा

ध़ - सा -	**रे - - सा**	**रे ग रे -**	**सा - - रेध़**
दं ऽ प ति	न व ल नि	ऽ त्य वृं ऽ	दा ऽ व नऽ
रे - म -	**प - - -**	**म प म ग**	**रे - सा -**
वि ह र त	बां ऽ हा ऽ	जो ऽ टी ऽ	कुं ऽ ज न

पुनः स्थाई।   इसी प्रकार अन्य अन्तरा

प्यारी राधा सुहागिनी, हरि की अनुरागिनी, राधा दयामयी

हेमलता नीलमतरू जोरी, चञ्चल श्याम राधिका भोरी
प्यारी राधा सुहासिनी, गिरिधर जु की स्वामिनी राधा कृपामयी
प्रीति सान्द्र जय ब्रजविटेन्द्र जय, नीलाम्बर जय पीताम्बर जय
प्यारी राधा विलासिनी, हरि मन की दामिनी, राधा प्रभामयी

स्थाई

ग म	**प - ध सां**	**म प - म**	**ग - - -**	**ग -**
प्या री	रा ऽ धा ऽ	सु हा ऽ गि	नी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
ह रि	की ऽ अ नु	रा ऽ ऽ गि	नी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
ग -	**ग - - रे**	**रे नी़ रे -**	**सा - - -**	**सा -**
ऽ ऽ	रा ऽ धा ऽ	द या ऽ म	यी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ

अन्तरा

सा ग - -	**ग - म ध**	**प - नी॒ ध**	**प ध प -**
हे ऽ म ल	ता ऽ नी ऽ	ल म त रू	जो ऽ री ऽ
चं ऽ च ल	श्याऽ म रा	ऽ धि का ऽ	भो ऽ ऽ री

प्यारी राधा सुहासिनी ''स्थाईवत्''

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

पतितन-पावन कृष्ण राधावर रमण विहारी राधे श्याम

राधा कृष्ण दोऊ नाम अमिय रस, राधापति जै जै घनश्याम।
जनमन भावन कृष्ण राधावर, रास विहारी राधे श्याम॥
राधा गोरी घटा रसीली श्याम घटा सो मिली ललाम।
ब्रज-रस बरसन कृष्ण राधावर युगल विहारी राधे श्याम॥

स्थाई

प़ - नी़ -	**सा - - -**	**रे ग रे म**	**ग - सा -**
प ति त न	पा ऽ व न	कृ ऽ ष्ण रा	धा ऽ व र
रे प - ध	**म ग सा रे**	**ग - रे -**	**सा - - -**
र म ण वि	हा ऽ री ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ ऽ म

अन्तरा

म - प -	**नी - - -**	**सां - - -**	**नी - सां -**
रा धा ऽ कृ	ऽ ष्ण दो उ	ना ऽ म अ	मि य र स
प - नी -	**नी - सां -**	**प रें सां रें**	**नी ध प -**
रा ऽ धा ऽ	प ति ज य	ज य घ न	श्या ऽ ऽ म
प नी - -	**ध - प ध**	**म ध - प**	**म ग सा -**
ज न म न	भा ऽ व न	कृ ऽ ष्ण रा	धा ऽ ऽव र
रे प - ध	**म ग सा रे**	**ग - रे -**	**सा - - -**
रा ऽ स वि	हा ऽ री ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ ऽ म

इसी क्रम से अन्य अन्तरा

✿✿✿

प्राण बन्धु प्राणनाथ गिरिधारी गोपीनाथ, राधिकारमणनाथ राधा संगी जय जय॥

जय जय सुन्दर रस के सागर, कृपा करो राधा पिय नागर
जय जय राधा सुख की साधा, दूर करो नीरसता बाधा
जय जय कृपा चन्द्रज्योतिर्मय, करो प्रकाशित हृदय तमोमय
जय जय गौर चंद्र हेमाभा, हिय में देहु चन्द्रिका लाभा
जय जय नील कमल सौरभमय, करो सुवासित चित्त कलुषमय
जय जय पीत–कमल रस पूरित, रसदे करहु हृदय यह सुरभित

स्थाई

ग म प म	**ग म ग रे**	**सा रे ग ग**	**रे ग रे सा**
प्रा ण बं धु	प्रा ण ना थ	गि रि धा री	गो पी ना थ
प - - ध	**<u>नी</u> ध प -**	**म ग रे ग**	**म - - -**
रा धि का र	म ण ना थ	रा धा सं ऽ	गी ऽ जै जै

अन्तरा

ग - म प	**प - म -**	**म - <u>नी</u> -**	**ध - प ध**
ज य ज य	सुं ऽ द र	र स के ऽ	सा ऽ ग र
प <u>नी</u> ध -	**म ध प -**	**रे ग म ध**	**प म प ग**
कृ पा ऽ क	रो ऽ रा ऽ	धा ऽ पि य	ना ऽ ग र

पुनः स्थाई, इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

✿✿✿

बरसाने वारी राधे मैं शरणी री।
ब्रह्माचल वारी राधे मैं शरणी री॥

ऊँचे महलन वारी राधे मैं शरणी री। ऊँचे पर्वत वारी राधे मैं शरणी री।
ऊँची अटा वारी राधे मैं शरणी री। ऊँची पौरी वारी राधे मैं शरणी री।
गहवरवन वारी राधे मैं शरणी री। वृषभानु दुलारी राधे मैं शरणी री।
वृन्दावन वारी राधे मैं शरणी री। कुंजन वन वारी राधे मैं शरणी री।
ऊँची शिखरन वारी राधे मैं शरणी री। ऊँची चोटी वारी राधे मैं शरणी री।
कीरति सुकुमारी राधे मैं शरणी री। मोहन प्यारी राधे मैं शरणी री।

स्थाई

प़	**ध़ सा - रे**	**ग - - -**	**रे ग रे सा**	**रे - सा**
बर	सा ने वा री	रा ऽ धे ऽ	मैं ऽ श र	णी ऽ री

अन्तरा

प	**प - - ध**	**ध - - -**	**ध - - -**	**प ग रे**
ब्र	ह्मा चल वा री	रा ऽ धे ऽ	मैं ऽ श र	णी ऽ री

पुनः स्थाई। अन्य अन्तरा इसी क्रम से।

प	**ध सां ध -**	**सां - - -**	**सां - रें सां**	**ध - -**
मैं	ते री श र	णी ऽ री मैं	ते री श र	णी ऽ री

✿✿✿

बांके विहारी बोलो, गिरिवर धारी बोलो।

बोलो जी बोलो सब, कुंज विहारी बोलो॥
छैल विहारी बोलो, रास विहारी बोलो।
बोलो जी बोलो सब मान विहारी बोलो॥
दान विहारी बोलो, केलि विहारी बोलो।
बोलो जी बोलो सब, पुलिन विहारी बोलो॥
रास रचैया बोलो, गोपी रिझैया बोलो।
बोलो जी बोलो सब, ताथेई ताथैया बोलो॥
कलिमल हारी बोलो, पतित उधारी बोलो।
बोलो जी बोलो सब, दीन-दु:ख हारी बोलो॥
श्रीबांके विहारी बलिहार, श्रीकुंज विहारी बलिहार॥
श्रीरास विहारी बलिहार, श्रीमान विहारी तोपै बार॥

स्थाई

प - - म	**प<u>नी</u>ध<u>नी</u> ध प**	**म - प म**	**<u>ग</u> रे सा -**
बां ऽ के वि	हाऽ रीऽ बोलो	गि रि व र	धा री बो लो
<u>ग</u> - - सा	**<u>ग</u> म प -**	**<u>ग</u> म प म**	**<u>ग</u> रे सा -**
बो ऽ लो जी	बो लो स ब	कुं ऽ ज वि	हा री बो लो

अन्तरा

सां रें	**<u>नी</u> गं - रें**	**सां <u>नी</u> प <u>नी</u>**	**सां - - -**	**सां -**
श्री ऽ	बां के ऽ वि	हा री ब लि	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ र

पुन: ''छैल विहारी....'' स्थाईवत् पुन: अन्तरा ''बलिहार।''
इसी क्रम से सम्पूर्ण कीर्तन

भज भानुनंदिनी, श्याम-संगिनी, रास-रंगिनी श्यामा॥

प्यारी प्रेमानन्द प्रदायिनी, प्यारी पिय मन मोद बढ़ावनी।
भज भानुनंदिनी श्याम-संगिनी, विरह विभंजनी श्यामा॥
प्यारी प्रियतम संग विहारिणी, प्यारी प्रियतम निज उर धारिणी।
भज भानुनंदिनी श्यामसंगिनी, श्याम वन्दिनी श्यामा॥
प्यारी चितवन चोट चलावनी, प्यारी सुधा मधुर मुसुकावनी।
भज भानुनंदिनी श्यामसंगिनी, प्रीति ढंगिनी श्यामा॥

स्थाई

प़ -	**ध़ - सा -**	**ग ग॒ ग -**	**ग - - -**	**- -**
भ ज	भा ऽ नु नं	ऽ दि नी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
ग -	**रे ग सा -**	**रे प ग -**	**ग॒ ग - -**	**- -**
ऽ ऽ	श्या ऽ म सं	ऽ गि नी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
ग -	**सा रे - -**	**रे - - ग**	**सा रे सा -**	**सा -**
ऽ ऽ	रा ऽ स रं	ऽ गि नी ऽ	श्या ऽ मा ऽ	ऽ ऽ

अन्तरा

प -	**म॑ ध प म॑**	**ग - रे सा**	**सा रे - ग**	**- -**
प्या री	प्रे ऽ मा ऽ	नं ऽ द प्र	दा ऽ ऽ यि	नी ऽ

इसी पर ''प्यारी पिय मन मन मोद''

पुन: ''भज भानुनंदिनी......'' स्थाईवत्।

भज राधा जै गौरांगी, भज राधा जै गौरांगी॥

जय गौरांगी, जय गौरांगी॥

नित्य यौवने नित्य नवेली, प्यारी निर्मल तन हेमांगी॥ भज रा०....

मोहन मीन हेतु ज्यों सरसी, प्यारी सुधा मधुर सरसांगी॥ भज रा०....

श्याम चकोर हेतु नित विकसित, प्यारी प्रफुलित तन चन्द्रांगी॥ भज रा०....

नागर भ्रमर हेतु ज्यों नलिनी, प्यारी विकच सुरभि कमलांगी॥ भज रा०....

स्थाई

ध़ -	**नी़ सा - -**	**सा रे सा रे**	**नी़ सा - नी़**	**ध़ -**
भ ज	रा ऽ धा ऽ	जै ऽ गौ ऽ	रां ऽ गी ऽ	ऽ ऽ
ध़ नी़	**सा ग - रे**	**रे सा - रे**	**नी़ सा - -**	**सा -**
भ ज	रा ऽ धा ऽ	जै ऽ गौ ऽ	रां ऽ गी ऽ	ऽ ऽ
म - प -	**ध - प ध**	**म - प -**	**म - - -**	
जै ऽ गौ ऽ	रां ऽ गी ऽ	जै ऽ गौ ऽ	रां ऽ गी ऽ	

अन्तरा

म - - ग	**म - - सा**	**सा रे ग रे**	**सा नी़ सा -**
नि ऽ त्य यौ	ऽ व ने ऽ	नि ऽ त्य न	वे ऽ ली ऽ

''प्यारी निर्मल तन'' स्थाईवत्

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

भज ले राधे जय श्रीराधे।
करुणा प्रेम दयामयि राधे।

दयामयि, राधे, कृपामयि राधे, स्नेहमयि राधे, प्रेममयी राधे।
नित्य विहारिणी नित्य विलासिनी, ऐसी मेरी अमर सुहागिनी।
लीलामयी कृपामयी राधे, भज ले राधे जय श्री राधे॥

स्थाई

रे सा नी़ -	**सा - रे सा**	**ग - रे -**	**सा - - -**
भ ज ले ऽ	रा ऽ धे ऽ	जै ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ
प म॑ प ध	**प - म ग**	**रे ग सा -**	**रे म ग -**
क रू णा ऽ	प्रे ऽ म द	या ऽ म यी	रा ऽ धे ऽ

अन्तरा

सां - - -	**नी रें सां -**	**सां - - -**	**नी रें सा -**
नि ऽ त्य वि	हा ऽ रि णी	नि ऽ त्य वि	ला सि नी ऽ
प - नी -	**नी - - -**	**ध नी सां नी**	**ध नी प -**
ऐ ऽ सी ऽ	मे ऽ री ऽ	अ म र सु	हा ऽ गि नी

"लीलामयी कृपामयी" "करुणा प्रेम दयामयी" स्थाईवत्

ग	**ग - रे नी़**	**सा ग - -**	**रे - नी़ -**	**सा रे -**
कृ	पा ऽ म यि	रा धे ऽ द	या ऽ म यि	रा धे ऽ
प	**प - म ग**	**म प - -**	**म ग रे नी़**	**सा ग -**
स्ने	ऽ ह म यी	रा धे ऽ प्रे	ऽ म म यी	रा धे ऽ

भज ले केशव कृष्ण कन्हैया

भज ले केशव कृष्ण कन्हैया तेरी पार लगेगी नैया।
जब प्रहलाद पै असुर प्रहार्यो
खम्भ फार हिरणाकुश मार्यो
जांघन धरि के असुर विदार्यो
नरसिंह रूप धरैया। भज ले केशव कृष्ण कन्हैया॥
गज औ ग्राह लड़े जल भीतर
जौ भर सूंड रही जल ऊपर
एक पुष्प सौंप्यो हरि तुम पर
नंगे पायन धैया। भज ले केशव कृष्ण कन्हैया।
बीच सभा द्रौपदी पुकारी
लज्जा मेरी रखो गिरिधारी
दु:शासन ने चीर उघारी
बसन भये यदुरैया। भज ले केशव कृष्ण कन्हैया॥
उठा महाभारत का झण्डा
कट-कट वीर गिरे हैं रुण्डा
नीचे पड़ा भारुहि का अण्डा
घंटा तोर बचैया॥ भज ले केशव कृष्ण कन्हैया॥

स्थाई

सा रे ग -	**ग - - म**	**ग रे - ग**	**रे - सा ध़**
भ ज ले ऽ	के ऽ श व	कृ ऽ ष्ण क	न्है ऽ या ऽ
ध - - -	**ध नी ध नी**	**प नी ध प**	**म ग रे सा**
ते ऽ री ऽ	पा ऽ र ल	गे ऽ गी ऽ	नै ऽ या ऽ

अन्तरा

ग - - -	**ग - - -**	**रे सा रे ग**	**रे - सा -**
ज ब प्र ह	ला ऽ द पै	अ सु र प्र	हा ऽ र्यो ऽ
म - - -	**प - - -**	**ध - म -**	**प - - -**
खं ऽ भ फा	ऽ र हि र	णा ऽ कु श	मा ऽ र्यो -
प - - ध	**सां - - -**	**नी - ध नी**	**ध - प -**
जां ऽ घ न	ध रि के ऽ	अ सु र वि	दा ऽ र् यो
ध - - -	**ध - - -**	**प नी ध प**	**म ग रे सा**
न र सिं ह	रू ऽ प ध	रै ऽ या ऽ	भ ज ले ऽ

❀❀❀

भजो करुणा निधान घनश्याम भजो करुणामयी श्यामा॥

राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम।
श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम॥
करुणा प्रेम तोय निधि रसमय। युगल मूर्ति राधा माधवमय॥
रसकुल्या युगदृष्टि रसमयी। धारा उमग बहत कृपामयी॥
चाहूँ एक कृपा की चितवन। दया दृष्टि की होवै बरसन॥
कब आवैगी लहर उमगकर। अन्तर बहै धार रस-निर्झर॥

स्थाई

ध सा	**रे ग - -**	**रे ग सा रे**	**ग - - -**	**ग - - -**
भ जो	क रू णा नि	धा न घ न	श्या ऽ ऽ ऽ	म ऽ भ जो

रे ग रे सा	**रे ग रे -**	**सा - - -**	**- -**	
क रू णा म	यी ऽ श्या ऽ	मा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	
सा रे	**ग - सा रे**	**ग - सा रे**	**ग - रे -**	**सा -**
रा धे	श्या म रा धे	श्या म रा धे	श्या म रा धे	श्या म
ध -	**म॑ - ध म॑**	**ग - म॑ ग**	**रे ग रे -**	**सा -**
श्यामा	श्याम श्यामा	श्याम श्यामा	श्याम श्यामा	श्याम

अन्तरा

ध - - -	**म॑ ग म॑ -**	**ध - - -**	**ध - - -**
क रु णा ऽ	प्रे ऽ म तो	ऽ य नि धि	र स म य
ध सां - -	**सां - रें गं**	**रें गं रें -**	**सां - - -**
यु ग ल मू	ऽ र्ति रा ऽ	धा ऽ मा ऽ	ध व म य

इसी पर अन्य पंक्तियाँ

पुनः ''श्यामा श्याम ४॥''   इसी क्रम से शेष।

भजो कृपामयी वृषभानु-लली

भजो कृपामयी वृषभानु-लली, भजो कृपामयी वृषभानु-लली।

भोरी अलबेली राधा बड़ी गुन खानी है।
ललिता विशाखा सब संग अली॥
रसिक-विहारी जैसे सेवक हैं ताके।
प्रेम अगाधा रस रंग रली॥
जगमग जगमग ज्योति जोवनी।
खिली सुनहरी कमल-कली॥
रसभरी रंगभरी रूपभरी मदभरी।
खेलति डोलै कुंज गली॥
नाचति गावती छूम-छन-ननन।
धूम मचावती पुलिन चली॥

स्थाई

ध -	**नी सा - -**	**सा - - -**	**सा रे ग रे**	**ग -**
भ जो	कृ पा ऽ म	यी ऽ वृ ष	भा ऽ नु ल	ली ऽ
सा -	**रे म ग रे**	**रे म ग रे**	**म ग रे रे**	**सा -**
भ जो	कृ पा ऽ म	यी ऽ वृ ष	भा ऽ नु ल	ली ऽ

अन्तरा

प - - -	**प - ध नी**	**ध नी ध -**	**प - - -**
भो री अ ल	बे ली रा धा	ब ड़ी गु न	खा नी है ऽ
प - - -	**प म - ग**	**ग म प म**	**ग सा ध -**
ल लि ता वि	शा खा स ब	सं ऽ ग अ	ली ऽ भ जो

इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

भजो कृपामयी वृषभानुजा जै राधे राधेश्याम।

वृन्दाविपिन विलासिनी जय, मंजुल कुंज निवासिनी जय।
भजो दयामयी वृषभानुजा जै, राधे राधेश्याम॥
पूरण चंद्र प्रकाशिनी जय, निर्मल अंग सुवासिनी जय।
भजो सुधामयी वृषभानुजा जै, राधे राधेश्याम॥
कंचन अमर सुहागिनी जय, जोरी मद गज गामिनी जय।
भजो कृपामयी वृषभानुजा जै, राधे राधेश्याम॥
अमृत मधुरालापिनी जय, निर्झर कुसुम सुहासिनी जय।
भजो प्रभामयी वृषभानुजा जै, राधे राधेश्याम॥

स्थाई

ग -	**म प - -**	**ध नी ध प**	**म ग म प**	**ग रे**
भ जो	कृ पा ऽ म	यी ऽ वृ ष	भा ऽ ऽ नु	जा ऽ
सा नी	**नी सा सा म**	**ग सा रे नी**	**सा - - -**	**सा -**
जै ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ ऽ ऽ	ऽ म
ग -	**म प - -**	**प ध प ध**	**ग प म -**	**ग रे**
भ जो	कृ पा ऽ म	यी ऽ भ जो	द या ऽ म	यी ऽ

अंतरा

प सां - रें	**सां रें सां नी**	**ध नी ध प**	**नी ध सां -**
वृं ऽ दा ऽ	वि पि न वि	ला ऽ ऽ सि	नी ऽ ज य

''मंजुल कुंज'' इसी पर
''भजो दयामयी ''स्थाईवत्।''
इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

भजो दयामयी वृषभानु-लली

भजो दयामयी वृषभानु-लली।
भजो दयामयी वृषभानु-लली॥
राधा नाम दिव्य गौरांगी।
रूप उजागर नागरि भोरी॥ भजो दयामयी० ॥
श्रृंगार-सिन्धु छविसार-सिन्धु।
लावण्य-सिन्धु वैदग्ध्यसिन्धु॥ भजो० ॥
वात्सल्य-सिन्धु अनुराग-सिन्धु।
रतिसार-सिन्धु रसकेलि-सिन्धु॥ भजो० ॥
माधुर्य-सिन्धु चातुर्य-सिन्धु।
औदार्य-सिन्धु रसप्रेमसिन्धु॥ भजो० ॥

स्थाई

प़ -	**ग - ग॒ -**	**ग - - -**	**ग - म ग**	**रे -**
भ जो	द या ऽ म	यी ऽ वृ ष	भा ऽ नु ल	ली ऽ
प़ -	**ध़ - - -**	**नी़ - - सा**	**ग रे ग रे**	**सा -**
भ जो	द या ऽ म	यी ऽ वृ ष	भा ऽ नु ल	ली ऽ

अन्तरा

सां - - -	**नी - ध प**	**नी - ध -**	**प - - म॑**
रा ऽ धा ऽ	ना ऽ म दि	ऽ व्य गौ ऽ	रां ऽ गी ऽ
प ध प म॑	**प म॑ ग ग॒**	**ग प ग सा**	**ग ग॒ ग -**
रू ऽ प उ	जा ऽ ग र	ना ऽ ग रि	भो ऽ री ऽ

पुनः स्थाई। इसी क्रम से आगे

भजो गौर नील राधेकृष्ण॥

गहवरवन की कुंजन में दोउ, रतन सिंहासन बैठे हैं दोउ।
भजो मधुर मधुर राधेकृष्ण, भजो गौर नील राधेकृष्ण॥
हाथन कमल फिरावत हैं दोउ, चितवन में मुसकावत हैं दोउ।
भजो परम रसिक राधेकृष्ण, भजो गौर नील राधेकृष्ण॥
मोहन दायिता अंस बाहु कृति, प्रिया नखर नख पुष्प कुरेदति।
भजो मुखर नयन राधेकृष्ण, भजो गौर नील राधेकृष्ण॥

स्थाई

ग -	**रे ग रे सा**	**ध़ सा प ग**	**म ग रे -**	**सा -**
भ जो	गौ ऽ र नी	ऽ ल रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ

प -	**नी - ध प**	**ध - प मं**	**प ग प म**	**ग -**
रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ

अन्तरा

प - - मं	**प - - -**	**मं - ग रे**	**म - ग -**
ग ह व र	व न की ऽ	कुं ऽ ज न	में ऽ दो उ

"रतन सिंहासन" इसी पर "भजो मधुर मधुर" स्थाईवत्

इसी क्रम से अन्य अन्तरा

दूसरी धुन स्थाई-२

सा -	**ध प म ध**	**प म नी़ -**	**रे - ग रे**	**सा -**
भ जो	गौ ऽ र नी	ऽ ल रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ

अन्तरा

म - प -	ध - - -	नी ध प ध	प म - -
ग ह व र	व न की ऽ	कुं ऽ ज न	में ऽ दो उ

इसी पर ''रतन सिंहासन''

म -	म प ध नी	नी प ध रें	सां - - -	सां -
भ जो	म धु र म	धु र रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ
रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

❀❀❀

भजो प्यारी राधा प्रिया प्रिया।
भजो श्यामा श्यामा प्रिया प्रिया॥

भजो कृष्ण शीलिनी प्रिया प्रिया। भजो कृष्ण कर्षिणी प्रिया प्रिया।
भजो कृष्ण प्रेयसी प्रिया प्रिया। भजो श्याम प्रेयसी प्रिया प्रिया॥
भजो कृष्ण रूपिणी प्रिया प्रिया। भजो श्याम रूपिणी प्रिया प्रिया।
भजो कृष्ण स्वामिनी प्रिया प्रिया। भजो श्याम स्वामिनी प्रिया प्रिया।
भजो कृष्ण राधिका प्रिया प्रिया। भजो श्याम राधिका प्रिया प्रिया।
भजो कृष्णाराध्या प्रिया प्रिया। भजो श्यामाराध्या प्रिया प्रिया॥

स्थाई

ग -	म - ग सा	रे ध़ सा -	सा - गरे ग	म -
भ जो	प्या ऽ री ऽ	रा ऽ धा ऽ	प्रि या ऽऽ प्रि	या ऽ

अन्तरा

ग म	प - - -	प - रे ग	म ध प म	ग सा
भ जो	श्या ऽ मा ऽ	श्या ऽ मा ऽ	प्रि या ऽ प्रि	या ऽ

भजो ब्रजजन विपद विराम

भजो रे भजो रे भजो ब्रजजन विपद विराम।
जय जय कृपासिन्धु भगवान॥
शिशु घातिनी पूतना आई,
विष स्तन लै हरि को प्याई,
जननी गति दई कुंवर कन्हाई,
भजो रे भजो रे तब खैंच्यो वाको प्रान॥
जय जय कृपासिन्धु भगवान॥
तृणावर्त ऊपर चढ़ि आयो,
अंधकार ब्रज ऊपर छायो,
रज-वर्षा सो ब्रज अकुलायो,
भजो रे भजो रे तब सबन को दियो त्रान॥
जय जय कृपासिन्धु भगवान॥
दुष्ट अघासुर ब्रज में आयो,
सर्पाकार बदन फैलायो,
गोप-वंश भीतर घुस आयो,
भजो रे भजो रे तब रक्षा कियो महान॥
जय जय कृपासिन्धु भगवान॥
ग्वाल मंडली जूठन खाई,
ब्रह्मा मोह कियौ पछिताई,
बच्छ-ग्वाल सब लियो चुराई,
भजो रे भजो रे तब सकल रूप भये कान्ह॥
जय जय कृपासिन्धु भगवान॥

दावानल ऊपर चढ़ि आयो,
जरन लग्यो सब ब्रज घबरायो,
शरण शरण कहि गोकुल धायो,
भजो रे भजो रे तब दावानल कियो पान॥
जय जय कृपासिन्धु भगवान॥

इन्द्र कोप कर जल बरसायो,
प्रलय मेघ ब्रज ऊपर आयो,
सात दिना गिरिराज उठायो,
भजो रे, भजो रे तब सात वर्ष के कान्ह॥
जय जय कृपासिन्धु भगवान॥

स्थाई

सा -	**ध - - -**	**ध - - सां**	**प सां ध -**	**- -**
भ जो	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ भ जो	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
ध नी	**प नी ध प**	**म ग रे सा**	**नी सा नी ध**	**नी सा**
भ जो	ब्र ज ज न	वि प द वि	रा ऽ ऽ म	जै ऽ
सा -	**रे म ग रे**	**सा - रे नी**	**सा - - -**	**सा -**
जै ऽ	कृ पा ऽ सिं	ऽ धु भ ग	वा ऽ ऽ ऽ	ऽ न

अंतरा

ध - - -	**ध - - नी**	**प ध सां नी**	**ध - प म**
तृ णा ऽ व	ऽ र्त ऊ ऽ	प र च ढ़ि	आ ऽ यो ऽ

इसी पर दो पंक्ति ''अंधकार''.....
''रज-वर्षा''......। पुनः स्थाईवत्
''भजो रे भजो रे।'' इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

भजो भक्तन के प्रतिपाल

भजो भक्तन के प्रतिपाल राधे सांवरिया।
भजो दासन के प्रतिपाल राधे सांवरिया।
भजो दीनन के प्रतिपाल राधे सांवरिया।
भजो निर्बल के प्रतिपाल राधे सांवरिया॥

भजो राधा औ नंदलाल राधे सांवरिया।
भजो कृष्ण औ नंदलाल राधे सांवरिया।
भजो प्यारी औ नंदलाल राधे सांवरिया।
भजो श्यामा औ नंदलाल राधे सांवरिया॥

भजो जनरंजन गोपाल राधे सांवरिया।
भजो दु:ख गंजन गोपाल राधे सांवरिया।
भजो दीनबंधु गोपाल राधे सांवरिया।
भजो कृपासिन्धु गोपाल राधे सांवरिया॥

स्थाई (क)

सा रे	**ध़ सा - -**	**रे सा रे म**	**ग - - सा**
भ जो	भ ऽ क्त न	के ऽ प्र ति	पा ऽ ऽ ल
	रे सा रे म	**ग - रे -**	**सा -**
	रा ऽ धे ऽ	सां ऽ व रि	या ऽ

अंतरा (क)

सा -	**सा ग - -**	**ग म प -**	**म - ग सा**	**रे सा रे म**
भ जो	दा ऽ स न	के ऽ प्र ति	पा ऽ ऽ ल	रा ऽ धे ऽ

ग - रे -	**सा -**
सां ऽ व रि	या ऽ

अथवा

स्थाई (ख)

म प	**प - - -**	**सा - नी -**	**सा - - म**
भ जो	भ ऽ क्त न	के ऽ प्र ति	पा ऽ ऽ ल

म - - प	**ग - - -**	**ध -**
रा ऽ धे ऽ	सां ऽ व रि	या ऽ

अंतरा (ख)

प -	**प - - -**	**प - गं रें**	**सां - - म**
भ जो	दा ऽ स न	के ऽ प्र ति	पा ऽ ऽ ल

म - - -	**नी ध नी ध**	**प -**
रा ऽ धे ऽ	सां ऽ व रि	या ऽ

✿✿✿

भजो भानु-किशोरी श्रीश्यामा

भजो भानु-किशोरी श्रीश्यामा। भजो चंदा-वदनी श्रीश्यामा।
भजो नवल किशोरी श्रीश्यामा। भजो पंकज-नयनी श्रीश्यामा।
भजो नित्य किशोरी श्रीश्यामा। भजो फुल्ल-कमलिनी श्रीश्यामा।
भजो कीर्ति-किशोरी श्रीश्यामा। भजो श्याम ह्लादिनी श्रीश्यामा।
भजो कृपा रूपिणी श्रीश्यामा। भजो दयारूपिणी श्रीश्यामा।
भजो ह्लादरूपिणी श्रीश्यामा। भजो श्याम-रूपिणी श्रीश्यामा।
भजो रासरसेश्वरी श्रीश्यामा। भजो भाव-रूपिणी श्रीश्यामा।
भजो प्रेमरूपिणी श्रीश्यामा। भजो कृष्ण-प्रेयसी श्रीश्यामा।
भजो भानु-दुलारी श्रीश्यामा। भजो प्रानन प्यारी श्रीश्यामा।
भजो कीर्ति-दुलारी श्रीश्यामा। भजो कृष्ण-स्वामिनी श्रीश्यामा।
भजो श्यामा प्यारी श्रीश्यामा। भजो श्याम-स्वामिनी श्रीश्यामा।

स्थाई (क)

म -	ग म ग सा	नी़ सा ध़ नी़	सा - म ग	म -
भ जो	भा ऽ नु कि	शो ऽ री ऽ	श्री ऽ श्या ऽ	मा ऽ

अंतरा (क)

म ध	ग म ध नी	सां - - -	नी - - सां	ध नी
भ जो	चं ऽ दा ऽ	व द नी ऽ	श्री ऽ श्या ऽ	मा ऽ

अथवा

स्थाई (ख)

म -	ग म रे सा	नी़ सा ध़ नी़	सा - नी़ -	ध़ -
भ जो	भा ऽ नु कि	शो ऽ री ऽ	श्री ऽ श्या ऽ	मा ऽ

अन्तरा (ख)

म -	ग म ध नी	सां - - -	नी सां रें सां	नी -
भ जो	चं ऽ दा ऽ	व द नी ऽ	श्री ऽ श्या ऽ	मा ऽ

✿✿✿

भजो भानुदुलारी राधा

भजो भानुदुलारी राधा।
रानी महारानी राधा रूप गुमानी बड़ी छैल-छबीली राधा॥
बांकेविहारी जाकी करत खवासी सदा ऐसी रस रूप अगाधा॥
नित ही डोलत वह खोर-सांकरी प्यारी दान हेतु जिय साधा॥
सेज संवारत फूलन गह्वर वन, कोटि काम-शर बाधा॥

स्थाई

प़ -	सा - - नी़	सा ग रे -	सा - - -	नी़ प़
भ जो	भा ऽ नु दु	ला ऽ री ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	धा ऽ

अन्तरा

प - - -	**प - - -**	**म - - म**	**म - - प**
रा नी म हा	रा नी रा धा	रू ऽ प गु	मा नी ब ड़ी
ग - म -	**ग - म -**	**प नी ध नी**	**प - - -**
छै ऽ ल छ	बी ऽ ली ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	धा ऽ ऽ ऽ

इसी पर शेष।

❀❀❀

भजो भानु-दुलारी श्रीनंदजु के लाल राधा श्रीराधा, गोविंदा गोपाल॥

नंदगांव बरसाने राजैं, युगल रूप वृन्दावन गाजैं।
भजो यशुदा को छैया कीरति सुकुमार, राधा श्रीराधा गोविंदा गोपाल॥
नंदीश्वर ब्रह्माचल सोहैं, गिरिवर गुफन खेल मन मोहैं।
भजो कीरति दुलारी, यशोदा दुलार, राधा श्रीराधा गोविंदा गोपाल॥

स्थाई

प ध	**सां - - -**	**सां - - -**	**नी - सां रें**	**सां नी ध प**
भ जो	भा ऽ नु दु	ला ऽ री श्री	नं द जु के	ला ऽ ऽ ल
	सां - - प	**ध - प -**	**ग - म ध**	**प - - -**
	रा ऽ धा श्री	रा ऽ धा गो	विं दा गो ऽ	पा ऽ ऽ ल

अन्तरा

ग - म ग	**रे - सा -**	**ग - म ध**	**प - - -**
नं ऽ द गां	ऽ व ब र	सा ऽ ने ऽ	रा ऽ जै ऽ

इसी पर ''युगल रूप'' ''भजो यशोदा को छैया'' स्थाईवत्
इसी क्रम से दूसरा अन्तरा।

भजो राधा रंगीली मेरो श्याम रसिया

राधा राधा राधा राधा कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण
राधेश्याम युगल रसिया।
जनम बधाई भादों बाजै, लीलादान साज सब साजै॥
सांझी लीला फूलन बीनै, महारास रस कौ सुख झीनै।
मिल नाचें दै गलबहियां॥ भजो राधा रंगीली मेरो श्याम रसिया॥
दीपदान लीला गोवर्धन, गोपाष्टमी करै गोचारन॥
शीतकाल खिचरी बहुप्यारी, बसंत-पंचमी है सुखकारी॥
रंग छोड़ै गुलाल उड़िया॥ भजो राधा रंगीली मेरो श्याम०॥
ब्रज की होरी सब ते न्यारी, गली रंगीली लठियन वारी,
पुष्पडोल रथ विचरण वन में, चन्दन चर्चा फूल महल में॥
पहिरै फूलन के अंगियां, भजो राधा रंगीली मेरो श्याम रसिया॥
ग्रीष्म विहारै जलविहार में, सावन भीजै घन उमड़न में॥
झूला झूले तट कुंजन में, अगणित उत्सव वृन्दावन में॥
गावै सब ब्रज में रसिया, भज राधा रंगीली मेरो श्याम रसिया॥

स्थाई

ग -	**ग - रे -**	**सा - प -**	**प ध प म**	**प म**
भ जौ	रा ऽ धा रं	गी ली मे रो	श्या म र सि	या ऽ

अन्तरा

ग - - म	**प - - -**	**ध - - <u>नी</u>**	**ध - प -**
रा धा रा धा	रा धा रा धा	रा धा रा धा	रा धा रा धा
कृ ऽ ष्ण ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ
ध - - -	**प - - -**	**प ध प म**	**प म ग रे**
रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ म यु	ग ल र सि	या ऽ भ जो

४ पंक्ति "राधा राधा राधा राधा" की तरह १ पंक्ति "राधेश्याम युगल" की तरह इसी क्रम से सब अंतरा॥

भजो राधारमण श्रीगोविन्दजी

भजो राधारमणा गोविन्दजी।
श्रीगोविन्दजी श्रीगोविन्दजी॥
सोने की सी मूर्ति प्रियाजी।
महानीलमणि द्युति गोविन्दजी॥
नील-कमल मालिका प्रियाजी।
पीत-कमल माला गोविन्दजी।
जलज मणिन माला गोविन्दजी॥
पिय देखत मुसकात प्रियाजी।
वंशी में गावत गोविन्दजी॥

स्थाई

ऩी - सा रे	**सा - ऩी धॖ**	**मॖ - धॖ ऩी**	**सा - - -**
भ जो रा ऽ	धा ऽ र म	णा ऽ गो ऽ	विं द जी ऽ

अन्तरा

धॖ - सा रे	**म - - -**	**ग रे म ग**	**रे - सा -**
भ जो गो ऽ	विं द जी ऽ	श्री ऽ गो ऽ	विं द जी ऽ

इसी पर ''सोने की सी मूर्ति''।
पुनः स्थाईवत् ''महानीलमणि''
एवं इसी क्रम से शेष अन्तरा।

भजो राधावर श्याम युगल चरणा

भजो राधावर श्याम युगल-चरणा।
पीत वरणा नील वरणा॥
युगल चरणा कमल चरणा॥
युगल चरणा ध्यान धरणा॥
युगल चरणा तिहारी शरणा॥
युगल चरणा हृदय हरणा॥
युगल चरणा प्रेम झरणा॥
युगल चरणा अधम तरणा॥
युगल चरणा पाप हरणा॥
युगल चरणा विघ्न हरणा॥
युगल चरणा दया करना॥
युगल चरणा कृपा करना॥
युगल चरणा अभय करना॥
युगल चरणा क्लेश टरना॥

स्थाई

रे रे	**रे - ग रे**	**सा रे सा नी़**	**सा सा रे ग**	**रे -**
भ जो	रा धा व र	श्या ऽ म यु	ग ल च र	णा ऽ

अन्तरा

प -	**- - - -**	**ध प म म**	**ग रे म ग**	**- -**
यु ग	ल च र णा	ऽ ऽ क म	ल च र णा	भ जो

इसी पर अन्य अन्तरा।

द्वितीय स्थाई

ग रे	**ध़ - सा रे**	**ग - रे -**	**ग - रे -**	**सा -**
भ जो	रा धा व र	श्या ऽ म यु	ग ल च र	णा ऽ

अन्तरा

म म	**- - - म**	**- - म म**	**ध म ग -**	**रे म**
यु ग	ल च र णा	ऽ ऽ क म	ल व र ऽ	णा ऽ

शेष अन्तरा इसी पर।

✿✿✿

भजो रे कन्हैया श्रीराधा रंगीली

भजो रे कन्हैया श्रीराधा रंगीली।
कुमारी किशोरी बड़ी भोरी भारी,
औ मोहन छबीला रंगीला विहारी,
ये दोनों की जोड़ी बड़ी अलबेली। भजो रे कन्हैया श्रीराधा रंगीली॥
भक्ति रसमयी परादायिनी,
प्रियतम देहु रति अनपायनी,
राग रंग रस भीनी केली॥ भजो रे कन्हैया श्रीराधा रंगीली॥

स्थाई

सा	**रेग रेग रे सा**	**सा - - म**	**म - प म**	**ग - रे**
भ	जोऽ रेऽ ऽ क	न्है ऽ या श्री	रा ऽ धा रं	गी ऽ ली

अन्तरा

नी	**नी - - -**	**सा - - रे**	**ग - म ग**	**रे - सा**
कु	मा ऽ री कि	शो ऽ री ब	ड़ी ऽ भो री	भा ऽ री

इसी पर "औ मोहन....."।

अन्तरा

ध	**ध - - -**	**प - - -**	**पध पध म -**	**म प ग**
ये	दो ऽ नों की	जो री ऽ ब	ड़ीऽ ऽऽ अ ल	बे ली ऽ

इसी क्रम से दूसरा अन्तरा।

भजो रे प्यारे प्रियतम श्रीघनश्याम

विप्र सुदामा द्वारे आयो।
रुक्मणि छांड़ि द्वार पै धायो।
देखत ही हियरे लपटायो।
विप्र चरन अंसुवन धुलवायो। दीन दुख नाशन श्रीघनश्याम॥ भजो रे०

पाण्डव के बन दूत पधारे।
चले हस्तिनापुर रिपु द्वारे।
दुर्योधन के भोग बिसारे।
विदुरानी के छिलका प्यारे। प्रेमधन धारण श्रीघनश्याम॥ भजो रे०

अर्जुन मोह्यो युद्ध भूमि में।
गीता-ज्ञान दियो हरि रण में।
बने सारथी सेवक रथ में।
अर्जुन के आज्ञापालन में। करत रथ चालन श्रीघनश्याम॥ भजो रे०

राजस यज्ञ युधिष्ठिर कीयो।
सबसों नीच टहल हरि लीयो।
ऋषि-विप्रन पद हरि ने धोयो।
जूठी पातर सिर रख ढोयो। दास के दासन श्रीघनश्याम॥ भजो रे०

स्थाई

सा	**<u>नी़</u> सा <u>नी़</u> ध़**	**प़ - ध़ -**	**ग़ - - -**	**प़ - - -**
भ	जो ऽ रे ऽ	प्या ऽ रे ऽ	प्रि ऽ य ऽ	त ऽ म ऽ
	ध़ सा - -	**ग रे ग म**	**ग - - -**	**सा - - -**
	श्री ऽ ऽ ऽ	घ ऽ न ऽ	श्या ऽ ऽ ऽ	म ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

ग – – रे	**ग – – –**	**रे – – ग**	**रे – सा –**
दी ऽ न सु	दा ऽ मा ऽ	द्वा ऽ रे ऽ	आ ऽ यो ऽ
म – रे –	**म प ध म**	**ध प ग सा**	**रे म ग –**
रु क म णि	छा ऽ ड़ द्वा	ऽ र पै ऽ	धा ऽ यो ऽ

इसी पर ''देखत....धुलवायो'' पुनः स्थाईवत् ''दीन दु:खनाशन''

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

भजो रे भैया राधे राधे नटवर श्याम

भजो रे भैया राधे राधे नटवर श्याम।
ब्रज–गोपिन ने टहल करायो
गोबर भर भर हेल उचायो
भजो रे भैया प्रीति के कारण श्याम॥
पनघट पर पानी भर देवै
भारी गगरिया सिर धरि देवै
भजो रे भैया प्रेम के पालन श्याम॥
मीठी मीठी वंशी बजावै
मीठे मीठे गान सुनावै
भजो रे भैया प्रेमवश नाचत श्याम॥
बरसाने गहवर में आवैं
कुंजन में प्यारी दुलरावै
भजो रे भैया लगे पग चापन श्याम॥

स्थाई

प	**प - नी नी**	**नी - - -**	**नी - - -**	**नी - सां नी**
भ	जो ऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ भ
	ध नी ध -	**प - - -**	**प - - -**	**प - - -**
	जो ऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ भ
	प ध म -	**ग - सा रे**	**ग - रे -**	**सा - - -**
	जो रे भै या	रा धे रा धे	न ट व र	श्या ऽ ऽ म

अन्तरा

नी - - -	**सा - - -**	**प म ग म**	**ग रे सा रे**
ब्र ज गो ऽ	पि न ने ऽ	ट ह ल क	रा ऽ यो ऽ

इसी पर "गोबर भर २...."

पुनः स्थाईवत् "भजो रे भैया प्रीति के कारण"।

इसी क्रम से शेष अन्तरा॥

✿✿✿

भजो रे मन राधे राधे श्याम

भजो रे मन राधे राधे श्याम।
राधा ऐसी रूप उजारी मोह लियो घनश्याम।
राधा ऐसी मीठी बोलैं पीछे डोलैं श्याम॥
राधा ऐसी तिरछी देखै बिक गयो प्यारो श्याम।
राधा ऐसी मधु-मुसकावै लुट गयो चंचल श्याम॥
राधा ऐसी चलै झूमकें लट्टू ह्वै गयो श्याम।
राधा ऐसी बनी रसीली संग लग्यो घनश्याम॥
राधा ऐसी लगै रंगीली अपने रंग लियो श्याम।
राधा ऐसी नारि छबीली बस में कर लियो श्याम॥
राधा ऐसी गावै नाचै चेरो ह्वै गयो श्याम॥

स्थाई

म	**ग रे सा नी**	**सा - प -**	**सा - रे म**	**ग रे सा**
भ	जो रे म न	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ म

अन्तरा

प - - -	**प - - -**	**म - - -**	**ग रे सा म**
रा धा ऐ सी	रूप उ जा री	मो हलि यो घन	श्या ऽ म भ

इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

भजो राधे कृष्ण श्याम हरि

भजो राधे कृष्ण श्याम हरि।
प्रेम ज्योति राधा महारानी।
उज्वल महाभाव रस खानी।
नित्य विहार ध्वजा फहरानी।
ब्रह्माण्डन में प्रेम कहानी–भजो राधा राधा प्रेम भरी॥
राधारस सरवर मराल हरि।
राधारस सागर सुमीन हरि।
राधा सरिता नीलाम्बुज हरि।
राधारस तड़ाग चकवा हरि–भजो कृष्ण कृष्ण गोपाल हरि॥
गौर अंग रंगस्थल मण्डल।
रस लीला विलास ताण्डव भल।
पटाक्षेप लज्जा युत नैना।
पुष्पाञ्जलि मुसकन युत–बैना–भजो राधा राधा रंग भरी॥
रंगस्थल नायक मनमोहन।
अभिनेता सुन्दर अति सोहन।
अद्भुत सौरत कौशल नर्तन।
मार कला कोमल संवर्तन–भजो कृष्ण कृष्ण गोपाल हरि॥

स्थाई

ग म	**प सां – –**	**नी रें सां –**	**नी प नी सां**	**नी –**
भ जो	रा ऽ धे ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	श्या ऽ म ह	री ऽ

अन्तरा

प – – मं	**प – – –**	**मं प मं प**	**ग प म ग**
प्रे ऽ म ज्यो	ऽ ति रा ऽ	धा ऽ म हा	रा ऽ नी ऽ

इसी प्रकार ३ पंक्ति। पुनः स्थाईवत्

“भजो राधा राधा।” इसी तरह अन्य अन्तरा।

भजो राधे कृष्ण कृष्ण भज राधे।
भजो राधे राधे गोविंदा भजो राधे।

थल मांझ कृष्ण जल मांझ कृष्ण, है अग्नि कृष्ण है वायु कृष्ण॥ भजो०

आकाश कृष्ण है अहं कृष्ण, है महत् कृष्ण अव्यक्त कृष्ण॥ भजो०

सब बीज कृष्ण आधार कृष्ण, रस रूप कृष्ण है शरण कृष्ण॥ भजो०

सब जीव कृष्ण चर-अचर कृष्ण, सब सार कृष्ण सब तत्व कृष्ण॥ भजो०

सब काल कृष्ण सब दशा कृष्ण, प्रह्लाद कियो सब भाव कृष्ण॥ भजो०

स्थाई

सा -	**सा - सां प**	**ध - - -**	**सा रे म ग**
भ जो	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	कृ ऽ ष्ण कृ

रे सा नी़ -	**सा - - -**	**सा -**
ऽ ष्ण भ ज	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ

इसी पर ''भजो राधे राधे गोविंदा भजो राधे।''

अन्तरा

सा -	**रे सा नी़ -**	**सा - रे प**	**म ग रे ग**	**सा -**
थ ल	मां ऽ झ कृ	ऽ ष्ण ज ल	मां ऽ झ कृ	ऽ ष्ण
प -	**ध सां - -**	**सां - रें गं**	**रें सां - -**	**सां -**
है ऽ	अ ऽ ग्नि कृ	ऽ ष्ण है ऽ	वा ऽ यु कृ	ऽ ष्ण

इसी पर अन्य अन्तरा।

सां -	**सां - - -**	**सां - रें गं**	**रें - सां -**	**- -**
भ जो	रा धे ऽ गो	विं दा भ जो	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ

भजो राधे गोविन्दा श्रीराधे

भजो राधे गोविन्दा श्रीराधे भजो राधे गोविन्दा श्रीराधे ॥
प्यारी कृपा तरंगिणी राधे,
प्यारो कृपा पयोनिधि गोविन्द ॥
प्यारी द्युति सौदामिनी राधे,
प्यारो नव जलधर द्युति गोविन्द ॥
प्यारी प्रीति चकोरी राधे,
प्यारो प्रेम-चन्द श्रीगोविन्द ॥
प्यारी रंग प्रवाहिनी राधे,
प्यारो रंग सुधानिधि गोविन्द ॥
प्यारी अलक लड़ीली राधे,
प्यारो अलक लड़ैतो गोविन्द ॥

स्थाई

प़ -	**प़ ग - -**	**ग - - म**	**रे ग - म**	**ग रे**
भ जो	रा धे ऽ गो	विं दा श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ
सा नी़	**सा रे - -**	**रे ग म ग**	**रे - सा -**	**सा -**
भ जो	रा धे ऽ गो	विं दा श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ

अन्तरा

प -	**प - - -**	**प - - -**	**ध - नी -**	**सां -**
प्या री	कृ पा ऽ त	रं ऽ गि णी	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ
प -	**प - - ध**	**प - म ग**	**रे ऽ ग म**	**प -**
प्या रो	कृ पा ऽ प	यो ऽ नि धि	गो ऽ विं द	ऽ ऽ

इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

भजो राधे गोविंदा गोपाल हरि

भजो राधे गोविन्दा गोपाल हरी॥

चामीकर चम्पा शम्पा वा, नील तमाल जलद श्यामल वा।

भजो युगल रूप ब्रज में विहरी॥

पीतोपरि शोभित नीलाञ्चल, नीलोपरि शोभित पीताञ्चल।

भजो उज्ज्वल रस सागर लहरी॥

श्रोणि भार गति मंद लास्ययुत, मदस्रावी करीन्द्र गति अद्भुत।

भजो प्रेम तत्व दो रूप धरी॥

स्थाई

नी सा	**ग म - -**	**ग रे सा ग**	**रे सा ध नी**	**सा -**
भ जो	रा धे ऽ गो	विं ऽ दा गो	पा ऽ ल ह	री ऽ

अंतरा

रे सा ध नी	**सा - - -**	**रे - - ग**	**रे - सा -**
चा ऽ मी ऽ	क र चं ऽ	पा ऽ शं ऽ	पा ऽ वा ऽ
म - - -	**प - - -**	**ध - - नी**	**ध - प -**
नी ऽ ल त	मा ऽ ल ज	ल द श्या ऽ	म ल वा ऽ

ग म	**प नी ध -**	**प - म -**	**ग - म ग**	**म ग**
भ जो	यु ग ल रू	ऽ प ब्र ज	में ऽ वि ह	री ऽ

पुनः स्थाई॥　　इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

✿✿✿

भजो राधे राधे श्रीराधाविहारी, कुंजविहारी गिरिवरधारी॥

ब्रह्माचल की शिखरन ऊपर, विहरति लली खेल में तत्पर॥
दानविलास मान छवि वारी, कुंजविहारी गिरिवरधारी॥
नंदीश्वर पर दाऊ मोहन, चतुर ग्वाल खेलत बहु खेलन॥
दान विहारी मान विहारी, कुंजविहारी गिरिवरधारी॥

स्थाई

सा ग म ध	**प - - -**	**ध नी ध म**	**म प रे ग**
भ जो रा धे	रा ऽ धे श्री	रा ऽ धा वि	हा ऽ री ऽ
रे - म -	**ध - - -**	**सां - ध -**	**नी ध प -**
कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ	गि रि व र	धा ऽ री ऽ

अंतरा

प - ध रें	**सां - - -**	**नी - ध -**	**नी ध प -**
ब्र ऽ ह्मा ऽ	च ल की ऽ	शि ख र न	ऊ ऽ प र
रे - म -	**ध - - -**	**सां - ध -**	**नी ध प -**
वि ह र ति	ल ली ऽ खे	ऽ ल में ऽ	त त्प र ऽ

पुनः स्थाईवत् ''दान विलास मान..... ॥''

इसी क्रम से अन्य अन्तरा॥

✿✿✿

भानुदुलारी गिरिवरधारी

भानुदुलारी गिरिवरधारी राधा-माधव कुंजविहारी॥
राधा राधा श्रीगोविन्दा, श्रीराधा वृन्दावन चन्दा।
कीर्तिकुमारी रासविहारी राधा-माधव कुंजविहारी॥
राधा राधा श्रीगोविन्दा, श्रीसुप्रभा प्रभात गोविन्दा।
श्रीसुकुमारी केलि-विहारी राधा-माधव कुंजविहारी॥
राधा राधा श्रीगोविन्दा, श्रीदामिनी जलद गोविन्दा।
प्राण-पियारी प्राण-विहारी राधा-माधव कुंजविहारी॥
राधा राधा श्रीगोविन्दा, श्रीभामिनी-रसिक गोविन्दा।
रसिकन प्यारी रस संचारी राधा-माधव कुंजविहारी॥
राधा राधा श्रीगोविन्दा, श्रीरागिनी-राग गोविन्दा।
मधुमद वारी रति-सुखकारी राधा-माधव कुंजविहारी॥

स्थाई

× **धनी सा नी**	**सा - - -**	× **धनी सा नी**	**सा - - -**
× भाऽ नु दु	ला ऽ री ऽ	× गिरि व र	धा ऽ री ऽ
नी - रे -	**ग - म -**	**ग म रे सा**	**म रे नी ध**
रा ऽ धा ऽ	मा ऽ ध व	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ

अन्तरा

म - ध -	**ध नी ध प**	**म ग रे ग**	**प - म -**
रा - धा ऽ	रा ऽ धा ऽ	श्री ऽ गो ऽ	विं ऽ दा ऽ
सां - - -	**नी सां नी ध**	**ध नी ध प**	**ग प म -**
श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ वृं ऽ	दा ऽ व न	चं ऽ दा ऽ

''कीर्तिकुमारी'' स्थाईवत्
इसी क्रम से शेष अन्तरा।

भानुदुलारी शरण तिहारी

भानुदुलारी शरण तिहारी दीनबंधु दीनानाथ कृष्ण हरे॥
जै जै राधाप्यारी शरण तिहारी दीनबन्धु दीनानाथ कृष्ण हरे॥
कृष्ण हरे, कृष्ण हरे॥
चन्द्र कृष्ण चन्द्रिका राधिका, नील कृष्ण गोरीका राधिका॥ जै जै०
प्रेम कृष्ण प्रेमिका राधिका, प्रेष्ठ कृष्ण प्रेयसी राधिका॥जै जै०
भाव कृष्ण भाविका राधिका, स्नेह कृष्ण स्नेहिनी राधिका॥ जै जै०
शब्द कृष्ण अर्थिका राधिका, देव कृष्ण देविका राधिका॥ जै जै०
मीत कृष्ण मैत्रिका राधिका, गोप कृष्ण गोपिका राधिका॥ जै जै०
आत्म कृष्ण चिच्छक्ति राधिका, ह्लाद कृष्ण ह्लादिका राधिका॥ जै जै०
रूप कृष्ण श्रृंगार राधिका, वश्य कृष्ण स्वामिनी राधिका॥ जैजै०

स्थाई

प - - -	**प - ध प**	**म - ग सा**	**ग म प -**
भा ऽ नु दु	ला ऽ री ऽ	श र ण ति	हा ऽ री ऽ
ग रे नी़ -	**सा रे ग म**	**रे ग सा रे**	**सा - - -**
दी न बं धु	दी ना ना थ	कृ ऽ ष्ण ह	रे ऽ ऽ ऽ

इसी प्रकार ''जै जै राधा प्यारी''

अन्तरा

प ध सां नी	**सां - - -**	**प ध नी ध**	**प - - -**
चं ऽ द्र कृ	ऽ ष्ण चं ऽ	द्रि का ऽ रा	ऽ धि का ऽ

इसी पर शेष अन्तरा।

प ध नी ध	**नी - - ध**	**प ध नी ध**	**प - - -**
कृ ऽ ष्ण ह	रे ऽ ऽ ऽ	कृ ऽ ष्ण ह	रे ऽ ऽ ऽ

भानु दुलारी सुंदरी जै, कीरति लाड़िली राधा॥

रागिनी, अनुरागिनी जै, वेणु गीत की रागिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
रंगिनी, रस रंगिनी जै, पिय रस प्रीति तरंगिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
रंजिनी, हरि रंजिनी जै, कृष्ण-चित्त अनुरंजिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
गामिनी, गजगामिनी जै, राज-हंस गति गामिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
रामिनी अभिरामिनी जै, रस-प्रवाह अविरामिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
कामिनी हरिकामिनी जै, लज्जित शत-रति-कामिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
हासिनी मृदु हासिनी जै, कोटि सुधाकर हासिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
दामिनी, द्युतिदामिनी जय, लज्जित कोटिक दामिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
भामिनी, हरि भामिनी जय, भोरी भारी भामिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
भावनी, अनुभावनी जय, प्रियतम वृत्ति लुभावनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
स्वामिनी, हरिस्वामिनी जय, ब्रज वनिता कुल स्वामिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
राविणी, मधुराविणी जय, किंकिनि नूपुर राविणी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
भाषिणी मृदुभाषिणी जय, पिय संग सस्मित भाषिणी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
वासिनी, शुचिवासिनी जय, उर घट मद नीर्वासिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा
लासिनी, प्रोल्लासिनी जय, गहवर विपिन विलासिनी जय॥ कीरति लाड़िली राधा

स्थाई

सा - रे ग	**रे ग म प**	**प नी ध प**	**म ग रे ग**
भा ऽ नु दु	ला ऽ री ऽ	सुं ऽ ऽ द	री ऽ जै ऽ
सा - रे ग	**रे म - ग**	**रे ग सा नी़**	**सा - - -**
की ऽ र ति	ला ऽ ऽ ड़ि	ली ऽ रा ऽ	धा ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

नी - - -	**नी - सां -**	**प सां - नी**	**ध - प -**
रा ऽ ऽ गि	नी ऽ अ नु	रा ऽ ऽ गि	नी ऽ ज य
प नी ध नी	**ध - प -**	**प ध प म**	**म ग रे ग**
वे ऽ णु गी	ऽ त की ऽ	रा ऽ ऽ गि	नी ऽ ज य
सा - रे ग	**रे म म ग**	**रे ग सा नी़**	**सा - - -**
की ऽ र ति	ला ऽ ऽ ड़ि	ली ऽ रा ऽ	धा ऽ ऽ ऽ

भानुलली लाड़िली भानुलली

भानुलली लाड़िली भानुलली।
छैल-छबीली गुन गर्वीली, सोने की कली॥ लाड़िली भानु लली
श्रीराधा वृषभानु-लली तुम, बड़ी गरीब-निवाज।
बरसाने में राखियों मोहि, बाँह गहे की लाज॥ लाड़िली०
श्रीराधा वृषभानु-लली तुम, करुणामयी उदार।
डूब रही ये टूटी-नैया, करियो याको पार॥ लाड़िली०
श्रीराधा वृषभानु-लली तुम, सब पै हो रिझवार।
भर दीजो यह झोरी मेरी, दै के अपनों प्यार॥ लाड़िली०
श्रीराधा वृषभानु-लली तुम, भोरी हो सरकार।
मोकूं तो बस भोरेपन को, ही है एक आधार॥ लाड़िली०
श्रीराधा वृषभानु-लली को, सांचो है दरबार।
मेरे औगुन पै रीझैगी, प्यारी जू रिझवार॥ लाड़िली०
श्रीराधा वृषभानु-लली तुम, दयामयी ब्रजबाल।
दया अवश्य करेंगी चाहे, तू है बड़ी कुचाल॥ लाड़िली०
श्रीराधा वृषभानु-लली तुम, कृपामयी सिरमौर।
मांगे कृपा कृपा हूं इनकी, एक इनहि की दौर॥ लाड़िली०
श्रीराधा वृषभानु-लली तुम, अशरण शरण कृपालु।
मेरी कोई नहीं है मोपै, भोरी होहु दयालु॥ लाड़िली०
श्रीराधा वृषभानु-लली, तुम दाता बड़ी सुजान।
मेरी ओर तनक ही देखो, मैं मतिहीन अजान॥ लाड़िली०
श्रीराधा वृषभानु-लली तुम, दीनन की रखवार।
नहीं खिवैया टूटी नैया-टूटी है पतवार॥ लाड़िली०

स्थाई

नी़ प़ नी़ -	**सा सासा सासा सारे**	**नी़ प़ नी़ -**	**सा - - -**
भा ऽ नु ल	ली ऽला ऽड़ि लीऽ	भा ऽ नु ल	ली ऽ ऽ ऽ
ग गग - गरे	**मम मम - गरे**	**सा ग रे -**	**सा - - -**
छै लछ बी लीऽ	गुन गर वी लीऽ	सो ने की क	ली ऽ ऽ ऽ

अन्तरा में केवल तीसरा चरण दो बार कहा जायेगा।

बाकी स्वर स्थाई के हैं।

अंतरा

नी़ प़ नी़ नी़नी़	**सा सासा सा सारे**	**नी़नी़ प़प़ नी़ नी़नी़**	**सा - - -**
श्री रा धा वृष	भा नुल ली तुम	बड़ी ऽग री बनि	वा ऽ ऽ ज
गग ग - गरे	**म मग रे सासा**	**स सग रे -**	**सा - - -**
बर सा ने मेंऽ	रा ऽखि यो मोहि	बां हग हे की	ला ऽ ऽ ज

इसी प्रकार अन्य अन्तरा

✿ ✿ ✿

मन भज कृष्ण कन्हैया, तेरी नैया पार लगेगी॥

तू भज ले, तू भज ले, तू भज ले, तू भज ले।
भज कृष्ण, भज कृष्ण, भज कृष्ण, भज कृष्ण।
भज राधे, भज राधे, भज राधे, भज राधे।
हरि संग खेल रहे सब ग्वाला, सर्प अघासुर आयो काला।
मुख में गये खेलते बाला, मार्‌यो वह मुख घुस नंदलाला॥
शरणागतहि बचैया, तेरी बाधा, दूर हटेगी॥ मन भज०.....
ग्वाला गैया एक दिना सब, पियो विषैलो जमुना-जल जब।
प्राणहीन ह्वै गिरे सबै तब, हरि के देखत जी बैठे सब॥
ऐसे भक्त रखैया, जन पै रक्षा शक्ति ढरेगी॥ मन भज०.....
व्योमासुर जब ब्रज में आयो, खेलत सखन दूर लै धायो।
गुफा खोल गोपनहि छुड़ायो, गला घोंट के असुर गिरायो॥
योग और क्षेम धरैया, जन कूं, भक्ति अनन्य मिलेगी॥ ॥ मन भज०.....

स्थाई

ध़ सा - -	**सा - ग - **	**ग म ध प**	**म ग रे सा**
म न भ ज	कृ ऽ ष्ण क	न्है ऽ या ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
स रे - म	**ग रे ग रे**	**स - - ग**	**स - ऩी ध़**
ते ऽ री ऽ	नै ऽ या ऽ	पा ऽ र ल	गे ऽ गी ऽ

अन्तरा

सा - ग -	**म - - -**	**प म ग -**	**म - प -**
ह रि सं ग	खे ऽ ल र	हे ऽ स ब	ग्वा ऽ ला ऽ
प ध म -	**प म ग -**	**रे - - म**	**ग रे सा -**
स ऽ र्प अ	घा ऽ सु र	आ ऽ यो ऽ	का ऽ ला ऽ

इसी पर ''मुख में गये....नंदलाला''

पुन: स्थाईवत् ''शरणागतहि बचैया.......''॥

मन यादकरो श्रीराधा के श्रीचरण।

जिन पद नखमणि की उज्ज्वल-द्युति, पारब्रह्म प्रकाशकरण ॥
जिनपद नूपुर धुन सों व्यापक, शब्द ब्रह्म सब श्रुतिन धरण।
जिन चरणन सो रास करत नित, रस-सागर कोटिकन झरण ॥
जिन चरणन सो कुंजन डोलति, ब्रजवीथिन महाछवि भरण।
जिन चरणन सो चढ़ति सेज पै, चापत चरण गिरिवर-धरण ॥
जिन चरणन कौ मधुर स्मरण कर, अनायास भव-सिंधु तरण।
चरणार्चन नासै त्रैकालिक, पाप ताप आपदा टरण ॥
अरुण गौर सित कान्ति सुभूषित मनमोहन मानस सुहरण।
पद-बंदन काटै सब बंधन कर्म राशि जीवनहि मरण।
उज्जवल रस-श्रृंगार पान हित, रसिक करैं पद इष्ट वरण।
जिन चरणन शरणागत हरिहू, तिन चरणन की शरण शरण ॥

स्थाई

म ध	सां - रें नी	सां - - -	ध - - -	- -
म न	या ऽ द क	रो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
ध -	नी - ध म	रे - ग म	रे ग रे -	सा -
ऽ ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ के ऽ	श्री ऽ ऽ च	र ण

अन्तरा

ग - नी़ -	सा - - -	ग - नी़ -	सा - - -
जि न प द	न ख म णि	की ऽ उ ऽ	ज्ज्व ल द्यु ति
म - - प	प - ध नी	ध नी ध प	म - म ध
पा ऽ र ऽ	ब्र ऽ ह्म प्र	का ऽ श क	र ण म न

इसी पर अन्य अन्तरा।

मन राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण बोल॥

वृंदावन में खेलन आवै, लता पता फूलन बरसावै।
मधु-धारा की नदी बहावै, फूल सेज पै लै विहरावै।
मन फूल बिछी गलियन में डोल, मन राधे........॥
यमुना दर्शन कर लहराई, बन की छटा बड़ी सुखदाई।
हंस-मण्डली ह्वां घिर आई, कमलन की माला लै आई।
देख युगल छवि करत किलोल, मन राधे........॥

स्थाई

प -	**प ध प म**	**ग - सा रे**	**ग - रे -**	**सा -**
म न	रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	बो ल

म - ग म	**प - ध नी**	**ध प नी ध**	**प - - -**
रा धे कृ ष्ण	बो ल रे ऽ	रा धे कृ ष्ण	बो ऽ ऽ ल

अन्तरा

सा रे <u>ग</u> सा	**रे <u>ग</u> प -**	**म - <u>ग</u> रे**	**म <u>ग</u> रे सा**
वृं ऽ दा ऽ	व न में ऽ	खे ऽ ल न	आ ऽ वै ऽ

इसी पर ३ पंक्तियां पुनः स्थाईवत् ''मन फूल बिछि''

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

महारानी लाड़िली महारानी लाड़िली।

भज राधा लाड़िली भज श्यामा लाड़िली॥
नित्य किशोरी भोरी भारी, अनुरागिणी श्यामा सुकुमारी॥ भज०
बेला फूल कृष्ण केशन में, तारागन से उदित विभावरी॥ भज०
मुख मयंक की शुभ्र ज्योत्सना, अधर रक्त सीपिन छवि पावत॥ भज०
चाव भरे पिय लै वीरी कर, देत प्रिया मुख लाड़लड़ावत॥ भज०
बिम्बाफल के अधर कटोरन, लाल अनार भरे दरसावत॥ भज०

स्थाई

म ध	सां - - -	सां रें - नी	सां - - -	सां -
म ह	रा ऽ नी ऽ	ऽ ला ऽ ड़ि	ली ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
नी -	रे - - -	ग रे - -	सा - - -	सा -
म हा	रा ऽ नी ऽ	ऽ ला ऽ ड़ि	ली ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ

अन्तरा

सा रे सा -	ध प म -	सा रे सा -	ध प म -
नि ऽ त्य कि	शो ऽ री ऽ	भो ऽ री ऽ	भा ऽ री ऽ
म प ध नी	नी - - -	ध सां नी ध	प - म -
अ नु रा ऽ	गि णी श्या ऽ	मा ऽ सु कु	मा ऽ री ऽ
सां - - -	सां - नी ध	नी सां - -	सां - - -
बे ऽ ला ऽ	फू ऽ ल कृ	ऽ ष्ण के ऽ	श न में ऽ
नी सां नी ध	नी - ध -	प ध प -	म - - -
ता ऽ रा ऽ	ग ण से ऽ	उ दि त वि	भा ऽ व री

इसी प्रकार अन्य अन्तरा।

✿✿✿

माथे सोहै मोर पंख अरु कुण्डल कान विशाल है।

ऐसो मेरो नंद लाड़िलो गल वैजन्ती माल है॥
माथे पै है बंधी चन्द्रिका, झुमके कान विशाल है॥
ऐसी मेरी भानु-लाड़िली, गले मोतिन की माल है॥
उर पीताम्बर उड़ उड़ फहरै, मुरली शब्द रसाल है॥
ऐसो मेरो कुंवर लाड़िलो, कमर काछनी लाल है॥
सुरंग चुनरिया उड़ उड़ फहरै, नूपुर शब्द रसाल है॥
ऐसी मेरी भानु लाड़िली, कटि किंकिणी को जाल है॥

स्थाई

प गं - -	**रें गं - -**	**रें गं रें नी**	**सां रें - -**
मा थे सो है	मो रपं ऽख अरु	कुं डल का नवि	शा ऽल है ऽ
प ध म ग	**म प - -**	**प गं रें गं**	**सां - - -**
ऐ सो मे रो	नं दला ऽड़ि लो	ग ल वै जन्ती	माऽ ल है ऽ

इसी प्रकार अन्य पंक्तियां।

✿✿✿

माधव! निज पद करहु किंकरी, कर करुणा करुणेश! रस भरी॥

फूलन लै बेनी गुथवाऊँ, झुकी गुलाबी पाग कसाऊँ।
मुकुट चन्द्रिका बांधू ऊपर, माथे तिलक लगाऊँ सुन्दर॥
गोल कपोल करूं पत्रावलि, बीरी दऊँ सुभग दशनावलि।
काजर दऊं सलोने नैंनन, कुंडल पहिराऊं युग श्रवनन॥
मोहन! निज पद करहु किंकरी, कर करुणा करुणेश! रस भरी॥
मुंदरी कंकण किंकणी नूपुर, बाजूबन्द पहिराऊँ सुन्दर।
सब तन चंदन लेप कराऊं, उर सिर राधा नाम लिखाऊं॥
लै सुवास अंगनहि लगाऊं, प्रिया मिलन के साज सजाऊं।
प्यारी कौ यश स्वर सों गाऊं, रूप शील गुन कथा सुनाऊं॥
प्रणयी! निज पद करहु किंकरी, कर करुणा करुणेश! रस भरी॥
तट भानुजा भानुजा के हित, लै जाऊं तुमको आकुल चित।

पधराऊं प्यारी ढिंग सविनय, शैय्या सुमन पंखुड़िन किसलय॥
देखें जब श्रृंगार किशोरी, रीझ हंसे कर चित की चोरी।
धन्य धन्य मैं भाग मनाऊं, युगल केलि पर वारी जाऊं॥
लालन! निज पद करहुँ किंकरी, कर करुणा करुणेश! रस भरी॥

स्थाई

सा - रे सा	**ग - रेसा नी**	**नी - सा रे**	**सा - - -**
मा ऽ ध व	नि ज पुऽ द	क र हु किं	ऽ क री ऽ
सां - रें सां	**नी - ध प**	**म ग म प**	**म - ग रे सा**
क र क रु	णा ऽ क रु	णे ऽ श र	स भ रीऽ ऽ

अन्तरा

ग - म ग	**प - - -**	**प ध प म**	**म - - ग**
फू ऽ ल न	लै ऽ बे ऽ	नी ऽ गु थ	वा ऽ ऊं ऽ
ग - म ग	**ध - - -**	**रे ग रे -**	**सा - - -**
झु की ऽ गु	ला ऽ बी ऽ	पा ऽ ग क	सा ऽ ऊं ऽ

इसी पर ''मुकुट चंद्रिका''

प ध नी ध	**सां - - -**	**नी सां नी ध**	**प म - -**
गो ऽ ल क	पो ऽ ल क	रूं ऽ प ऽ	त्रा ऽ व लि
प नी ध प	**ग म ग -**	**रे म ग रे**	**सा - - -**
बी ऽ री ऽ	द ऊं ऽ सु	भ ग द श	ना ऽ व लि

इसी पर ''काजर दऊँ सलोने.....श्रवनन''

पुनः स्थाईवत् ''मोहन निज पद''

इसी क्रम से अन्य अन्तरा॥

✿✿✿

माधवी माधवा जयति जयति,
शरणागत के दुख दूर करे जै राधा कृष्ण हरे।

जब घिरा घोर अंधियारा हो, दीखै ना कोइ किनारा हो।
माधवी माधवा जयति जयति,
भव सागर से प्रभु पार करे जै राधा कृष्ण हरे॥
विकराल काल टकराया हो, भक्तों का मन घबराया हो।
माधवी माधवा जयति जयति,
सब संकट से प्रभु दूर करे जै राधा कृष्ण हरे॥

स्थाई (क)

सा रे	**नी़ सा - -**	**सा - - रे**	**नी़ सा - -**	**सा -**
मा ऽ	ध वी ऽ मा	ऽ ध वा ऽ	ज य ति ज	य ति
सा रे	**ग - म ग**	**रे - सा रे**	**नी़ रे सा नी़**	**ध़ -**
श र	णा ऽ ग त	के ऽ दु ख	दू ऽ र क	रे ऽ
ध़ नी़	**सा ग - म**	**रे सा रे नी़**	**सा - - -**	**- -**
ज य	रा ऽ धा ऽ	कृ ऽ ष्ण ह	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ

अन्तरा

ध -	**प ध - प**	**म ग सा रे**	**प - म -**	**म -**
ज ब	घि रा ऽ घो	ऽ र अं धि	या ऽ रा ऽ	हो ऽ

इसी पर ''दीखै ना.....'' पुनः स्थाईवत् इसी क्रम से दूसरा अन्तरा।

स्थाई (ख) दूसरी धुन

म प	**सां - नी ध**	**प ध प ध**	**म - - ग**	**रे ग**
मा ऽ	ध वी ऽ मा	ऽ ध वा ऽ	ज य ति ज	य ति

सा -	**रे - - -**	**म - - -**	**प नी ध नी**	**ध -**
श र	णा ऽ ग त	के ऽ दु ख	दू ऽ र क	रें ऽ
प ध	**म ग रे -**	**म - प म**	**प - - -**	**- -**
ज य	रा ऽ धा ऽ	कृ ऽ ष्ण ह	रे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ

अंतरा

रें -	**रें - - गं**	**नी - - -**	**सां - - -**	**सां -**
ज ब	घि रा ऽ घो	ऽ र अं धि	या ऽ रा ऽ	हो ऽ

इसी पर "दीखै ना" पुनः स्थाईवत्

इसी क्रम से दूसरा अन्तरा॥

✿✿✿

माधवी राधिका कृष्ण वल्लभे कृष्ण रूपिणी कृष्ण प्रिये।

कृष्ण कृष्णात्म कृष्ण स्वामिनी कृष्ण कान्तिके श्री राधे॥
करुणावर्षिणि गौर विग्रहे निज दासी कब मोहि करहुगी?
वत्सलता वश ललित कलन मंह, शिक्षा स्वयं मोहि कब दोगी?
तान अलाप राग रागिनी अरु, नृत्य रास रस कब सिखवहुगी?
कब शिक्षा श्रृंगार करन की, माला भूषण कुशल करहुगी?
प्रियतम हित सुंदर बहु व्यञ्जन, मोहि सिखाय कबहि बनवहुगी?
बीरी नव कर्पूर सौंज रति, की आज्ञा दै कब मगवहुगी?
प्रात प्रहर उलटे सब अम्बर, कब मोते कह सुधरावहुगी?

स्थाई (क)

ग रे	**सा - रे नी़**	**सा - रे सा**	**नी़ - सा नी़**	**ध़ - नी़ ध़**
मा ऽ	ध वी ऽ रा	ऽ धि का ऽ	कृ ऽ ष्ण व	ऽ ल्ल भे ऽ
	प़ - - -	**ध़ - नी़ -**	**ग रे सा रे**	**सा -**
	कृ ऽ ष्ण रू	ऽ पि णी ऽ	कृ ऽ ष्ण प्रि	ये ऽ

अन्तरा

प ध	नी - - ध	नी - - -	नी - - -	ध प म -
कृ ऽ	ष्णे ऽ कृ ऽ	ष्णा ऽ त्मा ऽ	कृ ऽ ष्ण स्वा	ऽ मि नी ऽ
	म - - -	म - - -	म - प ध	प -
	कृ ऽ ष्ण कां	ऽ ति के ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ

शेष अन्तरा विभाग की पहली मात्रा से

दूसरी धुन स्थाई-२

ग -	रे ग रे सा	रे म ग -	रे ग रे सा	रे म ग -
मा ऽ	ध वी ऽ रा	ऽ धि का ऽ	कृ ऽ ष्ण व	ऽ ल्ल भे ऽ
	रे ग रे सा	रे - ग म	ग - रे -	सा ध़
	कृ ऽ ष्ण रू	ऽ पि णी ऽ	कृ ऽ ष्ण प्रि	ये ऽ

अन्तरा

प -	म प म ग	म प - -	म प म ग	ग प - ध
कृ ऽ	ष्णे ऽ कृ ऽ	ष्णा ऽ त्मा ऽ	कृ ऽ ष्ण स्वा	ऽ मि नी ऽ
	ध प म ग	रे - ग म	ग - रे -	सा -
	कृ ऽ ष्ण कां	ऽ ति के ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ

शेष अन्तरे विभाग को पहली मात्रा से

✿✿✿

मेरी अलक लड़ैती लाड़िली। मेरो अलक लड़ैतो लाड़लो।

मेरी कुंज विहारिन लाड़िली। मेरो कुंज विहारी लाड़िलो॥
मेरी कुंज विलासिनी लाड़िली। मेरो कुंज विलासी लाड़लो॥
मेरी नैन कमलिनी लाड़िली। मेरा नैन कमल-दल लाड़लो॥
प्यारी रूप गर्विता लाड़िली। प्यारो रूप विमोही लाड़लो॥
प्यारी प्रणय मानिनी लाड़िली। प्यारो मान हरण वर लाड़लो॥
रव कोकिल मधुरा लाड़िली। मधु कंठ मनोहर लाड़लो॥
छवि कोटि दामिनी लाड़िली। छवि कोटि नीर धर लाड़लो॥
प्यारी जगमग जोवनी लाड़िली। मदमातो जोवन लाड़लो॥
प्यारी प्रभा मण्डनी लाड़िली। प्यारी भूषण मण्डल लाड़लो॥
मेरी कृष्ण वल्लभा लाड़िली। मेरो राधा वल्लभ लाड़लो॥

स्थाई

सा नी़	**सा रे - -**	**सा नी़ - ध़**	**ध़ नी़ सा नी़**	**सा -**
मे री	अ ल क ल	ड़ै ऽ ती ऽ	ला ऽ ऽ ड़ि	ली ऽ

अंतरा

ग -	**ग - - -**	**ग - - रे**	**ग म - ग**	**ग रेसा**
मे रो	अ ल क ल	ड़ै ऽ तो ऽ	ला ऽ ऽ ड़ि	लो ऽऽ

दूसरी धुन स्थाई

ध़ नी प़ ध़	**सा - - -**	**सा रे - ग**	**- रे - ग**
मे ऽं री ऽ	अ ल क ल	ड़ै ऽ ती ऽ	ऽ ला ऽ ड़ि
रे स - -	**- - - -**		
ली ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ		

अन्तरा

रे - म -	**प - - -**	**प ध ध नी**	**ध - - नी**
मे ऽ रो ऽ	अ ल क ल	ड़ै ऽ तो ऽ	ऽ ला ऽ ड़ि
ध प - -	**- - - -**		
लो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ		

मेरे मन मंदिर में एक बार तो आ जाओ गिरिधारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी॥

गिरिधारी बनवारी, मन मोहन कुंज विहारी प्यारे आ जाओ गिरिधारी॥
बहुत बार है टेर लगायी, करुणा नयनन में घिर आयी।
ये रोया एक दुखारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी॥
मेरे मन...
मग जोहत अंखिया पथरायी, दर दर पै माया टकरायी,
ये देखो दशा हमारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी॥
मेरे मन...
थोड़ी कृपा इधर बरसाओ, प्रेम बूंद प्यासे को प्यावो,
मैं प्यासा एक भिखारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी
मेरे मन...
भेंट नहीं मैं कुछ भी लाया, खाली हाथ तेरे दर आया,
मैं तेरा प्रेम पुजारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी॥
मेरे मन...
प्यार करो चाहे ठुकरादो, पास बुलावो दूर भगा दो
मैं सब विधि शरण तिहारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी, प्यारे आ जाओ गिरिधारी॥
मेरे मन...

स्थाई

सा -	**सा ग - -**	**म प - -**	**ध <u>नी</u> ध प**	**म ग सा रे**
मे रे	म न मं ऽ	दि र में ऽ	ए ऽ क बा	ऽ र तो ऽ
	ग प म -	**ग - रे सा**	**रे - सा -**	**सा रे ग -**
	आ ऽ जा ऽ	ओ ऽ गि रि	धा ऽ री ऽ	प्या ऽ रे ऽ
	ग प म -	**ग ऽ रे सा**	**रे ऽ सा -**	**सा -**
	आ ऽ जा ऽ	ओ ऽ गि रि	धा ऽ री ऽ	ऽ ऽ

अन्तरा

प -	**ध सां - -**	**सां - रें ग**	**रें - सां -**	**सां - प सां**
गि रि	धा ऽ री ऽ	ऽ ऽ ब न	वा ऽ री ऽ	ऽ ऽ म न
सां रें नी -	**ध - प म**	**प नी ध प**	**म ग सा रे**	
मो ऽ ह न	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ	प्या ऽ रे ऽ	
ग प म -	**ग - रे सा**	**रे - सा -**	**सा -**	
आ ऽ जा ऽ	वो ऽ गि रि	धा ऽ री ऽ	ऽ ऽ	
ध - - -	**ध - - नी**	**ध प सां नी**	**ध - प -**	
ब हु त बा	ऽ र है ऽ	टे ऽ र ल	गा ऽ ई ऽ	

इसी पर ''करुणा नैनन.....''। पुनः ''ये रोया एक.....''

गिरिधारी बनवारी की तरह

❀❀❀

मेरो तो सहारो राधारानी के चरणारविंद।

राधे के चरणारविंद श्यामा के पदारविंद॥
सतयुग त्रेता द्वापर कलियुग, मन्वन्तर इकहत्तर चतुर्युग।
चौदह मनु मिलि ब्रह्मा को दिन, सहस चौकड़ी कल्प कहत गिन।
विधि हू बंध्यो काल बंद फंद॥ मेरो तो सहारो राधारानी के.....
सहस छत्तीस कल्प आयु विधि, अमित प्रभाव काल को वारिधि।
कालातीत भूमि ब्रज रसनिधि, राधा कृपा मिलै बन सन्निधि।
तहां न यम भय दुःख और द्वन्द्व॥ मेरो तो सहारो राधारानी के.....

स्थाई

नी - ध -	**प - म -**	**ग रे म -**	**ग रे ग सा**
मे रो तो स	हा रो रा धा	रा नी के चर	णा र विं द

अन्तरा

ग प ध प	सां - - -	नी सां नी -	ध - प -
रा धे के चर	णा र विं द	श्या मा के प	दा र विं द

इसी पर ४ पंक्ति अन्तरा की पुनः स्थाईवत् ''विधि हू बंध्यो''॥

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

अथवा

दूसरी धुन स्थाई

सा सा - रे	ग - म प	म ग म -	म - - -
मे ऽ रो तो	ए ऽ क स	हा ऽ रो ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
प ध प म	ग म प म	ग म ग रे	सा - - -
रा धे के चर	णा र विं द	श्यामा के चर	णा र विं द

अन्तरा

प - म ग	प - - -	प ध नी सां	प ध प -
स त यु ग	त्रे ऽ ता ऽ	द्वा ऽ प र	क लि यु ग

इसी पर अन्य ३ पंक्ति

सां - - रें	नी सां - प	म ग म प	म - - -
वि धि हू ऽ	बं ध्यो ऽ का	ऽ ल बं ऽ	ध फं ऽ द

सा	सा - रे ग	रे सा - सा	सा - रे ग	रे सा -
जै	रा ऽ धे ऽ	रा धे ऽ श्री	रा ऽ धे ऽ	रा धे ऽ
ग	ग - रे सा	रे ग - सा	सा - रे ग	रे सा -
जै	रा ऽ धे ऽ	रा धे ऽ श्री	रा ऽ धे ऽ	रा धे ऽ

✿✿✿

युगल नाम श्रुतिसार है

युगल नाम श्रुतिसार है राधाकृष्ण राधाकृष्ण॥
राधा रटैं निकुञ्जविहारी, राधा नामहि बने पुजारी।
राधा ही रस-सार है राधाकृष्ण राधाकृष्ण॥
कृष्ण नाम रटैं राधारानी कृष्ण नाम में अति रति मानी।
कृष्ण नाम उद्धार है राधाकृष्ण राधाकृष्ण॥

स्थाई

प	-	-	-	**प**	**ध**	**प**	**म**	**प**	**नी**	**ध**	**नी**	**प**	**ध**	**प**	**म**
यु	ग	ल	ना	ऽ	म	श्रु	ति	सा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	रा	ऽ
ग	**रे**	**सा**	**नी**	**सा**	**रे**	**ग**	**म**	**रे**	**ग**	**सा**	**रे**	**सा**	-	-	-
धा	ऽ	कृ	ऽ	ष	ण	रा	ऽ	धा	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

सां	-	-	-	**नी**	**ध**	**प**	**म**	**प**	-	**ध**	**नी**	**ध**	-	**प**	-
रा	ऽ	धा	ऽ	र	टैं	ऽ	नि	कुं	ऽ	ज	वि	हा	ऽ	री	ऽ

इसी पर ''राधा नामहि.....'' स्थाईवत् ''राधा ही रस-सार''
इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

रमणी चूड़ामणि श्रीराधा। रस राजेश भाग्यमणि राधा॥

श्रीवृषभानु वंशमणि राधा। कीर्ति-क्रोड मण्डनमणि राधा॥
यमुना-कूल रासमणि राधा। नित्य-केलि विलासमणि राधा॥
प्रियतम काम शांतिमणि राधा। रसिक चित्त चिन्तामणि राधा॥
प्रेम दिनेश सूर्यमणि राधा। नीरस ध्वान्त दिवामणि राधा॥
पिय शशि चन्द्रकान्तमणि राधा। रस कौमुदी निशामणि राधा॥
हरि मन मुकुल कमलमणि राधा। पिय मन सम्पुट सन्मणि राधा॥
रस-भण्डार कोषमणि राधा। नीलम सहित पीतमणि राधा॥
लालन अधर लालमणि राधा। पिय उर की कौस्तुभमणि राधा॥

नील नैन मरकतमणि राधा। शुक नासा मुक्तामणि राधा॥
प्रियतम हार हीरमणि राधा। अरुण-चरण विद्रुममणि राधा॥
कुंज गली भूषामणि राधा। वृंदावन शोभामणि राधा॥
गहवर वन रहस्यमणि राधा। मणि कुल कान्ति महामणि राधा॥

स्थाई (क)

नी - - -	**नी - ध प**	**म - - -**	**प - - -**
र म णी ऽ	चू ऽ ड़ा ऽ	म णि श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ
सां - - -	**सां - प नी**	**सां रें नी सां**	**ध - म -**
र स रा ऽ	जे ऽ श भा	ऽ ग्य म णि	रा ऽ धा ऽ

अन्तरा

रें - सां -	**नी प नी -**	**रें - - -**	**सां - - -**
श्री ऽ वृ ष	भा ऽ नु वं	ऽ श म णि	रा ऽ धा ऽ
मं - - -	**रें - नी -**	**सा रें नी सां**	**ध - म -**
की ऽ र्ति क्रो	ऽ ड मं ऽ	ड न म णि	रा ऽ धा ऽ

स्थाई (ख)

सा ग रे सा	**ध़ प़ ध़ सां**	**प रे ग प**	**ग रे सा ग**
र म णी ऽ	चू ऽ ड़ा ऽ	म णि श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ
प - - -	**प ध प -**	**ग रे सा रे**	**प ग - -**
र स रा ऽ	जे ऽ श भा	ऽ ग्य म णि	रा ऽ धा ऽ

अन्तरा

ग - - -	**प - सां ध**	**सां - - -**	**सा रें सां -**
श्री ऽ वृ ष	भा ऽ नु वं	ऽ श म णि	रा ऽ धा ऽ
सां - ध प	**ग रे सा प**	**ग - रे -**	**सा ध़ सा -**
की ऽ र्ति क्रो	ऽ ड मं ऽ	ड न म णि	रा ऽ धा ऽ

राधारानीकी जय महारानीकी जय

राधारानीकी जय महारानीकी जै। बोलो बरसाने वारी की जै जै जै॥
ठकुरानीकी जय हरि प्यारी की जय।
वृषभानु-दुलारीकी जय जय जय॥
गौरांगीकी जय हेमांगी की जय।
ब्रजराज-कुमारीकी जय जय जय॥
ब्रजरानीकी जै ब्रज देवी की जय।
गहवरवनवारीकी जय जय जय॥

स्थाई

सा -	**सा रे - सा**	**रे ग - सा**	**रे ग रे -**	**सा -**
रा धा	रा नी ऽ की	ज य म हा	रा ऽ नी की	ज य
म -	**म - - -**	**ग - सा रे**	**ग - रे -**	**सा -**
बो लो	ब र सा ने	वा ऽ री की	ज य ज य	ज य

अथवा

सा रे	**ग - - -**	**ग म ग म**	**ग रे ग म**	**ग -**
रा धा	रा नी ऽ की	ज य म हा	रा ऽ नी की	ज य
- म	**प - - -**	**म प म ग**	**ग रे ग म**	**ग -**
बो लो	ब र सा ने	वा ऽ री ऽ	ज य ज य	ज य

अथवा

प़ -	**ध़ सा - रे**	**ग - रे सा**	**रे - - सा**	**ध़ सा**
रा धा	रा ऽ नी की	ज य म हा	रा ऽ नी की	ज य
प़ -	**ध़ सा - रे**	**ग - रे सा**	**रे - सा -**	**सा -**
बो लो	ब र सा ने	वा ऽ री की	ज य ज य	ज य

प -	**प - - -**	**मं ध प मं**	**ग सा रे -**	**ग -**
ठ कु	रा ऽ नी की	जै ऽ ह रि	प्या ऽ री की	जै ऽ

"बोलो बरसाने वारी....." ऊपर की तरह।

✿✿✿

राधा माधव शरण अभयकर।
शरण शरण शरणागत वत्सल।

भव भंजन प्रभु दुःख निकन्दन। मन्मथ गंजन ब्रजजन रंजन।
चन्दन-चर्चित नील कलेवर। कानन कुण्डल पीताम्बरधर।
भानुनंदिनी वाम अंशधर। वृन्दावन विहरत राधावर।
ब्रज गोपी जन नयनन अंजन। चञ्चल लोचन लज्जित खंजन।
मुख दृग कर पद प्रफुल्लित कंजन। विहरत गहवर वन की कुंजन।
बर्हापीडं भज नट-वेशं। पीतांबर ब्रजे विहरन्तम्।
राधारमणं राधाकांतं। राधा हृदये सदा बसन्तम्।

स्थाई

सां - - ध	**नी प ध -**	**ग म ध प**	**रे - सा -**
रा ऽ धा ऽ	मा ऽ ध व	श र ण अ	भ य क र

अन्तरा

ग - प ध	**सां - - -**	**ध नी सां रें**	**सां नी धनी प**
श र ण श	र ण श र	णा ऽ ग त	व ऽ त्सऽ ल

स्थाई व अन्तरा इसी क्रम से शेष।

✿✿✿

राधामाधव कुंज-विहारी

राधामाधव कुंज-विहारी, श्रीयमुना वृन्दावनचारी॥
कुंज विहारिणी कुंज विहारी, गहवर वन कुंजन संचारी।
प्रिया रसिकिनी रसिक विहारी, कुंज केलि नवरंग प्रचारी।
ढ़रो श्याम अरु भाम सुंदरी, उठै हृदय में करुणा लहरी॥

स्थाई

म ग रे सा	**रे - सा -**	**ध़ नी़ ग रे**	**सा - - -**
रा ऽ धा ऽ	मा ऽ ध व	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ
ग - - -	**ग - - -**	**ग म ग म**	**रे म ग सा**
श्री ऽ य मु	ना ऽ वृं ऽ	दा ऽ व न	चा ऽ री ऽ

अन्तरा

म - ध नी	**सां - - -**	**नी सां रें सां**	**नी - ध -**
कुं ऽ ज वि	हा ऽ रि णी	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ
ध - - -	**नी - ध प**	**म ग - म**	**रे म ग सा**
ग ह व र	व न कुं ऽ	ज न सं ऽ	चा ऽ री ऽ

✿✿✿

राधामोहन रासविहारी, जै जै गहवर विपिन-विहारी।

श्रीराधे बरसाने वारी, शरण शरण मैं शरण तिहारी।
हे ब्रजवल्लभ कुंज-विहारी, गोपी जीवन गिरिवरधारी।
राधामाधव कुंज-विहारी, जै जै गोविंद कृष्ण-मुरारी।
ब्रज रस वास कृपा कर प्यारी, कुंज कुटी की छांह बसारी।

स्थाई

प़	**ध़**	**नी़**	-	**सा**	-	-	-	**सा**	**रे**	**सा**	**नी़**	**सा**	**रे**	**ग**	-
रा	ऽ	धा	ऽ	मो	ऽ	ह	न	रा	ऽ	स	वि	हा	ऽ	री	ऽ
म	**ग**	**म**	**प**	**म**	**ग**	**रे**	-	**ग**	**म**	**ग**	**रे**	**सा**	**नी़**	**ध़**	**प़**
जै	ऽ	जै	ऽ	ग	ह	व	र	वि	पि	न	वि	हा	ऽ	री	ऽ

अंतरा

प	-	**म**	**ग**	**प**	-	-	-	**प**	**ध**	**सां**	**नी**	**ध**	-	**प**	-
श्री	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	ब	र	सा	ऽ	ने	ऽ	वा	ऽ	री	ऽ
प	-	**ध**	**प**	**म**	-	**ग**	**रे**	**ग**	**म**	**ग**	**रे**	**सा**	-	-	-
श	र	ण	श	र	ण	मैं	ऽ	श	र	ण	ति	हा	ऽ	री	ऽ

✿✿✿

राधावल्लभ राधावल्लभ राधावल्लभ रक्षमाम्॥

राधामाधव राधामाधव राधामाधव पाहिमाम्॥
राधा मोहन राधा मोहन राधा मोहन त्राहिमाम्॥
रक्षमाम् रक्षमाम् रक्षमाम् रक्षमाम्॥
पाहिमाम् पाहिमाम् पाहिमाम् पाहिमाम्॥
राधावल्लभ रक्षमाम् राधावल्लभ पाहिमाम्॥

स्थाई

सा रे - -	**रे ग रे ग**	**म - प म**	**ग - - -**
रा ऽ धा ऽ	व ऽ ल्ल भ	रा ऽ धा ऽ	व ऽ ल्ल भ
सा रे - -	**सा नी़ ध़ नी़**	**सा रे - -**	**सा - - -**
रा ऽ धा ऽ	व ऽ ल्ल भ	र ऽ ऽ क्ष	मा ऽ ऽ म्

अन्तरा

सा ग - -	**ग म ग म**	**म प - -**	**प - - म**
रा ऽ धा ऽ	मा ऽ ध व	रा ऽ धा ऽ	मा ऽ ध व
प <u>नी</u> - -	**ध प म ग**	**म प - -**	**प - - -**
रा ऽ धा ऽ	मा ऽ ध व	पा ऽ ऽ हि	मा ऽ ऽ म्

✿✿✿

राधावल्लभ कुंजविहारी

राधावल्लभ कुंजविहारी मुरलीधर गोवर्द्धनधारी।
श्रीराधे स्वामिनी सुकुमारी शरणागत हे ब्रजरखवारी।
हे मनमोहन रासविहारी जल्दी सुनियो टेर हमारी।
गाऊँ युगल केलि सुखकारी ललित लाड़िली लालविहारी॥

स्थाई (क)

सां - - -	**सां - - -**	**नी सां नी रें**	**सां नी ध -**
रा ऽ धा ऽ	व ऽ ल्ल भ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ
प ध प म	**प - ध -**	**प ध रें -**	**सां - - -**
मु र ली ऽ	ध र गो ऽ	व र ध न	धा ऽ री ऽ

अन्तरा (क)

ध - - सां	**प सां ध म**	**प म ध म**	**म रे सा -**
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ स्वा ऽ	मि नी सु कु	मा ऽ री ऽ
रे - म -	**प - ध प**	**सां - गं रें**	**सां नी ध पध**
श र णा ऽ	ग त हे ऽ	ब्र ज र ख	वा ऽ री ऽऽ

स्थाई (ख)

सा रे सा ग	**ग - - म**	**प - - ध**	**ग प म ग**
रा ऽ धा ऽ	व ऽ ल्ल भ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ
ग म प -	**ध प सां -**	**नी ध प ध**	**ग प म ग**
मु र ली ऽ	ध र गो ऽ	व र ध न	धा ऽ री ऽ

अन्तरा (ख)

ग म ध -	**ध - - -**	**ध नी ध नी**	**प ध प -**
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ स्वा ऽ	मि नी सु कु	मा ऽ री ऽ
ग म प -	**ध प सां -**	**नी ध प ध**	**ग प म ग**
श र णा ऽ	ग त हे ऽ	ब्र ज र ख	वा ऽ री ऽ

✿✿✿

राधावल्लभ कृष्ण कृपाल करुणा सागर दीनदयाल॥

अशरण-शरण अनाथन पालक, ब्रजजन प्रेमी आनंद-दायक।
प्यारी हित पिय वंशी धारक, मंडल रास नृत्य संचालक।
लाड़िली वल्लभ परम कृपाल, करुणा-सागर दीनदयाल॥
राधा ऐसी मन की प्यारी, श्याम बन गये नीली सारी।
पहरे गोरे तन पै प्यारी, छिन हू करत न ताको न्यारी।
गौर नील छवि लाड़िली लाल, करुणा-सागर दीनदयाल॥
राधा ऐसी मन की प्यारी, रंग सुनहली कीर्तिकुमारी।
बनी पीत-पट सुंदर नारी, पीतांबर धर श्रीगिरिधारी।
भानुदुलारी औ नंदलाल, करुणा-सागर दीनदयाल॥

स्थाई

म - - -	**म - - ग**	**प - - मं**	**प - - -**
रा ऽ धा ऽ	व ऽ ल्ल भ	कृ ऽ ष्ण कृ	पा ऽ ऽ ल
मं प ध सां	**ध प मं प**	**ध प म -**	**रे - सा -**
क रु णा ऽ	सा ऽ ग र	दी ऽ न द	या ऽ ऽ ल

अंतरा

प - - -	**सां - - -**	**सां - - -**	**सां नी रें सां**
अ श र ण	श र ण अ	ना ऽ थ न	पा ऽ ल क
ध - - -	**नी - सा रें**	**सां रें सां -**	**ध नी प -**
ब्र ज ज न	प्रे ऽ मी ऽ	आ ऽ नं द	दा ऽ य क
सां - - -	**ध - प -**	**मं प मं प**	**ध प म -**
प्या ऽ री ऽ	हि त पि य	बं ऽ शी ऽ	धा ऽ र क

म - - ग	**प मं ध प**	**म - रे -**	**सा रे सा -**
मं ऽ ड ल	रा ऽ स नृ	ऽ त्य सं ऽ	चा ऽ ल क

''लाड़िली वल्लभ''...... स्थाईवत्॥ इसी क्रम से शेष।

✿✿✿

राधारमण राधावर श्याम जै।

राधारमण राधावर श्याम जै, हेमांगी घनश्याम श्रीराधे।
राधे राधे राधे श्रीराधे, गौरांगी घनश्याम श्रीराधे।
राधे राधे राधे श्रीराधे, प्रेमांगी घनश्याम श्रीराधे।
राधे राधे राधे श्रीराधे, लीलानिधि अभिराम श्रीराधे।

स्थाई

सा - रेप मप	**ग सा रे ग**	**रे सा ध़ नी़**	**सा - - -**
रा ऽ धाऽ रऽ	म ण रा ऽ	धा ऽ व र	श्या ऽ म जै

अन्तरा

प - - -	**पध नी ध प**	**म ग रे ग**	**म प - -**
हे ऽ मां ऽ	गीऽ ऽ घ न	श्या ऽ म श्री	रा ऽ धे ऽ

पुनः स्थाई

नी - - -	**ध - प -**	**म ग रे ग**	**रे - सा -**
रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे श्री	रा ऽ धे ऽ

''गौरांगी घनश्याम'' ''हेमांगी'' की भांति॥

✿✿✿

राधारमण गोविंद सांवरिया। श्रीराधे के प्राण सांवरिया।

हरि की लाड़ लाड़िली राधा, जय श्रीकृष्ण संजीवनी राधा।
राधारमण गोविंद सांवरिया, श्रीलाड़िलो मुकुन्द सांवरिया॥
हरि की चित्त चाड़िली राधा, वृंदावन-वासिनी श्रीराधा।
राधारमण गोविंद सांवरिया, श्रीमधुसूदन कृष्ण सांवरिया॥
हरि की प्रेम माड़िली राधा, बरसाने-वासिनी श्रीराधा।
राधारमण गोविंद सांवरिया, श्रीराधा के हृदय सांवरिया॥
हरि हिय नैन गाड़िली राधा, राधा-कुण्ड वासिनी श्रीराधा।
राधारमण गोविंद सांवरिया, प्यारो राधाकांत सांवरिया॥
पिय पर दृग शर छांड़िली राधा, यमुना-पुलिन विहारिणी राधा।
राधारमण गोविंद सांवरिया, प्रिया मधुर रस रसिक सांवरिया॥

स्थाई

प ध	**नी सां - नी**	**रें सां नी ध**	**प म ग म**	**- -**
रा धा	र म ण गो	विं ऽ द सां	व रि या ऽ	ऽ ऽ
सा रे	**ग प म ग**	**रे - ग रे**	**सा - - -**	**- -**
श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ	प्रा ऽ ण सां	व रि या ऽ	ऽ ऽ

अंतरा

सा ग	**म - - -**	**ग - प म**	**ग म ग -**	**- -**
ह रि	ला ऽ ड़ ला	ऽ ड़ि ली ऽ	रा ऽ धा ऽ	जै ऽ
ग म	**ध - प म**	**ग रे ग म**	**रे - सा -**	**- -**
श्री ऽ	कृ ऽ ष्ण सं	जी ऽ व नी	रा ऽ धा ऽ	ऽ ऽ

पुनः स्थाई। इसी क्रम से शेष॥

✿✿✿

राधा रास विलासी रसिक हरि

राधा रास विलासी रसिक हरि।
राधा हृदय निवासी रसिक हरि।
राधा–चरण खवासी रसिक हरि।
राधा प्रेम प्रकाशी रसिक हरि।
राधा–चरण उपासी रसिक हरि।
राधा विरह–विनाशी रसिक हरि।
राधा–चरण सुवासी रसिक हरि।
राधा–कान्त उजासी रसिक हरि।
राधा संग सुहासी रसिक हरि।
राधा राधा राधा रसिक हरि।
श्यामा श्यामा श्यामा सरस हरि।

स्थाई

प - - -	**प नी ध पध**	**म प म ग**	**रे ग म प**
रा ऽ धा ऽ	रा ऽ स विऽ	ला सी ऽ र	सि क ह रि

अन्तरा

सां - - -	**नी - सां -**	**नी ध प म**	**ध - प -**
रा ऽ धा ऽ	हृ द य नि	वा सी ऽ र	सि क ह रि

इसी पर अन्य अन्तरा।

✿✿✿

राधा श्रीघनश्याम लाड़िली

राधा श्रीघनश्याम लाड़िली हरि प्यारी हरे गोविन्दा गिरिधारी
वृन्दावन के राजा रानी। चिन्मय धाम दिव्य रजधानी॥
सोलह कोस बीस हू गायो। कनकमयी भूमणिन जड़ायो॥
महारास थल मुख्य भूमि में। राजत चहुँ दिशि जमुना जल में॥
कंकणवत वन यमुना घेरहि। कोकिल हंस रटे युग नामहि॥
मोहन दूलह राधा दुलही। आंख मिचौनी युगल खेलही॥

रस जु अनंत अनंत प्रकारा। नहिं सीमा तंह युगल विहारा॥
विविध विहार नित्य ही सबही। ब्रज वन कुंज भाव जंह जेही॥
नित्य बिना न प्राप्ति है ताकी। बाल किशोर काहु की झांकी॥
हीन भाव कहुँ जी कछु लावै। दूषित हृदय नाहि रस पावै॥
सरस रसिक वह भाव रूप जो। नहि अभाव आसुरी रूप जो॥
सिद्ध सिंगार भाव जब आवै। आपहि एक रूप ह्वै जावै॥
साधक वपु कामादि कषाया। कैसे शुद्ध रसिकता पाया॥
बातन ते न रसिकता होई। केवल अहं भाव हठ होई॥
भाव रखै सर्वत्र सदा ही। तब अपने रस में अवगाही॥
रसोपासना रस में मन रह। नहि केवल रस की बतियां कह॥
वृत्ति रसमयी रहै निरन्तर। रस की इष्ट रहै तब अंतर॥
रस ही राधा रस ही मोहन। रस ही लीला बोलन चितवन॥
मैत्री प्रेम दया करुणा सब। अनायास ही रहै चित्त तब॥
नहिं विवाद नहिं व्यर्थ जल्पना। रस न अहं मिथ्या रसिकपना॥
योजन पाँच बन्यो वृन्दावन। बरसानो गहवर गोवर्द्धन॥
जै वृन्दावन धाम प्रकासी। जै राधा मोहन सुखरासी॥
सखी सहचरी मंजरी सुजय। श्रीराधा पद रेणु रसिक जय॥

स्थाई

ध़ सा - -	**सा रे - प**	**म - - प**	**ग - रे ग**	**सा रे - प**
रा ऽ धा ऽ	श्री ऽ घ न	श्या ऽ म ला	ऽ ड़ि ली ऽ	ह रि प्या ऽ
म - - -	**ग - रे सा**	**रे - ग -**	**रे ग रे ग**	**सा - - रे**
री ऽ ऽ ऽ	ह रे ऽ गो	विं ऽ दा ऽ	गि रि धा ऽ	री ऽ ऽ ऽ

अंतरा

ध - - -	**ध - - -**	**प - - ध**	**प म - -**
वृं ऽ दा ऽ	व न के ऽ	रा ऽ जा ऽ	रा ऽ नी ऽ
प नी ध प	**म ग रे -**	**म ग रे ग**	**सा - - रे**
चि ऽ न्म य	धा ऽ म दि	ऽ व्य र ज	धा ऽ नी ऽ

शेष अन्तरा इसी पर।

राधावर राधावर राधावर भज रे

राधावर राधावर राधावर भज रे।

वृंदावन चंद हरि राधावर भज रे।

रसिक रमण हरि राधावर भज रे।

रति नागर हरि राधावर भज रे।

प्रीति चतुर हरि राधावर भज रे।

जनपालक हरि राधावर भज रे।

सुखकारक हरि राधावर भज रे।

दु:खतारक हरि राधावर भज रे।

ब्रजभूषण हरि राधावर भज रे।

ब्रजमंडन हरि राधावर भज रे।

गो-पालक हरि राधावर भज रे।

गो-विन्दक हरि राधावर भज रे।

ब्रज-जीवन हरि राधावर भज रे।

मुरलीधर हरि राधावर भज रे।

राधारसिक हरि राधावर भज रे।

राधाप्रिय राधाप्रिय राधावर भज रे।

स्थाई

सा - ग -	**म - प ध**	**सां - नी धप**	**ग प म गम**
रा धा व र	रा धा व र	रा धा व रऽ	भ ज रे ऽऽ

अंतरा

प - नी ध	**नी - सां -**	**नी - सां रें**	**सां - नी ध**
वृं दा व न	चं द्र ह रि	रा धा व र	भ ज रे ऽ
गं - - -	**मं गं सां -**	**नी - सां रें**	**सां - नी ध**
रा धा व र	भ ज रे ऽ	रा धा व र	भ ज रे ऽ

इसी प्रकार शेष।

✿✿✿

राधा-कृष्ण कुंज-विहारी

राधा-कृष्ण कुंज-विहारी।
राधा करुणामयी स्वामिनी।
उर पर गिरिवर द्वय छवि भारी।
धारे तिन पर गिरिवर धारी॥

कंचन गोरी राधा प्यारी।
नीलममणि श्रीरासविहारी।
अलबेली जोरी है प्यारी॥

खेलैं होरी रंग रस भरी।
छपका-छपकी जमुना लहरी।
चुबकी लेवें उछर उछारी॥

झूला झूलैं लगै जब झरी।
आंख मिचौंनी पकरा-पकरी।
लुक-छिप ढूढ़ मिलन दै तारी॥

गावैं तान अलाप तनन री।
वीणा वंशी राग सँवारी।
करत मंद गति द्रुत लयकारी॥

नाचत देवैं सम पर तारी।
उरप-तिरप गति बहु संचारी।
करैं बीजना सखि बलिहारी॥

स्थाई

ध़ - सा रे	**म ग सा -**	**सा - - -**	**नी़ - - ध़**
रा ऽ धा ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ
रे - म -	**प - - -**	**प ध प ध**	**प - - -**
रा ऽ धा ऽ	क रु णा ऽ	म यी ऽ स्वा	ऽ मि नी ऽ
म - - -	**प - रे -**	**सा - - -**	**नी़ - - ध़**
उ र प र	गि रि व र	द्व य छ वि	भा ऽ री ऽ

''धारे तिन पर गिरिवर धारी''

''राधा कृष्ण कुंज विहारी'' की तरह

अन्तरा

म - प ध	**सां - - -**	**नी - ध प**	**सां - - -**
कं ऽ च न	गो ऽ री ऽ	रा ऽ धा ऽ	प्या ऽ री ऽ
प ध सां रें	**गं - सां -**	**नी - ध नी**	**ध - प -**
नी ऽ ल म	म णि श्री ऽ	रा ऽ स वि	हा ऽ री ऽ
म - - -	**प - रे -**	**सा - - -**	**नी़ - ध़ -**
अ ल बे ऽ	लीऽ जो ऽ	री ऽ है ऽ	प्या ऽ री ऽ

✿✿✿

राधिका राधिका राधा गोविन्दा

राधिका राधिका राधा गोविन्दा कृष्ण गोपाला॥
महारानी विहारी की स्वामिनी गोरिका बाला॥
सदा आराधिता हरि सों पोषिका जीवनी बाला॥
सदा आराधिका पिय की प्रेम रस दायिनी बाला॥
सदा संसेविता सीमतिनी गण उज्ज्वला बाला॥
प्रगट भादों सुदी आठें गगन जै बरस पुष्प माला॥
जयति जय राधिका राधा लाड़िली भानु की बाला॥

स्थाई

रे	**नी सा ग म**	**प - - म**	**प सां - -**	**नी ध प**
रा	ऽ धि का ऽ	रा ऽ ऽ धि	का ऽ रा ऽ	धा ऽ ऽ
म	**ग रे सा नी**	**सा - - म**	**ग - रे -**	**सा - -**
गो	विं ऽ दा ऽ	कृ ऽ ऽ ष्ण	गो ऽ पा ऽ	ला ऽ ऽ

अन्तरा

प	**प - नी -**	**सां - - नी**	**सां गं - रें**	**सां - -**
म	हा ऽ रा ऽ	नी ऽ ऽ बि	हा ऽ री ऽ	की ऽ ऽ
नी	**ध - प म**	**म प - नी**	**ध - - -**	**प - -**
स्वा	ऽ मि नी ऽ	गो ऽ ऽ रि	का ऽ बा ऽ	ला ऽ ऽ

✿✿✿

राधे कृष्ण गोपालकृष्ण

माया में भुलायो अरे काहे इतराय रे।
धुंवा को सो धौरहर देखि तू न भूल रे।
नर-तन बाजी लागो जीत यह दाव रे।
अब की जो हार्‌यो बाजी कहूँ ठौर नाय रे।
लख चौरासी योनी काहे भरमाय रे।
काहे नाय चेतै पापी काल सिर आय रे।
छूटैं तेरे बहू-बेटा छूटै धन-धाम रे।
एक दिना तेरी प्यारी रोवै आंसू झर लाय रे।
कहां तक कहूँ भाई काया जर जाय रे।
पर्‌यो पर्‌यो सोवै अब काहे भरमाय रे।
जाग जाग उठ गाय हरि नाम रे।
हीरा कौ सो हरी नाम गाय आठों याम रे।

स्थाई

<u>नी</u> - - -	**सा - रे -**	**म ग रे -**	**सा - - -**
रा ऽ धे ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	गो पा ऽ ल	कृ ऽ ष्ण ऽ

अन्तरा

प सां - -	**<u>नी</u> ध प म**	**प ध प म**	**ग रे सा रे**
मा या में भु	ला यो अ रे	का हे इ त	रा य रे ऽ

इसी पर अन्य अन्तरे।

✿✿✿

राधेकृष्ण बोल लाडले राधेकृष्ण बोल

राधेकृष्ण बोल लाड़ले राधेकृष्ण बोल।
गोरी राधा श्याम सांवरे राधेकृष्ण बोल॥
मेरे तो नैनन के तारे राधेकृष्ण बोल।
मेरे तो हैं प्राण अधारे राधेकृष्ण बोल॥
मेरे तो हैं खेवन हारे राधेकृष्ण बोल।
नित्य किशोरी नित्य किशोरे राधेकृष्ण बोल॥

स्थाई

सा - ग रे	**सा - नी ध**	**सा - ग रे**	**ग - प -**
रा ऽ धे ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	बो ऽ ल ला	ऽ ड़ ले ऽ
म - ग रे	**रे - ग म**	**ग रे म ग**	**रे - सा -**
रा ऽ धे ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ल

अन्तरा

सां - - -	**सां - रें सां**	**नी - ध प**	**म - - -**
गो ऽ री ऽ	रा ऽ धा ऽ	श्या ऽ म सां	ऽ व रे ऽ
म - - -	**म - - -**	**नी - ध नी**	**ध - प -**
रा ऽ धे ऽ	कृ ऽ ष्ण ऽ	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ल

इसी पर अन्य अन्तरा।

✿✿✿

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे

राधे राधे गोविन्द राधे।
गोविन्द राधे गोपाल राधे।
ब्रज की गलियन राधे राधे।
द्वार-द्वार पै राधे राधे।
पात-पात पै राधे राधे।
जब बोलो तब राधे राधे।
मोर कुटी पै राधे राधे।
मान-मंदिर पै राधे राधे।
गढ़ विलास पै राधे राधे।
खोर सांकरी राधे राधे।
गली रंगीली राधे राधे।
भानो खर पै राधे राधे।
कुंज-कुंज पै राधे राधे।
खाते-पीते राधे राधे।
सोते-जगते राधे राधे।
चलते-फिरते राधे राधे।
हंसते-हंसते राधे राधे।
नाच-नाच के राधे राधे।
गाय-गाय कर राधे राधे।
मिलकर बोलो राधे राधे।
पर्वत ऊपर राधे राधे।
ब्रह्माचल पै राधे राधे।
बरसाने में राधे राधे।
वृंदावन में राधे राधे।
जमुना तट पै राधे राधे।
गोवर्द्धन में राधे राधे।
नंद गांव में राधे राधे।
ब्रज चौरासी राधे राधे।

स्थाई

रे प - म	**रे - सा -**	**सा रे सा नी़**	**सा - रे -**
रा धे रा धे	गो ऽ विं द	गो ऽ विं द	रा ऽ धे ऽ

अन्तरा

रे - म -	**प - - -**	**प - - ध**	**म प म ग**
गो ऽ विं द	रा ऽ धे ऽ	गो ऽ पा ल	रा ऽ धे ऽ

इसी पर अन्य अन्तरा।

✿✿✿

राधे राधे कुंवर कन्हैया

राधे राधे कुंवर कन्हैया, गोपाल प्यारो मुरली बजैया॥
देहु वास ब्रजमांहि सदा ही, थलचर नभचर जलचर मांही,
पशु पंछी मयूर अलि चातक, रज में रह बन रजहि उपासक,
ब्रजरज मांहि रमैया, गोपाल प्यारो वंशी बजैया॥
थल में हिरनी मोहि बनाओ, युगल रूप अंखियन दरसाओ,
देखूँ प्रेम भरी चितवन सों, आराधना होय नैनन सों,
श्रीवन वास करैया, गोपाल प्यारो वंशी बजैया॥
नभ में तोता मोय बनाओ, राधामोहन नाम रटाओ,
युगल नाम सुन रीझै प्यारी, चितवैं प्रेम भरी सुकुमारी,
राधा हृदय बसैया, गोपाल प्यारो मुरली बजैया॥
जल में श्यामा मीन बनावो, युगल नित्य यमुना में न्हावो,
अंगराग रस पीऊँ जल में, जल-क्रीड़ा निरखूँ यमुना में,
यमुना तट विहरैया, गोपाल प्यारो मुरली बजैया॥

स्थाई

म - - -	**म ग म प**	**ग - म सा**	**सा - रे म**
रा धे रा धे	कुँ व र क	न्है ऽ या गो	पा ल प्या रो
रे ग रे -	**सा - - -**		
मु र ली ब	जै ऽ या ऽ		

अन्तरा

प - - -	**प ध प -**	**म ग म ध**	**प - - -**
दे ऽ हु वा	ऽ स ब्र ज	मां ऽ हि स	दा ऽ ही ऽ

इसी पर ''थलचर नभचर.....''

प ध नी ध	**सां - - -**	**नी सां ध -**	**सां - - -**
प शु पं ऽ	छी ऽ म यू	ऽ र अ लि	चा ऽ त क

इसी पर ''रज में रह.......''

पुनः ''ब्रजरज मांहि'' स्थाईवत्

✿✿✿

राधे-श्याम रटो उमरिया थोरी है

राधे-श्याम रटो उमरिया थोरी है॥
नाव भंवर में फंसती जावै।
रात भयानक चढ़ती आवै।
निंदिया छोड़ उठो उमरिया थोरी है॥
आयु रात-दिन घटती जावै।
आशा-तृष्णा बढ़ती जावै।
जग से दूर हटो उमरिया थोरी है॥
झूठे जग में मन भरमावै।
हीरा जैसा जनम गंवावै।
कृष्ण-चरण पकड़ो उमरिया थोरी है॥

स्थाई

म ध - -	**ध - <u>नी</u> ध**	**सां - - <u>रे</u>**	**सा <u>नी</u>़ ध़ <u>नी</u>़**
रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ म र	टो ऽ ऽ उ	म रि या ऽ
सा - <u>रे</u> -	**सा - - -**		
थो ऽ री ऽ	है ऽ ऽ ऽ		

अन्तरा

ग - म ग	**म - - -**	**प - - <u>नी</u>**	**ध - - -**
ना ऽ व भं	व र में ऽ	फं स ती ऽ	जा ऽ वै ऽ
ध - - <u>नी</u>	**ध प - -**	**म - ग -**	**म - - -**
रा ऽ त भ	या ऽ न क	च ढ़ ती ऽ	आ ऽ वै ऽ

''निंदिया छोड़ उठो'' स्थाईवत्।

इसी क्रम से शेष अन्तरा।

✿✿✿

राधे श्याम राधे श्याम बोल

राधेश्याम राधेश्याम बोल रसिकिनी नागरिया।
कुंज-विहारिणी कुंज-विहारी।
मोहिनी-मोहन श्याम, लड़ैती सांवरिया॥
रास-विहारिणी रास-विहारी।
श्यामा श्याम श्यामा श्याम बोल, किशोरी सांवरिया॥
रसिक-विहारिणी रसिक-विहारी।
राधे राधे श्रीघनश्याम, लाड़िली सांवरिया॥
पुलिन-विहारिणी पुलिन-विहारी।
राधे राधे सुन्दर श्याम किशोरी सांवरिया॥
बांके-विहारिणी बांके-विहारी।
गौरांगी घनश्याम श्रीराधा नागरिया॥

स्थाई

रे - - -	**रे - ग॒ रे**	**सा - - म**	**ग॒ रे सा नी़**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	बो ऽ ल र	सि क नी ऽ
सा - रे -	**ग॒ - - -**		
ना ऽ ग रि	या ऽ ऽ ऽ		

अन्तरा

प - - -	**प - ध॒ प**	**ग म ध॒ प**	**म ग॒ रे सा**
कुं ऽ ज वि	हा ऽ रि णी	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ

''मोहिनी मोहन''- स्थाईवत्।

✿✿✿

राधे राधे बोलो गोपाल कृष्ण बोलो

राधे राधे बोलो गोपाल कृष्ण बोलो।
गिरिधारी बनवारी राधा प्यारी बोलो।

नंद गाँव के कुंवर कन्हैया बरसाने की राधे।
प्रेम सरोवर प्रीति जुरी है गहवर वन में नाचे।
चढ़ी मानगढ़ प्रणय मान धर, मोरकुटी मिल नाचें।
खोर सांकरी दान लेत हैं ब्रह्माचल रस रांचे॥

स्थाई

सा ग म प	**प - - ग**	**प म ग सा**	**ग नी़ सा -**
रा धे रा धे	बो लो ऽ गो	पा ल कृ ष्ण	बो ऽ लो ऽ
म ग म -	**म ग म -**	**ग म नी ध**	**प म॑ प -**
गि रि धा री	ब न वा री	रा धा प्या री	बो ऽ लो ऽ

अंतरा

गं - रें -	**गं - - -**	**रें - सां नी**	**सां रें - -**
नं ऽ द गाँ	ऽ व के ऽ	कुं व र क	न्है ऽ या ऽ
सां गं रें -	**सां नी ध प**	**ध सां नी सां**	**सां - - -**
ब र सा ऽ	ने ऽ की ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
नी - - ध	**नी - - ध**	**नी ध सां नी**	**ध - प -**
प्रे ऽ म स	रो ऽ व र	प्री ऽ ति जु	री ऽ है ऽ
ग - प म	**ग सा नी़ -**	**सा - - -**	**सा - - -**
ग ह व र	व न में ऽ	ना ऽ चे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

इसी प्रकार दूसरा अन्तरा।

✿✿✿

राधे राधे बोल राधे राधे बोल बरसाने की गलियन डोल।

श्रीबरसानो-धाम रंगीलो। राधारानी है अनमोल॥

बरसाने की गलियन डोल॥

ब्रह्माचल-पर्वत मन भायो।

राधारानी करै किलोल, बरसाने की गलियन डोल॥

खोर सांकरी मोहन खेलै।

नंदगांव ग्वालन कौ टोल, बरसाने की गलियन डोल॥

गहवर वन की लता-पतन में।

पक्षी बोलै राधे बोल, बरसाने की गलियन डोल॥

स्थाई

सा - ग म	**प - - -**	**ध प म ग**	**म - - -**
रा धे रा धे	बो ऽ ऽ ल	रा धे रा धे	बो ऽ ऽ ल
ग - म ग	**रे सा रे -**	**ग म <u>नी</u> ध**	**प - - -**
ब र सा ऽ	ने ऽ की ऽ	ग लि य न	डो ऽ ऽ ल

अन्तरा

ग - प ध	**सां - - -**	**नी - ध नी**	**ध - प -**
श्री ऽ ब र	सा ऽ नो ऽ	धा ऽ म रं	गी ऽ लो ऽ

''राधारानी है अनमोल ''स्थाईवत्॥

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

राधे राधे बोल

राधे राधे बोल राधे राधे बोल, वृन्दावन की कुंजन में डोल॥
राधे बोल राधे बोल माधवा गोविन्दा बोल॥
प्रेम एक राधा माधव सौं। मन-वच-कर्म न नेह और सौं॥
युगल चरण कौ आश्रय सांचौ। अन्याश्रय जैसे घट कांचो॥
ये ही साँचौ मत अनमोल। राधे................॥
और रटे सो जीभ जरै जो। कट जाय काया विषय करै जो॥
औरहु देखत फूटैं नैंना। औरहि सुनते फाटैं श्रवना॥
यह मत धर हियरे कौ खोल। राधे................॥

स्थाई

प़ -	**ध़ सा - रे**	**ग - सा रे**	**ग - रे -**	**सा -**
रा धे	रा ऽ धे ऽ	बो ल रा धे	रा ऽ धे ऽ	बो ल
म -	**म - ध प**	**म ग सा रे**	**ग - रे -**	**सा -**
वृं ऽ	दा ऽ व न	की ऽ कुं ऽ	ज न में ऽ	डो ल
प -	**ध सां - -**	**सां - रें सा**	**नी सां - -**	**सां -**
रा धे	बो ऽ ऽ ऽ	ल ऽ रा धे	बो ऽ ऽ ऽ	ल ऽ
प सां	**सां नी ध प**	**म - प म**	**ग - - -**	**ग -**
मा ऽ	ध वा ऽ गो	विं ऽ दा ऽ	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल

अन्तरा

ध सां - -	**सां - रे सां**	**नी सां - -**	**सां - - -**
प्रे ऽ म ए	ऽ क रा ऽ	धा ऽ मा ऽ	ध व सौं ऽ

इसी पर ''मन-वच.....'', ''युगल चरण....'', ''अन्याश्रय....'' ये तीन पंक्ति।

प -	**प सां - नी**	**ध प प ध**	**म ध प म**	**ग -**
ये ऽ	ही ऽ सां ऽ	चौ ऽ म त	है ऽ अ न	मो ल

इसी क्रम से दूसरा अन्तरा।

❀❀❀

राधे राधे गोविन्द बोलो रे।

राधे राधे गोविन्द बोलो रे।
गोविन्द बोलो रे, गोपाल बोलो रे॥
कुंवरि लाड़िली भानुदुलारी।
श्रीमधुसूदन रासविहारी।
जग पावन रस मुख में घोलो रे॥ राधे राधे.... ॥
विद्युत वदनी नैंनन कौंधत।
कृष्ण चन्द्र अंखियां चक-चौंधत।
कुंज-गलिन मह देखत डोलो रे॥ राधे राधे...... ॥

स्थाई

रे ग रे म	**ग रे ऩी सा**	**रे - - ग**	**म प म ग**
रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ	गो ऽ विं द	बो लो रे ऽ
रे - म -	**प - - -**	**ध सां ध प**	**प - म ग**
गो ऽ विं द	बो लो रे ऽ	गो ऽ पा ल	बो लो रे ऽ

अन्तरा

नी - - -	**सां - <u>नी</u> ध**	**प ध म -**	**प <u>नी</u> ध प**
कुं व रि ला	ऽ ड़ि ली ऽ	भा ऽ नु दु	ला ऽ री ऽ

इसी पर "श्रीमधुसूदन......"

पुनः स्थाईवत् "जग पावत रस.....।" इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

❀❀❀

राधे! सुधासार श्रीकाये! वर्षय लवमात्रं मयि दीने।

उन्मर्यादप्रेमसरस्वति ! रसापगे ! हरिसिन्धु प्रवाहिनि !
चिन्मयि ! सांद्रानंदभूपिके ! कृष्णप्रेयसि कृष्णरूपिके ॥
राधे ! सुधासारश्रीकाये ! वर्षय लवमात्र मयि दीने ॥ १ ॥
सुधावारिरस विग्रहवेशे ! सुधावारि शैवल रुचि केशे !
सुधावारिहेमाम्बुजवदने ! सुधावारियुगमीनसुनयने ॥
राधे ! सुधासारश्रीकाये ! वर्षय लवमात्रं मयि दीने ॥ २ ॥
सुधावारिमुक्तादशनाले ! सुधावारिविद्रुममण्योष्ठे !
सुधावारिवीचीभ्रूक्षेपे ! सुधावारिनिर्झरमृदुवचने !
राधे ! सुधासारश्रीकाये ! वर्षय लवमात्रं मयि दीने ॥ ३ ॥
सुधावारिचरशंखग्रीवे ! सुधावारिनलिनी भुजनाले !
सुधावारिरुहकुड्मलस्तने ! सुधावारिसंवर्तनाभिके।
राधे ! सुधासारश्रीकाये ! वर्षय लवमात्रं मयि दीने ॥ ४ ॥
सुधा वारि द्वीपोरूमण्डले ! सुधावारिशुभपुलिन नितम्बे।
सुधावारिरुहदलांगुलिरुचे ! सुधावारिनखशुक्तिमण्डले।
राधे ! सुधासारश्रीकाये ! वर्षय लवमात्रं मयि दीने ॥ ५ ॥

स्थाई

ग म प ध	**प सां <u>नी</u> ध**	**प - म ग**	**म प - -**
रा ऽ धे ऽ	सु धा ऽ सा	ऽ र श्री ऽ	का ऽ ये ऽ
नी - - -	**- सां नी सां**	**<u>नी</u> ध प म**	**प म ग -**
व ऽ र्ष य	ल व मा ऽ	त्रं ऽ म यि	दी ऽ ने ऽ

अंतरा

ग - - -	**म प - -**	**म - - प**	**म - ग -**
उ ऽ न्म ऽ	र्या ऽ द ऽ	प्रे ऽ म स	र ऽ स्व ति
म ग ध -	**ध - - -**	**<u>नी</u> रें सां रें**	**<u>नी</u> ध प -**
र सा ऽ प	गे ऽ ह रि	सिं ऽ धु प्र	वा ऽ हि नी

नी - - -	**- - - -**	**नी सां - नी**	**सां - - -**
चि ऽ न्म यि	सा ऽ न्द्रा ऽ	नं ऽ द भू	ऽ पि के ऽ
नी - - -	**- सां नी सां**	**नी ध प म**	**प म ग -**
कृ ऽ ष्ण ऽ	प्रे ऽ य सि	कृ ऽ ष्ण रु	ऽ पि के ऽ

पुनः राधे सुधासार श्रीकाये इसी प्रकार शेष

✿✿✿

राधे गोविन्दा श्रीराधे श्रीराधे श्रीराधे

राधे गोविन्दा श्रीराधे, श्रीराधे, श्रीराधे जय।
नंद जू कौ नंदा श्रीराधे, श्रीराधे श्रीराधे जय।
यशुदा कौ नंदा श्रीराधे, श्रीराधे श्रीराधे जय।
बालमुकुन्दा श्रीराधे, श्रीराधे श्रीराधे जय।
कुंवरि किशोरी श्रीराधे, श्रीराधे श्रीराधे जय।
श्यामा गोरी श्रीराधे, श्रीराधे श्रीराधे जय।
राधा गोरी श्रीराधे, श्रीराधे श्रीराधे जय।

स्थाई (क)

सा रे - -	**रे - - सा**	**सा रे ग -**	**ग - रे सा**
रा धे ऽ गो	विं दा श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ
सा रे - ग	**ग - रे सा**	**रे - सा -**	**सा - - -**
रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ज य

अन्तरा (क)

प - - -	**प - - ध**	**म ध प -**	**प - म ग**
नं द जू कौ	नं दा श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ
रे म ग -	**ग - रे सा**	**रे सा - -**	**सा - - -**
रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ज य

इसी प्रकार शेष।

दूसरी धुन स्थाई (ख)

सा - रे म	**म - प म**	**प ध - -**	**ध - प म**
रा ऽ धे गो	विं दा श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ
प नी ध प	**म ग रे सा**	**रे - सा -**	**सा - - -**
रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ज य

अन्तरा (ख)

म - प ध	**सां नी ध -**	**सां - - -**	**सां - नी ध**
नं द जू कौ	नं दा श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ
नी - - -	**ध म प नी**	**ध प - -**	**प - - -**
रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ज य

इसी प्रकार शेष।

राधे गोविन्दा भजो वृन्दावन चंदा भजो

राधे गोविन्दा भजो वृन्दावन चन्दा भजो।
कुंज-विहारी भजो रासविहारी भजो।
भानुदुलारी भजो रूप उजारी भजो।
केलि-विहारी भजो छैल-विहारी भजो।
वंशी बजैया भजो रास रचैया भजो।
बांकेविहारी भजो गिरिवरधारी भजो।
गौयें चरैया भजो माखन खवैया भजो।
रसिक-विहारी भजो कलिमलहारी भजो।
नाच नचैया भजो गोपी रिझैया भजो।
दीन दुःख हारी भजो पतित उधारी भजो।
कीर्तिकुमारी भजो अति सुकमारी भजो।
कृष्णाराध्या भजो प्रेम अगाधा भजो।
राधारमैया भजो ब्रज के बसैया भजो।
त्रास हरैया भजो कृष्ण कन्हैया भजो।

स्थाई

**सा - ग - **	**म ग प -**	**म ग म प**	**म ग सा -**
रा ऽ धे गो	विं दा भ जो	वृ न्दा व न	चं दा भ जो

अन्तरा

नी - - -	**ध - प ध**	**प - म -**	**प - - -**
भा ऽ नु दु	ला री भ जो	रू ऽ प उ	जा री भ जो

शेष इसी प्रकार।

✿✿✿

राधे गोविन्दा गोपाल राधावर माधव हरे

राधे गोविन्दा गोपाल राधावर माधव हरे॥
मोर मुकुट सिर पैंच विराजै, कानन में कुंडल छवि छाजै।
ठोड़ी हीरा लाल राधावर माधव हरे॥ राधे गोविन्दा......॥
बड़ी-बड़ी अखियन कजरा सोहै, लाल अधर लाली मन मोहै।
गल वैजन्ती माल राधावर माधव हरे॥ राधे गोविन्दा......॥
मीठी-मीठी वंशी बजावै, देखूँ तो जियरा ललचावै।
बड़े गजब की चाल राधावर माधव हरे॥ राधे गोविन्दा......॥
सदा संग वृषभानु-दुलारी, श्रीराधा प्रानन ते प्यारी।
रंग रंगीली बाल राधावर माधव हरे॥ राधे गोविन्दा......॥
यमुना किनारे कदमन छैया श्याम चरावत डोलै गैया।
संग सोहें ब्रजबाल राधावर माधव हरे॥ राधे गोविन्दा......॥

स्थाई

सां - - नी	**सा रे सां -**	**नी - - -**	**ध नी ध प**
रा धे ऽ गो	विं दा गो ऽ	पा ऽ ऽ ल	रा धा व र
प नी ध नी	**सां - - -**		
मा ध व ह	रे ऽ ऽ ऽ		

अंतरा

गं - - -	**गं - मं गं**	**रें - सां नी**	**सां रें - -**
मो ऽ र मु	कु ट सि र	पैं ऽ च वि	रा ऽ जै ऽ

इसी पर ''कानन में कुण्डल'' स्थाईवत् ''ठोडी हीरा लाल।''

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

राधे गोविंद गोविंद गोपाला॥

श्रीराधे बरसाने वारी, पद रज हित विधि बने भिखारी,
बरसाने पर्वत वपु-धारी, ब्रह्माचल खेलत सुकुमारी,
वृषभानुलली नंद को लाला, राधे........................॥
नंदगाम में खेलत मोहन, शिव नित पद-रज के अभिलाषन,
नंदगांव शिवधर पर्वत तन, हरि दाऊ खेलत ग्वालागन,
ग्वालन गायन संग गोपाला, राधे........................॥

स्थाई

ध़ नी़	**सा रे - सा**	**नी़ सा - नी़**	**ध़ - नी़ -**	**सा -**
रा धे	गो ऽ विं द	गो विं ऽ द	गो ऽ पा ऽ	ला ऽ

अंतरा

सा - - -	**रे प म -**	**ग - रे सा**	**रे ग सा -**
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ब र	सा ऽ ने ऽ	वा ऽ री ऽ

अन्य ३ पंक्ति इसी पर पुनः स्थाईवत् ''वृषभानुलली''
इसी क्रम से दूसरा अन्तरा।

✿✿✿

राधे राधे गोपाला जय राधे गोपाला।

पिय राजहंस राधा हृत्सर, तिय जघन पुलिन पिय खंजनवर।
तिय नाभि सरसि शफरी रसधर, तिय वपुकानन तहं हरि मृगचर॥
राधे राधे गोपाला जय राधे गोपाला।
पिय मानससर हंसिनी-प्रिया, पिय तरु रसाल, कोकिला प्रिया।
पिय नील-कमल भ्रमरिका प्रिया, पिय नव जलधर दामिनी प्रिया॥
राधे राधे गोपाला जय राधे गोपाला।

स्थाई

ध़ - सा -	**सा - रेग रे**	**ग - - -**	**रेग रेसा रे -**
रा धे रा धे	गो ऽ पाऽ ऽ	ला ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ज य
ग - रे -	**सा - म -**		
रा ऽ धे गो	पा ऽ ला ऽ		

अन्तरा

प ध प म	**म प म ग**	**ग म ग रे**	**ग रे सा -**
रा धे ऽ गो	पा ऽ ला ऽ	रा धे ऽ गो	पा ऽ ला ऽ
पि य रा ऽ	ज हं ऽ स	रा ऽ धा ऽ	हृ त् स र

इसी पर ''तिय जघन''

प - ध प	**सां - - -**	**ध सां ध प**	**म - रे -**
ति य ना ऽ	भि स र सि	श फ री ऽ	र स ध र

इसी पर ''तिय वपुकानन''

पुनः स्थाई। आगे यही क्रम॥

✿✿✿

राधे राधे राधे गोपाल कृष्ण

राधे राधे राधे गोपाल कृष्ण। राधे राधे राधे राधे॥
हरि निरखत प्यारी मुख हिमकर। अलक मंजरी टारत निजकर॥
पीत अरुण सित चमक चन्द्रिका। हिम सुगन्ध रस सुधा सान्द्रिका॥
अलक तिलक कज्जल सकलंका। खेलत दृग युग मीन मयंका॥
मुक्ता पंक्ति सुशोभित अंगिया। पीन उरज कौसुंभी फरिया॥
लंहगा लाल नील तरहरिया। नील शाटिका जटित किनरिया॥
सुन्दरता की सुधा राशि-सी। उज्ज्वल लावण्य तरंगिणी-सी॥
यमुना बीचि कटाक्ष पातिनी। प्रेम सुधा सम्पूर भाषिणी॥
मार कला वैचित्र्य विचित्रा। दिव्य प्रेम पीयूष पवित्रा॥
राधे राधे.......

स्थाई

सा रे	**ग - - -**	**ग - रे सा**	**रे - - -**	**रे -**
रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
सा नी़	**ध़ - - -**	**ध़ - प़ -**	**रे ग म ग**	**म ग**
रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ गो ऽ	पा ऽ ल कृ	ऽ ष्ण

अन्तरा

ग म	**प - - -**	**प - म ग**	**प - - -**	**प -**
रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
ग म	**ध - - -**	**प म ग म**	**प - - -**	**प -**
रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ

अन्तरा-2

सा ग	**प - - -**	**प - - ध**	**ध ग - -**	**ग -**
रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ
सा रे	**ग प प -**	**- - ध रे**	**- - ग -**	**- -**
ह रि	नि र ख त	प्याऽ री ऽ	मु ख हि म	क र

इसी पर ''अलक मंजरी.......'' पुनः स्थाई

इसी क्रम से शेष।

✿✿✿

राधे राधे राधे प्रेम अगाधे

राधे राधे राधे प्रेम अगाधे श्याम जीवनी जै जै जै श्रीराधे

कृपा दृष्टि मोपै बरसावो।

गौर रूप अपनों दिखरावो।

राधे राधे राधे प्रेम अगाधे श्याम प्रेयसी जै जै जै श्रीराधे॥

भानु-लाड़िली नित्य किशोरी।

त्रिभुवन मोहन मोहिनी गोरी।

राधे राधे राधे प्रेम अगाधे श्याम चातकी जै जै जै श्रीराधे॥

प्रेम तरंगिणि नित्य वाहिनी।

नित्य सुहागिनी पुष्प हासिनी।

राधे राधे राधे प्रेम अगाधे श्याम स्वामिनी जै जै जै श्रीराधे॥

स्थाई

प - ध सां	**सां - - -**	**नी - ध प**	**नी - - -**
रा धे रा धे	रा ऽ धे ऽ	प्रे ऽ म अ	गा ऽ धे ऽ
ध - म -	**प - ध नी**	**सां नी ध प**	**ध - प -**
श्या ऽ म जी	ऽ व नी ऽ	जै जै जै श्री	रा ऽ धे ऽ

अन्तरा

प - ग म	**प - <u>नी</u> ध**	**प ध सां नी**	**प <u>नी</u> ध -**
कृ पा ऽ दृ	ष्टि ऽ मो ऽ	पै ऽ ब र	सा ऽ वो ऽ
रें - - -	**रें - - -**	**रें सां रें गं**	**रें - सां -**
गौ ऽ र रू	ऽ प अ प	नों ऽ दि ख	रा ऽ वो ऽ

''राधे-३ प्रेम अगाधे......'' स्थाईवत्

इसी क्रम से शेष अन्तरे।

✿✿✿

राधे गोपाला जय नंदलाला

राधे गोपाला जय नंदलाला॥
भानुसुता अति भोरी बाला।
वृन्दावन–वासी मन हर ग्वाला॥
श्यामसुन्दरकी कंचन–माला।
कनक भामिनी के घनमाला॥
श्याम–चन्द्र की प्रभा उज्ज्वला।
प्रभामयी की प्रीति निर्मला॥
अचल दामिनी संग निश्छला।
आलिंगित उर बाहु कटि–थला॥
द्रुत सुवर्ण मरकत तनु विपुला।
अमित विहार सुरीति निश्छला॥

स्थाई

म॑ ध प म॑	**ग - रे -**	**सा - - -**	**ग म॑ प -**
रा ऽ धे गो	पा ऽ ला ऽ	ज य नं द	ला ऽ ला ऽ

अन्तरा

ग - म॑ ध	**सां - - -**	**नी - ध प**	**नी ध प -**
भा ऽ नु सु	ता ऽ अ ति	भो ऽ री ऽ	बा ऽ ला ऽ
सां - - -	**नी - ध म॑**	**प ध प म॑**	**ग सा ग -**
वृं दा व न	वा ऽ सी ऽ	म न ह र	ग् वा ला ऽ

शेष इसी प्रकार।

✿✿✿

राधे कृष्ण भजो राधे कृष्ण।

रास रसीली राधा भज ले, छैल छबीली श्यामा भज ले॥ राधे कृष्ण
नव नव रूप नयोई यौवन, गोरी दामिनी श्याम मेघ तन॥ राधे कृष्ण
नयो प्रेम नव चोज उमंगा, नव पीयूष भरे सब अंगा॥ राधे कृष्ण
नव लावण्य कान्ति सुनवीना, नवरति-कला प्रवीन प्रवीना॥ राधे कृष्ण
नव नव नित चातुर्य केलि की, नवचितवन नव भाव रेलि की॥ राधे कृष्ण
नव नव हास कुसुम निर्झर झर, नव विलास नव नव गति संचर॥ राधे कृष्ण
नव नव भूषण वसन सुशोभित, नव आमोद लेप तन सज्जित॥ राधे कृष्ण
नयी कुंज सहचरी नवीना, नव साहित्य गान रस भीना॥ राधे कृष्ण
नये ताल नव गति नव रागा, नव रस नव आनंद सुहागा॥ राधे कृष्ण

स्थाई

सां	-	-	-	**<u>नी</u>ध**	**<u>नी</u>**	**प**	**<u>ध</u>**	**सां**	**<u>नी</u>**	**रें**	**सां**	**सां**	-	-	-
रा	धे	कृ	ऽ	ष्णाऽ	ऽ	भ	जो	रा	धे	कृ	ऽ	ष्ण	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा

प	-	-	-	**म**	-	-	-	**<u>ग</u>**	-	**रे**	**<u>ग</u>**	**रे**	-	**सा**	-
रा	ऽ	स	र	सी	ऽ	ली	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	भ	ज	ले	ऽ

इसी पर अंतरे की २ पंक्ति पुनः स्थाई। यही क्रम रहेगा।

✿✿✿

राधे कृष्ण राधे कृष्ण, जै युगल नाम राधे कृष्ण।

कंचन गोरी राधे कृष्ण, जै नीलमणि राधे कृष्ण॥
वृषभानु कुंवर राधे कृष्ण, जै नंदलाल राधे कृष्ण॥
पिय उर धारिणि राधा राधा, जै पद चांपक कृष्ण कृष्ण॥
पिय चित हारिणि राधा राधा, तिय चित चोरक कृष्ण कृष्ण॥

स्थाई

रे ग	**प - म ग**	**म - ग रे**	**ग सा रे नी**	**सा -**
रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ
सा -	**रे - ग -**	**म - प -**	**प - म ध**	**प -**
ज य	यु ग ल ना	ऽ म रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ

अन्तरा

नी -	**नी - - -**	**नी - - -**	**ध - - नी**	**ध -**
कं ऽ	च न गो ऽ	री ऽ रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ
प -	**म - - -**	**प - - नी**	**नी - ध -**	**प -**
ज य	नी ऽ ल म	णि ऽ रा ऽ	धे ऽ कृ ऽ	ष्ण ऽ

पुनः स्थाई। इसी क्रम से शेष अन्तरे।

✿✿✿

राधे राधे माधव-कृष्ण हरे

राधे राधे माधव-कृष्ण हरे।
अशरण शरण हरे हरे हरे।
राधामाधव कृष्ण हरे।
गिरधर नटवर कृष्ण हरे।
राधे राधे राधाकृष्ण हरे।
राधे राधे राधा-प्रणय हरे।
राधे राधे राधा नयन हरे।
मंगल भवन हरे हरे हरे।
राधे राधे राधा मान हरे।
राधे राधे राधा प्राण हरे।
राधे राधे राधाश्याम हरे।
राधे राधे राधा ह्रदय हरे।

स्थाई

ध़ नी़ सा ग	**ग - - म**	**ग सा रे नी़**	**सा - - नी़**
रा धे रा धे	मा ऽ ध व	कृ ऽ ष्ण ह	रे ऽ ऽ ऽ

अंतरा

प - - -	**प धनी ध पध**	**म प म ग**	**रे ग म प**
अ श र ण	श रऽ ण हऽ	रे ऽ ऽ ह	रे ऽ ह रे

पुनः स्थाई। इसी पर शेष।

✿✿✿

राधे गोविन्दा, राधे गोविन्दा, जय राधे राधे गोविन्दा॥

राधे गोविन्दा, राधे गोविन्दा, जय राधे राधे गोविन्दा॥

श्यामा श्याम मनोहर जोरी, कबहू तो अइहैं हमरिहु ओरी,

राधे गोविन्दा, राधे गोविन्दा, जय राधे राधे गोविन्दा।

श्री राधा बरसाने बारी, जाउं तेरे चरण कमल पर वारी,

राधे गोविन्दा, राधे गोविन्दा, जय राधे राधे गोविन्दा।

स्थाई

ग प	**सां - नी -**	**ध प ग प**	**सां - नी -**	**ध प**
रा धे	गो ऽ विं ऽ	दा ऽ रा धे	गो ऽ विं ऽ	दा ऽ
ग म	**प - - -**	**- ध <u>नी</u> ध**	**प - - ध**	**म प**
ज य	रा ऽ ऽ धे	रा ऽ धे ऽ	गो ऽ विं ऽ	दा ऽ
ग म	**प - - -**	**- ध <u>नी</u> ध**	**प - - ध**	**म प**
ज य	रा ऽ ऽ धे	रा ऽ धे ऽ	गो ऽ विं ऽ	दा ऽ

अन्तरा

सा ग	**- - - म**	**प - म -**	**- प म ग**	**रे सा**
श्या ऽ	मा ऽ श्या ऽ	म म नो ऽ	ह र जो ऽ	री ऽ
सा ग	**- - - म**	**प - म -**	**- प म ग**	**रे सा**
क ब	हुँ तो अ इ	हैं ऽ ह म	री हु ओ ऽ	री ऽ

आगे स्थाई "राधे गोविन्दा...."

✿✿✿

राधे अलबेली सरकार

राधे अलबेली सरकार रटे जा राधे राधे॥
राधा रस की है देवी, हरि है याको पद-सेवी।
जानैं रसिक जनन यह सार रटे जा राधे राधे॥
राधा प्रकटी बरसाने, रस के बाजे सहदाने।
रस कौ भयो जगत संचार रटे जा राधे राधे॥
विधि शिव नारद सनकादिक सब ब्रजरस चाहें मादिक।
ऐसी रस की पैंनी मार रटे जा राधे राधे॥
कोई समझै या मत बूझै, हमकूं तो ब्रजरस सूझै।
नीरस ज्ञानी भये गंवार, रटे जा राधे राधे॥
कोई जानैं या मत जानैं, हम राधा पद पहचानैं।
नीरस बक-बक ठानैं रार रटे जा राधे राधे॥
सब पोथी पन्ना पलटे, हम तो गहवर वन सटके।
करते राधा नाम उचार रटे जा राधे राधे॥
राधा गुलनार नवेली फूली जूही अलबेली।
भंवरा रसिया नंदकुमार रटे जा राधे राधे॥
राधा सोने की बेली लिपटी तरु श्याम सों खेली।
पिय उर लटकी बन के हार रटे जा राधे राधे॥
राधा है रस की सरिता ब्रजराज सिन्धु से मिलिता।
रस कौ संगम भयो विहार रटे जा राधे राधे॥
राधा है रस की सरवर, शफरी बन क्रीडत गिरिधर।
रस की लीला करी अपार रटे जा राधे राधे॥
राधा है रस की चंदा घनश्याम मेघ नंद नंदा।
विहरैं गहवर गगन मझार रटे जा राधे राधे॥
राधा चंदा-सी चमकै, हरि बन चकोर वहां ढरकै।
पीवें रूप-किरण रसधार रटे जा राधे राधे॥

राधा गोरी मतवारी, रसिया याको गिरिधारी।
जीवन रूप प्रेम कौ भार रटे जा राधे राधे॥
राधा सुन्दर वर नारी, याकी अंखिया बनी कटारी।
नंद कौ लाला याको यार रटे जा राधे राधे॥
जो परम-पुरुष-अविनाशी वो राधा-चरण खवासी।
ऐसी राधा सुन्दर नार रटे जा राधे राधे॥
चिरजीवो भानु-किशोरी, रस की रस में है बोरी।
देगी शरणागत को तार रटे जा राधे राधे॥

स्थाई

रे म - -	**ग - रे -**	**सा - रे -**	**ग - - सा**
रा ऽ धे ऽ	अ ल बे ऽ	ली ऽ स र	का ऽ ऽ ऽ
रे - - -	**सा - नी़ ध़**	**ध नी़ सा नी़**	**सा - - -**
र ऽ र ऽ	टे ऽ जा ऽ	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ

अन्तरा

सा रे	**ध़ सा - -**	**रे - म -**	**म - - -**	**म -**
रा ऽ	धा ऽ र स	की ऽ है ऽ	दे ऽ वी ऽ	ऽ ऽ
म -	**ग - रे -**	**रे म ग -**	**रे - सा -**	**सा -**
ह रि	है ऽ या ऽ	को ऽ प द	से ऽ वी ऽ	ऽ ऽ

''जानैं रसिक जनन यह सार'' स्थाईवत्।

✿✿✿

लाड़िली लाड़िली श्याम की राधा, लाड़लो लाड़लो राधा प्यारी को

ब्रह्मादिक सेवित पद-रज-कण। मन्मथ कोटि पराजित रतिरण॥ ला०
नंदसूनु अनुरागिणी तिय। श्यामा मुख मधुमत्त महापिय॥ ला०
मणि-किंकिणी मणि नूपुरा तिय। रमणी तल्प मुखर भूषण पिय॥ ला०
महालास्य गति नर्तन शीला। सुमधुर मुरली वादन लीला॥ ला०
कृष्ण-चरण रति दायिनी तिय। प्रिया-चरण रति दायी हरि पिय॥ ला०

स्थाई

× **प - -**	**प नी ध प**	**म - प म**	**ग रे सा -**
× ला ड़ि ली	ला ऽ ड़ि ली	श्या ऽ ऽ म	की ऽ रा धा
× **ग - -**	**ग म ग रे**	**सा - - -**	**रे - - -**
× ला ड़ लो	ला ऽ ड़ लो	रा ऽ ऽ ऽ	धा ऽ ऽ ऽ
म ग रे -	**सा - - -**		
प्या ऽ री ऽ	को ऽ ऽ ऽ		

अन्तरा

प - - -	**प - - -**	**नी - - ध**	**नी - सां -**
ब्र ऽ ह्मा ऽ	दि क से ऽ	वि त प द	र ज क ण
प प सां सां	**प - नी -**	**प नी प म**	**प - - -**
म ऽ न्म थ	को ऽ टि प	रा ऽ जि त	र ति र ण

पुनः स्थाई। आगे यही क्रम।

✿✿✿

वत्सलता की राशि किशोरी।

कोमलता की मूर्ति किशोरी। भोरेपन की मूर्ति किशोरी॥
अशरण शरण उदार किशोरी। करुणा-सिंधु कृपालु किशोरी॥
वृंदावन की रानी किशोरी। मोहन की स्वामिनी किशोरी॥
सुंदरता की सिंधु किशोरी। नागरता की सिंधु किशोरी॥
सुरत केलि की सिंधु किशोरी। परम अनुग्रह सिंधु किशोरी॥
नवल प्रेम रस सिंधु किशोरी। नव यौवन रस सिंधु किशोरी॥
भानु किशोरी कीर्ति किशोरी। वत्सलता की राशि किशोरी॥

स्थाई

प ध म प	**ग - सा रे**	**ग - रे ग**	**रे - सा -**
व ऽ त्स ल	ता ऽ की ऽ	रा ऽ शि कि	शो ऽ री ऽ

अन्तरा

प - ध -	**नी - सां -**	**प सां नी -**	**ध - प -**
को ऽ म ल	ता ऽ की ऽ	मू ऽ र्ति कि	शो ऽ री ऽ

पुनः स्थाई। इसी क्रम से शेष।

✿✿✿

वृन्दावन चन्द्र भजो राधे श्रीराधे, दीनानाथ भजो राधे श्रीराधे॥

दीनदयाल भजो राधे श्रीराधे, श्रीकृष्ण कृपाल भजो राधे श्रीराधे॥
ब्रजप्रतिपाल भजो राधे श्रीराधे, जनप्रतिपाल भजो राधे श्रीराधे॥
करुणा-सिंधु भजो राधे श्रीराधे, दीनन के बंधु भजो राधे श्रीराधे॥
परम उदार भजो राधे श्रीराधे, भानु-दुलार भजो राधे श्रीराधे॥
कीर्तिकुमार भजो राधे श्रीराधे, ब्रज-रखवार भजो राधे श्रीराधे॥
अति रिझवार भजो राधे श्रीराधे, भोरी सरकार भजो राधे श्रीराधे॥
जनपालनी भजो राधे श्रीराधे, ब्रज-पालनी भजो राधे श्रीराधे॥

स्थाई

प - - -	**ध नी ध प**	**म प म ग**	**प - ध नी**
वृं दा व न	च ऽ न्द्र भ	जो ऽ ऽ ऽ	रा ऽ धे ऽ
ध प नी ध	**प - - -**		
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ		

अन्तरा

सां - - -	**रें गं सां रें**	**नी - ध प**	**ध - नी -**
दी ऽ ना ऽ	ना ऽ थ भ	जो ऽ ऽ ऽ	रा ऽ धे ऽ
ध प नी ध	**प - - -**		
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ		

पुनः स्थाई। शेष इसी क्रम से।

✿✿✿

वृषभानु-किशोरी लाड़िली,
जै राधिके जै राधिके॥

श्रीकीर्ति कुमारी लाड़िली जय, राधिके जै राधिके॥
कीरति सुकुमारी लाड़िली जय, राधिके जै राधिके॥
वृषभानु लड़ैती लाड़िली जय, राधिके जै राधिके॥
ब्रजराज लड़ैती लाड़िली जय, राधिके जै राधिके॥
वृंदावन-रानी लाड़िली जै, राधिके जय राधिके॥
पिय प्रेम दिवानी लाड़िली जै, राधिके जय राधिके॥
ब्रजराज कामिनी लाड़िली जै, राधिके जय राधिके॥
नंदलाल भामिनी लाड़िली जय, राधिके जय राधिके॥

स्थाई

नी़ सा	**रे - - प**	**- - म ग**	**रे ग रे -**	**सा रे**
वृ ष	भा ऽ नु कि	शो ऽ री ऽ	ला ऽ ऽ ड़ि	ली ऽ
नी़ -	**प़ - नी़ -**	**सा - रेग म**	**गरे ग रे -**	**सा -**
ज य	रा ऽ ऽ धि	के ऽ जऽ य	राऽ ऽ ऽ धि	के ऽ

अन्तरा

म ग	**रे - - सा**	**म - - -**	**प नी ध नी**	**ध -**
की ऽ	र ति सु कु	मा ऽ री ऽ	ला ऽ ऽ ड़ि	ली ऽ
प -	**रे प - -**	**म ध प ध**	**प म प म**	**ग म**
ज य	रा ऽ ऽ धि	के ऽ ज य	रा ऽ ऽ धि	के ऽ

पुनः स्थाई। इसी क्रम से शेष॥

✿✿✿

वृषभानु-दुलार, वृषभानु-दुलार, राधा राधा हरि-प्राण आधार।

कृष्णा कृष्ण रूपिणी जै जै, श्यामा श्याम रूपिणी जै जै,
कीरति सुकुमारी, कीरति सुकुमार, राधा राधा राधा हरि-प्राण आधार।
रामा-रमण शीलिनी जय जय, भामा प्रेष्ठ भामिनी जय जय,
भोरी सरकार, भोरी सरकार, राधा राधा राधा हरि-प्राण आधार।
प्रेमा पिया प्रेमिनी जय जय, रसिका रसोल्लासिनी जय जय,
रसिकन रिझवार रसिकन रिझवार, राधा राधा राधा हरि-प्राण आधार।

स्थाई (क)

सा -	**म ग रे सा**	**रे - सा -**	**म ग रे सा**	**रे - - -**
वृ ष	भा ऽ नु दु	ला र वृ ष	भा ऽ नु दु	ला ऽ ऽ र
	प - म -	**ग - सा रे**	**म ग रे -**	**सा - - -**
	रा धा रा धा	रा धा ह रि	प्रा ऽ ण आ	ऽ धा ऽ र

अन्तरा

प ध ग म	**प - - -**	**प ध ग म**	**प ध सां -**
कृ ऽ ष्णा ऽ	कृ ऽ ष्ण रू	ऽ पि णी ऽ	ज य ज य
<u>नी</u> - - ध	**प ध म -**	**म <u>नी</u> ध <u>नी</u>**	**ध - प -**
श्या ऽ मा ऽ	श्या ऽ म रू	ऽ पि णी ऽ	ज य ज य

''कीरति सुकुमार'' स्थाईवत्। इसी क्रम से शेष।

दूसरी धुन स्थाई (ख)

सा -	**रेग सारे म -**	**गरे ग सा -**	**रेग सारे म -**	**गरे ग रेसा रे**
वृ ष	भा ऽऽ नु दु	लाऽ र वृ ष	भाऽ ऽऽ नु दु	ला ऽ रऽ ऽ
	रे सा <u>नी</u> -	**सा - रे म**	**गरे ग रे -**	**सा -**
	रा धा रा धा	रा धा ह रि	प्राऽ ऽ ण आ	धा र

अन्तरा

ध - - -	**- - - -**	**प - - ध**	**म - - <u>नी</u>**
कृ ऽ ष्णा ऽ	कृ ऽ ष्ण रू	ऽ पि णी ऽ	ज य ज य
<u>नी</u> - ध -	**प - म -**	**ग - रे सा**	**रे सा**
श्या ऽ मा ऽ	श्या ऽ म रू	ऽ पि णी ऽ	जै जै

✿✿✿

श्यामे कृपां कुरु।

विविध भांति चोटी गुहवाऊँ। बेला माल गूँथ लटकाऊँ॥
कस्तूरी कौ तिलक लगाऊँ। बेंदी और सिन्दूर लगाऊँ॥
शीले कृपां कुरु ॥ १ ॥
सुंदर मुख में पान खवाऊँ। मृदु अंगन सौगन्ध्य लगाऊँ॥
लिखै कृष्ण नामहि वक्षःस्थल। देखूँ तुमको पुलकित चंचल॥
राधे कृपां कुरु ॥ २ ॥
नयनन काजर रेख बनाऊं। पट्ट दुकूल सुवास ओढ़ाऊं॥
मेंहदी लैकर पदहि रचाऊँ। कंकण चूरी कर पहराऊं॥
भामे कृपां कुरु॥ ३ ॥
तुंग उरज अंगिया पहिराऊं। हीर हार मणिमाल धराऊं॥
घूम घुमारो लंहगा लाऊं। रत्न किंकिणी कमर कसाऊं॥
रामे कृपां कुरु ॥ ४ ॥
मणि मंजीर चरण बंधवाऊं। जावक सुंदर चरण लगाऊं॥
बिछुवन लै उंगरिन पहराऊँ। श्याम मिलन को साज सजाऊँ॥
कृष्णे कृपां कुरु ॥ ५ ॥
देहु कुंज कैंकर्य किशोरी। पल्लव सेज बिछाऊँ गोरी॥
कर गहि तहं पधराऊँ चोरी। प्रथम केलि होवै तहं भोरी॥
वामे कृपां कुरु ॥ ६ ॥

स्थाई

सा -	**सां - - -**	**सां नी गं रें**	**सां - - -**	**नी ध प म**
श्या ऽ	मे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
ग - रे -	**सा -**			
कृ पां ऽ कु	रु ऽ			

अंतरा

ध - - प	**ध - - -**	**प नी ध पध**	**प म - -**
दे ऽ हु कुं	ऽ ज कैं ऽ	क ऽ र्य किऽ	शो ऽ री ऽ

इसी पर ''पल्लव सेज''

नी - - -	**- - - सां**	**ध नी ध प**	**म - - -**
क र ग हि	त हं प ध	रा ऽ ऊँ ऽ	चो ऽ री ऽ
ध - - -	**ध नी सां रें**	**नी सां - -**	**- -**
प्र थ म के	ऽ लि हो ऽ	वे ऽ त हं	भो री

स्थाईवत् ''वामे कृपां कुरु''

इसी क्रम से शेष।

कीर्तन

सा -	**सां - - -**	**- नी गं रे**	**सां - - -**	**नी ध**
श्या ऽ	मे ऽ श्या ऽ	मे ऽ ज य	श्या ऽ म प्रि	ये ऽ
प म	**ग - रे -**	**सा -**		
ज य	श्री ऽ श्या ऽ	मे ऽ		

श्यामे श्यामे जय श्याम प्रिये जय श्रीश्यामे।

कृष्ण कृष्णे जय कृष्ण प्रिये जय श्रीकृष्णे॥

✿✿✿

श्यामा मण्डल मण्डली हरि जीवनी संजीवनी

विद्युन्माला गोरी श्यामा। गोकुलेश चित चोरी श्यामा॥ श्यामा........
आकुंचित नील केशि श्यामा। चल खंजन गंजनाक्षि श्यामा॥ श्यामा........
कोटि चंद्र छवि झांकी श्यामा। सुभ्रू-नर्तन-बांकी श्यामा॥ श्यामा........
सौरत शिल्प भासिनी श्यामा। रासोत्सवोल्लासिनी श्यामा॥ श्यामा........
कुंज कुटीर शायिनी श्यामा। मधु माध्वीक दायिनी श्यामा॥ श्यामा........
नव कैशोर खेलनी श्यामा। गिरिधर वेग झेलनी श्यामा॥ श्यामा........

स्थाई

प - रे -	**सा - ग -**	**म - - -**	**- - - -**
श्या ऽ मा ऽ	मं ऽ ड ल	मं ऽ ऽ ड	ली ऽ ह रि
ध - - -	**प <u>नी</u> ध <u>नी</u>**	**ध - प -**	**- - - -**
जी ऽ ऽ व	नी ऽ सं ऽ	जी ऽ ऽ व	नी ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प सां नी सां	**ध <u>नी</u> प -**	**रे ग म प**	**रे - सा -**
वि ऽ द्यु ऽ	न्मा ऽ ला ऽ	गो ऽ री ऽ	श्या ऽ मा ऽ

इसी प्रकार ''गोकुलेश'' दूसरी पंक्ति पुनः स्थाई। यही क्रम।

इसी धुन पर कीर्तन-

श्यामा श्याम राधिका राधा, कृष्ण कृष्ण जय युगल किशोर।

✿✿✿

श्यामा चरण-रेणु जय जय जय

श्यामा चरण-रेणु जय जय जय, श्रीपद-रज जय, श्रीपद-रज जय॥
जा हरि को विधि जान न पायो, गोप-हरण करके पछतायो॥
जाकी पद-रज हित शिव आयो, नंदभवन हठ दरसन पायो॥
हरिवश करण चूर्ण जय जय जय॥

करति तपस्या रमा बेल-वन, कृष्णरास-रस के अभिलाषन॥
जा रस हेतु वैकुण्ठनाथा, विष्णु सुनत भागवत नित कथा॥
रासेश्वरी चरण-रज जय जय जय॥
राधा-पद आराधक गिरिधर, राधा पद-रज नित्य शीशधर॥
राधानाम जपै वंशीधर, राधा-पद ध्यावैं योगेश्वर॥
हरिवशकरणी शक्ति जयति जय॥

स्थाई

सा ग म प	**म - सा -**	**रे ग रे -**	**सा - - -**
श्या ऽ मा ऽ	च र ण रे	ऽ णु ज य	ज य ज य
ग - रे सा	**रे ग - -**	**सा - रे ग**	**रे - सा -**
श्री ऽ प द	र ज ज य	श्री ऽ प द	र ज ज य

अन्तरा

प - - -	**प ध प म**	**प ध नी सां**	**प ध प -**
जा ऽ ह रि	को ऽ वि धि	जा ऽ न न	पा ऽ यो ऽ

इसी पर ''गोप हरण करके''

प ध नी -	**सां - - -**	**नी - सां -**	**रें सां ध प**
जा ऽ की ऽ	प द र ज	हि त शि व	आ ऽ यो ऽ
सां - - नी	**ध प म ग**	**सा ग प म**	**रे - सा -**
नं ऽ द भ	व न ह ठ	द र स न	पा ऽ यो ऽ

पुनः स्थाईवत् ''हरिवशकरणी......''॥

✿✿✿

श्याम सुंदर नंदलाल राधा जीवन गोपाल।

कुंजविहारी रासविहारी, जै जै यमुना पुलिन-विहारी।
गोपी जन प्रतिपाल राधा जीवन गोपाल॥ श्याम सुंदर......
वंशीधर जै मुरलीधर जै, मोर मुकुट-धर कुण्डल-धर जै।
गल वैजन्ती-माल, राधा जीवन गोपाल॥ श्याम सुंदर......
खोर सांकरी की इन गलियन, दान दियौ जहां ब्रज की सखियन।
मोहन संग ब्रजग्वाल, राधा जीवन गोपाल॥ श्याम सुंदर......
गहवर वन की कुंजन ओरी, आंख मिचौनी खेलै जोरी।
राधे संग नव बाल, राधा जीवन गोपाल॥ श्याम सुंदर......

स्थाई

सा - ग -	**- म ध ध**	**प - - -**	**म प म ग**
श्या ऽ म सुं	द र नं द	ला ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ल ऽ
सा ग - -	**म प म -**	**ग - - -**	**रे - सा -**
रा धा ऽ जी	व न गो ऽ	पा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ल ऽ

अन्तरा

सां - - -	**नी रें सां -**	**- - - -**	**नी रें सां -**
कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ	रा ऽ स वि	हा ऽ री ऽ
नी - - -	**नी सां नी ध**	**नी सां - नी**	**ध नी ध प**
ज य ज य	य मु ना ऽ	पु लि न वि	हा ऽ री ऽ

"गोपी जन प्रतिपाल" स्थाईवत्॥

शेष इसी क्रम से।

✿✿✿

श्याम सुन्दर गिरिधारी। प्यारो रास विहारी।

गर्व पुरन्दर हारी। गोवर्धन गिरिधारी॥
जै जै राधा प्यारी। रास रचावन हारी॥
गोपी प्राण अधारी। गौवन के रखवारी॥
जै जै कुंजविहारी। जय जय रास विहारी॥
जय जय विपिन विहारी। जय जय पुलिन विहारी॥
जय जय गिरिवर धारी। जय जय छैल विहारी॥
गोविंदा गिरिधारी। गोपाला गिरिधारी॥
जय जय कृष्ण मुरारी। जय जय श्याम विहारी॥
राधा प्यारी विहारी। श्यामा प्यारी विहारी॥
विहारिनि रास विहारी। विहारिणी कुंजविहारी॥
संग में भानु दुलारी। युगल छवि पै बलिहारी॥

स्थाई

म - - ग	**म प - -**	**म - - -**	**ग - सा -**
श्या ऽ म सुं	द र गि रि	धा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ
सां - - -	**नी ध सां नी**	**ध - - -**	**प - म -**
प्या ऽ रो ऽ	रा ऽ स वि	हा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

रें - - -	**रें गं मं गं**	**रें - - -**	**सां - - -**
ग र व पु	रं ऽ द र	हा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ
रें गं सां रें	**नी ध सां नी**	**ध - - -**	**प - म -**
गो ऽ व र	ध न गि रि	धा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ

इसी क्रम से अन्य अंतरा।

✿✿✿

शत शत प्रणाम शत शत प्रणाम,
हे प्रेमदेवि! शत शत प्रणाम॥

सब देवन को देव कन्हैया, रसिक राज वंशी के बजैया।
राजा की स्वामिनी महारानी, ब्रज की गोरी राधिका नाम॥ शत शत प्रणाम
अति कोमल राधा सुकुमारी, फूलन की पूतरी दुलारी।
श्याम गोद बादरकी तकिया, लेटी कुंजन दामिनी भाम॥ शत शत प्रणाम
मुख जनु स्वर्ण कमल मुसकावै, दृग भंवरा बैठे मंडरावै।
पैनी रेख लगी कजरा की, लज्जित टंकृत कोदंड काम॥ शत शत प्रणाम
कुंद कली माला दशनावलि, चमकत मुख में शशि किरणावलि।
हरि मन मंदिर दीप-शिखा सी, चंचला चमक शोभा ललाम॥ शत शत प्रणाम

स्थाई

सा -	**सा ग - -**	**ग म ध प**	**म - - -**	**- -**
श त	श त प्र णा	ऽ म श त	श त प्र णा	ऽ म
ध -	**- - - नी**	**ध प - ध**	**म ध प म**	**ग -**
हे ऽ	प्रे ऽ म दे	ऽ वि श त	श त प्र णा	ऽ म

अंतरा

नी - - -	**सां - रें नी**	**सां - - -**	**नी ध प -**
स ब दे ऽ	व न को ऽ	दे ऽ व क	न्है ऽ या ऽ

इसी पर "रसिक राज वंशी....."

नी - - -	**ध - प म**	**ध - - -**	**प - म -**
रा ऽ जा ऽ	की ऽ स्वा ऽ	मि नी म हा	रा ऽ नी ऽ
प - प नी	**ध - प -**	**- ध म प**	**- म ग रे**
ब्र ज की ऽ	गो ऽ री ऽ	रा ऽ धि का	ऽ ना ऽ म

इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

नाम कीर्तन :-

राधे राधे मोहना, राधे मोहना, राधे मोहना श्रीराधे

राधे मोहना श्रीराधे, राधे मोहना श्रीराधे, राधे राधे मोहना श्रीराधे

स्थाई

सा -	**सा ग - -**	**ग म ध प**	**म - - -**	**- - ध -**
रा धे	रा धे ऽ मो	ऽ ह ना ऽ	रा धे ऽ मो	ऽ ह ना ऽ
	ध - - नी	**ध प - ध**	**म ध प म**	**ग -**
	रा धे ऽ मो	ऽ ह नाऽ	श्री ऽ राऽ	धे ऽ

अन्तरा

नी - - -	**सां - रें नी**	**सां - - -**	**नी ध प -**
रा धे ऽ मो	ऽ ह ना ऽ	श्री ऽ राऽ	धे ऽ ऽ ऽ
नी - - -	**ध - प म**	**ध - - -**	**प - म -**
रा धे ऽ मो	ऽ ह ना ऽ	श्रीऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ
प - प नी	**ध - प -**	**- ध म प**	**- म ग रे**
रा धे रा धे	ऽ मोऽ ह	ना ऽ श्रीऽ	रा ऽ धे ऽ

✿✿✿

श्रीपद शरणागति दिव्य प्रेम रस साधा, श्यामा करुणामयी दीनवत्सला राधा।

तडिन्माल सी अंग गौरता। कमलमाल सी वपु कोमलता॥ श्रीपद शरणा०
चन्द्रमाल सी वपु शीतलता। रंभमाल सी वपु चिक्कणता॥ श्रीपद शरणा०
कुसुममाल सी वपु सुगन्धिता। मेघमाल सुकेश श्यामलता॥ श्रीपद शरणा०
मुक्तमाल सी रद उज्वलता। बिम्ब माल सी अधर शोणता॥ श्रीपद शरणा०
पिकमाला सी स्वर सुस्वरता। कलशमाल सी उर कठोरता॥ श्रीपद शरणा०
भावमाल सी मध्य सूक्ष्मता। मधुमाला सी मधुर स्वादिता॥ श्रीपद शरणा०

स्थाई

ग प	**ध सां - -**	**- - - रें**	**नी सां - नी**
श्री ऽ	प द श र	णा ऽ ग ति	दि ऽ व्य प्रे
	ध प ध नी	**ध - प -**	**- -**
	ऽ म र स	सा ऽ धा ऽ	ऽ ऽ
ग प	**ध नी - -**	**ध - प ध**	**म प - म**
श्या ऽ	मा ऽ क रु	णा ऽ म यी	दी ऽ न व
	ग - म ग	**रे - सा -**	**- -**
	ऽ त्स ला ऽ	रा ऽ धा ऽ	ऽ ऽ

अन्तरा

सा ग - म	**प ध सां नी**	**ध - प म**	**प म ग -**
त डिं ऽ मा	ऽ ल सी ऽ	अं ऽ ग गौ	ऽ र ता ऽ

इसी पर ''कमलमाल......।'' पुनः स्थाई॥ इसी क्रम से शेष अन्तरा।

इसी धुन पर नाम कीर्तन–

श्रीराधा राधा राधा जय श्रीराधा,
श्यामा करुणामयी दीनवत्सला राधा।

श्रीराधे श्याम रटो लाड़िली प्रिया प्रिया

श्रीराधे श्याम रटो लाड़िली प्रिया प्रिया॥
श्रीवृषभानु-नंदिनी सुन्दरि
रासेश्वरी रसिकिनी नागरि
श्यामा श्याम रटो लाड़िली प्रिया प्रिया॥
श्रीघनश्याम यशोदानंदन
वरदानी काटैं भव फंदन
श्रीगोपी श्याम रटो लाड़िली प्रिया प्रिया॥

स्थाई

सा ग	प - - -	प - ध म	प - - सा
श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	श्या ऽ म र	टो ऽ ऽ ला
	सा रे ग म	ग - सा रे	सा -
	ऽ ड़ि ली ऽ	प्रि या ऽ प्रि	या ऽ

अन्तरा

म - ग म	प - - -	प ध सां नी	ध - प -
श्री ऽ वृ ष	भा ऽ नु नं	ऽ दि नी ऽ	सुं ऽ द रि

इसी पर ''रासेश्वरी......'' स्थाईवत् ''श्यामा श्याम।''

✿✿✿

श्रीराधे गहवर वन वारी, शरण शरण मैं शरण तिहारी॥

श्रीराधे वृषभानु-किशोरी, कृपादृष्टि हेरो मम ओरी॥
श्रीराधे वृषभानु-दुलारी, चरण शरण में मैं बलिहारी॥
श्रीराधे बरसाने वारी, युगल-चरण में सर्वस्व वारी॥
रस-दायिनी किशोरी प्यारी, कृपा भरोसो मो कू भारी॥
दिव्य किशोरी मणि हरि प्यारी, सब तज अब मैं शरण तिहारी॥
गोकुलनाथ स्वामिनी राधे, तव पद चरण कृष्ण आराधे॥
हे श्रीराधे करुणावारी, तेरी करुणा को मैं भिखारी॥
रस बरसा बरसानेवारी, अपनाओ बरसाने वारी॥
कृपामयी श्यामा सुकुमारी, कौन सुनै यह विनय हमारी॥
दयामयी सुंदर ब्रजनारी, दया करो हम दीन दुखारी॥

स्थाई

सा - रे ग	**- - - -**	**- प - ध**	**म म रे -**
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ग ह	व र व न	वा ऽ री ऽ
ग - म ग	**रे - सा रे**	**ग - म ग**	**रे रे सा -**
श र ण श	र ण मैं ऽ	श र ण ति	हा ऽ री ऽ

अंतरा

ध - - नी	**ध - प ध**	**नी - सां नी**	**सां - - -**
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ वृ ष	भा ऽ नु कि	शो ऽ री ऽ
सां रें सां रें	**नी - ध -**	**नी सां नी ध**	**प - - -**
कृ पा ऽ दृ	ऽ ष्टि हे ऽ	रो ऽ म म	ओ ऽ री ऽ

✿✿✿

श्रीराधे श्रीराधे गोविंदा गोपाल
हरि नाम दिखावै राधा लाल।

कनक दामिनी राधा गोरी, जलधर कृष्ण रसाल।
कंचन वरणी राधा गोरी, नील-मणिक नंदलाल॥
राधा रटे श्याम मिल जावै, कृष्ण रटे नवबाल।
युगल नाम श्री राधा मोहन, पहिरो कर हिय माल॥

स्थाई

प -	**पध पध प म**	**मप मप म ग**	**रे ग सा रे**	**ग -**
श्री ऽ	राऽ धेऽ ऽ श्री	राऽ धेऽ ऽ गो	विं दा गो ऽ	पा ल
सा रे	**गप प म ग**	**रे ग रे ग**	**रे सा - -**	**- -**
ह रि	नाऽ ऽ म दि	खा वै रा धाऽ	लाऽ ऽ ऽ	ऽ ल

अन्तरा

प नी - -	**सां नी सां रें**	**सां रें सां नी**	**सां रें - -**
क न क दा	ऽ मि नी ऽ	रा ऽ धा ऽ	गो ऽ री ऽ
सा रें सां नी	**ध - - नी**	**ध प नी ध**	**प - - -**
ज ल ध र	कृ ऽ ष्ण र	सा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ल

इसी प्रकार शेष।

✿✿✿

श्रीराधे श्रीराधे दीन-शरण्या श्रीराधे।

वनकलभेन्द्र कृष्ण वशकरणी, मधुरस्मिता पुष्प निर्झरणी। श्रीराधे 2
लीलामयी महालावण्या, कांचन लता शोभितारुण्या। श्रीराधे 2
कुटिल कुन्तला विद्युन्माला, नासा मुक्ताफला निर्मला। श्रीराधे 2
इन्दुहासिनी सुधा-भाषिणी, चंचल प्रियतम चित्तहारिणी। श्रीराधे 2
मंद हास्य युत स्वर्ण कमल मुख, बरसत प्रेम सुधा रस घनसुख। श्रीराधे 2

स्थाई

प म ध -	**प - - -**	**- - - -**	**- - - -**
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
म ग रे म	**ग - - -**	**- - - -**	**- - - -**
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
नी़ - रे -	**नी़ - ध़ -**	**नी़ - ध़ -**	**प़ - - -**
दी ऽ न श	र ऽ ण्या ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प़ ध़ सा नी़	**सा ग रे ग**	**सा ग रे नी़**	**सा ग रे -**
व न क ल	भे ऽ न्द्र कृ	ऽ ष्ण व श	क र णी ऽ
रे - ग म	**- - - -**	**ग म ग रे**	**सा नी़ ध प़**
म धु र ऽ	स्मि ता ऽ पु	ऽ ष्प नि ऽ	झ र णी ऽ

इसी प्रकार शेष।

✿✿✿

श्रीराधिके श्रीराधिके श्रीकृष्णरति सुख साधिके

राधा कृपा भरी ठकुरानी, कर किंकरी कुंजरानी॥
प्रातकाल उठ दऊँ सोहनी, सुनो पिया संग बतरानी॥
आलस भरी उनींदी अंखियां, देखूं करती मनमानी॥
माल मरगजी धरूं शीश पर, कहती जो सुरत कहानी॥
पाऊ अंगराग शैय्या मंह, भूषण पहरूं रति मानी॥
टूटी माल जोर कर धारूं, धरूं कंचुकी रस सानी॥
लट किंकिणी परी सेजन पर, पहरूं कृपा हृदय जानी॥
राधा पद नख चंद्र चंद्रिका, ध्याऊँ बस ब्रज रजधानी॥

स्थाई

सा -	**सा रे ग रे**	**ग - रे सा**	**सा रे ग रे**	**ग -**
श्री ऽ	रा ऽ ऽ धि	के ऽ श्री ऽ	रा ऽ ऽ धि	के ऽ
प ध	**सां - - नी**	**ध प म ग**	**म ग ग रे**	**सा -**
श्री ऽ	कृ ऽ ऽ ष्ण	र ति सु ख	सा ऽ ऽ धि	के ऽ

अन्तरा

प - - -	**म ग म -**	**प - - -**	**ध - प -**
रा ऽ धा ऽ	कृ पा ऽ भ	री ऽ ठ कु	रा ऽ नी ऽ
ध - - प	**म ग म -**	**ग - रे -**	**सा - - -**
क र किं ऽ	क री ऽ कुं	ऽ ज रा ऽ	नी ऽ श्री ऽ

इसी प्रकार शेष अंतरा।

✿✿✿

श्रीराधा हरि श्रीगिरिधारी
युगल चरण पर वारी वारी।

कारुण्य कल्लोलिनी राधा। करुणा वरुणालय गिरिधारी॥
अनल्प दया वर्षिणी राधा। अमित दयावर्षी गिरिधारी॥
चपला शशि चंद्रिका विराजत। श्याम मेघ सिर केकी विलसत॥
माणिक दाम यमित कबरीका। चूर्ण कुंतलाकुल शुभ टीका॥
सुकपोल फलक पत्रालि रचित। उन्नत सुगण्ड चन्दन चर्चित॥
रति रण मणि कंकण कर कूजित। सुरत पिकी मणि किंकणि गर्जित॥
मृदु मणि नूपुर चरणन नादित। स्मर कार्मुक ध्वनि वंशी चुम्बित॥

स्थाई

नी रें सां नी	**ध प - ध**	**म ध प म**	**प म ग -**
श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ ह रि	श्री ऽ गि रि	धा ऽ री ऽ
ग - - म	**प - ध प**	**सां - - रें**	**नी ध पध प**
यु ग ल च	र ण प र	वा ऽ री ऽ	वा ऽ रीऽ ऽ

अंतरा

नी - सां नी	**ध - प ध**	**म - ध प**	**म प ग -**
का ऽ रु ऽ	ण्य क ऽ ल्लो	ऽ लि नी ऽ	रा ऽ धा ऽ
ग - म प	**ग - म ग**	**रे सा रे -**	**सा - - -**
क रू णा ऽ	व रु णा ऽ	ल य गि रि	धा ऽ री ऽ

इसी पर अन्य अन्तरा।

✿✿✿

श्रीराधे गोविन्दा गोपाल किशोरी भोरी श्रीराधे।

श्रीराधे गोविन्दा गोपाल किशोरी भोरी श्रीराधे।
श्रीराधे श्याम राधे॥
नित्य विहारिणी भानुदुलारी, यौवन रूप अनूप सिंगारी।
पटतर नाहि और सुकुमारी, देवलोक सब लोक मंझारी।
पद आराधक गोपाल॥ किशोरी भोरी श्रीराधे॥
लली चरण चटकीली लाली, गौर अंग की कांति निराली।
चमकत श्रीदशनख चन्द्राली, मणि नुपुर ध्वनि गति मतवाली।
पद चांपत नंद कौ लाल॥ किशोरी भोरी श्रीराधे॥

स्थाई

सा -	**नी - ध प**	**सा - नी -**	**सा - - नी**
श्री ऽ	रा धे ऽ गो	विं दा गो ऽ	पा ऽ ल कि
	सा ग - रे	**म - ग रे**	**सा -**
	शो री भो री	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ

अन्तरा

ग - - -	**ग म ग म**	**ग - रे ग**	**सा - - -**
नि ऽ त्य वि	हा ऽ रि णि	भा ऽ नु दु	ला ऽ री ऽ

इसी पर ''यौवन रूप अनूप सिंगारी।''

प - - -	**प ध प ध**	**म - ग रे**	**सा - - -**
प ट त र	ना ऽ हिं औ	ऽ र सु कु	मा ऽ री ऽ

इसी पर ''देवलोक सब....'' । पुनः स्थाईवत् ''पद आराधक.....''

इसी क्रम से दूसरा अन्तरा।

✿✿✿

श्रीकुंजविहारिणी प्यारी राधे.......!

श्रीकुंजविहारिणी प्यारी राधे बरसाने वारी॥
रति पेशल मुख-मण्डल शोभित, देखत नागरेन्द्र सम्मोहित।
अनुराग स्मित विभ्रम ईक्षित, रस महासिन्धु वर्षी भावित॥
अमृत बरसाने वारी राधे बरसाने वारी॥ श्रीकुंज०
उन्मद मद करिणी गति राजित, गुरु नितम्ब पृथु उर आन्दोलित।
मृदु मंद गमन कृश कटि वेपित, कंचन लता वायु निष्पंदित।
ज्योतिर्मयि अंगनवारी राधे बरसाने वारी.......॥ श्रीकुंज०
झलमलात ज्योत्सना विद्योतित, दीपशिखा इव चंचल कम्पित।
रसरंग तरंग अनंगाचित, पिय कोटि प्राण पद निर्मञ्छित।
रसब्रह्म नचावन हारी राधे बरसाने वारी॥ श्रीकुंज०

स्थाई

सा ग	**प - - -**	**प ध प म**	**ग म ध प**	**म ग**
श्री ऽ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ रि णि	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ
रे नी	**रे - म -**	**गरे ग नी -**	**ग रे ग रे**	**सा -**
रा ऽ	धे ऽ ब र	सा ऽ ने ऽ	वा ऽ ऽ ऽ	री ऽ

अन्तरा

नी -	**ग - - रे**	**ग - - -**	**रे ग रे -**	**सा -**
र ति	पे ऽ श ल	मु ख मं ऽ	ड ल शो ऽ	भि त
सा ग	**प - - ध**	**प म - प**	**म ग म ध**	**प -**
अ नु	रा ऽ ग ऽ	स्मि त वि ऽ	भ्र म ई ऽ	क्षि त

पुनः स्थाईवत् ''अमृत बरसाने........''

इसी क्रम से आगे।

श्रीकृष्णः शरणं मम

श्रीकृष्णः शरणं मम। श्रीकृष्णः शरण मम॥

श्रीराधा शरणं मम। श्रीराधा शरणं मम॥

गोविन्दः शरणं मम। गोविन्दः शरणं मम

श्रीश्यामा शरणं मम। श्रीश्यामा शरणं मम॥

गोपालः शरणं मम। गोपालः शरणं मम॥

श्रीकृष्णा शरणं मम। श्रीकृष्णा शरणं मम॥

श्रीयुगलै शरणं मम। श्रीयुगलै शरणं मम॥

शरणं मम शरणं मम। शरणं मम शरणं मम॥

स्थाई

ध़ - सा रे	**ग - प -**	**ग रे सा ध़**	**सा - - -**
श्री कृ ष्णः शर	णं ऽम म ऽ	श्री कृ ष्णः शर	णं ऽम म ऽ

अन्तरा

ग रे सा रेरे	**ग - प -**	**ध प नी ध**	**प - - -**
श्री रा धा शर	णं ऽम म ऽ	श्री रा धा शर	णं ऽम म ऽ

शेष ऐसे ही अन्य अंतरा।

✿✿✿

श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे हे नाथ! नारायण वासुदेव।

श्रीकृष्ण गोविंद दीनैकबन्धो! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद भक्तैकबन्धो! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद भावैकसिन्धो! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद करुणैकसिन्धो! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद प्रेमैकसिन्धो! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद दासैकबन्धो! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद मुरली वारे! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद प्राण प्यारे! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद नयनोंके तारे! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद ब्रज उजियारे! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद जीय जियारे! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद गिरिवर धारे! हे नाथ नारायण वासुदेव।
श्रीकृष्ण गोविंद राधा जू के प्यारे! हे नाथ नारायण वासुदेव।

स्थाई

प़ ध़ सा -	**रेसा रेसा सा-**	**प़ ध़ सा -**	**ग ग॒ ग -**
श्री ऽ कृ ष्ण	गोऽ ऽऽ विं द	ह रे ऽ मु	रा ऽ रे ऽ
प - - -	**मं प ग रे**	**ग - रे -**	**ग रे सा -**
हे ऽ ना थ	ना ऽ रा ऽ	य ण वा सु	दे ऽ व ऽ

अन्तरा

प - मं ग	**प - - -**	**मं प मं ग**	**प - - -**
श्री ऽ कृ ष्ण	गो ऽ विं द	मु र ली ऽ	वा ऽ रे ऽ
मं - प -	**मं प ग रे**	**मं ग रे -**	**सा - - -**
हे ऽ ना थ	ना ऽ रा ऽ	य ण वा सु	दे ऽ व ऽ

इसी क्रम से शेष अंतरा।

श्रीराधे श्रीराधे कृष्ण जीवनी श्रीराधे।

कीरति कुल मंडनी श्रीराधे, वृषभानु नंदिनी श्रीराधे।
मणि माल धारिणी श्रीराधे, सिन्दूर धारिणी श्रीराधे।
चंद्रिका धारिणी श्रीराधे, प्रियतम उर धारिणी श्रीराधे।
नीलाभ शाटिका श्रीराधे, कैशोर वाटिका श्रीराधे।
उज्जवल दुकूलिनी श्रीराधे, पिय मन सुफूलनी श्रीराधे।
किंकिणी झनकारा श्रीराधे, नूपुर छमकारा श्रीराधे।
मुखरित कर बलया श्रीराधे, कर नील चूरिका श्रीराधे।

स्थाई

प - म -	**प - म ग**	**म ग म ग**	**रे सासा रे**
श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ
नी - सा -	**रे - ग रे**	**म ग रे -**	**सा - - -**
कृ ऽ ष्ण जी	ऽ व नी ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

सा रे	**नी - सा -**	**रे - ग रे**	**सा - - -**	**- -**
की ऽ	र ति कु ल	मं ऽ ड नी	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ
सा -	**प - म -**	**- - - प**	**ग म ग रे**	**सा -**
वृ ष	भा ऽ नु नं	ऽ दि नी ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ

अन्तरा 2

प नी	**सां - - -**	**- - रें सां**	**नी सां - -**	**नी प**
म णि	मा ऽ ल धा	ऽ रि णी ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ
म -	**प - - म**	**प नी ध -**	**प - म प**	**ग म - -**
सिं ऽ	दू ऽ र धा	ऽ रि णी ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ

इसी प्रकार शेष अंतरा।

✿✿✿

स्वामिनी राधे रानी श्रीराधे राधे।

चरण स्रवित रस निर्झर शीकर, कोटि रसार्णव जृम्भित होवें।
वपु नीरज माध्वीक लहर सो, आह्लाादित हरि रसमय होवें॥
स्वामिनी राधे० ॥

अंगन की गौरता श्याम को, पीत रंग मे यो रंग देवे।
विद्युच्छटा मेघ पर ज्यों निज, कान्ति प्रखरता थिर प्रगटावें॥
स्वामिनी राधे० ॥

स्थाई

रे ग रे -	सा - - ध	- प म -	- - सा ध
स्वा ऽ मि नी	रा ऽ धे ऽ	रा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ श्री ऽ
ध प म ग	म ग रे सा		
रा ऽ धे ऽ	रा ऽ धे ऽ		

अन्तरा

ध ध सां -	रें - - गं	रें गं सां ध	सां - - -
च र ण स्र	वि त र स	नि ऽ र्झ र	शी ऽ क र
गं रें नी ध	म - - -	नी ध म ग	रे - सा -
को ऽ टि र	सा ऽ र्ण व	जृं ऽ भि त	हो ऽ वे ऽ

इसी पर ''वपु नीरज........रसमय होवें'' पुनः स्थाई।

इसी क्रम से शेष अंतरा।

✿✿✿

स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका

चंद्रचूड शिव कह गिरिजा सों, राधा कृष्ण इष्ट मम युगवर।
गौर तेज श्रीराधारानी, श्याम तेज श्रीगोवर्द्धनधर॥
स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका
गौर तेज राधिका बिना जो, आराधै केवल वंशीधर।
निश्चय शिवे महापातकमय, अपराधी वह अशिव क्लेशकर॥
स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका
राधा दास्य बिना चाहै हरि, सुधा सिंधुतज पाय बिंदु भरि।
कृष्ण चंद्र राधा पूनम तिथि, उदित अमावस नाहि अंशुनिधि॥
स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका, स्वामिनी राधिका

स्थाई

ग प	**नी - ध -**	**प ग - प**	**सां - नी -**	**सां -**
स्वा मि	नी ऽ रा धि	का ऽ स्वा मि	नी ऽ रा धि	का ऽ
ग प	**रे - - -**	**नी - - सा**	**ग - रे -**	**सा -**
स्वा मि	नी ऽ रा धि	का ऽ स्वा मि	नी ऽ रा धि	का ऽ

अन्तरा

ग - - प	**- - - -**	**- - - -**	**- - - -**
चं ऽ द्र चू	ऽ ड शि व	क ह गि रि	जा ऽ सों ऽ
नी - - -	**ध नी ध नी**	**ग प नी ध**	**प - - -**
रा ऽ धा ऽ	कृ ऽ ष्ण इ	ऽ ष्ट म म	यु ग व र
सां - रें -	**गं - - -**	**नी - - -**	**ध - प -**
गौ ऽ र ते	ऽ ज श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ	रा ऽ नी ऽ
सां - - -	**नी - - -**	**ध प ध ग**	**ध - प -**
श्या ऽ म ते	ऽ ज श्री ऽ	गो ऽ व र	ध न ध र

पुनः स्थाई॥ इसी क्रम से शेष अंतरा।

✿✿✿

हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, जग में सार है हरि नाम रटो।

हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, से उद्धार है, हरि नाम रटो॥
हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, ये कल्याण है, हरि नाम रटो।
हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, से भवपार है, हरि नाम रटो॥
हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, ही पतवार है, हरि नाम रटो।
हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, हरि कौ नाम, जीवन सार है, हरि नाम रटो॥

स्थाई

सा - रे -	**ग - - -**	**प - - -**	**ध प ग रे**
ह रि कौ ऽ	ना ऽ ऽ म	ह रि कौ ऽ	ना ऽ ऽ म
ग रे ग रे	**सा - - -**	**रे सा ध़ प़**	**ध़ - - प़**
ह रि कौ ऽ	ना ऽ ऽ म	ज ग में ऽ	सा ऽ ऽ र
प मं ग रे	**ग रे सा -**	**- - - -**	
है ऽ ह रि	ना ऽ म र	टो ऽ ऽ ऽ	

अन्तरा

सा रे ग प	**प - - -**	**नी ध नी ध**	**प - - -**
ह रि कौ ऽ	ना ऽ ऽ म	ह रि कौ ऽ	ना ऽ ऽ म
सां - नी -	**ध - प मं**	**प ध प मं**	**प मं प मं**
ह रि कौ ऽ	ना ऽ ऽ म	से ऽ उ ऽ	द्धा ऽ ऽ र
ग रे ग प	**रे ग रे -**	**सा - - -**	
है ऽ ह रि	ना ऽ म र	टो ऽ ऽ ऽ	

पुनः स्थाई। इसी क्रम से शेष अंतरा।

✿✿✿

हरि-राधा युगल किशोर रे

हरि-राधा युगल किशोर रे श्रीराधा भानुदुलारी।
श्रीराधा श्रीकृष्ण सनेही, एक प्राण द्वै रूप धरेही॥
दोनों हैं चित के चोर रे श्रीराधा भानुदुलारी॥ हरि-राधा०॥
माधव करुणा के हैं सागर करुणारस की सिन्धु किशोरी।
बरसावें रस घनघोर रे श्रीराधा भानुदुलारी॥ हरि-राधा०॥

स्थाई

प़ -	**ध़ सा - -**	**सा - - -**	**सा रे ग रे**	**ग -**
ह रि	रा ऽ धा ऽ	यु ग ल कि	शो ऽ ऽ र	रे ऽ
रे सा	**रे म - ग**	**रे सा रे ग**	**रे सा - -**	**नी़ ध़**
श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ	भा ऽ नु दु	ला ऽ ऽ ऽ	री ऽ

अन्तरा

प - - -	**म प ग म**	**प - - -**	**प - म ग**
श्री ऽ रा ऽ	धा ऽ श्री ऽ	कृ ऽ ष्ण स	ने ऽ ही ऽ
रे - - ग	**म ग रे ग**	**सा - - -**	**सा - - -**
ए ऽ क प्रा	ऽ ण द्वै ऽ	रू ऽ प ध	रे ऽ ही ऽ

''दोनों हैं चित.......'' स्थाईवत्॥ आगे इसी क्रम से अन्य अंतरा।

✿✿✿

हरि हरि बोल हरि हरि बोल,
मुकुंद माधव गोविंद बोल।

प्रभु का नाम है तारन हारा, सुमिर सुमिर नर उतरो पारा।
मूरख मन की आंखे खोल, मुकुंद माधव गोविंद बोल॥
मुठ्ठी बांधे जग में आना, खाली हाथ पसारे जाना।
ज्ञान की बातें मन पै तोल, मुकुंद माधव गोविंद बोल॥
दो दिन में तू मरने वाला, जली चितापर फुंकने वाला।
सुन ले काल का बजता ढोल, मुकुंद माधव गोविंद बोल॥
धरती सोना संग ना जावैं, महल दुमहले यही रह जावैं।
हुआ गरब में तू बेडौल, मुकुंद माधव गोविंद बोल॥
झूठी माया अब लौ जोड़ी, जनम जनम को है गयौ कोढ़ी।
सच्चे धन का कर ले मोल, मुकुंद माधव गोविंद बोल॥
दिन खोया झूठे झगरन में, रात गमाई है विषयन में।
काया मल और मूत्र का झोल, मुकुंद माधव गोविंद बोल॥
अबहूँ चेत संभल जा भैया, प्रेम से भज ले कुंवर कन्हैया।
गहवर वन में करै किलोल, मुकुंद माधव गोविंद बोल॥

स्थाई

प - - म॑	**प - - -**	**प म॑ प ध**	**म - - -**
ह रि ह रि	बो ऽ ऽ ल	ह रि ह रि	बो ऽ ऽ ल
ग - - म	**ग रे रे ग**	**सा - ग म**	**प - - -**
मु कुं ऽ द	मा ऽ ध व	गो ऽ विं द	बो ऽ ऽ ल

अन्तरा

ग - प -	**ध रें सां -**	**नी - ध प**	**ध ग प -**
प्र भु का ऽ	ना ऽ म ऽ	ता ऽ र न	हा ऽ रा ऽ

इसी पर ''सुमिर सुमिर नर.........''।

पुनः स्थाईवत् ''मूरख मन की'' इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

सां नी	**सां - - -**	**- - नी ध**	**नी - - -**	**- -**
ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल
ध म	**ध - - -**	**- - ग म**	**प - - -**	**- -**
ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल

दूसरी धुन स्थाई

प सां नी सां	**ध - म -**	**ध प म ग**	**रे - सा -**
ह रि ह रि	बो ऽ ऽ ल	ह रि ह रि	बो ऽ ऽ ल
म - ग म	**प - ध नी**	**ध प नी ध**	**प - - -**
मु कुं ऽ द	मा ऽ ध व	गो ऽ विं द	बो ऽ ऽ ल

अंतरा

ग - - म	**ध - - प**	**ध नी ध -**	**प म प ग**
प्र भु का ऽ	ना ऽ म है	ता ऽ र न	हा ऽ रा ऽ
नी रें नी -	**ध - प -**	**ध प म ग**	**म प - -**
सु मि र सु	मि र न र	उ त रो ऽ	पा ऽ रा ऽ

स्थाईवत् ''मूरख मन की.....''।

प ध	**सां - - -**	**- - नी सां**	**रें - - -**	**- -**
ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल
सां रें	**सां - - नी**	**ध प ध नी**	**ध प - -**	**- -**
ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल

✿✿✿

हरि बोल हरि बोल

हरि बोल हरि बोल, राधा राधा राधा हरि बोल।
हरि जू के सिर पै मोरमुकुट है, प्यारी जू की चन्द्रिका अनमोल॥ राधा०
हरि जू के माथे चंदन सोहै, प्यारी जू की बिंदिया अनमोल॥ राधा०
हरि जू के कानन कुण्डल सोहै, प्यारी जू के झुमके हैं अनमोल॥ राधा०
हरि जू के नासा बेसर सोहै, प्यारी जू की नासा मणि अनमोल॥ राधा०
हरि जू के तन पै पटुका सोहै, प्यारी जू की अंगिया अनमोल॥ राधा०
हरि जू के गले वैजन्ती माला, प्यारी जू कौ हार बड़ो अनमोल॥ राधा०
हरि जू के तन पीताम्बर सोहै, प्यारी जू कौ लहंगा है अनमोल॥ राधा०
हरि जू के कमर काछनी सोहै, प्यारी जू की किंकणी है अनमोल॥ राधा०
हरि जू के कर में मुरली सोहै, प्यारी जू कौ कंकण है अनमोल॥ राधा०
हरि जू के पायन घुंघरू बाजै, प्यारी जू की बिछिया है अनमोल॥ राधा०

स्थाई

प़ -	**ग - - -**	**ग - रे सा**	**रे - - -**	**सा रे नी़ -**
ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ल ह रि	बो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ल
	प़ - नी़ -	**सा - प -**	**ग रे सा नी़**	**सा -**
	रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ	रा धा ह रि	बो ल

अन्तरा

प - म ग	**म - ग रे**	**रे ग म ग**	**रे - सा -**
ह रि जू के	सि र प र	मो ऽ र मु	कु ट है ऽ
ग - - -	**ग - रे सा**	**रे - - -**	**सा रे नी़ -**
प्या री जू ऽ	की ऽ चं ऽ	द्रि का अ न	मो ऽ ऽ ल
प़ - नी़ -	**सा - प -**	**ग रे सा नी़**	**सा - प -**
रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ	रा धा ह रि	बो ल ह रि

शेष इसी प्रकार।

✿✿✿

हरि हरि शरणं हरि हरि शरणं

हरि हरि शरणं हरि हरि शरणं॥ हरि २.....॥
अशरण शरणं अशरण शरणं ॥ हरि २.....॥
निर्भय शरणं निर्भय शरणं॥ हरि २.....॥
सरसिज वदनं सरजित वदनं॥ हरि २.....॥
कमलं नयनं कमलं नयनं॥ हरि २.....॥
मुरली मधुरं मुरली मधुरं॥ हरि २.....॥
नयनं मधुरं नयनं मधुरं॥ हरि २.....॥
वदनं मधुरं वदनं मधुरं॥ हरि २.....॥
गहवर मधुरं गहवर मधुरं॥ हरि २.....॥
रमणं मधुरं रमणं मधुरं॥ हरि २.....॥
हसितं मधुरं हसितं मधुरं॥ हरि २.....॥
चलनं मधुरं चलनं मधुरं॥ हरि २.....॥
राधा मधुरा राधा मधुरा॥ हरि २.....॥
गोपी मधुरा गोपी मधुरा॥ हरि २.....॥
यमुना मधुरा यमुना मधुरा॥ हरि २.....॥
धेनु मधुरा धेनु मधुरा॥ हरि २.....॥

स्थाई

ग ग	**रें ग रें -**	**सां - रें -**	**सां - - -**	**सां -**
ह रि	ह रि श र	णं ऽ ह रि	ह रि श र	णं ऽ

अंतरा

प म	**म ध - -**	**ध नी सां नी**	**ध प ध -**	**प -**
अ श	र ण श र	णं ऽ अ श	र ण श र	णं ऽ

पुनः ''हरि हरि शरणं'' स्थाई। यही क्रम आगे।

✿✿✿

हरे! मधुपते! नीलमणे! प्रिय! गौरांगी रति रमणाय नमः।

गौरांगी रति रमणाय नमः, हेमांगी रति रमणाय नमः।
कृष्ण कमल मुख पान भ्रमरिके! हरि प्राणेशे! राधायै नमः।
हरि प्राणेशे राधायै नमः, हरि प्राणेशे श्यामायै नमः।
रमणाय नमः श्यामाय नमः रमणाय नमः श्यामाय नमः।
राधायै नमः श्यामायै नमः श्यामायै नमः राधायै नमः।

स्थाई

सां - - ध	**नीप ध -**	**- - रे -**	**प - म ग**
ह रे ऽ म	धु प ते ऽ	नी ऽ ल म	णे ऽ प्रि य
ग म प ध	**- - रें -**	**- - - -**	**सां - - -**
गौ ऽ रां ऽ	गी ऽ र ति	र म णा ऽ	य न मः ऽ

अंतरा

ध रें - -	**ध रें - -**	**ध सां रें गं**	**रें - सां -**
कृ ऽ ष्ण क	म ल मु ख	पा ऽ न भ्र	म रि के ऽ
म ध - -	**म ध - -**	**म ध - नी**	**ध - प -**
ह रि प्रा ऽ	णे ऽ शे ऽ	रा ऽ धा ऽ	यै ऽ न मः

दूसरी धुन स्थाई

ध़ सा - -	**- रे म ग**	**रे सा - -**	**- रे म ग**
ह रे ऽ म	धु प ते ऽ	नी ऽ ल म	णे ऽ प्रि य
रे सा - -	**- रे म ग**	**रे ग रे -**	**सा - नी ध़**
गौ ऽ रां ऽ	गी ऽ र ति	र म णा ऽ	य न मः ऽ

अन्तरा

प - - नी	**ध प म ग**	**म - प -**	**म ग रे ग**
कृ ऽ ष्ण क	म ल मु ख	पा ऽ न भ्र	म रि के ऽ
सा रे - म	**- प ध -**	**ग - रे ग**	**रे - सा रे**
ह रि प्रा ऽ	णे ऽ शे ऽ	रा ऽ धा ऽ	यै ऽ न मः

हरे मुकुन्द राधे गोविन्द

हरे मुकुन्द राधे गोविन्द।
ब्रह्माचल खेलति सुकुमारी।
नंदीश्वर खेलत गिरिधारी॥ हरे मुकुन्द० ॥
अष्ट सखी सेवित सुकुमारी।
अष्ट सखा सेवित बनवारी॥ हरे मुकुन्द० ॥
खोर खिरक गिरि गहवर सुन्दर।
बरसाना वन क्रीडत युगवर॥ हरे मुकुन्द० ॥
प्रियतम वेष्टित भुज युग पाशा।
चारु नयन मिलवत रति आशा॥ हरे मुकुन्द० ॥
गहवर रज युग पद रति दायी।
जा रज क्रीडत युग रज शायी॥ हरे मुकुन्द० ॥

स्थाई

सां - - रें	**नी - ध प**	**ध - - -**	**ध - सां प**
ह रे ऽ मु	कुं ऽ ऽ ऽ	द ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे - ग	**ग - रे -**	**सा - - -**	**सा - - -**
रा ऽ धे ऽ	गो ऽ विं ऽ	द ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अंतरा

प - ध -	**प - सां नी**	**प - ध -**	**प - ग -**
ब्र ऽ ह्मा ऽ	च ल खे ऽ	ल ति सु कु	मा ऽ री ऽ

इसी पर ''नंदीश्वर खेलत.....''

पुनः स्थाई। आगे यही क्रम।

✿✿✿

हे हे कृपाकटाक्षसुवर्षिणि! कृष्णे कृपां कुरु!

हे वृषभानुनंदिनी राधे! मुग्धप्रलापिनी!
केलिविदग्धयुवतिकुलवन्द्ये! कुसुमितसुहासिनी!
आनंदामृतरसघनरूपे! सरसकल्लोलिनी!
शुचिस्मिते! पीयूषज्योत्स्ने! अमृतनिर्झरिणि!
विभ्रमांगभंगिमनिधिमधुरे! उज्जवलविलासिनी!
मल्लीमालबद्धधम्मिल्ले! परिमलप्रसारिणि!
हरिचकोरहितश्रीमुखचंद्रे! कोमल-प्रकाशिनी!
प्रोद्दामप्रेमासद्भावे! रसमयविनोदिनी!
अग्रनासिकामुक्ताफलके! सुभ्रूसुनर्तनी!
मधुरमाधवीमण्डपवासिनी! निकुंजप्रचारिणि!
ब्रजनागरीकुलचूड़ामणे! पंचम सुरागिणि!

स्थाई

सां - - नी	**ध नी प -**	**म ग रे ग**	**सा - - -**
हे ऽ हे ऽ	कृ पा ऽ क	टा ऽ क्ष सु	व ऽ र्षि णि
म - ध -	**नी गं रें गं**	**सां - - -**	**नी - ध -**
कृ ऽ ष्णे ऽ	कृ पां ऽ कु	रु ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

म - ग -	**म - - -**	**ध नी ध -**	**प - म -**
हे ऽ वृ ष	भा ऽ नु नं	ऽ दि नी ऽ	रा ऽ धे ऽ
नी - - -	**ध - रें -**	**सां - - -**	**- - - -**
मु ऽ ग्ध ऽ	प्र ला ऽ पि	नी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अथवा

दूसरी धुन स्थाई

सा - - रे	**म - - ग**	**म प म -**	**ग रे ग -**	**रे ग सा -**
हे ऽ हे ऽ	कृ पा ऽ क	टा ऽ क्ष सु	व ऽ र्षि णी	कृ ऽ ष्णे ऽ

गम गम रेग रेग	**सा - - -**	**- - - -**
कृऽ पांऽ ऽऽ कुऽ	रु ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

ध सां - -	**सां रें गं रें**	**ध सां - -**	**सां रें गं रें**
हे ऽ वृ ष	भा ऽ नु नं	ऽ दि नी ऽ	रा ऽ धे ऽ
ध सां - -	**गं रें गं रें**	**सां - - -**	**- - - -**
मु ऽ ग्ध ऽ	प्र ला ऽ पि	नी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

✿✿✿

हे गौरांगी! हे गोविंदा! गौर-नील हे शरण तुम्हारी।
हे गोविंदा! हे गौरांगी! नील-गौर हे शरण तुम्हारी।

रति रंगिणी सौदामिनी तिय, रस वारिधि नव घन सुंदर पिय॥ हे गौरांगी०

द्रुत हेमाब्ज गौरतनु सुंदर, मरकत मय इन्दीवर नागर॥ हे गौरांगी०

मत्त प्रेम नव केलि शिल्प पटु, तिय नेत्रान्त नटन वश नट लटु॥ हे गौरांगी०

वृन्दाटवी कुंजगृह देवी, श्रीस्तन शातकुंभ घट सेवी॥ हे गौरांगी०

स्थाई

प ध म प	**रें - - -**	**सां - - -**	**सां - - -**
हे ऽ गौ ऽ	रां ऽ ऽ ऽ	गी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
प ध म प	**रें - - -**	**सां - - -**	**- - - -**
हे ऽ गो ऽ	विं ऽ ऽ ऽ	दा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
सां रें सां नी	**ध - प -**	**प ध म ग**	**रे म ग रे**
गौ ऽ र नी	ऽ ल हे ऽ	श र ण तु	म्हा ऽ री ऽ

अन्तरा

म - प -	**नी - - -**	**- - सां नी**	**सां - - -**
र ति रं ऽ	गि णी ऽ सौ	ऽ दा ऽ मि	नी ऽ ति य
प - रें -	**प - ध -**	**प नी ध प**	**म ग रे -**
र स वा ऽ	रि धि न व	घ न सुं ऽ	द र पि य

पुनः स्थाई। इसी क्रम से सब अन्तरा।

❁❁❁

हे रसिके! नवतरुणी चूड़ामणि राधे! प्रियतम रमणी ब्रजमणि क्रीड क्रीडिते कृपा करो॥

कृष्ण कृष्ण यह मधुर नाम मैं, जपूं रटूं गाऊँ कर कीर्तन।
कृष्ण नाम गुण लीला चर्चा, सुनूँ समाहित बुद्धि चित्त मन।
ध्याऊँ कृष्ण रूप अति सुंदर, वंशीधर कुंडल युग कानन।
ललित त्रिभंग संग तब दक्षिण, मिलवत तब चितवन सो चितवन।
कृष्णमयी! कृष्णे सब कौ फल, तुम रीझो दीनन की प्रानन कृपा करो॥
हे रसिके! नवतरुणी चूड़ामणि राधे!...................................
कृष्णार्चना करत ही जीऊँ, कबहूँ लै माला पहिराऊँ।
कबहूँ गुंजा-माल पिरोऊँ, मोर-मुकुट लै पंख बनाऊँ।
कृष्ण-प्रेम की कथा किशोरी, तुमको मधुरे गाय सुनाऊँ।
कृष्ण सुयश सुन जब रीझोगी, तब मैं जीवन सफल बनाऊँ।
कृष्ण विहारिणि! कृष्ण विलासिनी! कृष्ण सुवासिनी!
कृष्ण सुहागिनी! कृपा करो॥
हे रसिके! नवतरुणी चूड़ामणि राधे!...................................

स्थाई

ध नी सां रें	**ध सां नी नीसां**	**ध म ध नीध**	**सां - - -**
हे ऽ ऽ ऽ	र सि के ऽऽ	न व त रुऽ	णी ऽ चू ऽ

- - ध -	नी - - -		
ड़ा ऽ म णि	रा ऽ धे ऽ		
नी रें सां रें	ध सां नी -	ध म ध ऽ	नी - ध म
प्रि य त म	र म णी ऽ	ब्र ज म णि	क्री ऽ ड क्री
म नी ध म	ग म ग रे	सा -	
ऽ डि ते ऽ	कृ पा ऽ क	रो ऽ	

अन्तरा

सा म ग म	ग सा ध़ नी़	सा - म -	- - - ग
कृ ऽ ष्ण कृ	ऽ ष्ण य ह	म धु र ना	ऽ म मैं ऽ
म - ध -	नी - ध -	म नी - -	ध - - -
ज पूं ऽ र	टूं ऽ गा ऽ	ऊँ ऽ क र	की ऽ र्त न

इसी पर तीन पंक्ति ''कृष्ण नाम''
''ध्याऊँ कृष्ण'' ''ललित त्रिभंग॥''

ध - नी सां	मं - - -	गं - - मं	ग रे सां -
कृ ऽ ष्ण म	यी ऽ कृ ऽ	ष्णे ऽ स ब	कौ ऽ फ ल
गं - - -	- - - -	रें - - गं	रें - सां -
तु म री ऽ	झौ ऽ दी ऽ	न न की ऽ	प्रा ऽ न न
ग म ग रे	सा -		
कृ पा ऽ क	रो ऽ		

शेष इसी क्रम से।

✿✿✿

हे रे वंशी वारे, प्राण हमारे, श्रीवृषभानु लली के प्यारे।

ब्रज गोपी जब दही चलावैं, माखन घर गिरिधर कूँ ध्यावैं,
कान्त प्रेष्ठ प्राणेश बुलावैं।
माखन चोरन हारे, नयनों के तारे, श्रीवृषभानु लली के प्यारे॥ हे रे वंशी०
ग्वाल-बाल संग खेलन जावें, नील चंद्र मुख पै बलि जावै,
गलबैंया दै लाड़ लड़ावैं।
यमुना किनारे, धूम मचावन हारे, श्रीवृषभानु-लली के प्यारे॥
भानुपुरा हरि भंवरा डोलै, गली सांकरी गोरस मोलै,
गांठ रसीली गहवर खोलै।
गोरी वरनी वारे, वरना दुलारे, श्रीवृषभानु लली के प्यारे॥

स्थाई

सां - - सां रें	**नीसां सांनी धप धप**	**सां - - सां रें**	**नीसां सांनी धप धप**
हे रे वं शीऽ	वाऽ ऽऽ रेऽ ऽऽ	प्रा ऽ ण हऽ	माऽ ऽऽ रेऽ ऽऽ
प ध - म	**प म रे ग**	**मग मग रे -**	**सा - - -**
श्रीऽ वृ ष	भा ऽ नु ल	लीऽ ऽऽ के ऽ	प्या ऽ रे ऽ

अन्तरा

सा रे म -	**- - - ग**	**म प - -**	**- - - -**
ब्र ज गो ऽ	पी ऽ ज न	द ही ऽ च	ला ऽ वैं ऽ
ध - - -	**- - म -**	**म प प ध**	**म प - -**
मा ऽ ख न	ध र गि रि	ध र कूं ऽ	ध्या ऽ वैं ऽ

प ध - नी	**नी - - -**	**ध - नी -**	**सां - - -**
कां ऽ त प्रे	ऽ ष्ठ प्रा ऽ	णे ऽ श बु	ला ऽ वैं ऽ

पुनः स्थाईवत् माखन चोरन हारे.... इसी क्रम से शेष।

✿✿✿

हरि रमणी हरि रमणी, राधा कृष्ण प्रिया हरि रमणी।

देवि शरण में आये हैं हम, कृपा पिपासा लाये है हम,
शशिवदनी शशिवदनी, राधा कृष्ण प्रिया शशिवदनी॥ हरि रमणी०
प्रणत पालिनी भामा रामा, दीन रक्षणी शोभा धामा,
ब्रजसदनी ब्रजसदनी, राधा कृष्ण प्रिया ब्रजसदनी॥ हरि रमणी०

स्थाई

प ध सां रें	**ग॒ं - - -**	**रें सां ध सां**	**रें - - -**
ह रि र म	णी ऽ ऽ ऽ	ह रि र म	णी ऽ ऽ ऽ
ध सां ध प	**ध सां ध प**	**ग॒ रे सा रे**	**ग॒ प - -**
रा ऽ धा ऽ	कृ ऽ ष्ण प्रि	या ऽ ह रि	र म णी ऽ

अन्तरा

सा - रे ग॒	**प ग॒ प -**	**ध - प ग॒**	**ध - प -**
दे ऽ वि श	र ण में ऽ	आ ऽ ये ऽ	हैं ऽ ह म
ध सां ध सां	**रें - - -**	**ग॒ं रे सां ध**	**रें - सां -**
कृ पा ऽ पि	पा ऽ सा ऽ	ला ऽ ये ऽ	हैं ऽ ह म

''शशिवदनी''-स्थाई की तरह। इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

हरि राधा दूलह श्याम गोविंदा गिरिधारी गिरिधारी।

हे मनमोहन कृष्ण कन्हैया, राधावल्लभ वंशी बजैया।
राधा प्रियतम श्याम गोविंदा, गिरिधारी गिरिधारी।
अंस भुजार्पित कमल नचावत, अद्भुत राग सुरन आलापत।
सहचरि पूरण काम गोविंदा, गिरिधारी गिरिधारी।
स्वर वैचित्र्य कोटि दरसावत, नव रति मंगल गीतहि गावत।
कला सेव्य सुख धाम, गोविंदा गिरिधारी गिरिधारी।

स्थाई

सा -	**ध़ - सा -**	**रे - ग -**	**म - ग -**	**रे ग॒ रे सा**
ह रि	रा ऽ धा ऽ	दू ऽ ल ह	श्या ऽ म गो	विं ऽ दा ऽ
	ध़ - सा -	**रे ग॒ रे सा**	**म ग॒ रे -**	**सा - - -**
	गि रि धा ऽ	री ऽ ऽ ऽ	गि रि धा ऽ	री ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प - - ध	**प - म -**	**ग - रे ग॒**	**रे - सा -**
हे ऽ म न	मो ऽ ह न	कृ ऽ ष्ण क	न्है ऽ या ऽ

''राधावल्लभ वंशी'' इसी पर ''राधा प्रियतम'' स्थाईवत्
इसी क्रम से अन्य अन्तरा।

✿✿✿

त्राहि त्राहि करुणाशीले, अति मृदु हृदये, अनाथ गतिके श्रीराधे॥

वेणी लोल श्रोणि सो लिपटी, व्याली खेलत विद्युत चिपटी,
मुख-छवि लज्जित पूर्ण-मयंके, मृदुकर लालित श्यामल अंके,
रक्ष रक्ष अजेश स्तुते, सनकादीड्ये, अनाथ गतिके श्रीराधे॥ त्राहि-२॥
प्रेमवारि में खंजन अंखिया, उड़न सकत रस पंकिल पखियां,
अलक पन्नगी पान करन हित, रस कपोल मृदु गोल लोल अति,
पाहि-पाहि अदभ्रसुदये, कृपासुवर्षिणी, अनाथ गतिके श्रीराधे॥ त्राहि-२॥
संवीत श्रीस्तन-युग मुकुले, किंकिणि झंकृत जघन मण्डले,
श्रीपद यावक पत्रावलि युत, हरि कर कमल तूलिका अंकित,
कृपय कृपय गोपीनाथे, ब्रजांचलेशे, अनाथ गतिके श्रीराधे॥ त्राहि-२॥

स्थाई

ध़ सा - -	**रे म प म**	**प ध - -**	**- - प म**	**प ध - -**
त्रा ऽ हि त्रा	ऽ हि क रु	णा ऽ शी ऽ	ले ऽ अ ति	मृ दु हृ द
- - प ध	**म प - -**	**प - म रे**	**म - - -**	**रे सा रे -**
ये ऽ अ ना	ऽ थ ग ति	के ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अंतरा

ध - - -	**प म प ध**	**- सां - -**	**- - - -**
वे ऽ णी ऽ	लो ऽ ल श्रो	ऽ णि सों ऽ	लि प टी ऽ
सा रें सां -	**सां गं रें गं**	**सां रें नी सां**	**ध म ध -**
व्या ऽ ली ऽ	खे ऽ ल ति	वि ऽ द्यु त	चि प टी ऽ

इसी पर "मुख छवि.....श्यामल अंके" पुनः स्थाईवत्
"रक्ष रक्ष अजेश....." इसी क्रम से शेष॥

✿✿✿

त्राहि त्राहि मां त्राहि त्राहि मां!

अशरण शरणा प्रभु त्राहि मां!!

जय राधे जय माधव॥

त्राहि त्राहि मां! त्राहि त्राहि मां!!

रक्ष रक्ष मां! रक्ष रक्ष मां!!

पाहि पाहि मां! पाहि पाहि मां!!

स्थाई

प़ - ग -	**ग - - -**	**प़ - रे -**	**रे - - -**
त्रा हि त्रा हि	मां ऽ ऽ ऽ	त्रा हि त्रा हि	मां ऽ ऽ ऽ
प़ - ध़ प़	**प़ - ग रे**	**म ग रे -**	**सा - - -**
अ श र ण	श र णा ऽ	प्र भु त्रा हि	मां ऽ ऽ ऽ

अन्तरा

प -	**नी - - -**	**सां - प ग**	**प - - -**	**प -**
ज य	रा ऽ धे ऽ	ऽ ऽ ज य	मा ऽ ध व	ऽ ऽ
सां -	**- - नी -**	**- - ध -**	**- - प -**	**- -**
त्रा हि	त्रा हि मां ऽ	ऽ ऽ त्रा हि	त्रा हि मां ऽ	ऽ ऽ

इसी प्रकार ''रक्ष-२'' ''पाहि-२''॥

✿✿✿

।। परिशिष्ट ।।

माँगू मैं श्री जी राधारानी एक कृपा की नजरिया तेरे द्वारे टेर रह्यो हूँ लीजो मेरी खबरिया राधारानी

स्थाई

× **ग - म**	**प ध <u>नी</u> ध**	**प - ध प**	**म ग रे सा**
× माँ गू मैं	श्री ऽ जी ऽ	ऽ रा ऽ धा	रा ऽ नी ऽ
× **सा ग -**	**- म - प**	**म प - ग**	**- - रे सा**
× ए क कृ	पा ऽ की न	ज रि या ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अंतरा

× **नी - -**	**- - - -**	**ध सां - -**	**- - - -**
× ते ऽ रे	द्वा ऽ रे ऽ	ऽ टे र र	ह्यो ऽ हूँ ऽ
× **प सां <u>नी</u>**	**घ - प म**	**ध - - म**	**प ग म प**
× ली ऽ जो	मे ऽ री ख	ब रि या ऽ	रा धा रा नी

❁❁❁

श्रीजी की शरणागति (ताल-दादरा)

वृंदावन की रानी राधा, चाकर हैं जग को पति।

ग म -	**म प म**	**गरे म ग**	**रेसा रे सा**
श्री जी ऽ	की श र	णा ऽ ग	ति ऽ ऽ
प ध सां	**- - -**	**ध <u>नी</u> -**	**प ध प**
वृं दा ऽ	व न की	रा नी ऽ	रा धा ऽ
प ध -	**- - -प**	**- <u>नी</u>ध पम**	**-प ग रेसा**
चा क र	हैं त्रि भुऽ	व नऽ ऽप	ति ऽ ऽऽ

राधा ही की भक्ति राधा ही की शक्ति

राधा ही की आशा राधा ही को भरोसा

राधा नाम राधा नाम राधा धाम श्री धाम

राधा ही की रिद्धि राधा ही की सिद्धि

राधा नाम राधा नाम राधा धाम श्री धाम

स्थाई

म - - -	**ग - रे सा**	**- - - -**	**रे - सा -**
रा धा ऽ ही	की ऽ भ क्ति	रा धा ऽ ही	की ऽ श क्ति
म ग - म	**प - - -**	**ध - - -**	**प - - -**
रा धा ऽ ही	की ऽ आ शा	रा धा ऽ ही	को भ रो सा
सां - - -	**नी - - -**	**ध - प म**	**प - - -**
रा धा ना म	रा धा ना म	रा धा धा म	श्री ऽ धा म

अंतरा

म - प ध	**सां - - -**	**रें - - -**	**सां - - -**
रा ऽ धा ही	की ऽ रि द्धि	रा धा ऽ ही	की ऽ सि द्धि
सां - - -	**नी - - -**	**ध - प म**	**प - - -**
रा धा ना म	रा धा ना म	रा धा धा म	श्री ऽ धा म

✿✿✿

द्वार मैं आयो तेरे माँगू कृपा की विनती श्रीराधारानी

कहाँ जाऊँ का सौं कहूँ कौन सुने विनती राधारानी

गौर चरण में मेरी कोटि कोटि प्रणति राधारानी

स्थाई

ग - - म	**प म प -**	**ग म प म**	**ग रे सा -**
द्वा र मैं आ	यो ते रे ऽ	माँ गू कृ पा	की वि न ती
सा - - -	**- - - -**		
श्री ऽ श्री रा	धा रा नी ऽ		

अंतरा

नी - - -	**- सां नी सां**	**- नी - ध**	**म प ध -**
क हाँ जा ऊँ	का सो क हूँ	कौ न सु ने	ऽ वि न ती
ध - म प	**ग म प -**		
ऽ ऽ श्री रा	धा रा नी ऽ		

❁❁❁

जय राधे श्रीराधे

बरसाने वारी श्रीराधे, गहवर वनवारी श्रीराधे

स्थाई

सा - - रे	**ग - - रे**	**म - ग रे**	**सा - - -**
ज य रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ

अंतरा

प - - -	**प ध प -**	**म प ग -**	**म ध प -**
ब र सा ऽ	ने ऽ वा ऽ	री ऽ श्री ऽ	रा ऽ धे ऽ

गहवर वनवारी......

वृंदावन वारी......इसी स्वर पर

मेरी गति मति जीवन राधे, मेरी प्राण आधारा राधे

मेरी इष्ट देवता राधे, मेरी भक्ति शक्ति श्रीराधे

तू दीन वत्सले राधे तू भक्त वत्सले राधे

स्थाई

सा - - ग	**ग - म ध**	**प म ग रे**	- - - -
मे री ग ति	म ति जी ऽ	व न रा धे	ऽ ऽ ऽ ऽ
रे ग म प	**- म ग रे**	**सा रे नी़ सा**	- - - -
मे री प्रा ऽ	ण अ धा ऽ	रा ऽ रा धे	ऽ ऽ ऽ ऽ

अंतरा

सां - - -	**- - नी -**	**ध प ध नी**	- - - -
मे री इ ऽ	ष्ट दे ऽ व	ता ऽ रा धे	ऽ ऽ ऽ ऽ
म - ध -	**- नी - -**	**ध प ध -**	**प** - - -
मे री भ ऽ	क्ति श ऽ क्ति	श्री ऽ रा ऽ	धे ऽ ऽ ऽ

कीर्तन– देखो देखो री दयामयि राधे मैं तो तेरी शरण में राधे.....इसी धुन पर

✿✿✿

तेरे चरणन छोड़ मैं जाऊँ कहाँ किधर

मेरो कोई नहीं राधिके भानु कुंवर

तू ही मेरी सर्वस तू ही है जीवन

तेरे चरणों में अर्पण है तन मन धन

स्थाई

× सा - -	- - रे -	ग - - -	- - - -
× ते ऽ रे	च र ण न	छो ऽ ड़ मैं	जा ऽ ऊँ ऽ
रे रेप प म	ग - रे सा		
क हाँ ऽ कि	धर ऽ ऽ ऽ		
× ध - -	- - नी ध	प - - ग	- म ध -
ऽ मे ऽ रो	को ऽ ई ऽ	न हीं ऽ रा	ऽ धि के ऽ
प - - -	- - - -		
भा ऽ नु कुँ	व र ऽ ऽ		

अंतरा

× सां - -	- - - -	नी - - -	ध नी ध प
× तू ऽ ही	मे ऽ री ऽ	स र ब स	तू ऽ ही ऽ
प ध सां -	नी - - -		
है ऽ जी ऽ	व न ऽ ऽ		
नी ध - -	- - म -	ध नी सां नी	ध प म ग
ऽ ते ऽ रे	च र णों ऽ	में ऽ अ र	प न है ऽ
ग म ध प	प - - -		
त न म न	ध न ऽ ऽ		

कृपा करो कृपा करो, राधारानी कृपा करो

दया करो दया करो, श्री महारानी दया करो

स्थाई

सा रे - ग	**प - - -**	**म - - ग**	**म - - -**
कृ पा ऽ क	रो ऽ ऽ ऽ	कृ पा ऽ क	रो ऽ ऽ ऽ
रे - नी रे	**- - ग म**	**ग म ग रे**	**सा - - -**
रा ऽ धा रा	ऽ नी ऽ कृ	पा ऽ ऽ क	रो ऽ ऽ ऽ

अंतरा

प सां - नी	**सां - - -**	**नी - - ध**	**नी - - -**
द या ऽ क	रो ऽ ऽ ऽ	द या ऽ क	रो ऽ ऽ ऽ
ध - म -	**ध - ध नी**	**सां नी सां -**	**- प - -**
श्री ऽ म हा	रा ऽ नी ऽ	द या ऽ ऽ	ऽ क रो ऽ

✿✿✿

मैं तो तेरी शरण मैं तो तेरी शरण

जय श्रीजी दयामयी राधे मैं तो तेरी शरण मैं तो तेरी शरण

राधा राधा प्रेम अगाधा, जीवन की सब कट जाये बाधा

स्थाई

रे सा नी सा	**- - रे -**	**म - ग रे**	**- - सा -**
मैं तो ते री	ऽ श र ण	मैं तो ते री	ऽ श र ण
सा ग प -	**- - - ध**	**- प म ग**	**प - म -**
ज य श्री ऽ	जी ऽ द या	ऽ म यी ऽ	रा ऽ धे ऽ

मैं तो तेरी शरण......

अंतरा

म प ग म	**प - - -**	**ध - नी सां**	**ध - प -**
रा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ	प्रे ऽ म अ	गा ऽ धा ऽ
ध - म -	**ग - रे -**	**म ग रे सा**	**- - - -**
जी ऽ व न	की ऽ स ब	क ट जा य	बा ऽ धा ऽ

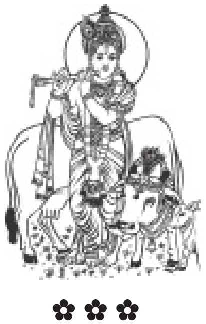

✿✿✿

जय जय जय श्री राधा नाम

प्रेम सहित गावें नित श्याम

गाऊँ गाऊँ राधा गाऊँ, कृपा दृष्टि राधा की पाऊँ

स्थाई

प - - -	**- - - ध**	**नी ध प म**	**- - ग रे**
ज य ज य	ज य श्री ऽ	रा ऽ धा ऽ	ना ऽ ऽ म
रे - ग म	**प ध - सां**	**नी - ध प**	**- - - -**
प्रे ऽ म स	हि त गा ऽ	वें ऽ नि त	श्या ऽ ऽ म

अंतरा

सां - - -	**- - रें गं**	**- रें सां नी**	**ध - - -**
गा ऽ ऊँ ऽ	गा ऽ ऊँ ऽ	रा ऽ धा ऽ	गा ऽ ऊँ ऽ
ध - - -	**- - सां -**	**नी - ध -**	**प - - -**
कृ पा ऽ दृ	ऽ ष्टि रा ऽ	धा ऽ की ऽ	पा ऽ ऊँ ऽ

आँधरे की लाकड़ी है मेरो राधा नाम

औरन सों नहीं मेरो काम

मेरी तो हरेंगी बाधा राधा, देंगी चरनन प्रीति अगाधा

मेरी राधा सब सुख साधा, जाकी श्याम करें आराधा

स्थाई

ग म प -	**- - ध नी**	**ध नी ध प**	**- - - -**
आं ध रे की	ला क ड़ी है	मे रो रा धा	ना ऽ ऽ म
ग रे ग म	**- - प म**	**ग रे म ग**	**रेसा रे - सा**
औ ऽ र न	सो ऽ न हीं	मे ऽ रो ऽ	का ऽ ऽ ऽम

अंतरा

नी सां - -	**- - रें गं**	**- रें सां नी**	**ध - - -**
मे री तो ह	रे ऽ गी ऽ	बा ऽ धा ऽ	रा ऽ धा ऽ
ध - - -	**- - सां -**	**नी - ध -**	**प - - -**
दें ऽ गी ऽ	च र ण न	प्री ऽ ति अ	गा ऽ धा ऽ

राधारानी मेरी है, श्यामा प्यारी मेरी है

करुणा भरी कृपा दया भरी देवी है
जाकी कृपा मांगे नंदनंदन हू प्यारो
विधि हरि हर की कौन सी बात है।

स्थाई

ग - म -	**ग रेग सा रे**	**ग - म -**	**ग - - -**
रा धा रा नी	मे रीऽ है ऽ	श्या मा प्या री	मे री है ऽ
प - - ध	**प - म -**	**ग रे ग म**	**ग - - -**
क रु णा भ	री ऽ कृ पा	द या भ री	दे वी है ऽ

अंतरा

म प - -	**- - - ध**	**म प नी ध**	**प - - -**
जा की कृ पा	मां गे नं द	नं ऽ द न	हू ऽ प्या रो
प - - ध	**प - म -**	**ग रे ग म**	**ग - - सा**
वि धि ह री	ह र की ऽ	कौ न सी ऽ	बा त है ऽ

गोरे चरण तिनकी शरण गौरांगी श्रीराधिके

गौरांगी श्रीराधिके गौरांगी श्रीराधिके

स्थाई

सा - ग म	**प - - -**	**ग म प ध**	**पध प म -**
गो ऽ रे च	र ण ऽ ऽ	ति न की श	रण ऽ ऽ ऽ
प ध म प	**ग म रे ग**	**म ग रे सा**	**- - - -**
गौ ऽ रां ऽ	गी ऽ श्री ऽ	रा ऽ ऽ धि	के ऽ ऽ ऽ

अंतरा

सां - - -	**- - - -**	**नी सां रें सां**	**नी - ध प**
गौ ऽ रां ऽ	गी ऽ श्री ऽ	रा ऽ ऽ धि	के ऽ ऽ ऽ
नी - - सां	**ध - म -**	**प - - म**	**ग - रे सा**
गौ ऽ रां ऽ	गी ऽ श्री ऽ	रा ऽ ऽ धि	के ऽ ऽ ऽ

मेरी अंखियों में आवो, राधारानी राधारानी राधारानी

अँखियों में आवो पलकों पै आओ

हियरे में आओ राधारानी राधारानी महारानी

भाव भक्ति कुछ भी नहिं जानूं, ना मैं शरणागति ही जानूँ

नहीं अंखियों में मेरे पानी। राधारानी राधारानी

स्थाई

प -	ग म प म	ग रे सा रे	नी सा - रे	- -
मे री	अँ खि यों में	आ वो रा धा	रा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ
प़ नी	- सा - ग	रे ग सा रे	नी - सा -	- -
रा धा	रा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ रा धा	रा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ

अंतरा

प - - म	प सां - नी	प - ग म	प - - -
अँ खि यों में	आ वो मे रे	प ल कों पे	आ वो - -

(दो बार)

प -	ग म प म	ग रे सा रे	नी सा - रे	- -
मे रे	हि य रे में	आ ओ रा धा	रा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ
प़ नी	- सा - ग	रे ग सा रे	नी - सा -	- -
रा धा	रा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ रा धा	रा ऽ नी ऽ	ऽ ऽ

भाव भक्ति.........,ना मैं .... अंतरा की तरह

स्थाईवत्- नहीं अंखियों में......... हियरे में की तरह

कृपामयी कृपा करो, भरोसो एक तेरो

आशा विश्वासा औ सहारो एक तेरो

तेरी पग धूर ही सहारो एक मेरो, सहारो एक मेरो

स्थाई

ग	**- सा -**	**ग - म**	**प - -**	**ध प ध**
कृ	पा ऽ म	यी ऽ कृ	पा ऽ क	रो ऽ भ
	सां - नी	**ध - म**	**-ध पनी धप**	**मप ग**
	रो ऽ सो	ए ऽ क	तेऽ ऽऽ ऽऽ	रो ऽ

अंतरा

ग म नी	**ध प ध**	**नी - सां**	**- - सां**
आ ऽ शा	ऽ वि ऽ	श्वा सा ऽ	औ ऽ स
नी सां -	**नी सां रेंसां**	**नी - -**	**ध - प**
हा रो ऽ	ए ऽ कऽ	ते ऽ ऽ	रो ऽ ऽ
गं - -	**- - रें**	**मं गं रें**	**सां नी -**
ते ऽ री	ऽ प ग	धू ऽ र	ही ऽ स
प नी -	**गं रें मं**	**गं - -**	**रें सां -**
हा रो ऽ	ए ऽ क	मे ऽ ऽ	रो ऽ स
नी सां -	**नी प -**	**म प म**	**ग - -**
हा रो ऽ	ए ऽ क	ते ऽ ऽ	रो ऽ कृ

सब नामों में है प्यारा राधानाम

मोहन मुरली में गावै राधानाम

राधा गावै राधा ध्यावै राधा चरनन में सिर नावै

राधा ही रटैं आठों याम, मोहन मुरली में गावै राधा नाम

स्थाई

ध - सा -	**- - - रे**	**ग म ध प**	**म - - ग**
स ब ना ऽ	मों ऽ में है	प्या रा रा धा	ना ऽ ऽ म
प ध म -	**रे - ग म**	**रे ग रे सा**	**- - नी ध**
मो ऽ ह न	मु र ली में	गा वैं रा धा	ना ऽ ऽ म

अंतरा

प ग म प	**- - - -**	**ध - नी सां**	**ध - प -**
रा ऽ धा गा	ऽ वैं ऽ ऽ	रा ऽ धा ऽ	ध्या ऽ वैं ऽ
ध - म ग	**रे - - -**	**म ग रे सा**	**- - - -**
रा ऽ धा च	र ण न ऽ	में ऽ सि र	ना ऽ वैं ऽ
नी सां - नी	**ध प म -**	**ग - म प**	**म - - -**
रा ऽ धा ही	ऽ र टैं ऽ	आ ऽ ठों ऽ	या ऽ ऽ म
प ध म -	**रे - ग म**	**रे ग रे सा**	**- - नी ध**
मो ऽ ह न	मु र ली में	गा वैं रा धा	ना ऽ ऽ म

मेरो मोहन मुरली वाला

राधा का मतवाला

यमुना किनारे कदमन छैंया, वो तो गायें चराने वाला, राधा का........

मोर मुकुट कानन में कुण्डल वो तो गल वैजन्ती माला, राधा का........

स्थाई

सां -	**नी - सां**	**- नी -**	**ध प म**	**प - ग**
मे रो	मो ऽ ह	न मु र	ली ऽ वा	ला ऽ रा
	ग प म	**प ग -**	**रे - सा**	**- सां -**
	धा ऽ का	ऽ म त	वा ऽ ला	ऽ मे रो

अंतरा

सां - -	**- रें गं**	**- - सां**	**रें नी ध**
य मु ना	कि ना रे	ऽ ऽ क	द म न
प - ध	**नी ध प**	**- - -**	**- सां -**
छै ऽ या	ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ	ऽ वो तो
नी सां -	**- नी -**	**ध प म**	**प - ग**
गा ऽ यें	च रा ऽ	ने ऽ वा	ला ऽ रा
ग प म	**प ग -**	**रे - सा**	**- सां -**
धा ऽ का	ऽ म त	वा ऽ ला	ऽ मे रो

राधा गोरी औ श्याम रसिया, ये जोरी मेरे मन बसिया

नीलाम्बरी किशोरी प्यारी, पीताम्बर हरि कटि कसिया
गहवर वन गलबैया विहरै, मंद मंद मुख चंद हँसिया
गौर नील पद ध्यान धरो नित, युगल नाम पापन नसिया

स्थाई

ग - - रे	**ग - रे सा**	**- रे सा ध़**	**- सा प़ -**
रा धा गो ऽ	री ऽ औ ऽ	श्या म र सि	या ऽ ऽ ऽ
ध़ सा - -	**- - रे ग**	**रे ग रे सा**	**- - - -**
ये ऽ जो ऽ	री ऽ मे रे	म न ब सि	या ऽ ऽ ऽ

अंतरा

प - - म॑	**प ध - प**	**ग - रे सा**	**रे ग - -**
नी ऽ लां ऽ	ब री ऽ कि	शो ऽ री ऽ	प्या री ऽ ऽ
ग - - रे	**ग - रे सा**	**- रे सा ध़**	**- सा - प़**
पी ऽ तां ऽ	ब र ह रि	क टि क सि	या ऽ - -
ध़ सा - -	**- - रे ग**	**रे ग रे सा**	**- - - -**
य ह जो ऽ	री ऽ मे रे	म न ब सि	या ऽ ऽ ऽ

चरणन की बलिहारी जाहि सेवैं कुंजविहारी

सेवै कुंजविहारी जाहि सेवैं कुंजविहारी

स्थाई

सा प - -	**- - - -**	**- नी ध प**	**म ग सा रे**
च र ण न	की ऽ ब लि	हा ऽ ऽ ऽ	री ऽ जा हि
ग - म ग	**सा - रे ग**	**रे ग रे सा**	**- - - -**
से ऽ वैं ऽ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ

अंतरा

सां - - -	**- - - -**	**नी - - -**	**ध - म -**
से ऽ वैं ऽ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ री ऽ	जा ऽ हि ऽ
प - - ध	**नी - ध प**	**- - - -**	**प - रें सां**
से ऽ वैं ऽ	कुं ऽ ज वि	हा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ

(दो बार)

❀❀❀

भजो राधारानी, भजो राधारानी

भजो कृपा प्रेम रस की दानी

स्थाई

रे सा नी सा	**- - - -**	**रे सा नी सा**	**- - - -**
भ जो रा धा	ऽ रा नी ऽ	भ जो रा धा	ऽ रा नी ऽ

अंतरा

सा ग प -	**- प - ध**	**प म ग -**	**म प म ग**
भ जो कृ पा	ऽ प्रे ऽ म	र स की ऽ	दा ऽ नी ऽ

भजो.....

तेरा ही द्वार सच्चा दीनों का द्वार है, राधा कृपा दया की तू ही आधार है

कोमल हृदय तेरा है जो प्रेम से भरा है, विनती हमारी सुन ले करुणा पुकार है॥
सबने मुझे गिराया तेरे ही द्वार आया, तेरा ही है सहारा सबकी तू सार है॥
तू ही है प्रेम देवी तू प्रेम की प्रदाता, तुझसे ही प्रेम प्रकटा ब्रज में प्रसार है॥

स्थाई

सा - रे ग	**- रे ग रे**	**सा - - -**	**ध - - -**
ते ऽ रा ऽ	ही द्वा ऽ र	स ऽ च चा	स च चा ऽ
प - - ध	**प म - ग**	**ग म ध प**	**म ग रे सा**
दी ऽ नों ऽ	का द्वा ऽ र	है ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
प - - -	**म प ग म**	**- प - -**	**- - - -**
रा ऽ धा ऽ	कृ पा ऽ द	या ऽ की ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
ध - - -	**- - - -**	**- सां नी ध**	**प म ग रे**
तू ऽ ही ऽ	आ धा ऽ र	है ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अंतरा

सां - - -	**नी सां ध नी**	**- सां - -**	**- नी ध प**
को ऽ म ल	हृ द य ते	रा ऽ है ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
ध - - -	**- - - सां**	**ध सां नी ध**	**प - ध नी**
जो ऽ प्रे ऽ	म से ऽ भ	रा ऽ ऽ ऽ	है ऽ ऽ ऽ
सा - रे ग	**- रे ग रे**	**सा - - -**	**ध - - -**
वि न ती ऽ	ह मा ऽ री	सु न ले ऽ	सु न ले ऽ
प - - ध	**प म - ग**	**- म ध प**	**म ग रे सा**
क रु णा ऽ	पु का ऽ र	है ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

सबने मुझे गिराया........

अंतरा– कोमल हृदय तेरा... की तरह

✿✿✿

राधे किशोरी दया करो

राधे किशोरी दया करो।
हमसे दीन न कोई जग में, बान दया की तनक ढरो।
सदा ढ़री दीनन पै श्यामा, यह विश्वास जो मनहि खरो।
विषम विषय विष ज्वाल माल में, विविध ताप तापनि जु जरो।
दीनन हित अवतरी जगत में, दीन पालिनी हिय विचरो।
दास तुम्हारो आस और की, हरौ विमुख गति को झगरो।
कबहुँ तो करुणा करोगी श्यामा, यही आस ते द्वार पर्‌यो।

स्थाई

सा रे ग -	**- रे ग रे**	**सा ध़ रे -**	**- सा - -**
रा ऽ धे ऽ	ऽ कि शो ऽ	री ऽ द या	ऽ क रो ऽ
ग प - -	**ध - - प**	**- ध - प**	**ग - - -**
द या ऽ क	रो ऽ ऽ ऽ	द या ऽ क	रो ऽ ऽ ऽ

अंतरा

रे - - -	**रे - सा रे**	**ग - म ग**	**रे - सा -**
ह म से ऽ	दी ऽ न न	को ऽ ई ऽ	ज ग में ऽ
म - - -	**- - - -**	**ग - सा रे**	**ग - - -**
बा ऽ न द	या ऽ की ऽ	त न क ढ	रो ऽ ऽ ऽ

॥ कीर्तनरसेश्वरी ॥

महामंत्र या युगलमंत्रकी रागबद्ध सरलतम ध्वनियाँ

१०० से अधिक रागों पर सरलतम रचना दी जा रही है। जिसे साधारण स्वर-ज्ञान वाला भी निकाल सकता है। २ पंक्ति का स्थाई व २ का अन्तरा। ६४ मात्रा में सम्पूर्ण एक रचना। इस पर युगल मंत्र व महामंत्र गाया जा सकता है। १६ अक्षर १६ मात्राओं पर सरलता के लिए रखे गये हैं। मीड़ आदि तो गायकी व नायकी के विज्ञ स्वत: लगा लेंगे उदाहरण के लिए राग बिलावल में महामंत्र भी युगलमंत्र के साथ दिया हुआ है इसी प्रकार सभी रागों को समझ लेना चाहिये इन्हीं पर तत्सम्प्रदाय विशिष्ट आचार्यगत कीर्तन भी चल सकते हैं। जैसे-

''श्रीनिम्बार्क श्रीहरिव्यास, युगलकिशोर सदा सुखरास।''
''राधा वल्लभ श्रीहरिवंश, श्रीवृन्दावन श्रीवनचन्द।''
''कुंजविहारी श्रीहरिदास, बीठल विपुल विहारिनीदास।''
''वल्लभ बिट्ठल गिरिधारी, यमुनाजी की बलिहारी।''
''श्रीकृष्ण चैतन्य प्रभु नित्यानन्द, हरेकृष्ण हरेराम राधे गोविंद।''

यदि कहरवा बजाना हो तो ४ मात्रा के विभाग में ८ मात्रा लाकर दुगुन में कहरवा कर दिया जाय। इन्हीं स्वरलिपियों पर पद भी गाये जा सकते हैं क्योंकि सभी रचनाएँ सरलतम हैं।

राग– अल्हैया बिलावल

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	षाडव–सम्पूर्ण	ध / ग	नी कहीं–कहीं	म / ०	सारेगप धनीसां	सांनीधप मगरेसा	प्रातः काल

स्थाई

ग प ध नी	**सां – – –**	**ध नी ध प**	**म प म ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ह रे कृ ष्ण	ह रे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	ह रे ह रे
ग म रे ग	**प – ग म**	**रे ग प म**	**ग – सा –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे
ह रे रा म	ह रे रा म	रा म रा म	ह रे ह रे

अन्तरा

प – ध नी	**सां – – –**	**गं रें गं मं**	**गं रें सां –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ह रे कृ ष्ण	ह रे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	ह रे ह रे
म नी ध प	**ग रे प म**	**प ग – म**	**ग – सा –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे
ह रे रा म	ह रे रा म	रा म रा म	ह रे ह रे

इसी प्रकार अन्य सभी रागों में महामन्त्र समझ लेना चाहिए।।

राग–''बिहाग''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	औडव–संम्पूर्ण	ग/नी	० / ०	रे, ध/०	साग मप नीसां	सां नीधप मंग रेसा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

सा - ग म	**प - नी -**	**सां - नी -**	**प - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग म प म	**ग - सा -**	**नी़ प़ नी़ -**	**सा - - -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - सां -	**- - - -**	**- - नी प**	**प सां नी -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी ध प	**मं प मं प**	**ग म प म**	**ग - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग-शंकरा

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	औडव-	ग / नी	० / ०	रे, म / म	साग प नीध सां	सांनीप नीध गप गरेसा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

सां - नी -	**प - ग प**	**प नी ध सां**	**नी - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - ग प	**ग - सा -**	**सा - ग -**	**प नी ध सां**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - - -	**सां - - -**	**- - - -**	**नी - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - सां -	**गं - सां -**	**नी - रें सां**	**नी - प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– देशकार

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	औडव	ध / ग	० / ०	म,नी / म,नी	सारेग प ध सां	सांध प गपधप गरेसा	दिन का प्रथम प्रहर

स्थाई

सां ध सां -	**ध - प -**	**ग प ध प**	**ध - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - ग प	**ध - प -**	**ग प ध प**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प ध सां ध	**सां - - -**	**सां ध सां रें**	**सां - ध प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
गं रें सां रें	**सां - ध प**	**ग प ध प**	**ध ग प ध**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग- मांड

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	संपूर्ण	सा / प	० / ०	० / ०	सागरे मगपम धपनीध सां	सांधनीप ध मपगमसा	सर्व कालिक

स्थाई

सां - सां -	**नी सां ध प**	**सां ध म -**	**- - प ध**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प ध म प	**ग - रे सा**	**रे - सा -**	**गरे मग पम धध**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्याा म श्या म	राऽ धेऽ राऽ धेऽ

अन्तरा

नी - सां -	**नी सां ध म**	**सां ध म -**	**प ध नी -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग - - म	**रे - सा -**	**ग म प ध**	**नी प ध प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग- मांड

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	संपूर्ण	सा / प	० / ०	० / ०	सागरे मगपम धपनीध सां	सांधनीप ध मपगमसा	सर्व कालिक

स्थाई

नी रें सां रें	**नी सां ध म**	**प ध म -**	**प ग म -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग - रे म	**ग प म प**	**म ध प नी**	**नी प ध प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

सां - - -	**नी सां ध प**	**सां - - -**	**रें - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां ध म -	**प ध म प**	**मग पम धप मप**	**ग - म सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्याऽ मऽ श्याऽ मऽ	रा धे रा धे

राग "मिश्रमांड"

स्थाई (1)

रे - म -	प - ध नी	ध - प -	नी धपमग रेसा
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धेऽराऽ धेऽ
म - प ध	प - ध प	सां - - -	ध प म -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

स्थाई (2)

सा - रे -	म मप ग सा	ग - रे -	सा - - -
रा धे कृ ष्ण	रा धेऽ कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग म रे सा	म - प ध	नी - ध -	प - - -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

सां - - -	- - - रें	सां गं रें गं	सां रें सां सां
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
गं रें मं गं	रें सां - रें	नीसां धनी पध मप	पग पग मग रेसा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्याऽ मऽ श्याऽ मऽ	राऽ धेऽ राऽ धेऽ

राग– खमाज

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	षाडव संपूर्ण	ग / नी	दोनों नी / ०	रे / ०	सा ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

सा - ग -	**म - ग -**	**म प - ग**	**म - - ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध नी ध प	**ग म प ध**	**ग - म प**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

ग म ध नी	**सां - नी सां**	**नी - सां रें**	**सां नी ध -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - - सां	**- नी ध प**	**नी ध - ग**	**प म ग -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– देश

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	औडव संपूर्ण	रे / प	दोनों नी / ०	ग, ध / ०	सा रे म प नी सां	सा नी ध प ध म ग रे ग नी़ सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

म प नी -	**सां - - -**	**सां रें सां नी**	**ध प - ध**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म ग रे -	**ग - नी़ सा**	**रे - म -**	**प - - -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म - - -	**प - नी -**	**सां - - -**	**नी - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें गं रें मं	**गं रें नी सां**	**ध म प ध**	**म ग रे -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– तिलक कामोद

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	षाडव संपूर्ण	रे / प	० / ०	नी / ०	सारेगसा, रेमपध मप सां	सांपधमग सारेग सानी़	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

नी़ प़ नी़ सा	**रे ग नी़ सा**	**रे ग रे प**	**म ग नी़ सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे म प ध	**म प सां प**	**ध म ग सा**	**रे ग नी़ सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प नी -	**सां - - -**	**सां रें सां रें**	**गं - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प नी सां रें	**नी सां प ध**	**म प ध म**	**ग - रे -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग- गौड़मल्हार

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	संपूर्ण	म / सा	नी नी दोनों /०	० / ०	सा रे ग म, रे प, म प ध नी सां	सां नी ध नी प म ग रे ग (रे) सा, रे ग म	वर्षा ऋतु

स्थाई (1)

रे ग रे म	**ग रे सा -**	**रे ग रे ग**	**म प म ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे - प म	**प - म प**	**ध सां ध प**	**म प म ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - - -	**सां ध सां -**	**- - - -**	**- रें सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - सां -	**ध नी प -**	**रे ग रे ग**	**म प म ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

स्थाई (2)

ग - सा -	**- ग - -**	**प - म -**	**- - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म रे प म	**प - म प**	**ध सां ध प**	**म प म -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म रे प म	**नी प नी –**	**सां – – –**	**ध – नी प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
× ग – म	**ग रे सा –**	**× ग – –**	**म प म ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– जयजयवन्ती

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	षाडव–सम्पूर्ण वक्र	रे / प	ग, नी / ०	ध / ०	सारे गरेसा नीधपरे गम पनीसां	सांनीधप धम रेगरेस	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई (1)

सा – ध़ नी़	**रे ग रे सा**	**ग म ग म**	**रे ग रे –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी़ – सा –	**रे ग रे सा**	**नी ध म प**	**रे ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा (1)

म प नी –	**सां नी सां –**	**रें गं रें सां**	**– नी ध प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी ध प	**ग – म प**	**म ग म रे**	**नी़ – सा –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई (2)

रे - - ग	रे सा रे नी़	सा - - -	- नी़ ध़ -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे - ग -	रे ग म प	म - ग म	रे ग रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प ध नी	ध - - -	म ध सां -	नी ध प -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प गं रें -	गं रें सां नी	ध प म ग	रे ग रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग- कलावती

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	औडव–	प / स	नी / ०	रे, म/रे, म	सागपध नीधप, धसां	सांनीधप गप धप गसा	मध्य रात्रि

स्थाई

ग प ध सां	**नी - - -**	**ध नी प ग**	**ध - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा ग सा ग	**प ग प ध**	**नी ध प ध**	**प ग प ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग प ध -	**नी - ध -**	**सां - - -**	**गं - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
गप ध - -	**नी ध - प**	**सां नी ध नी**	**ध प ध ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग- दुर्गा

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल-तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलाबल	औडव	म / सा	० / ०	ग नी / ग नी	सा रे म प ध सां	सां ध प म रे सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

सा म रे प	**म प ध प**	**ध - - -**	**प म रे सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध़ - सा -	**रे - सा -**	**प - - ध**	**म - रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म - प ध	**सां - - -**	**ध - सां रें**	**सां - ध -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें सां रें सां	**ध - म प**	**ध सां ध प**	**म रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– गारा

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	सम्पूर्ण	ग / नी	ग, नी दोनों / ०	० / ०	सारेगरे गमपध नीसां	सांनीधनी पमगरे गरेसा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

नी़ - सा रे	नी़ सा ध़ नी़	सा - - नी़	सा - - -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध़ नी़ रे सा	रे ग - म	रे ग रे -	सा नी़ सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा 1

सा - ग म	प - - -	ग म प म	ग रे सा -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग म प ध	नी ध प -	ग म ग म	रे ग रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा 2

ग म ध नी	सां - - -	सां नी ध प	ध नी ध प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प ध नी ध	प म ग म	रे ग - म	रे ग सा नी़
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– सुघराई कान्हरा

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	षाडव–सम्पूर्ण	प / सां	ग दोनों नी / ०	ध / ०	सा रे ग म प नी सां	सां नी ध प म प ग म रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई (क)

सां - नी प	**मरे म रेसा रे**	**ग - म -**	**प - - -**
रा धे कृ ष्ण	राऽ धे कृऽ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प रें सां रें	**नी सा नी प**	**ग - - म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प नी -	**सां - - -**	**प रें सां रें**	**नी सां नी प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें - - -	**सां रें सां -**	**ग - - म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी धुन-स्थाई (ख)

सां नी प नी	**म प सा रे**	**ग - म प**	**रे - सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे म रे सा	**रे - सा -**	**सां नी प -**	**नी म प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म प नी प	सां - - -	सां - - -	रें - सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां - - रें	सां रें सां रे	ग - म प	रे - सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– गोरख कल्याण

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	औडव–षाडव	म / सा	नी / ०	ग, प / ग	सा रे म ध नी ध सां	सां नी धपम रेसा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

नी - ध म	नी - ध -	म रे नी़ ध़	सा - - -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध़ - सा रे	म - - -	म - ध नी	ध - म -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म रे नी ध	सां - - -	ध नी रें -	नी - ध -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी ध सां -	नी ध म -	रे म नी ध	म रे नी़ सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– भैरव

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	सम्पूर्ण	ध / रे	रे ध / ०	० / ०	सारेगम पध नीसां	सांनीध पमग रे सा	प्रातः काल

स्थाई

सा – ध –	**प – ध म**	**प – – –**	**म – ग –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म ग म ग	**रे – ग प**	**म ग म ग**	**रे – सा –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म – प ध	**नी – सां –**	**रें – सां –**	**ध – प –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी ध प	**म ग म प**	**ध – प म**	**ग रे सा –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– कालिंगड़ा

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	सम्पूर्ण	प / सा	रे ध / ०	० / ०	सारेगम प ध नी सां	सांनीधप मग रेसा	रात्रि का अन्तिम प्रहर

स्थाई

प - | **ध प म ग** | **म - प -** | **ध - - -** | **प म - प**
रा धे | कृ ष्ण रा धे | कृ ष्ण कृ ष्ण | कृ ष्ण रा धे | रा धे रा धे

ग म ग रे | **ग म प -** | **म ग म ग** | **रे सा**
श्या म रा धे | श्या म श्या म | श्या म रा धे | रा धे

अन्तरा

प ध | **म प ध नी** | **सां - - -** | **सां रें सां रें** | **नी - सां -**
रा धे | कृ ष्ण रा धे | कृ ष्ण कृ ष्ण | कृ ष्ण रा धे | रा धे रा धे

नी - सां रें | **सां - प ध** | **ध रें सां नी** | **ध प**
श्या म रा धे | श्या म श्या म | श्या म रा धे | रा धे

राग– रामकली

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	सम्पूर्ण	प / सा	रे ध, नी दोनों में / दोनों म, म॑	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध, प म॑ प ध नी ध प म॑ प ग म रे सा	दिन का प्रथम प्रहर

स्थाई

ग म नी ध	**प – म॑ प**	**ध प म –**	**प म ग –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म ग म ग	**रे – ग प**	**म ग म ग**	**रे – सा –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म – – –	**प – ध –**	**नी सां – –**	**रें – सां –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी – सां –	**ध नी ध प**	**म॑ प ग म**	**रे – सा –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– अहीर भैरव

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह-अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	सम्पूर्ण	म / सा	रे नी / ०	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	प्रातः काल

स्थाई

प - ग रे	**ध - नी -**	**सा - - रे**	**म ग प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - ध -	**नी - ध म**	**प नी ध प**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - ध नी	**सां - - -**	**- - - नी**	**रें - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां - नी ध	**नी ध प म**	**प - म ग**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग- जोगिया

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	औडव षाडव	म / सा	रे ध / ०	ग, नी / ग	सा रे म प ध सां	सां नी ध प ध म रे सा	प्रातः काल

स्थाई

सा रे म -	**प नी ध प**	**म ग रे -**	**सा - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा रे सा रे	**म - - -**	**रे - म प**	**ध - प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प ध	**सां - - -**	**सां रें सां रें**	**सां नी सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां रें सां ध	**प ध म प**	**नी ध प म**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– भैरवी

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह-अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरवी	सम्पूर्ण	म / सा	रे ग ध नी / ०	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	प्रातः काल

स्थाई

ग - रे सा	**नी सा ध -**	**नी ध - ग**	**म ध म प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग म ग रे	**सा नी ध म**	**ध नी ग -**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

नी - ध नी	**ध प म ग**	**म ध नी सां**	**ध नी सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
गं रें सां नी	**ध प म ग**	**नी ध प म**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "कोमलरिषभ आसावरी" रे

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	औडव-षाडव वक्र	ध / रे	रे ग ध नी / ०	ग, नी / प	सा रे म प ध सां	सां रें नी ध म प ध म ग रे ग रे नी ध रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

ध म प नी	ध - प -	ध म प -	ग - रे सा
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे - म -	प - - -	सां - - -	रें नी ध प
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प ध	सां - - -	ध - - -	सां - - -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प गं - -	रें - सां -	रें - ध -	प ध म प
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "मालकौंस"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरवी	औडव	म / सा	ग ध नी / ०	रे प / रे प	नी सा ग म ध नी सां	सां नी ध म ग म ग सा	रात्रि तीसरा प्रहर

स्थाई

म - ग सा	**नी सा ध नी**	**सा - म -**	**- - - ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग - म -	**ध - म ध**	**ग - म ध**	**ग म ग सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग म ध नी	**सां - - -**	**नी सां ध नी**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - - -	**- - - सां**	**ध नी सां नी**	**ध नी ध म**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "तोड़ी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह-अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
तोड़ी	सम्पूर्ण	ध / ग	रे ग ध / म	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

ध - - -	**प म प ध**	**म ग - म**	**रे ग - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - ग म	**ग - रे ग**	**रे ग रे -**	**सा - - -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - ध -	**म ग म ध**	**सां - - -**	**नी रें सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - सां रें	**नी ध प म**	**ध प म ग**	**रे ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

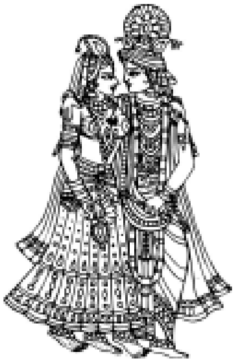

राग "मुल्तानी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
तोड़ी	औडव संपूर्ण	प / सा	रे ग ध / मं	रे ध / ०	नि़ स ग मं प नी सां	सां नी ध प मं ग रे सा	दिन का चौथा प्रहर

स्थाई (1)

नि़ सा मं ग	प मं ध प	मं प नी ध	प ध प मं
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग मं प नी	सां नी ध प	मं ग - मं	ग रे सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प मं ग मं	प नी - सां	नी सां गं रें	सां नी ध प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
मं प नी ध	प ध प मं	ग मं प मं	ग रे सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई (2)

प ग - रे	- - सा -	प मं प -	मं ग मं प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
मं प नी ध	प - मं प	प - मं ग	- - प -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म॑ - प - | ग - म॑ प | नी - सां नी | सां - - -
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
नी - सां - | रें - सां - | नी - सां नी | प म॑ प -
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

राग ''बागेश्री''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन
काफी	औडव सम्पूर्ण वक्र	म / सा	ग नी / ०	रे, प / ०	नी़ सा म ग म ध नी सां	सां नी ध म प ध म ग रे सा, नी़ सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

म - ग रे | सा - ध़ नी़ | सा - म - | - - - ग
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
म - ध - | नी - ध म | म प ध म | ग - रे सा
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

अन्तरा

म - ध नी | सां - - - | नी सां रें सां | नी सां नी ध
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे

सां - - - | नी - ध म | प ध म - | ग - रे सा
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

राग "सारंग"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव-षाडव	रे / प	नी / म मं	ग ध / ग	सारेमंप मपनीसां	सांनीपमं पधपमरेऩीसा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई (क)

ऩी सा रे सा	**रे - - -**	**रे मं प म**	**प - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - रे -	**प - - म**	**रे - सा रे**	**ऩी सा - -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

मं - प -	**नी - प मं**	**म प नी -**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी सां रें -	**सां - - -**	**नी प म -**	**प - - -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

स्थाई (ख)

नी सां रें सां	**नी - प मं**	**रे मं प म**	**प - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - रे -	**प - - म**	**रे - सा रे**	**ऩी - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - - -	**प - नी प**	**नी - - -**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें - - -	**मं - रें -**	**नी - - -**	**सां - - -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "भीमपलासी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव संपूर्ण	म / सा	नी ग / ०	रे, ध / ०	नी सा ग म प नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	दिन का तीसरा प्रहर

स्थाई

प नी ध प	**म प ग म**	**प - - म**	**ग रे सा रे**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - - सा	**म - - -**	**म प ग म**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - - -	**म प ग म**	**प - नी -**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - - -	**सां - - रें**	**नी - - सां**	**नी ध प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "मियां मल्हार"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह-अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	सम्पूर्ण षाडव वक्र	प / सा	ग व दोनों नी	० / ध	नी़ सा, म रे प ग म रे सा म रे प नी ध नी सां	सां नी ध नी प म प ग ग म रे सा	वर्षा ऋतु मध्य रात्रि

स्थाई (1)

सा म रे सा	**नी़ - प़ -**	**नी़ - ध़ नी़**	**सा - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा - - -	**रे - सा -**	**- प म प**	**ग म रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प -	**नी ध नी -**	**सां नी सां -**	**नी सां - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां रें सां -	**नी - प -**	**नी प म प**	**ग म रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी धुन-स्थाई (2)

नी प म प	**सां - - -**	**- - ध प**	**ग - - म**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प ग - म	**रे - सा -**	**नी़ - ध़ -**	**नी़ - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - रे प	**- - नी ध**	**नी सां - नी**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध - - -	**नी सां - -**	**रें नी सां -**	**नी - प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "बहार"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	षाडव-षाडव	म / सा	ग, नी दोनों /०	रे / ध	नी सा ग म प ग म ध नी सां	सां नी प म प ग म रे सा	मध्य रात्रि

स्थाई (1)

सां - - -	**नी प म प**	**ग - - म**	**रे - सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा - म -	**म प ग म**	**म नी ध नी**	**सां - ध नी**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग - म -	**नी ध नी -**	**सां - नी -**	**सां नी सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां रें सां रें	**नी सां नी सां**	**नी प म प**	**नी ध नी -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई (2)

नी - प -	**म प ग म**	**ध - नी -**	**सां - नी सां**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां - - -	**नी - प -**	**ग - - म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

ग म ध नी	**सां - - -**	**नी - ध नी**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - सां -	**रें - सां -**	**नी - ध -**	**नी - सां -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "शिवरंजनी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव	प / सा	ग / ०	म नी म नी	सा रे ग प ध सां	सां ध प ग रे सा	मध्य रात्रि

स्थाई

रे ग सा ध़	**सा ग रे -**	**ग रे सा ध़**	**सा - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा रे ग प	**- - - -**	**ध - प ग**	**रे - ग -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

प - ध -	**सां ध सां -**	**रें - सां -**	**ध - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां - ध प	**ध प सां -**	**ध प ग रे**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "काफी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	संपूर्ण	प / सा	ग नी / ०	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	मध्य रात्रि

स्थाई

सा ग रे ग	**सा रे म -**	**प - - -**	**- - - म**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प नी ध नी	**प ध म प**	**रे नी ध प**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प ध	**नी - सां -**	**रें गं रें सां**	**रें नी सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प रें सां रें	**नी ध प म**	**रें नी ध प**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "आसावरी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
आसावरी	औडव संपूर्ण	ध / ग	ग ध नी / ०	ग नी / ०	सा रे म प ध सां	सां नी ध प म ग रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

ध म प सां	**ध - प -**	**ग रे म -**	**प ध प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग - - -	**रे - सा -**	**रे - म -**	**प ध प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प -	**ध - - -**	**सां - - -**	**रें नी सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - गं -	**रें - सां -**	**रें - नी -**	**ध - प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "जौनपुरी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
आसावरी	षाडव-संपूर्ण	ध / ग	ग नी ध / ०	ग / ०	सा रे म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई (1)

नी़ सा रे -	**ग - रे सा**	**नी़ सा रे सा**	**ध़ नी़ प़ -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - प -	**रें - सां नी**	**ध म प -**	**ग - रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अथवा स्थाई (2)

प सां नी सं	**ध प ध म**	**ग - - रे**	**ग - सा रे**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - प -	**प रें सां रें**	**नी - सां रें**	**नी सां ध प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा (1)

म प ध नी	**सां - नी सां**	**ध नी सां गं**	**रें सां ध प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
गं - रें सां	**रें नी ध प**	**म प ध प**	**ग - रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "दरबारी कान्हरा"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह-अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
आसावरी	सम्पूर्ण वक्र	रे / प	ग ध नी / ०	० / ०	ऩी सा रे ग रे सा, म प ध नी सां	सां ध नी प म प ग म रे सा	मध्य रात्रि

स्थाई (1)

रे - सा -	**ऩी सा रे -**	**ग - - रे**	**- - सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - प -	**नी - प -**	**ग - - म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म - प -	**ध - नी -**	**सां - - -**	**रें - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें - सां -	**ध - नी प**	**म - प -**	**ग म रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई (2)

रे सा ऩी स	**ध़ ऩी म़ प़**	**ध़ - ऩी -**	**सा - ऩी सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे - - -	**रे ग सा रे**	**ग - - -**	**रे - ग सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म प ध नी	सां - - -	रें - नी सां	ध - नी प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे म रे सा	नी सा रे -	प - - -	ग म रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

तीसरी रचना-स्थाई (3)

रे - सा -	ध - नी -	सा - - -	रे - सा -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग - - म	रे - सा -	ध - नी रे	सा - - -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प -	नी प नी -	सां - - -	- - - -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - सां नी	सां - सा रे	ग - - म	रे - सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "अडाणा"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
आसावरी	षाडव सम्पूर्ण वक्र	सा / प	ग ध व दोंनो नी, नी / ०	ग / ०	सा रे म प ध नी सां	सां ध नी प म प ग म रे सा	रात्रि का तीसरा प्रहर

स्थाई (1)

म - प -	**सां - नी ध**	**नी सां - सां**	**रें - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - प नी	**प - ग -**	**ग म रे सा**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प ध नी	**सां - - -**	**नी सां रें सां**	**- ध नी प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - प सां	**- ध नी प**	**नी म प सां**	**नी प नी सां**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई (2)

प सां - रें	**सां - - -**	**ध - - -**	**नी - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - म ग	**म - रे सा**	**सा रे म प**	**ध - नी प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प नी प नी	**सां - - -**	**नी सां - नी**	**सां रें सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें - सां रें	**सां - नी ध**	**नी - रें -**	**सां - नी प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

तीसरी रचना-स्थाई (3)

रें सां रें नी	**सां म प सां**	**- - नी ध**	**नी - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - प -	**नी - ग -**	**- म रे सा**	**ध - नी सां**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

नी - - -	**सां - - -**	**रें - सां -**	**ध - नी प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें - सां ध	**नी प - रे**	**म - प -**	**नी - सां -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

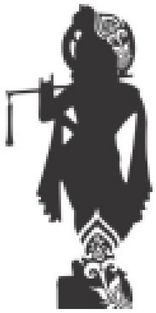

राग "देवगंधार"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह-अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
आसावरी	औडव-संपूर्ण	ध / ग	ग ध नी / ०	रे ध / ०	सा ग म प नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई (1)

प म प सां	**ध - प -**	**ध म प -**	**ग - रे सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे नी सा रे	**ग - म -**	**रे म ध प**	**ग - रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म प ध -	**सां - - -**	**प ध सां रें**	**गं - रें सां**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प गं - -	**रें - सां -**	**रें नी रें सां**	**नी - ध प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई (2)

रे नी सा रे	**ग - म -**	**ग - रे -**	**म - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे - म -	**प - - -**	**ग - रे -**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

ध - - -	सां - रें -	गं - रें सां	रें नी ध प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म प नी -	ध प म प	नी ध प म	ग - रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "गांधारी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
आसावरी	षाडव-सम्पूर्ण	ध / ग	ग ध, नी रे दोनों नी रे / ०	ग / ०	सा रे म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

म - प सां	- - ध प	ध म मप धप	ग - रे सा
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा - रे म	म प - -	ध म प सां	ध प ध म
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प -	ध - - सां	ध - सां रें	सांरें गं रें सां
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - सां रें	नी ध प ध	ध म - प	ध - प -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "पूर्वी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
पूर्वी	सम्पूर्ण	ग / नी	रे॒ ध॒ / म म॑	० / ०	सा रे॒ ग म॑ प ध॒ नी सां	सां नी ध॒ प म॑ ग रे॒ सा	दिन का अन्तिम प्रहर

स्थाई

सा रे॒ ग म॑	**प - - -**	**- ध॒ म॑ प**	**ग म ग -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - म॑ -	**ग म॑ ग -**	**म॑ ध॒ म॑ ग**	**रे॒ - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म॑ ग म॑ ध॒	**सां - - -**	**सां रें॒ सां रें॒**	**नी - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी रें॒ नी ध॒	**प - म॑ प**	**ग म ग -**	**म॑ ग रे॒ सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "श्री" (आरोह)

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
पूर्वी	औडव–सम्पूर्ण	रे / प	रे ध / मं	ग, ध / ०	सा रे मं प नी सां	सां नी ध प मं ग रे सा	सायं काल

स्थाई

रे - - मं	**ग रे सा -**	**प - - मं**	**प ध प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प मं प ध	**मं ग रे -**	**मं ग रे सा**	**नी़ स रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

मं प नी सां	**रें - सां -**	**नी - सां -**	**नी ध प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां प नी ध	**मं ग रे सा**	**सा ध मं -**	**ग - रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "पूरिया धनाश्री"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
पूर्वी	सम्पूर्ण	प / रे	रे ध / मं	० / ०	नी़ रे ग मं प ध प नी सां	रें नी ध प मं ग मं रे ग रे सा	सायं काल

स्थाई (क)

प - ध ग	मं ध रें नी	ध - प -	- ध प -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
मं ध मं ग	मं रे ग -	मं रे ग मं	ग रे सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

मं - ग -	मं - ध -	सां - - -	रें - सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - - रें	नी ध प -	मं ग - मं	ग रे सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई (ख)

नी़ रे ग मं	प ध प -	मं ग - मं	ग रे सा -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी़ रे ग रे	नी़ रे सा -	मं - ग मं	ग रे सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग - मं ध	सां - - -	- - - -	नी रें सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी सां नी रें	नी ध प मं	ध प मं ग	रे ग रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "बसंत"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
पूर्वी	षाडव-सम्पूर्ण	सा / म	रे ध दोनों / म मं	प / ०	सा ग मं ध रें सां	रें नी ध प मं ग मं ध म ग रे सा	रात्रि का अंतिम प्रहर एवं बसंत ऋतु में हर समय

स्थाई

सां नी ध नी	ध प मं ग	मं ध सां -	रें - सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - मं ग	मं ग रे सा	म - ग -	नी ध मं ध
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - मं ग	मं - ध -	सां - - -	- रें सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध सां नी ध	प - मं ग	नी - मं ग	मं ग रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "परज"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
पूर्वी	षाडव सम्पूर्ण	सा / प	रे ध / म म दोंनों	० / ०	नी़ सा ग म प ध नी सां	सां नी ध प म प म ग रे सा	रात्रि का अन्तिम प्रहर

स्थाई

ध सां नी ध | प ध म ध | नी - सां - | सां रें नी सां
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे

ध नी सां रें | सां नी ध प | म ग म ग | रे - सा -
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

अन्तरा

ग - म ध | नी - सां - | सां रें नी सां | नी ध नी -
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे

ध रें सां रें | सां नी सां - | नी सां नी ध | म ध नी -
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

राग "जैतश्री"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
पूर्वी	औडव-सम्पूर्ण	ग / नी	रे ध, / मं	रे ध / ०	सा ग मं प नी सां	सां नी ध प मं ग रे सा	सायं काल

स्थाई

प - ग रे	**सा - ग मं**	**प - - -**	**ध - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
मं प ग मं	**प - - -**	**मं ग मं ग**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

मं प नी -	**सां - - -**	**नी - - रें**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी ध प	**- - मं प**	**मं ग मं ग**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

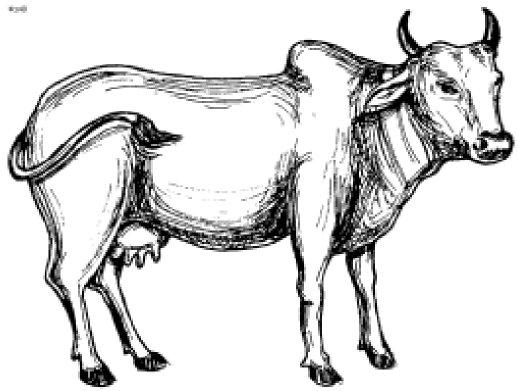

राग "मारवा"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
मारवा	षाडव-षाडव	रे / ध	रे॒ / म॑	प / प	सा रे॒ ग म॑ ध नी ध सां	सां नी ध म॑ ग रे॒ सा	दिन का अंतिम प्रहर

स्थाई

ध म॑ - ध	**म॑ - ग -**	**म॑ - ग म॑**	**ग रे॒ नी़ -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध़ - म़॑ ध़	**नी़ - रे॒ -**	**ग रे॒ म॑ ग**	**रे॒ - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग - - -	**म॑ - ध -**	**सां - - -**	**नी रें॒ सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - - रें॒	**नी - ध -**	**म॑ ग म॑ ध**	**म॑ ग रे॒ सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "सोहनी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
मारवा	औडव-षाडव वक्र	ध / ग	रे / म	प (रे) / प	सा ग म ध नी सां	सां रे सां नी ध म ध म ग रे सा	रात्रि का अंतिम प्रहर

स्थाई

सां - - -	**नी ध म ध**	**सां - - नी**	**ध नी ध -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - ध -	**म - ग -**	**म ग म ग**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

ग - म ध	**नी - सां -**	**- रें सां रें**	**नी - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी रें गं -	**मं गं रें सं**	**नी - - सां**	**नी ध म ध**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "पूरिया"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमलरु/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
मारवा	षाडव षाडव	ग / नी	रे / मं	प / प	नी़ रे सा ग मं ध नी रें सां	सां नी ध मं ग रे सा	संधि-प्रकाश काल

स्थाई

मं - ग मं	ग रे सा -	नी़ ध़ नी़ -	सा रे सा -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी़ रे ग -	मं रे ग -	ग मं ध ग	मं ग रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

मं - ग -	मं ध सां -	- - - -	- रें सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी रें नी ध	मं ध मं ग	मं रे ग मं	ग रे सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "ललित"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
मारवा पूर्वी	षाडव वक्र	म / सा	रे / म, म दोनों	प / प	नी़ रे ग म म म ग म ध सां	रें नी ध म ध म म ग रे सा	रात्रि का अन्तिम प्रहर

स्थाई (1)

नी़ रे ग रे	सा - नी़ रे	ग - म -	- म म ग
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग ध म ध	सां - रें नी	ध नी ध म	ध म म ग
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग - म ध	सां - - -	- - - -	नी रें सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां - - -	नी - ध -	म - ध नी	म ध म म
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई (2)

सां - - -	नी ध - म	ध - - म	म - - -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग रे ग म	ग रे सा -	नी़ रे ग म	- - - ग
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म॑ ध॒ म॑ ध॒	सां - - -	- - - -	- रें॒ सा -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें॒ - - -	नी - रें॒ -	नी रें॒ नी ध॒	म॑ ध॒ म॑ म
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "पूरिया कल्याण"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
मारवा	सम्पूर्ण	रे / ध	रे॒ / म॑	० / ०	सा रे॒ ग म॑ प ध नी सां	सां नी ध प म॑ ग रे॒, ग रे॒ सा	संध्या काल

स्थाई

म॑ ग रे॒ सा	रे॒ सा नी़ -	रे॒ ग रे॒ ग	म॑ प म॑ प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म॑ ध नी ध	म॑ ध प -	म॑ ग रे॒ ग	रे॒ - सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ध नी ध नी	सां - - -	नी - सां रें॒	- - सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें॒ नी ध प	म॑ ध नी ध	प म॑ ग रे॒	ग रे॒ सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग ''यमन''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	सम्पूर्ण	ग / नी	० / म॑	० / ०	सा नी़ रे ग म॑ प ध नी सां	सां नी ध प म॑ ग रे सा	संध्या काल

स्थाई

नी ध प म॑	**प म॑ ग म॑**	**प - - -**	**- - - म॑**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग - - रे	**ग म॑ प म॑**	**ग रे ग रे**	**नी़ रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - सां -	**सां - - -**	**सां - नी ध**	**नी ध प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प म॑ ग प	**रे - सा रे**	**ग म॑ प म॑**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "भूपाली या भूप"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	औडव	ग / ध	० / ०	म, नी / म नी	सा रे ग प ध सां	सां ध प ग रे सा	रात्रि का प्रथम प्रहर

स्थाई

सा रे ग रे	**ग – – –**	**– – रे ग**	**प – ग –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग – – रे	**ग प ध प**	**ग रे ग रे**	**सा रे ध़ –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग – – –	**प – सां ध**	**सां – – –**	**– रें सां –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध – – –	**सां – – –**	**सां रें सां –**	**ध प ग –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग ''हमीर''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	सम्पूर्ण	ध / ग	०/ दोनों म म॑	० / ०	सा रे सा, ग म ध, नी ध सां	सां नी ध प म॑ प ध प ग म रे सा	रात्रि का प्रथम प्रहर

स्थाई (1)

म॑ प ध - | म॑ प ग म | ध - - - | सां नी ध प
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
प - ध - | प - - - | ग म रे - | सा रे सा -
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

अन्तरा

प - सां - | - - - - | - - - - | - रे सां -
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
नी ध सां रें | सां नी ध प | म॑ प ध प | ग म रे सा
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई (2)

ध - - - | नी ध सां - | ध नी प ध | म॑ प ग म
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
ग म ध प | ग - म रे | म॑ प ग म | रे सा रे सा
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

अन्तरा

प - सां -	**- - रें सां**	**ध - सां रें**	**सां नी ध प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
गं - मं रें	**सां रें सां -**	**ध - सां रें**	**सां नी ध प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "केदार"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	औडव–सम्पूर्ण	सा / म	०/ दोनों म,म॑	रे ग / ग	सा म, म प, ध प, नी ध सां	सां नी ध प म॑ प ध प, ग म रे सा	रात्रि का प्रथम प्रहर

स्थाई

सा - - -	**म - - ग**	**प - - -**	**म॑ - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म॑ प ध प	**म - - -**	**रे - - -**	**सा रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - - -	**सां - - -**	**- - - -**	**- रें सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध - सां -	**रें - सां -**	**ध नी॒ प म॑**	**ध प म -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "शुद्ध कल्याण"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	औडव–संपूर्ण वक्र	ग ध	० / मं	म नी / ०	सा रे ग प ध सं	सां नी ध प मं ग रे सा, सां नी ध प मं ग रे सा ग रे ग प रे स	रात्रि का प्रथम प्रहर

स्थाई

ग रे सा –	**प – सा रे**	**ग रे ग –**	**प – ध ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे ग प –	**नी ध प ध**	**प मं ग रे**	**ग प रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प – ग –	**– – प –**	**सां ध सां –**	**– – – रें**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां – ध रें	**गं रें सां रें**	**सां – नी ध**	**मं ध प ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "कामोद"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	षाडव सम्पूर्ण	प / रे	० /दोनों म, मं	० / ०	सा रे प, म प ध प, नी ध सां	सां नी ध प मं प ध प ग म प, ग म रे सा	रात्रि का प्रथम प्रहर

स्थाई

सा रे प -	**मं प ध -**	**प - ग म**	**प ग म रे**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा रे सा -	**ध - प -**	**रे प म प**	**ग॒ म रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

प - सां -	**- रें सां -**	**ध - रें सां**	**ध नी॒ प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म रे प -	**ध़ - प़ -**	**ग म प ग**	**म रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "छायानट"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	सम्पूर्ण	प / रे	० /दोनों म, मं॑	० / ०	सा रे ग म प नी ध सां	सां नी ध प मं॑ प ध प, ग म रे सा	रात्रि का प्रथम प्रहर

स्थाई (क)

प़ - सा -	**रे - सा -**	**रे - ग रे**	**ग म ध प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प ग म रे	**सा रे सा -**	**प - ग -**	**म रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

स्थाई (ख)

रे ग म <u>नी</u>	**ध - प -**	**रे ग म प**	**ग म रे सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग म ग प	**नी - सां रें**	**सां प रें सां**	**ध - <u>नी</u> प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

प नी ध नी	**सां - रें सां**	**गं मं रें सां**	**ध - <u>नी</u> प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - रें -	**सां नी ध प**	**ग म ध प**	**म ग म रे**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "गौड़ सारंग"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	सम्पूर्ण	ग / ध	०/ दोनों म, म॑	० / ०	सा ग रे म ग, प म॑ ध प, नी ध सां	सां ध नी प ध म॑ प, ग म रे, प रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

प - म ग	**रे सा - रे**	**सा - - ग**	**रे म ग -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - ध नी	**सां रें सां -**	**ध प म॑ प**	**म ग म ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - - -	**सां - - -**	**- - - -**	**- रें सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध - - -	**सां - रें -**	**सां रें सां -**	**ध नी̱ प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

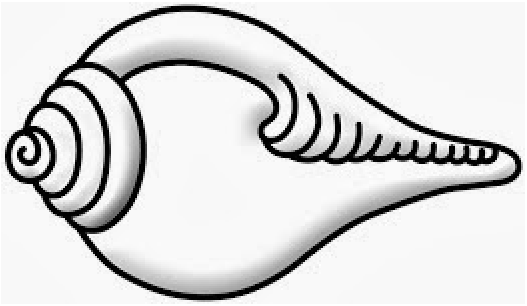

राग "हिंडोल"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	औडव	ध / ग	० / मं	रे प, / रे प	सा ग मं ध नी ध सां	सां नी ध मं ग सा	दिन का प्रथम प्रहर

स्थाई

सां - ध मं	**ग - सा -**	**ध़ सा ग -**	**मं ग सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा - ग -	**मं ध सां -**	**मं सां ध मं**	**ग मं ग मं**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

मं - ग -	**मं - ध -**	**सां - - -**	**- - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध - - -	**सां - - -**	**मं ध नी मं**	**ध - मं ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग ''पीलू''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	सम्पूर्ण	ग / नी	ग॒ ध॒ नी॒, दोनों, ग ध नी / ०	० / ०	नी़ सा, ग॒ रे ग॒ म प ध॒ प नी॒ ध प सां	नी॒ ध प म ग॒ नी़ सा	दिन का तीसरा प्रहर

स्थाई

सा ग॒ रे ग॒	**- रे सा रे॒**	**नी़ - सा रे॒**	**सा नी़ ध़॒ प़**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प़ ध़॒ प़ ध़॒	**नी़ - सा -**	**सा ग॒ रे म**	**ग॒ रे सा नी़**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा (1)

नी़ सा नी़ सा	**रे ग॒ रे -**	**रे ग॒ रे म**	**ग॒ रे नी़ सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग - - -	**म - प -**	**ग॒ रे नी़ सा**	**नी़ सा ग॒ रे**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा (2)

नी़ सा ग म	**प - - -**	**ग म नी॒ प**	**ग॒ - नी़ सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग - - -	**म - ध॒ प**	**ग॒ रे नी़ सा**	**नी़ सा ग॒ रे**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "हंसकिंकिणी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव संपूर्ण	प / सां	ग नी, दोनों ग नी	रे ध / ०	नी़ सा ग म प नी सां	सां नी ध प म प ग म ग रे सा, नी़ सा	दिन का तीसरा प्रहर

स्थाई

ग म प ग	**- रे सा -**	**नी़ - सा ग**	**- म गम प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे राऽ धे
म - प नी	**ध प म ग**	**ग म प ग**	**- रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - - -	**प - नी -**	**सां - नी -**	**सां गं रे सां**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
गं - रें सां	**नी - ध प**	**नी ध प गम**	**प ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "आभोगी कान्हरा"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव वक्र	म / सां	ग / ०	प नी / प नी	सा रे ग म ध सां	सां ध म ग म रे सा, सां ध म ग रे ग म रे सा, रे ध़, ध़ सा	मध्य रात्रि

स्थाई (1)

रे ध़ सा रे	**ग - - म**	**रे सा म -**	**ध - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध रें ध सां	**ध म ग म**	**रे सा ध़ सा**	**ग म रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - - -	**ध - - म**	**म - ध -**	**- सां - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
गं मं रें सां	**सां ध - सां**	**ध म ग म**	**ग म रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई

ध - म -	**ग - रे -**	**ग - - म**	**रे - सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध़ - सा रे	**ग - - -**	**रे - ग म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म ध म ध	**सां ध सां -**	**ध - रें -**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें ध सां ध	**म - - -**	**सां - ग म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "मधुकौंस"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/वरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव-औडव	प / सा	ग, नी / म	रे / ध	सा ग म प नी सां	सां नी प म ग सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

ग म प म	**ग प म प**	**ग - सा नी**	**ग - सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म प नी -	**- - सां नी**	**सां नी प म**	**प नी म प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - ग म	**प - नी प**	**सां - नी -**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - गं -	**सां - गं सां**	**प नी म प**	**ग म प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "मारू विहाग"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	औडव सम्पूर्ण	ग / नी	म / म॑	रे ध / ०	प़ नी़ सा ग म॑ प नी सां	नी रें नी ध प म॑ ग रे सा	दिन का अंतिम प्रहर

स्थाई

नी़ सा ग म॑	**प - म॑ ग**	**ग म॑ ध प**	**म॑ ग रे सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा - म -	**ग सा ग म॑**	**प नी ध प**	**ग म॑ ग रे**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

ग म॑ प नी	**सां - - -**	**नी - ध प**	**(पनी) (सांनी) ध प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - नी रें	**सां नी ध प**	**म॑ ध प म॑**	**ग म॑ ग रे**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "भटियार"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
मारवा	वक्र सम्पूर्ण	म / सा	रे /दोनों म मं	नी ०	सा रे सा, सा ध ऽ ध प म, प ग मं ध सां	रें ऽ नी ध प म, प ग प ग रे सा	रात्रि का अंतिम प्रहर

स्थाई

म - - -	**प - ध म**	**प - ग प**	**ग रे सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा - ध -	**- प म -**	**- ध प म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

मं ध मं ध	**सां - - -**	**- - - -**	**नी रें सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी रें नी ध	**- - नी प**	**मं ध - प**	**म रे - सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "आनन्द भैरव"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	सम्पूर्ण	म / सा	रे / ०	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	प्रातः काल

स्थाई

ग म प म	**रे - सा रे**	**म - - -**	**ग म प म**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - सां -	**ध - नी प**	**ध - नी प**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - सां -	**- रें सां -**	**- रें सां -**	**ध - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें सां ध -	**- - नी प**	**म प म ग**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "प्रभात भैरव"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	सम्पूर्ण	म / सा	रे ध / दोनों म मं	० / ०	सा रे ग मं प ध नी सां	सां नी ध प मं म ग रे सा	प्रातः काल

स्थाई

ग म प -	ध - प म	प म ग रे	ग - - नी
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे ग म -	मं - म -	मं ग रे -	ग रे सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प ध नी	सां - रें सां	ध - नी रें	सां नी ध प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध प म ग	मं ध मं म	ग रे ग मं	ग रे सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "मंगल भैरव"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	औडव	ध / रे	रे̱ / ०	ग नी / ग नी	सा रे̱ म प ध सां	सां ध प म ग रे̱ सा	दिन का प्रथम प्रहर

स्थाई

प - सां -	**ध - म -**	**प - म रे̱**	**ध़ - सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा रे̱ ग रे̱	**सा - - -**	**म प ध प**	**म रे̱ ध़ सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प ध -	**सां - - -**	**रें̱ - - -**	**सां - ध -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध - रें̱ -	**सां - ध -**	**म प ध प**	**म ग रे̱ सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग ''वैरागी भैरव''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	औडव	म / सा	रे नी / ०	ग ध / ग ध	सा रे म प नी सां	सां नी प म रे सा	दिन का प्रथम प्रहर

स्थाई

म प नी प	**म - रे सा**	**नी प नी सा**	**रे सा - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा रे म रे	**म प म प**	**नी - प म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प -	**नी प नी -**	**सां - - -**	**रें - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी सां रें सां	**नी प - म**	**प नी प म**	**रे सा रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "नटभैरव"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	सम्पूर्ण	म / सा	ध / ०	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	दिन का प्रथम प्रहर

स्थाई

रे ग म प	**म - ध प**	**म ग रे सा**	**ग म रे सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग म ध प	**नी ध प म**	**रे - ग म**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग म - -	**ध - नी -**	**सां - - -**	**रें - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध - नी सां	**ध - प -**	**नी ध प म**	**ग म रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग ''गुणकली''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	औडव औडव	ध / रे	रे ध / ०	ग, नी / ग नी	सा रे म प ध सां	सां ध प म रे सा ध सा	दिन का प्रथम प्रहर

स्थाई

प - ध - | प ध प म | ध - म - | रे - सा -
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
ध - सा - | रे - सा - | प - म - | रे - सा -
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

अन्तरा

म - - - | प - - ध | - - सां - | रें - सां -
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
ध - सां - | रें - सां - | ध प म प | म - रे सा
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

राग "बसंतमुखारी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	सम्पूर्ण	रे / ध	रे ध नी / ०	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा नी सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

प - - -	**ध नी सां -**	**ध - प नी**	**ध प म -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध प म ग	**रे - सा -**	**ग - म ग**	**प - ग म**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - ध नी	**सां - - -**	**नी - सां रे**	**सां नी ध प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी ध प म	**ग - म प**	**ध प म ग**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "विलासखानी तोड़ी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरवी	औडव सम्पूर्ण वक्र	ध / ग	रे ग ध नी/०	म नी / पंचम (प)	सा रे ग प ध सां	सां रें नी ध प प ध नी ध म ग रे रे ग रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

सा रे ग प	**ध - नी प**	**ध म रे ग**	**रे - सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा रे ध -	**सा - - रे**	**ग प ध म**	**रे ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - - ध	**सां - - रें**	**गं - रें सां**	**रें - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी ध रें -	**नी ध म ग**	**ग प ध नी**	**ध म ग रे**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग ''सालगवरारी तोड़ी''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
तोड़ी	षाडव	ध / ग	रे ग नी / ०	० / ०	सा रे ग प ध नी सां	सां नी ध प ग रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

रे ग रे सा	**नी - सा रे**	**ग - प ग**	**रे ग रे सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग प ध नी	**ध - प -**	**नी - ध प**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - ध नी	**सां - - -**	**- - नी ध**	**नी ध प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध - - -	**- नी ध प**	**नी ध प ग**	**रे ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "खंबावती"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	सम्पूर्ण षाडव	ग / ध	दोनों नी नी / ०	० / रे	सा रे ग म प नी ध सां	सां नी ध प म ग म सा म ग रे ग सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

रे - म प	**ध - म -**	**प ग - म**	**ग - सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - ध -	**सां - - -**	**नी ध प म**	**ध म ग सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प नी -	**सां - रें गं**	**नी - सां रें**	**नी - ध -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध म प ध	**सां - नी ध**	**नी ध म प**	**ग - म सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "रागेश्री"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	औडव षाडव	ग / नी	नी / ०	रे, प / प	सा ग म ध नी सां	सां नी ध म ग म रे सा	रात्रि का द्वितीय प्रहर

स्थाई

ध	-	नी	ध	|	ध	-	-	म	|	ग	-	म	-	|	रे	-	सा	ग
रा	धे	कृ	ष्ण	|	रा	धे	कृ	ष्ण	|	कृ	ष्ण	कृ	ष्ण	|	रा	धे	रा	धे
म	-	रे	-	|	सा	-	-	-	|	नी़	-	ध़	-	|	सा	-	-	-
रा	धे	श्या	म	|	रा	धे	श्या	म	|	श्या	म	श्या	म	|	रा	धे	रा	धे

अंतरा

ग	म	ध	नी	|	सां	-	-	-	|	नी	सां	रें	सां	|	नी	-	ध	-
रा	धे	कृ	ष्ण	|	रा	धे	कृ	ष्ण	|	कृ	ष्ण	कृ	ष्ण	|	रा	धे	रा	धे
ध	नी	सां	नी	|	ध	ग	-	म	|	नी	ध	ग	म	|	रे	-	सा	-
रा	धे	श्या	म	|	रा	धे	श्या	म	|	श्या	म	श्या	म	|	रा	धे	रा	धे

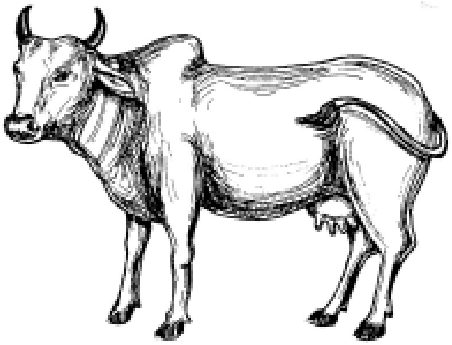

राग "मालगुञ्जी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	षाडव सम्पूर्ण	म / सा	दोनों ग, नी ग, नी / ०	प / ०	सा रे ग म ध नी सां	सां नी ध प म ग रे, ग प म ग रे ग म ग रे सा	रात्रि तीसरा प्रहर

स्थाई

म ग सा रे	**नी़ सा ध़ नी़**	**सा - ग -**	**म - - ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - ध नी	**सां - नी ध**	**प ध नी ध**	**प म ग म**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म - ध नी	**सां - ध नी**	**सां रें गं सां**	**नी सां नी ध**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध - - -	**नी - ध प**	**- ध नी ध**	**प म ग म**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

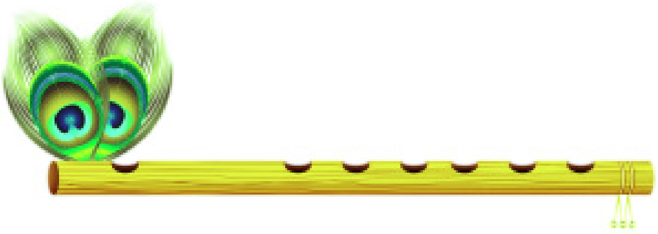

राग "मधुमाद सारंग"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव औडव	रे / प	नी / ०	ग ध / ग ध	नी सा रे म प नी सां	सां नी प म रे सा	अपराह्न

स्थाई

रे म नी प	**रे - सा रे**	**नी सा रे सा**	**रे - - सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे म प म	**प - - -**	**नी - प म**	**प म रे -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प -	**नी - प -**	**नी - सां नी**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे - - -	**सां रें सां नी**	**प नी प म**	**रे म रे -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी रचना-स्थाई

सां - नी प	**म रे म प**	**नी - - -**	**प - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - प -	**नी - प -**	**म रे सा नी**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प नी प	**नी सां - -**	**नी - सां रें**	**नी रें सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें सां रें -	**- - सां -**	**नी रें सा नी**	**प म प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "शुद्ध सारंग"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	षाडव-षाडव	रे / प	० / दोनों म म॑	ग / ग	नी़ सा रे म॑ प नी सां	सां नी ध प म प म॑ म रे स नी़ सा	दिन का द्वितीय प्रहर

स्थाई

रे म रे सा	**नी़ - सा -**	**रे म॑ प म॑**	**ध प म॑ प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म रे नी़ सा	**रे म॑ प -**	**नी - ध प**	**म - रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म॑ प नी -	**सां नी सां -**	**नी सां रें -**	**सां नी सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी ध प	**म॑ - प -**	**म - रे -**	**नी़ - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "नूर सारंग"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	षाडव-षाडव	रे / प	० / मं	ग / ग	नी़ सा रे मं प नी सां	सां नी प मं रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

रे - सा रे	**नी़ - सा -**	**रे - मं -**	**प मं प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
मं - प मं	**प - - -**	**मं - रे -**	**सा रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

मं प नी -	**सां - - -**	**नी सां रें -**	**सां - नी -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां - नी -	**प मं प -**	**मं - - प**	**मं - रे -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

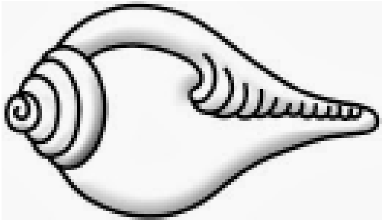

राग "सूहा"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	षाडव	म / सा	ग नी / ०	ध / ध	नी सा ग म प नी म प सां	सां नी प म प ग म रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

नी प - म | **म प - सां** | **नी प - म** | **प - ग म**
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
प ग म - | **रे सा - -** | **म - - प** | **ग म प नी**
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

अंतरा

प नी प नी | **सां - - -** | **नी सां रें सां** | **नी सां नी प**
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
नी ग म - | **प नी - सां** | **नी प म प** | **प ग म नी**
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

राग "नायकी कान्हरा"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	षाडव	म / सा	ग व दोनों नी नी / ०	ध / ध	सा रे ग म प नी सां	सां नी प म प ग म रे सा	मध्य रात्रि

स्थाई

नी सा रे प	- - - -	ग - - म	रे सा - नी
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा नी - प	सा - नी -	प सां नी प	ग म रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

प नी प नी	सां - - नी	सां रें - सं	नी सां नी प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - प नी	सां - - -	ग म रे सा	रे - सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "हंसध्वनि"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	औड़व औड़व	सा / प	० / ०	म, ध / म, ध	सा रे ग प नी सां	सां नी प ग रे सा, नी़ प़ नी़ रे सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

प - ग प	**रे - सा -**	**प़ - सा नी़**	**रे - सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा ग प ग	**प - - -**	**ग - - प**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

प - - -	**सां - - -**	**- - - -**	**- रें सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प नी सां रें	**सां - - -**	**सां नी प ग**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– गौरी श्री अंग की

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन
पूर्वी	औडव सम्पर्ण	रे / प	रे ध / म	ग ध / ०	सा रे म प नी सां	सां नी ध प म प ध प म ग रे सा	सूर्यास्त

स्थाई (क)

सा रे प –	म – प ध	प – – –	– – म –
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प – ग –	रे – म –	ग – रे –	– – सा –
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प नी –	सां नी सां –	रें – – –	सां – – –
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी ध प	म – – –	प ग रे म	ग रे सा –
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग ''गौरी'' (भैरव अंगकी)

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	सम्पूर्ण वक्र	रे / प	रे̱ ध̱ / ०	० / ०	सा रे̱ नी़ सा सा रे̱ ग म प ध̱ प प ध̱ नी सां	सां नी ध̱ प म ग रे̱ ग म ग रे̱ सा रे̱ नी़ सा ध़̱ नी़ ध़̱ सा नी़ सा	दिन का चतुर्थ प्रहर

स्थाई (क)

नी़ सा रे̱ -	**म - - -**	**प - म ग**	**रे̱ सा नी़ सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी़ - - -	**सा प म -**	**प - म ग**	**रे̱ - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प नी -	**सां - - -**	**नी - सां रें̱**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी ध̱ प	**म - - -**	**प - म ग**	**रे̱ - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "चन्द्रकौंस"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव औडव	म / सा	ग ध / ०	रे प / रे प	सा ग म ध नी सां	सां नी ध म ग स सां नी ध म ग म ग स नी़ सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

ग म ध नी	**सां - - -**	**ध म ग म**	**ग सा - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग म ग सा	**सा म ग म**	**ध म नी -**	**ध म ग सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

नी - ध नी	**सां नी सां -**	**नी - - रें**	**नी सां ध -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी सां नी	**ध - म -**	**- सां नी ध**	**म ग सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग ''झिंझोटी''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	सम्पूर्ण व षाडव-सम्पूर्ण वक्र	ग / नी	नी / ०	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

प़ ध़ सा रे	**ग म ग -**	**सा - ग रे**	**नी़ ध़ प़ -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म - प ध	**सां - - -**	**नी - ध प**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प ध सां रें	**गं - सां -**	**नी - ध नी**	**ध - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी ध प म	**ग सा रे म**	**ग - सा रे**	**नी़ ध़ सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "गुर्जरी तोड़ी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
तोड़ी	षाडव	ध / रे	रे ग ध /मं	प / प	सा रे ग मं ध नी सां	सां नी ध मं ग रे ग रे सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

ध नी ध मं	ग - मं -	ध - - मं	ग रे सा -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे ग रे सा	रे ग रे सा	ध - मं -	ध - - -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग - - -	मं - ध -	सां - - -	रें - सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी ध मं ग	मं - ध -	सां नी ध मं	ग रे सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "पहाड़ी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	औडव	सा / प	० / ०	म नी / म नी	सा रे ग प ध सां	सां ध प ग प ग रे सा	सर्व कालिक

स्थाई

ध़ ध़ प़ ध़	**ग़ - प़ -**	**ध़ - सा ध़**	**सा - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग - - -	**- रे म ग**	**सा - ग रेसा**	**ध़प़ म़प़ म़ ग़**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या ऽम	राऽ धेऽ रा धे

अन्तरा

ग - प ध	**ग - रे -**	**सां - - सां**	**ध प म ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग प सां सां	**ध - - -**	**प ग ग ग**	**ग - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "आनन्दी कल्याण"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	षाडव सम्पूर्ण वक्र	सा / प	० / ०	० / ०	सा ग मं ध प रें सां, ग म प नी सां	सां ध नी प ध म प ग, ग मं ध प रे सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

ग म ध प	**रे सा ग –**	**म – – –**	**प – ग –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प ध नी प	**ध मं प –**	**म ध प –**	**रे – सा –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प ध मं प	**सां – – –**	**– – – नी**	**सां रें सां –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें नी सां ध	**नी प ध मं**	**ग म ध प**	**रे सा रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "मधुवंती"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
तोड़ी	औडव-सम्पूर्ण	प / सा	ग / मं	रे ध / ०	नि़ सा ग मं प नी सां	सां नी ध प मं ग मं ग रे सा नि़ सा	दिन का चतुर्थ प्रहर

स्थाई

प मं ग सा	**रे - सा -**	**नि़ सा - ग**	**प मं - ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा ग प मं	**प - - -**	**मं - प ध**	**प मं ग रे**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग मं प नी	**सां - - -**	**नी - सा गं**	**रें - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - - सां	**नी ध प -**	**ध प मं ग**	**रे सा मं ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

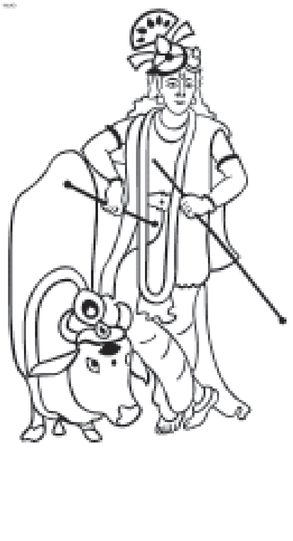

राग ''पटदीप''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव सम्पूर्ण	प / सा	ग / ०	रे ध /०	नी़ सा ग म प नी सां	सां नी ध प म ग रे सा नी़ सा	दिन का तृतीय प्रहर

स्थाई (क)

म प ग म	**प नी - -**	**धनी सां ध प**	**म - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृऽ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - ग म	**ग रे सा -**	**नी - सां नी**	**ध - प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - ग म	**प नी - -**	**सां - नी -**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प नी सां गं	**रें - सां -**	**नी - ध प**	**ध म प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

दूसरी धुन-स्थाई (ख)

म प - -	**म प ग म**	**प - नी ध**	**प - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - सां -	**नी सांनी ध प**	**म - प नी**	**ध - प -**
रा धे श्या म	रा धेऽ श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

गं - - -	- - - -	रें गं रें सां	नी - - -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां - - -	- - - नी	ध नी सां नी	प - - -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "मेघ मल्हार"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव	सा / प	दोंनो नी नी / ०	ध ग ध ग	सा (म) रे म प नी नी सां	सां नी प म रे म नी़ रे सा	वर्षा ऋतु

स्थाई

म - रे -	प - - -	म रे सा रे	नी़ रे सा -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा - म -	रे - सा -	नी़ प़ नी़ नी़	सा - - -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प नी -	प नी सां -	- - - -	नी रें सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी प नी -	सां - - -	नी प म रे	प म रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "रजनी-कल्याण"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	औडव औडव	ग / नी	नी / ०	रे ध / रे ध	सा ग म प नी सां	सां नी प म ग सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

प - नी म	**प - - -**	**सां - - -**	**नी प म -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - म प	**नी म प -**	**प - म प**	**म - ग -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - नी -	**सां - - -**	**गं मं रें नी**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
पनी म प सां	**नी प म -**	**प - म -**	**ग - - -**
राऽ धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "तिलंग"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
खमाज	औडव	ग / नी	दोनों नी नी / ०	रे ध / रे ध	सा ग म प नी सां	सां नी प म ग सा	रात्रि का द्वितीय प्रहर

स्थाई

ग म प -	**प सां नी सां**	**नी प ग म**	**ग - - सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा - - -	**म - ग -**	**प - म प**	**म - ग -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग - - म	**नी - प -**	**नी - सां नी**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - - सां	**गं सां नी प**	**सां - नी प**	**म प म ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "हेमंत"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	औडव सम्पूर्ण	प / रे	० / ०	रे प / ०	सा ग म ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	रात्रि का द्वितीय प्रहर

स्थाई

ग म ध -	**नी - सां रें**	**नी सां - -**	**नी ध म ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध नी सां -	**नी ध प म**	**नी - ध प**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ध - सां नी	**सां - - -**	**नी सां ध नी**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां - - -	**नी - ध -**	**नी ध प -**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "सामंत सारंग"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव	रे / प	दोनों नी नी / ०	ग ध / ग ध	स रे म प नी सं	सं नी प म रे स	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

रे - म प	**नी ध प म**	**रे प म रे**	**नी़ सा रे म**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे - - सा	**नी़ - सा -**	**रे - म रे**	**प म रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म - प -	**नी - प -**	**नी - सां नी**	**सां - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां रें सां -	**नी ध प -**	**प नी ध प**	**म रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "धानी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव	ग / नी	ग नी / ०	रे ध / रे ध	सा ग म प नी सां	सां नी प म ग सा	सर्व कालिक

स्थाई

सा रे नी़ सा	**ग – – म**	**प ग – म**	**ग रे सा –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग म नी सां	**सां नी म प**	**ग रे नी़ सा**	**ग – म –**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प – ग म	**प – नी –**	**सां – – –**	**नी – सां –**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी – – –	**सां रें सां –**	**नी प नी प**	**म – प ग**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "धनाश्री" (भैरवी अंग)

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	औडव संपूर्ण	प / सां	नी ग / ०	रे ध / ०	सा ग म प नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	दिन का तीसरा प्रहर

स्थाई

म ग रे सा	**रे नी़ सा ग**	**म प - ग**	**म ग रे सा**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे नी़ सा ग	**ग म प -**	**प म प नी**	**ध - प -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग म प नी	**प नी सां -**	**रें - सां -**	**नी - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी सां - -	**नी ध प -**	**ग म प -**	**म ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "धनाश्री" (भीमपलासी अंग)

स्थाई

प - नी प	**ग म प -**	**म - प -**	**नी ध प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - म ग	**- - म प**	**प - ग म**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

प - ग म	**प - नी -**	**सां - - -**	**नी - सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी - सां रें	**सां नी ध प**	**प - नी प**	**म ग म प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "धनाश्री" (खमाज अंग)

स्थाई

प ग म प	**नी - - -**	**सां - <u>नी</u> ध**	**प - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
म प ध प	**ध म प -**	**ग - - म**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

ग म प नी	**सां - - -**	**सां ध प म**	**प नी सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प नी सां रें	**सां <u>नी</u> ध प**	**ग म ग रे**	**स ग म प**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग ''देवगिरि बिलावल''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	औडव सम्पूर्ण	सा / प	दोनों नि नी / ०	म नी / ०	सा रे ग म, ग प ध नी ध सां	सां नी ध नि प म ग रे सा	दिन का प्रथम प्रहर

स्थाई

सा रे ग रे	**सा नी़ ध़ प़**	**ग - - -**	**- म ग रे**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग म नि ध	**प - - -**	**ग रे ग म**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - नी ध	**सां - - -**	**नी ध सां -**	**ध नि प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध नि ध प	**ग म ग रे**	**प म ग रे**	**सा रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

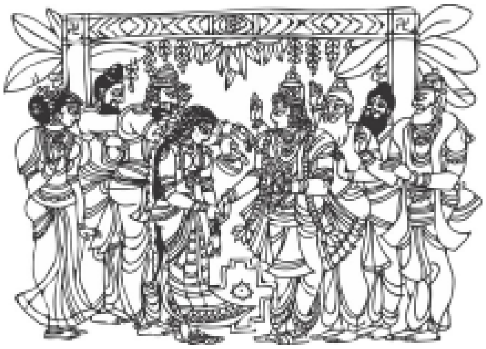

राग "यमनी बिलावल"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
बिलावल	संपूर्ण	सा / प	० / म म॑ दोनों	० / ०	सा रे ग, म ग, प म॑ ध, नी सां	सां नी ध प ग म ग रे, ग रे सा	प्रातः काल

स्थाई

ग रे नी़ रे	**ग - - -**	**म॑ प म ग**	**- रे सा -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे ग म॑ प	**नी ध म॑ प**	**ग म ग रे**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग प नी ध	**नी - सां -**	**नी रें गं मं**	**गं रें सां -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी रें सां नी	**ध प म॑ प**	**ग म ग रे**	**ग रे सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "भूपेश्वरी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
भैरव	औडव	ग / ध	ध / ०	म नी / म नी	सा रे ग प ध सां	सां ध प ग रे सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

सा प़ ध़ प़	**सा – – –**	**सा रे ग प**	**रे ग सा रे**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग – ध –	**प – – –**	**रे – ग प**	**रे ग रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

ग प ध प	**सां – – –**	**सां रें गं रें**	**सां – प ग**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ग – – प	**ध सां प –**	**ग रे ग प**	**ग रे – सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "किरवानी"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
किसी भी थाट के अन्तर्गत नहीं हैं।	सम्पूर्ण	प / सा	ग ध / ०	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा	रात्रि का दूसरा प्रहर

स्थाई

प ग - सा	**रे - - सा**	**रे ग म प**	**ध - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
ध प म ग	**रे - सा -**	**नी़ सा रे ग**	**म ध प ध**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प ध सां नी	**सां - - -**	**सां नी सां रें**	**सां नी ध प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी सां -	**नी - ध म**	**प - - -**	**म ग रे -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग– ''चारूकेशी''

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
किसी भी थाट के अन्तर्गत नहीं हैं।	सम्पूर्ण	सा / म	ध नी / ०	० / ०	सा रे ग म प ध नी सां	सां नी ध प म ग रे सा,ध़ नी़ सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई (क)

ध – – प | ध – – – | प – म ग | प – – –
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
म – प म | ग म ग म | रे ग म ग | प – – –
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

अन्तरा

सां नी ध सां | नी ध – प | नी ध प नी | ध – प –
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
म – ध प | म – – – | रे – ग म | प – – –
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

दूसरी धुन स्थाई

ध़ नी़ सा रे | ग – – – | रे – नी़ – | सा ग रे सा
रा धे कृ ष्ण | रा धे कृ ष्ण | कृ ष्ण कृ ष्ण | रा धे रा धे
म – प ध | नी ध प म | म प ध नी | ध – प –
रा धे श्या म | रा धे श्या म | श्या म श्या म | रा धे रा धे

अन्तरा

प ध नी -	**सां - - -**	**रें सां नी -**	**ध - प -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - ध प	**म प - म**	**प म ग रे**	**ग रे सा नी**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "शहाना"

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	सम्पूर्ण	प / सा	नी ग / ०	० / ०	नी सा ग म प नी ध प सां	सां नी ध नी प म प ग म रे सा	रात्रि का तीसरा प्रहर

स्थाई

ध प - -	**ध म प सां**	**ध - नी प**	**म प ग म**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सा - - -	**म - - -**	**प ग - म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म प नी -	**सां - - -**	**नी - सां -**	**ध - नी प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें - सां -	**ध - नी प**	**म - प -**	**ग म रे सा**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग शोभावरी (शुद्ध गुणकली)

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
आसावरी	औडव औडव	० / ०	ध / ०	ग नी / ग नी	सा रे म प ध सां	सां ध प म रे सा ध सा	दिन का दूसरा प्रहर

स्थाई

सा	**रे**	**म**	-	|	**प**	**म**	**प**	**सां**	|	**ध**	-	-	-	|	**प**	-	-	-
रा	धे	कृ	ष्ण	|	रा	धे	कृ	ष्ण	|	कृ	ष्ण	कृ	ष्ण	|	रा	धे	रा	धे
रे	-	**म**	-	|	**प**	-	-	-	|	**ध**	-	**प**	**म**	|	**रे**	-	**सा**	-
रा	धे	श्या	म	|	रा	धे	श्या	म	|	श्या	म	श्या	म	|	रा	धे	रा	धे

अन्तरा

म	-	**प**	-	|	**ध**	-	-	-	|	**सां**	-	-	-	|	**रें**	-	**सां**	-
रा	धे	कृ	ष्ण	|	रा	धे	कृ	ष्ण	|	कृ	ष्ण	कृ	ष्ण	|	रा	धे	रा	धे
रें	-	**ध**	-	|	**प**	**म**	**प**	-	|	**प**	**म**	**रे**	**म**	|	**रे**	-	**सा**	-
रा	धे	श्या	म	|	रा	धे	श्या	म	|	श्या	म	श्या	म	|	रा	धे	रा	धे

jk/k jk/k

✿✿✿

राग (श्यामकल्याण)

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
कल्याण	षाडव-सम्पूर्ण	सा / म	० / दोनों म म॑	ग / ०	नी़ सा रे म प ध प नी सां	सां नी ध, म॑ प ग म रे, नी़ सा	रात्रि का प्रथम प्रहर

स्थाई

म रे नी़ सा	नी़ सा रे म	प - म प	ग म रे -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प नी सां रें	प ध म॑ प	ग - म -	रे सा नी़ सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

प - सां -	- - - -	नी रें नी सां	नी सां ध प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी ध प	म॑ प ग म	प - ग म	रे - सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

jk/k jk/k

सूर मल्हार एवं मीरा मल्हार

ब्रज का प्रिय राग मल्हार है। वर्षा ऋतु में नायिकाओं का विरह एवं नायकों का मिलन विशेष रसद होता है। इसलिए सूरदास जी और मीरा प्रभृति ने भी इसको गया है। थोड़ा- थोड़ा परिवर्तन मिलता है। जैसे-

सूर मल्हार में आरोह में- **सा रे म प नी सां** सब स्वर शुद्ध हैं एवं अवरोह में **नी** कोमल- **सा नी ध म प म रे सां**। इस प्रकार उन्होंने जो मल्हार गाया उसे सूर मल्हार कहते हैं।

इसी को मीरा जी ने भी गाया है, दोनों काफी थाट में है। सूरदास जी ने '**म**' वादी और '**सा**' संवादी माना है यही मीरा जी ने भी माना है।

सांधनीप मपगम रेनीसा। नीसा रेगमप नीधनीसां।

मीरा जी ने '**ध नी**' कोमल करके कान्हरा अंश ले लिया है एवं दोनों धैवत और गौड़ मल्हार की छाया लेकर शुद्ध **ग** का भी प्रयोग किया है। इस प्रकार मीरा जी ने मल्हार गाया जिसे मीरा मल्हार कहते हैं।

सूर मल्हार

स्थाई

नी - प म	रे सा नी़ सा	सां - - -	नी - म प
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रे म रे -	सा - - -	नी़ सा रे सा	रे म रे सा
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प -	नी - म प	नी - - -	सां - - -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी सा रें मं	रें - - -	नी सां रें सां	नी - म प
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

मीरा मल्हार

स्थाई

सा - रे प	ग - - म	रे - सा -	रे - सा -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी़ सा रे सा	नी़ - म़ प़	म़ प़ नी़ ध़	नी़ - सा -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

म - प -	नी - म प	नी - सां -	रें - सां -
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
रें - सां -	नी सां रें सां	ध - नी प	ग - म -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

थाट	जाति	वादी/संवादी	कोमल/तीव्र	वर्जित स्वर आरोह/अवरोह	आरोह	अवरोह	गायन समय
काफी	षाडव-सम्पूर्ण	प / सा	ग दोनों नी / ०	ध / ०	सा रे ग म प ध नी सा	सानीधप मप गमरेसा	दिन का दूसरा पहर

राग "सुघराई"

स्थाई

सा रे म रे	**प ग - म**	**रे - - -**	**सा - - -**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
नी नी ध म	**प - - -**	**ग - - म**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अंतरा

म प नी प	**नी - सां -**	**रें - सां -**	**- ध नी प**
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां नी ध नी	**ध पम रेसा रे**	**ग - म प**	**रे - सा -**
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

राग "मलयालम" (दक्षिणी)

स्थाई

प - - -	प - नी ध	म - प म	ग सा ग म
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
प - - -	म - प म	ध प म प	म - ग -
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

अन्तरा

सां - - -	- - गं रें	सां नी ध नी	ध प ग म
रा धे कृ ष्ण	रा धे कृ ष्ण	कृ ष्ण कृ ष्ण	रा धे रा धे
सां - - -	नी - - -	ध सां नी ध	प म ग म
रा धे श्या म	रा धे श्या म	श्या म श्या म	रा धे रा धे

(संगीत स्वरलिपि के सांकेतिक चिन्ह)

मंद्र सप्तक	–	ऩी ध़ प़
मध्य सप्तक	–	स रे ग
तार सप्तक	–	सं रें गं
कोमल स्वर	–	<u>रे</u> <u>ग</u>
तीव्र स्वर	–	म॑
कोष्ठ	–	गम (अर्धमात्रिक स्वर)